



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-09052026-272395
CG-DL-W-09052026-272395

साप्ताहिक/WEEKLY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 9—मई 15, 2026 (वैशाख 19, 1948)
No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 9—MAY 15, 2026 (VAISAKHA 19, 1948)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.		पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं, ...	185	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं, ...	*
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं, ...	451	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं), ...	*
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं, ...	1	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश, ...	*
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं, ...	681	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, ...	1225
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम, ...	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस, ...	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ, ...	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, ...	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट, ...	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं, ...	1
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं), ...	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस, ...	3373
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को		भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्णक, ...	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	185	(other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	451	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	1	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	681	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1225
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations.....	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	3373
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 2026

सं. 40-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, बिहार पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	कुंदन कृष्णन्, भा.पु.से.	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	अर्जुन लाल	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	जितेंद्र सिंह	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.03.2002 को छपरा जेल के सभी कैदियों ने संजय राय, वकील राय, शशि भूषण सिंह और जटा शंकर सिंह की अगुवाई में अपने साथियों के साथ, गृह विभाग, बिहार के छपरा जेल से भागलपुर तथा बक्सर की जिलों में उनके स्थानांतरण के आदेश से उग्र होकर, जेल के कर्मचारियों, पुलिस कार्मिकों और मजिस्ट्रेटों के साथ झड़प शुरू कर दी, जिन्हें स्थानांतरण के उपरोक्त आदेश को निष्पादित करने के लिए नियुक्त किया गया था। उन्होंने अपने बार्डों के गेटों को क्षतिग्रस्त कर दिया तथा जेल परिसर में सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। उनके हिंसक कृत्यों ने जेल के नियमित कामकाज को बुरी तरह बाधित किया तथा जेल के अन्य कैदियों और जेल कार्मिकों के बीच अव्यवस्था, दहशत और आतंक पैदा कर दिया। पुलिस, मजिस्ट्रेट और जेल अधिकारियों द्वारा उन्हें शांत करने के सभी प्रयास व्यर्थ गए। सरकारी कार्मिकों के साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें जबरन जेल परिसर से बाहर निकाल दिया गया। इन आक्रामक कैदियों ने जेल पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया। दिनांक 29.03.2002 तक यह स्थिति बनी रही। इन दो दिनों के दौरान, विद्रोही कैदियों ने बाहर से हथियार और विस्फोटक/बम एकत्र कर लिए क्योंकि उनका जेल परिसर पर पूर्ण नियंत्रण था और जेल परिसर के चारों ओर की सड़क एक सामान्य रास्ता थी जहां से उनके साथी उपरोक्त सामान को परिसर में फेंकने में कामयाब रहे। यह उल्लेखनीय है कि उस समय छपरा मंडल जेल के अंदर लगभग 1200 कैदी थे।

दिनांक 30.03.2002 को स्थिति और बिगड़ गई तथा स्थिति को संभालने के लिए, कुंदन कृष्णन्, पुलिस अधीक्षक सारण के नेतृत्व में पुलिस कार्मिकों को तैनात किया गया और जेल परिसर को दंगाई कैदियों से प्रशासनिक नियंत्रण में वापस लाने के लिए कार्रवाई शुरू की गई। बार-बार चेतावनी देने के बावजूद, दंगाई कैदियों ने पुलिस दल पर पत्थर फेंकना जारी रखा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तथा अन्य कोई विकल्प न होने के कारण, कुंदन कृष्णन्, पुलिस अधीक्षक सारण ने अर्जुन लाल, पुलिस उप-निरीक्षक और सिपाही जितेंद्र सिंह के साथ जेल की दीवार पर चढ़ने का निर्णय लिया। आक्रामक कैदियों द्वारा फेंके जा रहे पत्थरों का सामना करते हुए ये पुलिस कार्मिक जेल की दीवार पर चढ़ने में सफल रहे और उन्होंने दीवार से सटे जेल के प्रशासनिक भवन की छत पर पोजीशन ले ली। इस स्थान से, पत्थरबाजी करने वाले कैदियों से वापस अपने बार्ड में जाने और जेल के बाहरी परिसर को खाली करने की अपील की गई। हालांकि, कैदी और अधिक हिंसक हो गए और उन्होंने पत्थर तथा बम फेंकना शुरू कर दिया, कुछ गोलीबारी भी शुरू हो गई जिससे पुलिस दल बाल-बाल बचा। इस घटना में पुलिस अधीक्षक सारण के पैर और हाथ में मामूली चोटें आईं। चोटों के बावजूद, पुलिस अधीक्षक सारण ने उप-निरीक्षक अर्जुन लाल के साथ अपने सहयोगियों का नेतृत्व किया और अपनी पोजीशन पर अडिग रहे। सशस्त्र कैदियों ने दी जा रही चेतावनियों को अनसुना करते हुए अपने हिंसक कृत्यों को जारी रखा। उन्होंने गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल करके, जिन्हें वे जेल के गेट पर लाए थे, से जेल के मुख्य गेट को उड़ाने की धमकी भी दी। उन्होंने पुलिस बैरकों से सटी जेल की पश्चिमी दीवार को तोड़ना शुरू कर दिया। उनके इरादे को भांपते हुए, पुलिस अधीक्षक सारण ने पुलिस कार्मिकों को हिंसक कैदियों को वापस अपनी बैरकों में लौटने के लिए मजबूर करने के लिए प्रभावी गोलीबारी शुरू करने का निदेश दिया। इस प्रकार दंगाई कैदियों को अपनी बैरकों में वापस जाने के लिए मजबूर किया गया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक सारण अपने साथ आए कुछ पुलिस कार्मिकों के साथ प्रशासनिक भवन की छत से नीचे उतरकर जेल परिसर में दाखिल हुए। फिर उन्होंने जेल के गेट से गैस सिलेंडर हटा दिए जिससे वेल्डिंग मशीनों के उपयोग

से जेल के जाम मुख्य गेट को काटने के लिए जगह मिल गई। जैसे ही पुलिस दल जेल परिसर में दाखिल हुए, जेल परिसर में पोजीशन लिए सशस्त्र कैदियों ने प्रवेश करने वाले पुलिस कार्मिकों पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया और उन पर गोलियों की एक बौछार की। कुछ समय के लिए, पूरा जेल परिसर युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो गया। पुलिस और प्रशासन के प्रति कोई सम्मान न रखने वाले विद्रोही कैदी आत्मसमर्पण करने के मूड में नहीं थे और उन्होंने कट्टर अपराधियों के एक गिरोह की तरह काम किया। कोई विकल्प न मिलने पर पुलिस अधीक्षक सारण के नेतृत्व में पुलिस कार्मिकों ने जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। यह स्थिति आधे घंटे तक जारी रही। अंततः, पुलिस की जवाबी कार्रवाई ने आक्रामक कैदियों को गोलीबारी बंद करने और आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर दिया। लगभग 14:30 बजे, पुलिस के साथ नियुक्त मजिस्ट्रेटों द्वारा की गई तलाशी के दौरान, हथियारों तथा जिंदा कारतूसों के साथ 4 (चार) कैदियों के शव पाए गए। अन्य 7 (सात) कैदी घायल पाए गए और उन्हें निकालकर अस्पताल ले जाया गया जहां बाद में चोटों से दो अन्य कैदियों की मौत हो गई। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि उपरोक्त कार्रवाई के दौरान पुलिस द्वारा कुल 48 आंसू गैस के गोले, तीन आंसू गैस के हथगोले और 234 राउंड दागे गए।

इस हिंसक घटना के दौरान, जो 3-4 घंटे तक चली, कुंदन कृष्णन्, पुलिस अधीक्षक सारण और उप-निरीक्षक अर्जुन लाल द्वारा प्रदर्शित नेतृत्व, कर्तव्य के आह्वान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा सबसे प्रतिकूल परिस्थिति में उनकी बहादुरी के कृत्य को प्रदर्शित करता है। पुलिस अधीक्षक सारण ने अपने सहयोगियों के साथ, जान को अत्यंत जोखिम में डालते हुए, सामने से गुणात्मक नेतृत्व का प्रदर्शन किया। उपरोक्त दोनों अधिकारियों ने अपने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प के बल पर एक हजार से अधिक कैदियों द्वारा जेल से भागने की हिंसक घटना को रोका।

इस ऑपरेशन में, बिहार पुलिस के सर्व/श्री कुंदन कृष्णन्, भा.पु.से., पुलिस अधीक्षक, अर्जुन लाल, उप-निरीक्षक और जितेंद्र सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 30.03.2002 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 41-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अमित नारा	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	ब्रज पाल सिंह कुशवाह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	सतीश कुमार	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	उधम सिंह	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26.11.2023 को, एक स्रोत से कुख्यात केटीएफ आतंकवादी तथा अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टर अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला से जुड़े दो शार्पशूटरों के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई, जो दिल्ली के मयूर विहार के पास हथियार तथा पैसे लेने के लिए गुप्त बैठक की योजना बना रहे थे। निरीक्षक अमित नारा, उप-निरीक्षक सतीश कुमार, सहायक उप-निरीक्षक उधम और उप-निरीक्षक ब्रज पाल सिंह कुशवाह अन्य पुलिस कार्मिकों के साथ मिलकर संदिग्धों को पकड़ने के लिए तुरंत निकल पड़े।

घटनास्थल पर पहुंचकर कार्मिकों ने संदिग्धों का सामना करने के लिए रणनीतिक रूप से मोर्चा संभाला। जब संदिग्धों ने एक मोटरसाइकिल पर भागने का प्रयास किया, तो पुलिस वर्दी में उप-निरीक्षक ब्रज पाल सिंह कुशवाह उन्हें रोकने के लिए आगे बढ़े। उनके आदेशों के बावजूद, संदिग्धों ने जल्दबाजी में भागने का प्रयास किया, जिसके परिणामस्वरूप उनका पीछा किया गया और अंततः मुठभेड़ हुई।

भागने की हताश कोशिश में, अपराधियों ने आगे बढ़ रही पुलिस टीम पर निशाना साधते हुए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें निरीक्षक अमित नारा और सहायक उप-निरीक्षक उधम सिंह की बुलेटप्रूफ जैकेट के सामने वाले हिस्से पर गोलियां लगीं, जो उनकी अटूट बहादुरी का प्रमाण है। गोलियों की बौछार से विचलित हुए बिना, निरीक्षक अमित नारा, सहायक उप-निरीक्षक उधम सिंह और उप-निरीक्षक ब्रज पाल सिंह कुशवाह ने खतरे को बेअसर करने और अपने टीम के सदस्यों की रक्षा के लिए जवाबी गोलीबारी की।

असाधारण वीरता का परिचय देते हुए, निरीक्षक अमित नारा, उप-निरीक्षक ब्रज पाल सिंह कुशवाह और उप-निरीक्षक सतीश कुमार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संदिग्धों को पकड़ लिया। हाथापाई के दौरान निरीक्षक अमित नारा, उप-निरीक्षक ब्रज पाल सिंह कुशवाह ने संदिग्ध के हाथ से पिस्तौल छीन ली। हालांकि, स्थिति तब और गंभीर हो गई जब संदिग्ध ने अपने बैग में हाथ डाला, जिस पर निरीक्षक अमित नारा को

तुरंत कार्रवाई करनी पड़ी। त्वरित प्रतिक्रिया के साथ, उन्होंने संदिग्ध का हाथ पकड़ लिया और उसे उस वस्तु को निकालने से रोक दिया। अपनी सूझबूझ का इस्तेमाल करते हुए, निरीक्षक अमित नारा ने तुरंत संदिग्ध को निहत्था कर दिया और बाद में, पता चला कि उसके पास एक हैंड ग्रेनेड था, जो एक घातक हथियार साबित हो सकता था। इस बीच, सहायक उप-निरीक्षक उधम सिंह, उप-निरीक्षक सतीश कुमार ने दूसरे संदिग्ध को भी सफलतापूर्वक पकड़ लिया और हमलावर द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियार को कब्जे में ले लिया, जिससे सभी शामिल लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई और एक संभावित विध्वंसकारी घटना टल गई।

अपने वीरतापूर्ण प्रयासों के माध्यम से, निरीक्षक अमित नारा, उप-निरीक्षक सतीश कुमार, सहायक उप-निरीक्षक उधम सिंह और उप-निरीक्षक ब्रज पाल सिंह कुशवाह ने कानून का पालन करने तथा समुदाय की रक्षा के लिए अपने जीवन को जोखिम में डालकर असाधारण वीरता और कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में, दिल्ली पुलिस के सर्व/श्री अमित नारा, निरीक्षक, ब्रज पाल सिंह कुशवाह, उप-निरीक्षक, सतीश कुमार, उप-निरीक्षक और उधम सिंह, सहायक उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 26.11.2023 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 42-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मनोज कुमार	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	अंशु चौधरी	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	अलीम अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08.08.2024 को, गुप्त सूचना मिली कि दरियागंज, दिल्ली निवासी रिजवान अली जो कि एनआईए द्वारा वांछित आतंकवादी है और जिस पर 3 लाख रुपये का इनाम है, फरीदाबाद-दिल्ली सीमा क्षेत्र में किसी आपराधिक गतिविधि को अंजाम देने के लिए घूम रहा है और वह तुगलकाबाद जैव विविधता पार्क, दिल्ली के पास आएगा तथा उसके पास अत्याधुनिक अवैध हथियार और गोला-बारूद भी है। इस पर कार्रवाई करने हेतु निरीक्षक मनोज कुमार, उप-निरीक्षक अंशु चौधरी, हेड कांस्टेबल अलीम अहमद और अन्य सहित एक छापेमारी दल का गठन किया गया। रात को लगभग 10:10 बजे, छापेमारी दल सूचना वाले स्थान पर पहुंचा। दल को जानकारी दी गई और सूचना वाले स्थान के आसपास के रणनीतिक जगहों पर तैनात किया गया।

रात को लगभग 11:25 बजे एक व्यक्ति काले रंग की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर महारौली बदरपुर रोड से आया और मां आनंदमयी मार्ग की ओर बढ़ा। मुखबिर ने सवार की पहचान वांछित आतंकवादी रिजवान अली के रूप में की। इसी बीच संदिग्ध व्यक्ति बायीं तरफ चौधरी गंगा बख्श मार्ग की ओर मुड़ गया। पुलिस की मौजूदगी का आभास होते ही उसने तुगलकाबाद गांव की ओर भागने की कोशिश की लेकिन सामने से भी पुलिस टीम को देखकर उसने अपनी बाइक धीमी कर दी और बाइक से कूदकर सड़क किनारे की दीवार की ओर भागने लगा।

निरीक्षक मनोज कुमार और उप-निरीक्षक अंशु चौधरी, जो कि स्कॉर्पियो कार में संदिग्ध का पीछा कर रहे थे, तुरंत चलती कार से नीचे उतर गए। सामने से आ रहे हेड कांस्टेबल अलीम अहमद भी मोटरसाइकिल से उतर गए और उन्होंने संदिग्ध को घेरने की कोशिश की। पुलिस दल ने बार-बार "पुलिस-पुलिस, हम पुलिस हैं, रुक जाओ" चिल्लाकर उसे आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन आत्मसमर्पण करने के बजाय उसने पिस्तौल निकालकर पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की और भागने की कोशिश की। गोलीबारी की दिशा में होने से आरोपी रिजवान द्वारा चलाई गई एक-एक गोली निरीक्षक मनोज कुमार और उप-निरीक्षक अंशु चौधरी की बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी।

बुलेट प्रूफ जैकेट पर गोली लगने के बावजूद, संदिग्ध को पकड़ने और टीम के सदस्यों की सुरक्षा के लिए निरीक्षक मनोज कुमार, उप-निरीक्षक अंशु चौधरी और हेड कांस्टेबल अलीम अहमद ने भी आत्मरक्षा में गोली चलाई। संदिग्ध ने भागने के लिए सड़क के किनारे की दीवार पर चढ़कर दूसरी तरफ कूदने की कोशिश की। लेकिन निरीक्षक मनोज कुमार, उप-निरीक्षक अंशु चौधरी और हेड कांस्टेबल अलीम अहमद अत्यंत सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना, रिजवान अली पर झपट पड़े। अपनी जान की परवाह किए बिना, उप-निरीक्षक अंशु चौधरी और हेड कांस्टेबल अलीम अहमद ने थोड़ी सी हाथापाई के बाद रिजवान अली को काबू में कर लिया, जबकि निरीक्षक

मनोज कुमार ने रिजवान अली के दाहिने हाथ से भरी हुई पिस्तौल छीन ली। पिस्तौल भरी हुए मिली, जिसमें मैगजीन में दो जिंदा कारतूस और उसके चैम्बर में एक जिंदा कारतूस था। गोलीबारी के दौरान, पुलिस दल ने आत्मरक्षा में कुल पांच राउंड दागे।

निरीक्षक मनोज कुमार, उप-निरीक्षक अंशु चौधरी और हेड कांस्टेबल अलीम अहमद के वीरतापूर्ण कार्य की न केवल पुलिस के उच्च अधिकारियों और मीडिया ने, बल्कि आम जनता ने भी सराहना की। उन्होंने निडरता से और भयभीत हुए बिना वीरता से इस खूंखार आतंकवादी का सामना किया और अपनी जान की परवाह किए बिना सामने से गोलीबारी के बीच इस आतंकवादी को पकड़ते हुए अदम्य साहस, समर्पण, सूझबूझ और असाधारण वीरता का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में, दिल्ली पुलिस के सर्वश्री मनोज कुमार, निरीक्षक, अंशु चौधरी, उप-निरीक्षक और अलीम अहमद, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 08.08.2024 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 43-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	प्रमोद सिंह कुशवाह	अपर पुलिस आयुक्त	वीरता पदक
2.	राजीव कुमार	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	शिवू र.स	उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.01.2024 को एक विश्वसनीय गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि "ए" श्रेणी का एक आतंकवादी, जो कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) का सदस्य है तथा जिस पर 10 लाख रुपये का इनाम है और जो जम्मू और कश्मीर में 11 आतंकी मामलों में वांछित है, जिनमें 5 सुरक्षा कार्मिकों की हत्या, पुलिस अधीक्षक सोपोर के आवास पर आरपीजी और हेड ग्रेनेड से हमला, सोपोर पुलिस स्टेशन में आईईडी विस्फोट और सोपोर पुलिस स्टेशन, एसबीआई परिसर, हथिशाह में सीआरपीएफ शिविर, बीएसएनएल कार्यालय सोपोर और चनखान सोपोर में ग्रेनेड से हमले की 4 घटनाओं शामिल है नामतः जावेद अहमद मट्टू उर्फ इरशाद अहमद मल्ला उर्फ एहसान पुत्र अब्दुल गनी मट्टू निवासी खुशाल मट्टू, ओल्ड टाउन, सोपोर, जम्मू और कश्मीर डीएनडी फ्लाईवे, दिल्ली के पास एक सफेद सैंट्रो कार में, भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और ग्रेनेड की डिलीवरी लेने जा रहा है तथा वह जम्मू और कश्मीर तथा देश के अन्य हिस्सों में किसी बड़े आतंकवादी हमले को अंजाम देने वाला है। सूचना के आधार पर, डीएनडी फ्लाईवे के आसपास घेरा डाला गया। एक छापेमारी दल का गठन किया गया। श्री प्रमोद सिंह कुशवाह, अपर पुलिस आयुक्त ने उप-निरीक्षक राजीव कुमार और उप-निरीक्षक शिवू र.स के साथ डीएनडी फ्लाईवे और मयूर विहार लूप पर पोजीशन ले ली।

शाम को लगभग 04:00 बजे, मयूर विहार टोल प्लाजा से डीएनडी फ्लाईवे की ओर एक सफेद रंग की सैंट्रो कार आती हुई देखी गई। मुखबिर द्वारा कथित कार के चालक की पहचान जावेद अहमद मट्टू के रूप में की गई। श्री प्रमोद सिंह कुशवाह ने उप-निरीक्षक अंशु के साथ मिलकर "पुलिस-पुलिस रुको-रुको" चिल्लाते हुए उसे रुकने का इशारा किया। आधे किलोमीटर तक उसका पीछा करने के बाद, उसकी कार को ओवरटेक करके रोक दिया गया। जावेद अहमद मट्टू कार से बाहर निकला और पुस्ते की ओर भागने लगा। श्री प्रमोद सिंह कुशवाह, अपर पुलिस आयुक्त ने उप-निरीक्षक राजीव कुमार और उप-निरीक्षक शिवू र.स के साथ उसका पीछा किया। पुलिस दल को आते देख जावेद अहमद मट्टू ने उन्हें मारने के इरादे से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और मौके से भागने की कोशिश की। इसके बाद, आत्मरक्षा में श्री प्रमोद सिंह कुशवाह, अपर पुलिस आयुक्त ने उप-निरीक्षक राजीव कुमार और उप-निरीक्षक शिवू र.स के साथ मिलकर अपनी सरकारी पिस्तौल से क्रमशः 3, 3 और 2 राउंड दागे। थोड़ी देर एक-दूसरे पर चली गोलीबारी के दौरान श्री प्रमोद सिंह कुशवाह, अपर पुलिस आयुक्त को उनकी बुलेट प्रूफ जैकेट पर गोली लगने से चोट आई। प्रमोद सिंह कुशवाह, उप-निरीक्षक राजीव कुमार और उप-निरीक्षक शिवू र.स ने जावेद अहमद मट्टू को उस समय काबू में कर लिया, जब वह पुलिस दल पर गोली चला रहा था। थोड़ी देर की हाथापाई के बाद श्री प्रमोद सिंह कुशवाह ने जावेद अहमद मट्टू से भरी हुई पिस्तौल छीन ली।

उनके वीरतापूर्ण कृत्य की न केवल पुलिस के उच्च अधिकारियों और मीडिया ने, बल्कि आम जनता ने भी सराहना की। उन्होंने निडरता और साहस का परिचय देते हुए अपनी जान जोखिम में डाली और इस खतरनाक आतंकवादी का बहादुरी से सामना किया तथा उन्होंने अदम्य

साहस, समर्पण, सूझबूझ और असाधारण वीरता का परिचय दिया। उपरोक्त अधिकारियों की इस साहसिक और समय पर की गई कार्रवाई ने दिल्ली और देश के विभिन्न हिस्सों में होने वाले एक बड़े आतंकवादी हमले को टाल दिया और कई निर्दोष लोगों की जान बचाई।

इस ऑपरेशन में, दिल्ली पुलिस के सर्वश्री प्रमोद सिंह कुशवाह, अपर पुलिस आयुक्त, राजीव कुमार, उप-निरीक्षक और शिबू र.स, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 04.01.2024 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 44-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	निशांत दहिया	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	मंजीत जागलान	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	अमित भाटी	उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11/12.10.2023 की मध्यरात्रि को, काउंटर इंटेलिजेंस, स्पेशल सेल, दिल्ली की टीम को कनाडा स्थित भगोड़े और घोषित आतंकवादी अर्शदीप सिंह अर्श डल्ला से जुड़े दो शार्पशूटर्स की दिल्ली में गतिविधियों के संबंध में विशिष्ट जानकारी प्राप्त हुई। एक सुनियोजित और सावधानीपूर्वक तैयार रणनीतिक अभियान चलाते हुए, दोनों संदिग्धों को 11-12 अक्टूबर, 2023 की मध्यरात्रि को सराय काले खान के उत्तर में रिंग रोड पर रोका गया। हालांकि, जब टीम ने उन्हें रुकने के लिए कहा, तो आरोपियों में से एक ने पुलिस टीम की ओर गोली चला दी, जो उप-निरीक्षक अमित भाटी और सहायक उप-निरीक्षक नवीन कुमार के बेहद करीब से निकल गई, जिसने पूरी टीम पूरी तरह से चौंका दिया। इसके साथ ही, एक अन्य संदिग्ध ने अपने पास से एक जिंदा विस्फोटक हैंड ग्रेनेड निकाला और पुलिस टीम को नुकसान पहुंचाने के लिए उसकी पिन निकालने की कोशिश की।

इस तरह की कार्रवाई के परिणाम विनाशकारी हो सकते थे, जिसके परिणामस्वरूप टीम के सदस्यों, स्थानीय लोगों और यहां तक कि संदिग्धों को भी गंभीर नुकसान हो सकता था। फिर भी, असाधारण साहस का प्रदर्शन करते हुए और अपनी जान की परवाह किए बिना, निरीक्षक निशांत दहिया, उप-निरीक्षक मंजीत जागलान और उप-निरीक्षक अमित भाटी ने असाधारण वीरता, निस्वार्थता और जान की परवाह किए बिना, वीरता के समन्वित कृत्य में अपराधियों को पकड़ने के लिए तुरंत कार्रवाई की।

उप-निरीक्षक अमित भाटी ने अत्यंत साहस का प्रदर्शन करते हुए, एक बड़ी चुनौती देते हुए और आगे बढ़कर रणनीतिक रूप से अपराधियों का ध्यान अपनी ओर खींचा तथा अगुवाई करते हुए खुद को सीधे गोलीबारी को सामने ले आए, जिससे उनकी टीम को प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई करने का मौका मिल गया।

इसी समय, उप-निरीक्षक मंजीत जागलान ने नोटिस टीम की मदद से उस अपराधी को काबू में कर लिया, जो हैंड ग्रेनेड का विस्फोट करने की कोशिश कर रहा था और उन्होंने बहादुरी से अपराधी से वो ग्रेनेड छीन लिया।

इसी बीच, निरीक्षक निशांत दहिया अपनी टीम के साथियों के साथ, हथियारबंद हमलावर की ओर आगे बढ़े, जिसने पहले ही पुलिस टीम पर एक राउंड दागा था और इसी तरह दूसरा राउंड दागने का अवसर तलाश रहा था।

इस खतरनाक सशस्त्र संघर्ष के दौरान टीम का साहसिक कृत्य बहादुरी तथा निस्वार्थता के उच्चतम मानकों को दर्शाता है। निरीक्षक निशांत दहिया और उप-निरीक्षक मंजीत जागलान की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई ने एक संभावित आपदा को टाल दिया।

इसके बाद, सभी आवश्यक कानूनी तथा प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं को विधिवत पूरा किया गया। भारतीय दंड संहिता और आयुध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और दोनों को तदनुसार गिरफ्तार कर लिया गया।

इस ऑपरेशन में, दिल्ली पुलिस के सर्वश्री निशांत दहिया, निरीक्षक, मंजीत जागलान, उप-निरीक्षक और अमित भाटी, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 12.10.2023 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 45-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री कृष्ण कुमार	निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14.01.2024 को एक बड़ी कार्रवाई में, काला जठेडी-राजू बसोडी- अनिल छिप्पी गैंग के कुख्यात अंतरराज्यीय कॉन्ट्रैक्ट किलर और शार्पशूटर विक्री उर्फ कारतूस, 29 वर्ष, निवासी वीपीओ-सांघी, जिला रोहतक, हरियाणा को छावला नाला, दिल्ली से एक-दूसरे पर थोड़ी देर चली गोलीबारी के बाद गिरफ्तार किया गया। आरोपी राजस्थान के कोटकाशिम पुलिस स्टेशन में हत्या के एक मामले, जिला द्वारका, दिल्ली में जबरन वसूली के 02 सनसनीखेज मामलों तथा दिल्ली में गोलीबारी के दो मामलों में हथियार के स्रोत के रूप में भी वांछित था। बदमाश ने पुलिस दल पर 04 राउंड दागे, इसमें से दो गोलियां निरीक्षक कृष्ण कुमार को लगीं, लेकिन सौभाग्य से उन्होंने बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी। आत्मरक्षा में पुलिस ने हमलावर पर 06 राउंड दागे, जिसमें से 02 गोलियां आरोपी के दाहिने पैर में लगीं और उसे पकड़ लिया गया। इस संबंध में, दिनांक 14.01.2024 को क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 186/353/307, आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 1624 दर्ज की गई है।

आरोपी विक्री उर्फ कारतूस काला जठेडी गिरोह के तहत जबरन वसूली का रैकेट चला रहा था। दिनांक 09.01.2024 को, आरोपी विक्री उर्फ कारतूस ने 02 शूटरों आशीष साहिल और कृष्ण को शिव प्रॉपर्टीज, ओल्ड पालम रोड, दिल्ली भेजा। उन्होंने प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय पर गोलीबारी की और उसे जबरन वसूली का पत्र सौंपकर काला जठेडी और राजू बसोडी के नाम पर 1.5 करोड़ रुपये की मांग की। घटनास्थल से 9 खाली कारतूस और 1.5 करोड़ रुपये की मांग वाली एक चिट बरामद की गई। इस संबंध में, द्वारका नॉर्थ पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307/387/34, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 1424 दर्ज की गई है।

नवंबर 2023 में, आरोपी विक्री उर्फ कारतूस को सतपाल नामक एक वकील ने अपने प्रतिद्वंदी अमन की हत्या के लिए सुपारी दी थी। सतपाल के निर्देश पर उसने एक शादी समारोह में डांस फ्लोर पर अमन की हत्या कर दी। इस घटना के दौरान, सेना के एक कार्मिक और उत्तर प्रदेश पुलिस के एक कार्मिक को भी उस समय गोली लगी जब उन्होंने पीड़ित की जान बचाने की कोशिश की। इस संबंध में, दिनांक 29.11.2023 को कोटकाशिम पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 302/307/143/341/323, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 3/25 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 489/23 दर्ज की गई है।

एक अन्य घटना में, उसने अपने दो शूटरों कार्तिक और प्रदीप को प्रापर्टी डीलरों से पैसे वसूलने का निर्देश दिया। उसके निर्देश पर, दिनांक 07.11.2023 को, आरोपी कार्तिक और प्रदीप ने गौरव होम्स प्रॉपर्टी डीलर के मालिक के दफ्तर पर गोलीबारी की। उन्होंने दफ्तर में एक हस्तलिखित पत्र भी छोड़ा था, जिसमें उन्होंने उसे दिनेश कराला भाई से मिलने के लिए कहा था और धमकी दी थी कि यदि वह दिनेश भाई से नहीं मिला तो दफ्तर के अंदर बैठे व्यक्ति की छाती में गोली मार दी जाएगी और उनके निर्माण स्थलों पर ग्रेनेड फेंके जाएंगे। उन्होंने प्रापर्टी डीलर से 2 करोड़ रुपये की मांग की। मौके से भागते समय, शूटरों ने जनता को डराने के लिए हवा में कई राउंड दागे। इस संबंध में, बिंदापुर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307/384/34, आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 737/23 दर्ज की गई है। क्राइम ब्रांच ने दोनों शूटरों, कार्तिक और प्रदीप को 02 अत्याधुनिक पिस्तौलों और कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया और इस संबंध में दिनांक 23.11.2023 को क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन, दिल्ली में आयुध अधिनियम के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 276/23 दर्ज की गई है। प्रापर्टी डीलर से धन वसूलने के लिए इस मामले में इस्तेमाल किए गए हथियार विक्री उर्फ कारतूस ने दिए थे। उक्त मामले में अवैध पिस्तौल और गोला-बारूद के स्रोत के रूप में क्राइम ब्रांच आरोपी विक्री उर्फ कारतूस की तलाश कर रही थी। मामले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, एंटी गैंगस् स्क्वाड, क्राइम ब्रांच की टीम को संदिग्ध पर नजर रखने का काम सौंपा गया। संदिग्धों की मानवीय के साथ-साथ तकनीकी निगरानी भी की गई। इसके बाद, दिनांक 14.01.2024 को गुप्त सूचना मिली कि द्वारका नॉर्थ पुलिस स्टेशन और बिंदापुर पुलिस स्टेशन में जबरन वसूली के मामले और राजस्थान के अलवर स्थित कोटकाशिम पुलिस स्टेशन में हत्या के मामले में शामिल संदिग्ध, अवैध हथियारों और गोला-बारूद की आपूर्ति के लिए अपने सहयोगियों से मिलने के लिए दिल्ली के छावला में छावला गंदा नाला क्रॉसिंग रोड के समीप आएगा। यह भी बताया गया कि वह हमेशा हथियार लिए रहता है और पुलिस टीम पर गोली चलाने में भी संकोच नहीं करता। तदनुसार, सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस उपायुक्त अमित गोयल द्वारा गैंगस्टर/शूटर को पकड़ने के लिए निरीक्षक कृष्ण कुमार की अगुवाई में उप-निरीक्षक सचिन पुलिया, सहायक उप-निरीक्षक सुरेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल दीपक, हेड कांस्टेबल धरमराज, हेड कांस्टेबल पप्पू, हेड कांस्टेबल मिंटू और हेड कांस्टेबल श्याम सुंदर

सहित सहायक पुलिस आयुक्त नरेश कुमार की गहन निगरानी में एक टीम गठित की गई। टीम छावला-बिजवासन क्रॉसिंग, छावला ड्रेन रोड, दिल्ली के पास पहुंची और एक पिकेट चेकिंग शुरू की गई। दिनांक 14.01.2024 को, लगभग 02:45 बजे, पुलिस कार्मिकों द्वारा एक मोटरसाइकिल को रुकने का इशारा किया गया जो छावला ड्रेन रोड, दिल्ली से आ रही थी, जिस पर बाइक सवार ने वहां से भागने की कोशिश की लेकिन वह मुड़ते समय मोटरसाइकिल को नियंत्रित करने में असफल रहा और मोटरसाइकिल फिसल गई। आरोपी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया लेकिन उसने पुलिस दल को मारने के लिए उन पर गोली चला दी तथा मौके से भागने की कोशिश की। निरीक्षक कृष्ण कुमार को दो गोलियां लगीं, लेकिन सौभाग्य से, उन्होंने बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी। पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षा में 6 गोलियां चलाईं, जिनमें से दो गोलियां बदमाश के दाहिने पैर में लगीं और पुलिस दल ने आरोपी विक्की उर्फ कारतूस को भारी मात्रा में हथियारों और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार कर लिया।

इस ऑपरेशन में, दिल्ली पुलिस के श्री कृष्ण कुमार, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 14.01.2024 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 46-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	जावेद अहमद लोन	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	यौनिस खान	निरीक्षक	वीरता पदक
3.	दर्विंदर कुमार	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
4.	शबीर अहमद नर्वरू	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
5.	राकेश कुमार	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
6.	रतन लाल	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.07.2022 को, अवंतीपोरा पुलिस को पडगामपोरा गोरीपोरा रोड पर आतंकवादियों की आवाजाही के संबंध में सूचना प्राप्त हुई। सूचना का विश्लेषण/पुष्टि की गई और इसे तुरंत 50 आरआर और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के कमान अधिकारियों के साथ साझा किया गया। इसके बाद, अवंतीपोरा पुलिस ने सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन और सेना की 50 आरआर के साथ मिलकर बांडकपोरा गोरीपोरा क्रॉसिंग क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। इसके अलावा, श्री अमरनाथ जी यात्रा-2022 के सिलसिले में इलाके में बाहरी नाकों पर पहले से ही तैनात सीआरपीएफ की 152वीं बटालियन की स्प्लिंटर कंपनी को भी अलर्ट पर रखा गया।

बनाई गई रणनीति के अनुसार, अवंतीपोरा पुलिस, सेना की 50 आरआर और सीआरपीएफ के संयुक्त दल ने दुर्गम एवं खतरनाक रास्तों से होकर संदिग्ध क्षेत्र में प्रवेश किया और गैप मुक्त घेराबंदी स्थापित होने तक उच्च स्तर की गोपनीयता को बनाए रखा गया। घेराबंदी करने और इसे मजबूत बनाने के बाद, श्री मुमताज अली- एसडीपीओ अवंतीपोरा की अगुवाई में उनके साथियों के साथ अवंतीपोरा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा सेना की 50 आरआर, सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन/सीआरपीएफ की 152वीं बटालियन की स्प्लिंटर कंपनी के सहयोग से संदिग्ध क्षेत्र में आतंकवादियों की तलाशी के लिए अभियान चलाया गया। परिणामस्वरूप, तीन टीमों का गठन किया गया, जिनमें से एक का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक जावेद अहमद लोन ने किया और इसमें उनके साथ सहायक उप-निरीक्षक दर्विंदर कुमार, हेड कांस्टेबल शबीर अहमद नर्वरू, हेड कांस्टेबल बशीर अहमद, सिपाही मुश्ताक अहमद, सिपाही संजीव सिंह शामिल थे तथा उन्होंने सेना की 50 आरआर और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के समकक्षों के साथ उत्तरी तरफ से संदिग्ध इलाके की घेराबंदी की, एक अन्य टीम, जिसका नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक मुमताज अली ने किया और इसमें उनके साथ निरीक्षक समीर अहमद, एस.जी.सीटी जहूर अहमद, हेड कांस्टेबल यासीन अहमद, एस.जी.सीटी राकेश कुमार, एस.जी.सीटी रतन लाल, सिपाही गुलजार अहमद, एसपीओ इरशाद अहमद शामिल थे तथा उन्होंने सेना की 50 आरआर तथा सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन और सीआरपीएफ की 152वीं बटालियन स्प्लिंटर कंपनी के समकक्षों के साथ पश्चिमी तरफ से घेराबंदी की और तीसरी टीम का नेतृत्व निरीक्षक यौनिस खान ने किया और इसमें उनके साथ हेड कांस्टेबल हरजीत सिंह, हेड कांस्टेबल राजिंदर सिंह, एसपीओ मीर सलीम,

एसपीओ शेख मुजफ्फर अहमद और एसपीओ सज्जाद अहमद शामिल थे तथा उन्होंने सेना और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन/सीआरपीएफ की 152वीं बटालियन के साथियों के साथ पूर्वी तरफ से घेराबंदी की।

पूरे संदिग्ध क्षेत्र को पूरी तरह से घेर लिया गया और एनएचडब्ल्यू-44 तथा आसपास के अन्य क्षेत्रों की ओर जाने वाले पूरे मार्ग पर सभी यात्रियों की गहन तलाशी शुरू कर दी गई। पुलिस/सेना/सीआरपीएफ की संयुक्त टीम द्वारा तलाशी के दौरान बाइक पर सवार दो व्यक्तियों को पाडगामपोरा-काकपोरा मार्ग पर चलते समय वांडकपोरा-गोरीपोरा क्रॉसिंग के पास रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उन्होंने पुलिस/सुरक्षा बलों को मारने के इरादे से अपने अवैध हथियारों/गोला-बारूद से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और पास के खेतों के वनस्पति क्षेत्र में वांडकपोरा गांव की ओर की ओर भागने लगे। पुलिस/सेना/सीआरपीएफ के हमला दल ने तुरंत पोजीशन ले ली और आतंकवादियों को काबू में करने के लिए आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की तथा पुलिस/सेना/सीआरपीएफ के संयुक्त तलाशी/हमला दल तथा आतंकवादियों के बीच समीप से बंदूक की लड़ाई शुरू हो गई। चूंकि यह क्षेत्र झाड़ियों, पेड़ों, प्रचुर मात्रा में पड़े लकड़ी के ब्लॉकों और अत्यधिक ऊबड़-खाबड़ जमीन से भरा हुआ था, इसलिए आतंकवादियों ने वहां पोजीशन ले ली, लेकिन पुलिस/सेना/सीआरपीएफ के संयुक्त हमला दल ने आतंकवादियों के साथ प्रभावी ढंग से बंदूक की लड़ाई लड़ी। बंदूक की लड़ाई के दौरान छिपे हुए आतंकवादियों ने तलाशी/हमला दल पर गोलियों की बौछार कर दी और हैंड ग्रेनेड फेंके तथा घेराबंदी तोड़ने और वहां से भागने की कोशिश की। अवंतीपोरा पुलिस, 50 आरआर, सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन/सीआरपीएफ की 152वीं बटालियन की स्प्लिंटर कंपनी के संयुक्त हमला दल, जिसका नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक जावेद अहमद लोन कर रहे थे, ने अपने साथियों के साथ मिलकर कवर लिया और अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से लड़ाई लड़ी और दोनों आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में कैसर राशिद कोका (एजीयूएच जो बाद में जैश-ए-मोहम्मद संगठन में शामिल हो गया था, 'सी'-श्रेणी) पुत्र अब्दुल राशिद कोका निवासी कैगाम अवंतीपोरा और इश्फाक अहमद लोन पुत्र जीएच नबी लोन निवासी लेल्हार पुलवामा (जैश-ए-मोहम्मद संगठन, 'सी'-श्रेणी) के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में अवंतीपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 160/2022 दर्ज की गई है। मारा गया आतंकवादी कैसर राशिद कोका पाकिस्तान में अत्यधिक प्रशिक्षित आतंकवादी था। वह अवैध हथियार/गोला-बारूद संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए पाकिस्तान गया था और देश/जम्मू और कश्मीर संघ राज्य में युद्ध छेड़ने के लिए हथियार/गोला-बारूद लेकर वापिस लौटा था। यह ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त क्षति के पूरा हुआ।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री जावेद अहमद लोन, पुलिस उपाधीक्षक, यौनिस खान, निरीक्षक, दर्विंदर कुमार, सहायक उप-निरीक्षक, शबीर अहमद नर्वरू, हेड कांस्टेबल, राकेश कुमार, एस.जी.सीटी और रतन लाल, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11.07.2022 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 47-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सुश्री तनुश्री, भा.पु.से.	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
2.	श्री मोहम्मद सलीम डार	सिपाही	वीरता पदक का प्रथम बार
3.	श्री विकी खजूरिया	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.10.2022 को लगभग 20:05 बजे, शोपियां पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि शोपियां जिले के द्राच कीगम गांव में आतंकवादी मौजूद हैं और इलाके में बड़ी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इस सूचना पर, शोपियां पुलिस ने 44 आरआर और सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के सहयोग से बिना किसी घबराहट के तथा स्थिति बिगड़ने दिए बिना एक ऑपरेशन शुरू किया।

तदनुसार, 44 आरआर और सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन की टीम के साथ लक्षित क्षेत्र की तलाशी शुरू करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री के समग्र पर्यवेक्षण में शोपियां पुलिस की एक टीम गठित की गई, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक राजा मजीद बट, हेड कांस्टेबल जावेद अहमद, हेड कांस्टेबल गयूर-उल-हक, एस.जी.सीटी रऊफ अहमद, एस.जी.सीटी उबैदुल्लाह मंजूर, एस.जी.सीटी तारिक रसूल, सिपाही मोहम्मद सलीम डार, सिपाही फिरदौस अहमद, सिपाही मोहम्मद रफीक, सिपाही विकी खजूरिया, सिपाही मोहम्मद रफीक, एसपीओ मुजफ्फर अहमद,

एसपीओ कैसर अहमद, एसपीओ शमशीर हुसैन और एसपीओ वसीम अहमद शामिल थे। पुलिस/सुरक्षा बलों ने पुलिस/सुरक्षा बलों की सभी टीमों की सामरिक तैनाती सुनिश्चित की, साथ ही भागने के सभी रास्तों तथा संभावित मार्गों पर बुलेटप्रूफ वाहन तैनात किए। हालांकि, मौके पर पूछताछ के दौरान शकील अहमद और बिलाल अहमद, दोनों ही पुत्र जीएच. हसन भट, निवासी द्राच, कीगम, जो थोड़े घबराए हुए थे, ने अपने एक मंजिला भवन में तीन संदिग्ध आतंकवादियों के होने की पुष्टि की। शुरुआत में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के समग्र पर्यवेक्षण में प्रारंभिक संयुक्त घेराबंदी दल द्वारा कुछ घरों तथा लक्षित क्षेत्र से सटे एक छोटे से इलाके को कुशलतापूर्वक घेराबंदी में ले लिया गया।

तलाशी अभियान के दौरान, आतंकवादियों का पता लगाने के लिए तलाशी टीमों द्वारा लक्षित क्षेत्र को सटीक रूप से चिह्नित किया गया। इसके बाद, छिपे हुए आतंकवादियों को खत्म करने हेतु अंतिम हमले के लिए पुलिस उपाधीक्षक रईज अहमद के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन किया गया, जिनमें निरीक्षक अटल शर्मा, सहायक उप-निरीक्षक रेआज़ अहमद, एस.जी.सीटी जहूर अहमद, एस.जी.सीटी इरफान अहमद, सिपाही मोहम्मद हुसैन, सिपाही जुल्फिकाक अली, एस.जी.सीटी तारिक रसूल, सिपाही मोहम्मद सलीम डार, सिपाही ओबेदुल्ला मंजूर, सिपाही फिरदौस अहमद, सिपाही मोहम्मद रफीक, सिपाही विकी खजूरिया, सिपाही मनीत शर्मा, सिपाही जसवीर सिंह, सिपाही अजय कुमार, सिपाही फारूक अहमद, सिपाही रेशव कुमार, सिपाही राहुल कुमार, एसपीओ रफीक अहमद और एसपीओ आसिफ मुश्ताक शामिल थे।

अंतिम हमला शुरू करके से पहले, घिरे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय सुरक्षा बलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। इसी समय, लक्षित घर में एक आतंकवादी को एक जैसी बंदूक के साथ घूमते हुए देखा गया। उसकी गतिविधि को देखते हुए, पुलिस उपाधीक्षक रईज अहमद और उनकी टीम ने जायजा लेने के लिए कुछ गोलियां चलाई, जिस पर आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी की। लेकिन आतंकवादी एक कमरे से दूसरे कमरे में अपनी पोजीशन बदल रहे थे। गोलीबारी के दौरान, आतंकवादियों ने घर से भागने की कोशिश की और उनके भागने की गतिविधि स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। आतंकवादियों की गतिविधि को देखते हुए, पुलिस उपाधीक्षक राजा मजीद बट ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के समग्र पर्यवेक्षण में, हेड कांस्टेबल जावेद अहमद, हेड कांस्टेबल गयूर-उल-हक, एस.जी.सीटी रुफ अहमद, एस.जी.सीटी तारिक रसूल, सिपाही मोहम्मद सलीम डार, सिपाही ओबेदुल्ला मंजूर, सिपाही फिरदौस अहमद, सिपाही मोहम्मद रफीक, सिपाही विकी खजूरिया, एसपीओ मुजफ्फर अहमद, एसपीओ कैसर अहमद, एसपीओ शमशीर हुसैन और एसपीओ वसीम अहमद के साथ आत्मरक्षा में आतंकवादियों पर जमकर गोलीबारी की, जिसमें आतंकवादी घायल हो गए और घर के परिसर से भागने में असफल रहे। कुछ समय बाद, एक आतंकवादी, जिसके पास एक राइफल थी, ने पुलिस उपाधीक्षक राजा मजीद बट और उनकी टीम को निशाना बनाना शुरू कर दिया। इसी बीच, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री ने पुलिस उपाधीक्षक राजा मजीद बट और उनकी टीम को रेंगते हुए आगे बढ़ने और पोजीशन लेने का आदेश दिया और साथ ही, सभी ने छिपे हुए आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए भारी गोलीबारी शुरू कर दी। निरीक्षक अटल शर्मा और सिपाही मोहम्मद सलीम डार ने आतंकवादियों से आमने-सामने लड़ते हुए जोखिम और चुनौतियों का सामना करते हुए इस ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तलाशी के दौरान, मारे गए तीन आतंकवादियों के शव उनके हथियारों सहित बरामद किए गए, जिनकी बाद में पहचान जैश-ए-मोहम्मद संगठन के जुबैर मकबूल पुत्र मोहम्मद मकबूल वानी निवासी डूमपोरा, कीगम, शोपियां, जैश-ए-मोहम्मद संगठन के जमशेद अहमद मागरे पुत्र अब हामिद मागरे निवासी राजपोरा, पुलवामा और जैश-ए-मोहम्मद संगठन के हनान बिन याकूब उर्फ साकिब पुत्र मोहम्मद याकूब निवासी करीमाबाद, पुलवामा के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इस संबंध में आगे की जांच के लिए शोपियां पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 205/2022 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस की सुश्री तनुश्री, भा.पु.से., वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सर्वश्री मोहम्मद सलीम डार, सिपाही और विकी खजूरिया, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 04.10.2022 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 48-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री रेआज़ अहमद	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15.06.2023 को, अपने सूत्रों से त्रेहगाम पुलिस स्टेशन के जुमागुंड सीमावर्ती क्षेत्र में पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फोर्स (पीएएफएफ) तथा गजनवी फोर्स के मिले-जुले समूह के आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ के संबंध में मिली विश्वसनीय सूचना के आधार पर, एक संयुक्त तलाशी

अभियान शुरू किया गया। उप महानिरीक्षक विवेक गुप्ता के मार्गदर्शन में कुपवाड़ा जिला पुलिस तथा सेना की चौथी सिख बटालियन ने इसमें सहयोग किया। नियंत्रण रेखा के निकट दुर्गम भूभाग तथा घने जंगलों के बावजूद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक युगल कुमार, पुलिस उपाधीक्षक सरफराज बशीर और पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद रफी के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने सेना की चौथी सिख बटालियन के साथ मिलकर क्षेत्र की घेराबंदी की और लगभग 18:00 बजे समन्वित तलाशी अभियान चलाया।

दिनांक 15-16 जून, 2023 की मध्यरात्रि के दौरान लगभग 01:30 बजे, तलाशी दल ने घने जंगल में आतंकवादियों की हलचल देखी। जैसे ही तलाशी दल उनके करीब पहुंचे, आतंकवादियों ने अलग-अलग दिशाओं से उन पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में तलाशी दलों ने हताहत होने से बचने तथा घेराबंदी बनाए रखने के लिए संयमित तरीके से जवाबी कार्रवाई की। तलाशी दलों ने योजना के अनुसार धीरे-धीरे लक्ष्यों की ओर बढ़ते हुए भोर होने तक आतंकवादियों को उलझाए रखा, ताकि किसी भी प्रकार की अतिरिक्त क्षति न हो।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक युगल कुमार के नेतृत्व में दल/कॉलम जैसे ही अपने लक्ष्य के पास पहुंचे, घने जंगल में छिपे आतंकवादियों ने उन पर भीषण गोलीबारी शुरू कर दी। खतरे के सामने, आपाधापी और जोखिम भरी परिस्थिति में, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा के नेतृत्व में कॉलम ने आपाधापी के बीच अपनी जान की परवाह किए बिना छिपे आतंकवादियों पर हमला किया और करीबी लड़ाई में भारी मात्रा में हथियारों से लैस दो (02) आतंकवादियों को मार गिराया।

इसी दौरान, पुलिस उपाधीक्षक सरफराज बशीर के नेतृत्व में एस.जी.सीटी रेयाज़ अहमद, एस.जी.सीटी अल्ताफ अहमद और पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद रफी के साथ-साथ हेड कांस्टेबल तनवीर अहमद, हेड कांस्टेबल किशोर कुमार और एस.जी.सीटी जहांगीर अहमद के दलों ने अन्य तीन छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाया और संयुक्त रूप से त्वरित तथा पेशेवर तरीके से उन्हें मार गिराया। इस ऑपरेशन के परिणामस्वरूप प्रतिबंधित आतंकी संगठनों गजनवी फोर्स और पीएएफएफ से जुड़े भारी मात्रा में हथियारों से लैस पांच (05) विदेशी आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया गया। यह उपलब्धि चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों और घने जंगलों के बावजूद, बिना किसी भी अतिरिक्त क्षति के हासिल की गई। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों गजनवी फोर्स/ पीएएफएफ से जुड़े मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में अब्दाली उर्फ शमशीर पठान, गजफी उर्फ शीर खान निवासी रावलकोट पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर, सायन उर्फ अयूब, जानबाज उर्फ बहीद निवासी पंशीर अफगान और वसीम उर्फ तलहा निवासी बाग पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद और अन्य सामान बरामद किया गया। इस संबंध में आगे की जांच के लिए कुपवाड़ा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 20, 23, 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 37/2023 दर्ज की गई है।

अत्यधिक खतरे के बीच असाधारण वीरता और साहस का परिचय देते हुए, पुलिस टीम, विशेष रूप से एस.जी.सीटी श्री रेआज़ अहमद ने अभियान के दौरान उल्लेखनीय साहस तथा अटूट दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। उनकी निस्वार्थता, सूझ-बूझ और मिशन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप पांच (05) आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया गया, जिससे साथी सैनिकों और निर्दोष नागरिकों की जान की रक्षा हुई।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के श्री रेआज़ अहमद, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 15.06.2023 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 49-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का तृतीय बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मोहम्मद रफीक	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	इशतियाक अहमद खान	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
3.	सफ़ीर लोन	सिपाही	वीरता पदक का तृतीय बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07.06.2022 को नुतनुस्सा कुपवाड़ा जांच चौकी पर, अपने सूत्रों से प्राप्त विश्वसनीय सूचना के आधार पर, उप महानिरीक्षक उदय भास्कर बिल्ला और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा की निगरानी में जिला पुलिस कुपवाड़ा और सेना की 47 आरआर ने एक संयुक्त ऑपरेशन

शुरू किया। उप महानिरीक्षक बारामूला के निर्देशानुसार, अन्य बलों की सहायता से, दो पुलिस तलाशी दल गठित किए गए, जिनमें से एक का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक एजाज अहमद ने किया और उनके साथ एस.जी.सीटी इशतियाक अहमद खान थे और दूसरे का नेतृत्व निरीक्षक मोहम्मद रफीक ने किया, जिसमें उनके साथ एस.जी.सीटी मोहम्मद युनस, सिपाही सफ़ीर लोन और अन्य पुलिस सिपाही नफरी थे तथा क्षेत्र की घेराबंदी करके संदिग्ध क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया। घने जंगलों और ऊपरी इलाकों के कारण यह क्षेत्र अत्यधिक संवेदनशील था तथा कुपवाड़ा पुलिस और सेना के संयुक्त बलों द्वारा प्रभावी ढंग से तलाशी अभियान चलाया गया।

खुफिया जानकारी के अनुसार आतंकवादी जंगल में छिपे हुए थे और पुलिस उपाधीक्षक एजाज अहमद, निरीक्षक मोहम्मद रफीक, एस.जी.सीटी मोहम्मद युनस खान, एस.जी.सीटी इशतियाक अहमद खान, सिपाही सफ़ीर लोन और अन्य पुलिस कार्मिकों तथा सेना के लिए उन्हें ढूँढना बेहद चुनौतीपूर्ण था। विभिन्न इलाकों में तलाशी अभियान चलाया गया और पुलिस दल तथा सेना अपनी जान की परवाह किए बिना आगे बढ़ी और उन्होंने आतंकवादियों की गतिविधि देखी। पुलिस दल तथा सेना को देखते ही आतंकवादियों ने अवैध रूप से हासिल किए गए स्वचालित हथियारों से संयुक्त बलों पर गोलीबारी की और सेना तथा पुलिस और आतंकवादियों के बीच एक-दूसरे पर भीषण गोलीबारी हुई। निरीक्षक मोहम्मद रफीक, एस.जी.सीटी इशतियाक अहमद खान और सिपाही सफ़ीर लोन ने प्रथम घेराबंदी में बहादुरी से लड़ते हुए दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया, जिनकी पहचान बाद में तुफैल (श्रेणी 'ए') निवासी पाकिस्तान और इशतियाक फारूक लोन (श्रेणी 'सी') पुत्र फारूक अहमद लोन निवासी लोन मोहल्ला रेशीपोरा, त्राल जिला पुलवामा के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में आगे की जांच के लिए कुपवाड़ा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 148/2022 दर्ज की गई है।

पूरे ऑपरेशन में निरीक्षक मोहम्मद रफीक, एस.जी.सीटी इशतियाक अहमद खान और सिपाही सफ़ीर लोन ने अग्रिम दल के रूप में पेशेवरता और असाधारण साहस का परिचय दिया तथा उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से लड़ाई लड़ी, जो सराहनीय है तथा बेहद प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। हालांकि आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें पुलिस दल, विशेष रूप से निरीक्षक मोहम्मद रफीक, एस.जी.सीटी इशतियाक अहमद खान और सिपाही सफ़ीर लोन बाल-बाल बचे। हालांकि, उन्होंने अपना ध्यान भटकाए बिना और सूझबूझ से बहादुरी से लड़ाई लड़ी, जिसके परिणामस्वरूप दो खूंखार विदेशी/स्थानीय आतंकवादियों को मार गिराया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री मोहम्मद रफीक, निरीक्षक, इशतियाक अहमद खान, एस.जी.सीटी और सफ़ीर लोन, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 07.06.2022 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 50-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	जावेद अहमद लोन	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
2.	यौनिस खान	निरीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
3.	समीत पाल सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	ऊमर नजीर	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
5.	अब्दुल रशीद लोन	सिपाही	वीरता पदक
6.	रेआज़ अहमद शेख	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01.11.2022 को, अवंतीपोरा पुलिस को अवंतीपोरा क्षेत्र में फिदायीन हमले को अंजाम देने की आतंकवादियों की साजिश की सूचना प्राप्त हुई। प्राप्त खुफिया जानकारी को सेना की 55 आरआर के कमान अधिकारी के साथ साझा किया गया और सभी संभावित खतरों को ध्यान में रखते हुए, एक पुख्ता रणनीति तैयार की गई जिसमें संयुक्त एमवीसीपी (नाका) की तैनाती, गुप्त टीमें, तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए आस-पास के स्थानों पर क्यूआरटी की तैनाती आदि शामिल थे।

पूर्व निर्धारित रणनीति के अनुसार, अवंतीपोरा पुलिस और सेना की 55 आरआर द्वारा खांडीपोरा रेंजीपोरा लिंक रोड पर तुरंत एक संयुक्त एमवीसीपी (नाका) स्थापित किया गया तथा सभी यात्रियों और वाहनों की तलाशी शुरू की गई। वाहनों की जांच के दौरान, एक वाहन (ऑल्टो कार) को रुकने का इशारा किया गया। हालांकि, उक्त वाहन नहीं रुका और उसने उपर्युक्त नाके से भागने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस और सेना की एक अन्य संयुक्त टीम, पिछले नाके (एमवीसीपी) से लगभग 30 मीटर आगे थी; इस टीम 'बी' में 55 आरआर के एक सेना के मेजर और उनके साथ तीन अन्य कार्मिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहम्मद यूसुफ, हेड कांस्टेबल फारूक अहमद, हेड कांस्टेबल जावेद अहमद, एस.जी.सीटी ऊमर नजीर और पुलिस उपाधीक्षक जावेद अहमद लोन, हेड कांस्टेबल समीत पाल सिंह, सिपाही अब्दुल राशीद लोन और सिपाही रेआज़ अहमद शेख शामिल थे, तथा वे तुरंत हरकत में आए और कांटों वाली सड़क रोकने की चेन को फैला दिया। तेज रफ्तार से चल रहे वाहन ने इस सड़क अवरोध को भी पार करने की कोशिश की, लेकिन उसके आगे के टायर पंचर हो गए और वह रुक गया।

इसके बाद, वाहन में सवार एक आतंकवादी रुकी हुई गाड़ी से कूद गया और उसने उपरोक्त दलों पर गोलियों की बौछार कर भागने की कोशिश की। आत्मरक्षा में तुरंत जवाबी गोलीबारी की गई, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। तीन आतंकवादियों में से एक प्रारंभिक गोलीबारी में मारा गया। जबकि शेष दो आतंकवादी पास के खेत में झाड़ियों में छिप गए। आतंकवादियों की स्थिति और उनकी गोलीबारी के कोण को ध्यान में रखते हुए, दोनों टीमों चुपके से रेंगती हुई आगे बढ़ीं और उन्होंने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर पोजीशन ले ली। आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए पूरे क्षेत्र की घेराबंदी करने के लिए अतिरिक्त क्यूआरटी को भी तुरंत काम पर लगाया गया; इन दोनों क्यूआरटी ने भागने के सभी संभावित रास्तों को भी बंद कर दिया। क्यूआरटी टीम ने नाइट विजन उपकरण की सहायता से छिपे हुए आतंकवादियों को फिर से देखा, जो एक ऊबड़-खाबड़ इलाके में छिपे हुए थे। आतंकवादी उपरोक्त संयुक्त अभियान दलों पर रुक-रुक कर गोलीबारी कर रहे थे। हालांकि, जवाबी गोलीबारी की गई, लेकिन आतंकवादियों के ऊबड़-खाबड़ जमीन और जंगल में छिपे होने के कारण गोलीबारी प्रभावी नहीं रही। पोजीशन बदलने की इस प्रक्रिया में, छिपे हुए आतंकवादियों ने गोलीबारी के साथ-साथ ग्रेनेड भी फेंके, लेकिन वे निशाने से चूक गए। अतः टीम 'ए' और 'बी' दोनों ने सामरिक दृष्टि से लाभप्रद स्थानों पर पोजीशन ली, फिर दोनों टीमों ने असाधारण तालमेल के साथ आतंकवादियों के खिलाफ गोलीबारी शुरू कर दी।

बंदूक की भीषण लड़ाई के दौरान छिपे हुए युद्ध का अनुभव रखने वाले आतंकवादी मारे गए। अवंतीपोरा पुलिस और 55 आरआर के दृढ़ संकल्पी संयुक्त हमला दल ने अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से सामने से लड़ाई लड़ी और तीनों आतंकवादियों को मार गिराया। मुठभेड़ स्थल से तीनों आतंकवादियों के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में, मुख्तार अहमद भट ('बी' श्रेणी) पुत्र मोहम्मद मकबूल भट, निवासी काकापोरा पुलवामा, मुश्फिक उर्फ अली उर्फ मुबाशिर ('ए' श्रेणी), निवासी पाकिस्तान और सकलैन मुश्ताक गनी (उपनाम-गजनफर), पुत्र मुश्ताक अहमद गनी, निवासी कोइल पुलवामा के रूप में हुई तथा ये सभी लश्कर-ए-तैयबा संगठन से जुड़े थे। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में आगे की जांच के लिए अवंतीपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3/4, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 237/2022 दर्ज की गई है।

इस पूरे ऑपरेशन में पुलिस उपाधीक्षक जावेद अहमद लोन, निरीक्षक यौनिस खान, हेड कांस्टेबल समीत पाल सिंह, एस.जी.सीटी ऊमर नजीर, सिपाही रेआज़ अहमद शेख और सिपाही अब्दुल राशीद लोन सर पर मंडराते खतरे से बेखबर थे, लेकिन उन्होंने वीरता, साहस, दुर्लभ सामरिक सूझबूझ और अनुकरणीय संयुक्त कौशल, अद्वितीय साहस और कर्तव्य के प्रति निस्वार्थ समर्पण की उल्लेखनीय भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप बिना किसी अतिरिक्त क्षति के तीन खूंखार आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री जावेद अहमद लोन, पुलिस उपाधीक्षक, यौनिस खान, निरीक्षक, समीत पाल सिंह, हेड कांस्टेबल, ऊमर नजीर, एस.जी.सीटी, अब्दुल राशीद लोन, सिपाही और रेआज़ अहमद शेख, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 01.11.2022 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 51-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	शबीर नवाब	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
2.	मोहम्मद शफी मागरे	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	मोहम्मद रमजान राथर	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 31.08.2022 को लगभग 19:30 बजे, रेशीपोरा-बोमाई क्षेत्र में पुलिस/सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए उन पर हमला करने की योजना बना रहे जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर सोपोर पुलिस ने 22 आरआर तथा सीआरपीएफ की 179वीं बटालियन के सहयोग से क्षेत्र में संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। चूंकि यह क्षेत्र घनी आबादी वाला था और शाम के अंधेरे में आतंकवादियों का पता लगाना मुश्किल था, इसलिए आम नागरिकों के हताहत होने की आशंका थी क्योंकि आतंकवादी क्षेत्र के किसी भी आवासीय घर में शरण ले सकते थे और नागरिकों को बंधक बनाकर उन्हें मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल कर सकते थे। इस बात की पूरी संभावना थी कि आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर छिपने की जगह से भाग सकते थे, इसलिए बिना किसी जानमाल के नुकसान के आतंकवादियों को मार गिराना बेहद मुश्किल था, लेकिन सुरक्षा बलों ने सोची-समझी रणनीति को अपनाया और सबसे पहले पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली गई तथा आस-पास के घरों में रहने वाले लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और निकासी की प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा बलों ने अपनी जान जोखिम में डालकर अत्यंत पेशेवरता तथा साहस का परिचय दिया। नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, सभी प्रवेश और निकास द्वारों को सील करके घेराबंदी को और कड़ा कर दिया गया, तलाशी अभियान शुरू किया गया और इस दौरान सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की तरफ से प्रतिक्रिया लेने के लिए हवा में कुछ गोलियां चलाई, लेकिन शुरुआत में कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

तदनुसार, बनाई गई रणनीति के अनुसार और सेना तथा सीआरपीएफ के समकक्षों के साथ गहन विचार-विमर्श के बाद, दो संयुक्त टीमों गठित की गईं, जिन्होंने अंतिम हमले के लिए संदिग्ध स्थान की ओर आगे बढ़ने के लिए स्वेच्छा से सहमति दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शबीर नवाब के नेतृत्व में पुलिस/सेना/सीआरपीएफ की पहली संयुक्त टीम, एक अग्रिम दल के रूप में गठित की गई, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक गजेनफर सैयद, निरीक्षक जिया-उर-रहमान, उप-निरीक्षक जावेद हामिद, हेड कांस्टेबल जुबैर अहमद, हेड कांस्टेबल मोहम्मद शफी मागरे, एस.जी.सीटी निसार अहमद, सिपाही शब्बीर अहमद बेग, सिपाही मोहम्मद रमजान राथर, सिपाही शरीफ-उद-दीन, एसपीओ बिलाल अहमद, एसपीओ जावेद अहमद और एसपीओ मोहम्मद रफीक शामिल थे तथा इस टीम को पुलिस उपाधीक्षक फुरकान कादिर के नेतृत्व में उप-निरीक्षक यूसुफ-उल-उमर, सहायक उप-निरीक्षक गुरजीत सिंह, हेड कांस्टेबल उमर हुसैन, एस.जी.सीटी आशिक हुसैन, सिपाही जाहिद हुसैन, सिपाही बिलाल अहमद, एसपीओ आशिक हुसैन डार, एसपीओ इशफाक अहमद बाबा, एसपीओ इशफाक अहमद, एसपीओ इरफान अहमद की बैकअप/कवरिंग फायरिंग के तहत अपनी कार्रवाई करनी थी।

टीम ने पहले रेंगते हुए संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ना शुरू किया और जैसे ही संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान के करीब पहुंची, छिपे हुए आतंकवादियों ने अपने अत्याधुनिक हथियारों से सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन संयुक्त टीमों, विशेष रूप से पहली टीम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शबीर नवाब, हेड कांस्टेबल मोहम्मद शफी मागरे और सिपाही मोहम्मद रमजान राथर अडिग रहे और चट्टान की तरह डटे रहे तथा उन्होंने प्रभावी ढंग से आगे-पीछे की गोलीबारी का जवाब दिया, जिससे आतंकवादियों को सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने या छिपने की जगह से भागने का कोई मौका नहीं मिला तथा इसके बाद हुई बंदूक की लड़ाई में दो आतंकवादी मारे गए जिनकी पहचान बाद में मोहम्मद रफी लोन पुत्र गुडआम मोहम्मद लोन निवासी नथीपोरा ('बी'-श्रेणी) और कैसर अहमद डार पुत्र मोहम्मद अशरफ डार निवासी तुज्जन पुलवामा ('सी'-श्रेणी) के रूप में हुई तथा ये दोनों जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े हुए थे। एक-दूसरे पर गोलीबारी में एक नागरिक मामूली रूप से घायल हो गया, जिसे आतंकवादियों ने मानव ढाल बनाने की कोशिश की थी, लेकिन उसे पेशेवर रूप से सुरक्षित निकाल लिया गया तथा उसे बाद में अस्पताल में भर्ती कराया गया और प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। मारे गए आतंकवादियों से लड़ते हुए, संयुक्त टीमों, विशेष रूप से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शबीर नवाब, हेड कांस्टेबल मोहम्मद शफी मागरे और सिपाही मोहम्मद रमजान राथर की पहली टीम ने देश की सुरक्षा तथा संप्रभुता/अखंडता को बनाए रखने के लिए अपने जीवन को गंभीर जोखिम में डाला तथा उनकी अदम्य बहादुरी, दृढ़ता, उच्च नेतृत्व और पेशेवरता के कारण ही यह अभियान बेहद कठिन और विषम परिस्थितियों में दो खूंखार आतंकवादियों के खात्मे के साथ सफल हुआ। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में आगे की जांच के लिए बोमाई पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 18, 20 और 39 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 43/2022 दर्ज की गई है।

मारे गए आतंकवादी कई विध्वंसक गतिविधियों और सोपोर पुलिस जिले के अधिकार क्षेत्र में युवाओं को आतंकवादी संगठनों में भर्ती होने के लिए उकसाने में शामिल थे। आतंकवादी रैंकों में स्थानीय भर्ती के मामले में, उनका खात्मा जैश-ए-मोहम्मद के लिए एक बड़ा झटका था और सुरक्षा बलों, विशेष रूप से सोपोर पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता मानी गई। ऑपरेशन का क्षेत्र घनी आबादी वाला था और आवासीय घरों से घिरा हुआ था, जो हमेशा से आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों/आरओपी पर हमले का निशाना रहा है तथा सुरक्षा बलों के लिए ऐसे क्षेत्र में बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवाद-रोधी अभियान चलाना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शबीर नवाब, हेड कांस्टेबल

मोहम्मद शफी मागरे और सिपाही मोहम्मद रमजान राथर द्वारा प्रदर्शित असाधारण बहादुरी, नेतृत्व क्षमता, पेशेवरता और अतुलनीय दृढ़ता ने इसे संभव बनाया तथा यह अभियान किसी भी तरह के अतिरिक्त नुकसान के बिना दो खूंखार आतंकवादियों के खात्मे के साथ समाप्त हुआ और इस प्रकार इन अधिकारियों/कार्मिकों ने राष्ट्र की सुरक्षा/संप्रभुता और अखंडता को बनाए रखने के लिए इस अभियान में अपने जीवन को जोखिम में डाला।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री शबीर नवाब, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मोहम्मद शफी मागरे, हेड कांस्टेबल और मोहम्मद रमजान राथर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 31.08.2022 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 52-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अजीत धर	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	रवि कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	आबिद अली डार	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
4.	सोहेल अहमद डार	सिपाही	वीरता पदक
5.	मंजूर अहमद भट्ट	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14.04.2022 को, शोपियां पुलिस को शोपियां के बडिगाम गांव में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों की गतिविधि के संबंध में विशिष्ट जानकारी प्राप्त हुई। जानकारी के अनुसार, ये आतंकवादी इलाके में आम जनता को धमकाने के उद्देश्य से बड़ी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। यह गांव अपनी भौगोलिक स्थिति और आतंकवादियों के समर्थन आधार के कारण आतंकवादियों की दृष्टि से बेहद संवेदनशील था, और ऐसे में पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए इस क्षेत्र में ऑपरेशन चलाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। जानकारी पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शोपियां पुलिस ने श्रीनगर जिला पुलिस, 44 आरआर/सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के साथ मिलकर एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमृतपाल सिंह की समग्र निगरानी में विभिन्न दिशाओं से लक्षित क्षेत्र को घेरने के लिए संयुक्त घेराबंदी करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद, 44 आरआर/सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के साथ क्षेत्र की तलाशी शुरू करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक इफ्तिखार तालिब, सहायक उप-निरीक्षक रमेश कुमार, सहायक उप-निरीक्षक अजीत धर, हेड कांस्टेबल अबू कयूम तांवे, हेड कांस्टेबल हरपाल सिंह, एस.जी.सीटी मोहम्मद रफीद, एस.जी.सीटी परवेज अहमद, एस.जी.सीटी अयाज अहमद, सिपाही अमरान अहमद, सिपाही कपिल शर्मा, सिपाही सोहेल अहमद डार, एसपीओ सज्जाद अहमद, एसपीओ बशीर अहमद, एसपीओ आबिद अहमद, एसपीओ राजन कुमार, एसपीओ यशपाल सिंह सहित पुलिस की टीमें गठित की गईं। तलाशी अभियान के दौरान, तलाशी टीमों द्वारा लक्षित क्षेत्र को सटीक रूप से चिह्नित किया गया।

इसी बीच, लक्षित क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों ने ऑपरेशनल दल की गतिविधि को भांपते हुए उन्हें जान से मारकर वहां से भागने के इरादे से उन पर अवैध स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तलाशी दलों ने तुरंत कवर ले लिया और साहसपूर्वक जवाबी कार्रवाई की, जिससे बंदूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई। हालांकि, यह देखा गया कि कुछ नागरिक घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंस गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में उपरोक्त कार्मिकों सहित तलाशी दलों ने फंसे हुए नागरिकों को बाहर निकालने की जिम्मेदारी संभाली। कई प्रयासों के बाद, वे लगभग 100 फंसे हुए नागरिकों को बचाने में कामयाब रहे और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इसके बाद, छिपे हुए आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए अंतिम हमले हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन किया गया तथा इन टीमों में पुलिस उपाधीक्षक रईज अहमद, हेड कांस्टेबल मोहिंदर सिंह, हेड कांस्टेबल बिलाल अहमद, हेड कांस्टेबल रवि कुमार, एस.जी.सीटी अब्दुल मजीद डार, एस.जी.सीटी आबिद अली डार, एस.जी.सीटी मंजूर अहमद, एस.जी.सीटी आफताब अहमद, सिपाही गुफ्तार अहमद, सिपाही अजीत कुमार, सिपाही मंजूर अहमद भट्ट, फॉलोअर परवीन सिंह चिब, एसपीओ सलमान खान, एसपीओ रईज हुसैन, एसपीओ शाहनवाज अहमद और एसपीओ रिआज अहमद शामिल थे। अंतिम हमला शुरू करने से पहले, घिरे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे

उन्होंने अस्वीकार कर दिया और सुरक्षा बलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी और उनकी तरफ ग्रेनेड फेंके। छिपे हुए आतंकवादियों को मार गिराने के लिए, उपर्युक्त टीमों 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की क्यूआरटी के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ीं। सीआरपीएफ ने लक्ष्य को चारों ओर से घेर लिया गया और रेंगते हुए तथा चतुराई से आगे बढ़ते हुए, अपनी जान की परवाह किए बिना साहस और वीरता के साथ प्रभावी जवाबी कार्रवाई की। आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई के दौरान आतंकवादियों ने पूर्वी तरफ से भागने की कोशिश की, जिसके परिणामस्वरूप लश्कर-ए-तैयबा के 4 स्थानीय आतंकवादी ('सी'-श्रेणी) मारे गए, जिनकी पहचान बाद में अकीब अहमद ठोकर पुत्र फारूक अहमद ठोकर निवासी हेफ-कुरी जैनापोरा शोपियां, शौकीन अहमद मीर पुत्र मोहम्मद अब्दुल्ला मीर निवासी सुगन जैनापोरा, वसीम अहमद ठोकर उर्फ बाकू पुत्र अब्दुल गनी ठोकर निवासी हेफ कुरी जैनापोरा और फारूक अहमद भट पुत्र अब्दुल सलाम भट निवासी सुगन ड्रैगगड के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इस संबंध में आगे की जांच के लिए जैनापोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20, 38 और 39 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 35/2022 दर्ज की गई है।

सहायक उप-निरीक्षक अजीत धर, हेड कांस्टेबल रवि कुमार, एस.जी.सीटी आबिद अली डार, सिपाही सोहेल अहमद डार और सिपाही मंजूर अहमद भट्ट द्वारा प्रदर्शित असाधारण साहस तथा पेशेवरता सराहनीय थी तथा उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना आतंकवादियों से प्रभावी ढंग से और सूझ-बूझ के साथ मुकाबला किया और बेहद प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने में उन्होंने सूझबूझ और बेहतर पुलिसिंग के माध्यम से नागरिकों को हताहत होने से बचाया। हालांकि, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके तैनात बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे सभी बाल-बाल बचे। फिर भी, उन्होंने अपनी एकाग्रता खोए बिना बहादुरी से लड़ाई लड़ी और आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री अजीत धर, सहायक उप-निरीक्षक, रवि कुमार, हेड कांस्टेबल, आबिद अली डार, एस.जी.सीटी, सोहेल अहमद डार, सिपाही और मंजूर अहमद भट्ट, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 14.04.2022 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 53-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री मलिक बशीर-ऊ-दीन	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.02.2022 को लगभग 07:35 बजे, शोपियां पुलिस को चौरमार्ग-जैनापोरा गांव, शोपियां में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशिष्ट खुफिया जानकारी प्राप्त हुई तथा ये आतंकवादी इलाके में बड़े आतंकी हमले करके आम जनता को धमकाने की योजना बना रहे थे। तदनुसार, शोपियां पुलिस ने 1 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सहयोग से एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। प्रारंभिक घेराबंदी करते समय यह निर्णय लिया गया कि गांव के अंदर मौजूद नागरिकों को बिना घबराहट फैलाए या स्थिति बिगड़ने दिए बिना सुरक्षित रूप से आंतरिक घेराबंदी से बाहर निकाला जाए। इसी प्रक्रिया के तहत, लक्षित क्षेत्र की तलाशी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमृतपाल सिंह की समग्र निगरानी में पुलिस उपाधीक्षक रईज अहमद, पुलिस उपाधीक्षक राजा मजीद बट और उनकी क्यूआरटी टीमों के साथ-साथ 1 सेक्टर आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की एक संयुक्त टीम को गठित किया गया। मौके पर पूछताछ के दौरान, एक निवासी थोड़ा घबराया हुआ नजर आया तथा उसने पुष्टि की कि आवासीय घर में एक संदिग्ध आतंकवादी छिपा हुआ है। किसी भी अप्रिय घटना और अतिरिक्त नुकसान से बचने के लिए, लक्षित घर को चारों ओर से घेर लिया गया। शुरुआत में, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां की समग्र निगरानी में लक्षित क्षेत्र में तलाशी के लिए गठित प्रारंभिक संयुक्त घेराबंदी दल द्वारा कुछ घरों और लक्षित क्षेत्र से सटे एक छोटे से इलाके को कुशलतापूर्वक घेरा गया। इस दल में पुलिस उपाधीक्षक राजा मजीद बट, हेड कांस्टेबल मलिक बशीर-ऊ-दीन, एस.जी.सीटी मुश्ताक अहमद, सिपाही मोहम्मद सलीम, कांस्टेबल लियाकत अली, एसपीओ अनायत-ऊ-ल्लाह, एसपीओ मोहम्मद अमीन अहंगर और 1 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की टीमों शामिल थीं। तलाशी अभियान के दौरान, तलाशी टीमों ने लक्षित क्षेत्र को सटीक रूप से चिह्नित किया।

तलाशी के दौरान, छिपे हुए आतंकवादी ने घेराबंदी करने वाले दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। संयुक्त सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाबी गोलीबारी की और एक-दूसरे पर गोलीबारी के दौरान में यह पुष्टि हुई कि एक आतंकवादी आवासीय मकान में छिपा हुआ है। घिरे हुए आतंकवादी

को विभिन्न तरीकों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया और इसके लिए पर्याप्त समय दिया गया। हालांकि, उसने प्रस्ताव को ठुकरा दिया और सैनिकों पर गोलीबारी जारी रखी। 1 आरआर/सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन और पुलिस उपाधीक्षक रेआज अहमद सहित सहायक उप-निरीक्षक फिरदौस अहमद, हेड कांस्टेबल समीर अहमद, हेड कांस्टेबल जहूर अहमद, हेड कांस्टेबल अब हामिद, हेड कांस्टेबल बाग हुसैन, हेड कांस्टेबल मोहिंदर सिंह, हेड कांस्टेबल मलिक बशीर-ऊ-दीन, एस.जी.सीटी मुर्तजा मुगल, एस.जी.सीटी कैसर अहमद, एस.जी.सीटी मंजूर अहमद, एस.जी.सीटी मोहम्मद अमीन, एस.जी.सीटी मुश्ताक अहमद, एस.जी.सीटी आबिद अली, सिपाही लियाकत अली, सिपाही मंजूर अहमद, एसपीओ अनायतुल्लाह, एसपीओ सज्जाद अहमद और एसपीओ रईज हुसैन सहित संयुक्त सैनिकों ने सामने से जवाबी कार्रवाई की और दुर्भाग्यवश सेना के दो जवान अर्थात् प्रथम आरआर के सिपाही संतोष यादव और सिपाही चव्हाण रोमित तानाजी, इस मुठभेड़ में घायल हो गए और बाद में शहीद हो गए। तथापि, पुलिस उपाधीक्षक पीसी जैनापोरा और उनकी बहादुर टीम ने आतंकवादियों पर तीन तरफ से गोलियां चलाई और इस गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया। लंबे समय तक चली गोलीबारी के बाद उस घर से गोलीबारी बंद हो गई। हालांकि मुठभेड़ के दौरान उस घर में आग लग गई थी, लेकिन आग बुझा दी गई। तलाशी के दौरान, एक मारे गए आतंकवादी का शव उसके हथियार सहित बरामद किया गया। मारे गए आतंकवादी की पहचान, बाद में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के अब्दुल कयूम डार पुत्र स्वर्गीय जीएच मोही-ऊ-दीन डार निवासी लारवे काकापोरा, जिला पुलवामा के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादी के पास से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इस संबंध में आगे की जांच के लिए जैनपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 19, 20 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 15/2022 दर्ज की गई है।

सिपाही मलिक बशीर-ऊ-दीन ने आतंकवादियों से प्रभावी ढंग और सूझ-बूझ से लड़ते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना असाधारण साहस का परिचय दिया, जो उनकी पेशेवरता और असाधारण साहस का प्रमाण है तथा अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे नागरिकों को सुरक्षित निकाला और सूझबूझ तथा बेहतर पुलिसिंग के साथ नागरिकों को हताहत होने से बचाया। हालांकि आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे बाल-बाल बचे। हेड कांस्टेबल मलिक बशीर-ऊ-दीन ने अपना ध्यान भटकाए बिना और सूझबूझ के साथ बहादुरी के साथ लड़ते हुए उनके नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के श्री मलिक बशीर-ऊ-दीन, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 19.02.2022 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी

उप सचिव

सं. 54-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मोहम्मद अशरीफ	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
2.	सुनील रैना	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	इम्तियाज़ अहमद मीर	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.01.2022 को कुलगाम पुलिस को विश्वसनीय सूत्र से ओके कुलगाम गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। तुरंत ही डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम, जिला पुलिस कुलगाम/शोपियां की क्यूआरटी टीम, 9 आरआर, 34 आरआर के सैनिकों और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की टुकड़ियों के साथ संदिग्ध गांव की ओर रवाना हो गए और पूरे गांव को युद्धस्तर पर घेर लिया गया ताकि फंसे हुए आतंकवादियों को संदिग्ध गांव से भागने का कोई मौका न मिले। तलाशी दल एक आवासीय घर के पास पहुंचे और निवासियों से आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में पूछताछ की, लेकिन परिवार के सदस्यों ने आतंकवादियों की मौजूदगी से साफ इनकार कर दिया। हालांकि, तलाशी दल ने घर की गहन तलाशी शुरू की, जहां छिपे आतंकवादियों ने घेराबंदी तोड़कर मौके से भागने के लिए तलाशी दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन प्रारंभिक दल ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़

शुरू होते ही, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने नागरिकों की कीमती जान बचाने को विशेष प्राथमिकता दी और उन्हें घेराबंदी वाले क्षेत्र से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया ताकि सबसे पहले उनकी सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

नागरिकों/ग्रामीणों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने किसी अतिरिक्त क्षति के बिना ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए एक रणनीतिक योजना बनाई। इस रणनीतिक योजना के अनुसार, घर-घर जाकर तलाशी लेने के लिए तीन अलग-अलग तलाशी दल गठित किए गए। पहले तलाशी दल का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने किया, जिसमें सहायक उप-निरीक्षक मंजूर हुसैन, हेड कांस्टेबल रईस अहमद, एस.जी.सीटी मोहम्मद अब्बास, सिपाही खुर्शीद अहमद और एसपीओ राहिल राशिद शामिल थे, दूसरे तलाशी दल का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक जीएच मोहम्मद भट ने किया, जिसमें एस.जी.सीटी आबिद अहमद, एस.जी.सीटी तौफीक अहमद, सिपाही इम्तियाज अहमद मीर, सिपाही मोहम्मद इकबाल और एसपीओ मुदासिर रहमान शामिल थे और तीसरे तलाशी दल का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक सज्जाद अहमद ने किया, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरीफ पीसी इमामसाहिब, सहायक उप-निरीक्षक फिरदौस अहमद, हेड कांस्टेबल सुनील रैना, एस.जी.सीटी जहांगीर अहमद, एस.जी.सीटी मनीर अहमद, एसपीओ मोहम्मद मसरूर और एसपीओ मोहम्मद रमजान शामिल थे।

डॉ. जी. वी. संदीप चक्रवर्ती, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम के नेतृत्व में तलाशी दल जब संदिग्ध घर की ओर बढ़ा, तो वहां छिपे आतंकवादियों ने उन्हें जान से मारने की मंशा से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम और उनकी टीम ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आतंकवादियों से भीषण लड़ाई लड़ी, जिसके परिणामस्वरूप मुठभेड़ शुरू हो गई। लक्षित घर को चारों ओर से घेर लिया गया और वहां छिपे आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। बंदूक की लड़ाई के दौरान, जिला पुलिस कुलगाम/शोपियां के बहादुर अधिकारियों ने 9 आरआर, 34 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की टुकड़ियों के साथ मिलकर राज्य की सुरक्षा और राष्ट्रीय अखंडता के हित में अपनी जान जोखिम में डालकर बिना किसी अतिरिक्त क्षति के श्रेणी वाले दो खूंखार आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराया।

पुलिस दल, विशेष रूप से पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरीफ, हेड कांस्टेबल सुनील रैना और सिपाही इम्तियाज अहमद मीर द्वारा प्रदर्शित एकजुटता ने अपनी जान की परवाह किए बिना लश्कर-ए-तैयबा संगठन के दो आतंकवादियों, आमिर अहमद वानी ("सी" श्रेणी) पुत्र अब्दुल सतर निवासी आलम गंज जिला शोपियां और समीर अहमद खान ("सी" श्रेणी) पुत्र अब्दुल हामिद खान निवासी टिकेन बटापोरा पुलवामा को मार गिराने में अनुकरणीय भूमिका निभाई। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, कुलगाम पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16, 19, 20 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 03/2022 दर्ज की गई है।

आतंकवादियों की मौत प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन "लश्कर-ए-तैयबा" की के ढांचे और कार्यात्मक यूनिट के लिए एक बड़ा झटका थी। ये आतंकवादी युवाओं को आतंकवादी संगठनों में भर्ती होने के लिए उकसाने में भी शामिल थे। इस प्रकार उनका उद्देश्य शांति भंग करना और लोकतंत्र समर्थक जनता के बीच अराजकता का माहौल पैदा करना था, जिससे लोकतंत्र के मूल प्रहरियों को चोट और नुकसान पहुंचाया जा सके।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मोहम्मद अशरीफ, पुलिस उपाधीक्षक, सुनील रैना, हेड कांस्टेबल और इम्तियाज अहमद मीर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 04.01.2022 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी

उप सचिव

सं. 55-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कर्मियों को वीरता पदक का प्रथम बार (जीएम) और वीरता पदक का तृतीय बार (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मोहन लाल	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक का तृतीय बार
2.	अब्दुल राउफ वानी	एस.जी.सीटी	वीरता पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.04.2022 को, विश्वसनीय सूत्रों से, श्रीनगर के विशंबर नगर, कोंखन दालगेट क्षेत्र में अवैध हथियारों/गोला-बारूद से लैस कुछ अज्ञात आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना मिली। प्राप्त हुई सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए, स्थानीय पुलिस/पीसी श्रीनगर/वैली

क्यूएटी सीआरपीएफ की टीमों में गठित की गई और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश बलवाल के नेतृत्व में तथा अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) कश्मीर, श्रीनगर की समग्र निगरानी में पूरे क्षेत्र की संयुक्त रूप से घेराबंदी की गई तथा छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान चलाया गया।

एक आवासीय मकान की तलाशी के दौरान, छिपे हुए आतंकवादियों ने जान से मारने की मंशा से संयुक्त घेराबंदी एवं तलाशी अभियान (सीएएसओ) दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की और भागने के इरादे से ग्रेनेड भी फेंके। तलाशी दलों ने अपनी जान की परवाह किए बिना प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की और दोनों पक्षों के बीच एक-दूसरे पर हुई गोलीबारी में सुरक्षा बलों के 6 कार्मिक घायल हो गए, जिनमें सीआरपीएफ के 02 कार्मिक अर्थात् सिपाही/जीडी आदित्य और सिपाही/जीडी रमन कुमार तथा पीसी श्रीनगर के 04 कार्मिक अर्थात् पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल, सहायक उप निरीक्षक फिरोज अहमद, एस.जी.सीटी मोहम्मद इकबाल, और एस.जी.सीटी राउफ अहमद बानी शामिल थे।

अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) विजय कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश बलवाल और पुलिस अधीक्षक इफ्तिखार तालिब ने तुरंत ही संयुक्त रूप से एक ऑपरेशनल योजना तैयार की। योजना के अनुसार, दो टीमों का गठन किया गया, जिसमें से एक टीम में पुलिस अधीक्षक इफ्तिखार तालिब, पुलिस अधीक्षक जोहेब तनवीर, पुलिस उपाधीक्षक सैयद सलीत शाह, सहायक उप निरीक्षक फिरोज अहमद, हेड कांस्टेबल मुश्ताक अहमद, हेड कांस्टेबल शौकत हुसैन, हेड कांस्टेबल सलीम अहमद, एस.जी.सीटी मोहम्मद इकबाल, एस.जी.सीटी अब्दुल राउफ बानी, एस.जी.सीटी कुलदीप सिंह, एस.जी.सीटी सफिउल्लाह कादरी, सिपाही इरशाद अहमद, सिपाही आमिर अहमद, सिपाही मनजीत सिंह चिब और फॉलोअर मेहराज-ऊ-द्दीन खान शामिल थे तथा इस टीम के लक्षित घर के सामने की तरफ से आगे बढ़कर आतंकवादियों को मार गिराने और किसी भी प्रकार की अतिरिक्त क्षति से बचने के लिए आसपास के घरों के निवासियों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य सौंपा गया।

दूसरी टीम का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक तनुश्री ने किया था, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक शब्बीर अहमद खान, पुलिस उपाधीक्षक रोहित कुमार, निरीक्षक तारिक अहमद, हेड कांस्टेबल गयूर-उल-हक, हेड कांस्टेबल जाविद अहमद, एस.जी.सीटी मोहम्मद सलीम, एस.जी.सीटी अब्दुल राउफ बानी, सिपाही अब्दुल राशिद, सिपाही मोहम्मद ओवैस, सिपाही इरशाद अहमद और एस.जी.सीटी खुर्शीद अहमद तथा सीआरपीएफ की वैली क्यूएटी के पर्याप्त नफरी शामिल थे तथा इस टीम को पीछे के रास्ते से लक्षित घर की तरफ बढ़ने का कार्य सौंपा गया था।

उचित योजना बनाने के बाद, पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल ने घायल होने के बावजूद एक छोटी टीम का नेतृत्व करते हुए उस स्थान पर तलाशी अभियान शुरू किया, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। पुलिस दल ने आंतरिक घेराबंदी की और आतंकवादियों के छिपे होने वाले लक्षित घर की पहचान की तथा वे एक दूसरे पर गोलीबारी के दौरान आतंकवादी के भागने के सबसे ज्यादा संभावित रास्ते को बंद करने के लिए घर के करीब पहुंच गए। छिपे हुए आतंकवादियों ने इसे भांप लिया और तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए ग्रेनेड फेंके, जिससे दल के कई सदस्यों को छर्रे लगने से गंभीर चोटें आईं।

अतुलनीय वीरता, असाधारण साहस का प्रदर्शन करते हुए और अपनी जान की परवाह किए बिना, पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल ने अपने साथियों तथा घर के निवासियों को गोलीबारी वाले क्षेत्र से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसके बावजूद, उक्त अधिकारी गोलियों की बौछार के बीच आगे बढ़ते रहे और उन्होंने अदम्य साहस तथा असाधारण सामरिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए, बहुत करीब से हुई बंदूक की लड़ाई में एक पाकिस्तानी आतंकवादी कमांडर को मार गिराया, जिसकी पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा के "ए"-श्रेणी के सदस्य अबू अरसलान उर्फ खालिद, निवासी पाकिस्तान के रूप में हुई। इस दौरान भाड़े का दूसरा पाकिस्तानी आतंकवादी भी घायल हो गया।

पाकिस्तानी आतंकवादी अबू अरसलान उर्फ खालिद के मारे जाने के तुरंत बाद, पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल के नेतृत्व में एक छोटी टीम ने अन्य संयुक्त ऑपरेशनल दलों, जिनमें विशेष रूप से पुलिस अधीक्षक तनुश्री, पुलिस उपाधीक्षक शब्बीर अहमद खान, पुलिस उपाधीक्षक रोहित कुमार, एस.जी.सीटी अब्दुल राउफ बानी और फॉलोअर मेहराज-ऊ-द्दीन खान भी शामिल थे, के सहयोग से लक्षित घर में दाखिल हुई। इन कार्मिकों की हलचल को भांपते हुए, छिपे हुए दूसरे पाकिस्तानी आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उन पर ग्रेनेड फेंके, लेकिन उक्त दल ने भी जवाबी गोलीबारी की। कार्मिकों द्वारा प्रदर्शित असाधारण दृढ़ता, बहादुरी और साहस के बीच, दूसरे आतंकवादी को भी मार गिराया गया, जिसकी पहचान बाद में पाकिस्तान के मोहम्मद भाई उर्फ अबू कासिम उर्फ मीर साहिब के रूप में हुई, जो लश्कर-ए-तैयबा का "ए"-श्रेणी का आतंकवादी था। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इस संबंध में आगे की जांच के लिए, खानयार पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16, 18, 19 और 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 19/2022 दर्ज की गई है। ये आतंकवादी श्रीनगर के मैसुमा चौक पर सीआरपीएफ के नाका दल पर गोलीबारी की घटना में भी शामिल थे, जिसमें सीआरपीएफ के एक कार्मिक को शहादत मिली थी और कई अन्य घायल हो गए थे। इस संबंध में, मैसुमा पुलिस स्टेशन, श्रीनगर में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13 और 16 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 05/2022 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री मोहन लाल, पुलिस उपाधीक्षक और अब्दुल राउफ बानी, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10.04.2022 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 56-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, मणिपुर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	लोगोलजाम लेनिन सिंह	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	सिद्धाथ थोकचोम	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	थौनाओजम निचाल सिंह	हवलदार	वीरता पदक
4.	कुमाम प्रेमानंद सिंह	राइफलमैन	वीरता पदक
5.	नगासेपम विम सिंह	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मणिपुर राज्य में मैतेई समुदाय और कुकी समुदाय के बीच दिनांक 03.05.2023 से भड़की साम्प्रदायिक हिंसा के पश्चात मणिपुर पुलिस के कार्मिकों का पता चला कि भारी मात्रा में अत्याधुनिक हथियारों से लैस कुकी उग्रवादियों ने मोरेह बाजार तथा उसके आसपास के अनेक स्थानों, जैसे कि मोरेह नगर, मोरेह खुनौ लेइकाई और प्रेम नगर आदि में अंधाधुंध रूप से घरों व वाहनों में आगजनी की तथा घरेलू संपत्तियों को नष्ट कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने हेतु मोरेह पुलिस स्टेशन के पुलिस कार्मिकों तथा विशेष पुलिस कमांडो कार्मिकों को तत्काल सक्रिय रूप से तैनात किया गया।

यह उल्लेख करना अत्यंत आवश्यक है कि उक्त साम्प्रदायिक हिंसा के दौरान असुरक्षित अंतरराष्ट्रीय सीमा का अनुचित लाभ उठाते हुए चिन-कुकी उग्रवादी म्यांमार से मणिपुर की सीमा में प्रवेश कर गए थे और मैतेई समुदाय को समाप्त करने के उद्देश्य से जघन्य तथा आपराधिक कृत्यों में संलग्न थे, जिसके परिणामस्वरूप निर्दोष लोग अपनी जान और सम्मान की रक्षा के लिए बिलख रहे थे।

उक्त परिस्थिति में, मणिपुर पुलिस को भारी मात्रा में हथियारों से लैस कुकी उग्रवादियों द्वारा बड़े पैमाने पर किए जा रहे आपराधिक कृत्यों से निपटने में सुरक्षा बलों, हथियार एवं गोला-बारूद की कमी के कारण गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। तथापि, श्री थोकचोइन कृष्णटोम्बी सिंह, पुलिस अधीक्षक (रेलवे), प्रभारी, विशेष कमांडो इकाई, खाबेइसोई, मणिपुर की सक्षम कमान और नेतृत्व में विशेष कमांडो कार्मिकों ने दृढ़ संकल्प और निष्ठा के साथ असहाय निर्दोष लोगों के जीवन तथा उनकी संपत्ति की रक्षा हेतु सभी प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल पहुंचकर, परिस्थितियों के अनुरूप, दिन-रात हर संभव कार्रवाई की।

मोरेह नगर और उसके आसपास निवास करने वाले मैतेई समुदाय के निर्दोष लोगों पर कुकी उग्रवादियों द्वारा लगातार किए जा रहे हमलों तथा सुरक्षा बलों और मणिपुर पुलिस के कार्मिकों पर उनके हमलों के दौरान, दिनांक 17.01.2024 को प्रातः लगभग 4:30 बजे कुकी उग्रवादियों ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मोरेह शाखा में तैनात विशेष कमांडो दल की चौकी पर आरपीजी और अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल करते हुए हमला किया। उच्च विस्फोटक आरपीजी के विस्फोट के बाद विशेष कमांडो बल के सहायक उप-निरीक्षक लोगोलजाम लेनिन सिंह ने हवलदार थौनाओजम निचाल सिंह के साथ मिलकर हमलावरों को मुंहतोड़ जवाब दिया। हमलावरों ने दक्षिणी और उत्तरी दिशाओं से कमांडो बल पर लगातार गोलीबारी की। उच्च विस्फोटक आरपीजी के विस्फोट से प्रवेश द्वार क्षतिग्रस्त हो गया तथा विशेष कमांडो बल के दो सैनिकों, नामतः सहायक उप-निरीक्षक सिद्धाथ थोकचोम और सिपाही नगासेपम विम सिंह घायल हो गए। उच्च विस्फोटक बमों और स्नाइपरों द्वारा अत्याधुनिक हथियारों के साथ कमांडो कार्मिकों पर लगातार गोलीबारी की गई। इस परिस्थिति में सहायक उप-निरीक्षक लोगोलजाम लेनिन सिंह, सहायक उप-निरीक्षक सिद्धाथ थोकचोम, हवलदार थौनाओजम निचाल सिंह और सिपाही नगासेपम विम सिंह ने अपनी सुरक्षा और जान की परवाह किए बिना उत्तर और दक्षिण दोनों दिशाओं में हमलावरों का डटकर मुकाबला किया, जबकि सहायक उप-निरीक्षक सिद्धाथ थोकचोम और सिपाही नगासेपम विम सिंह घायल भी हो चुके थे। कुछ समय बाद, घायल सहायक उप-निरीक्षक सिद्धाथ थोकचोम विस्फोट से लगी गंभीर चोट और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण अशक्त हो गए। तत्पश्चात दोनों घायल सैनिकों को तुरंत वहां से बाहर निकाला गया और चिकित्सा उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

इस प्रकार, उल्लिखित विशेष कमांडो कार्मिकों ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मोरेह शाखा में स्थित कमांडो पोस्ट पर अत्याधुनिक हथियारों से लैस कुकी उग्रवादियों के साथ भीषण मुठभेड़ की और उन्हें बैंक परिसर में प्रवेश करने से रोका। तथापि, विशेष कमांडो कार्मिकों की चौकी को

चारों ओर से घेरने के बाद कुकी उग्रवादियों की ओर से रुक-रुककर गोलीबारी जारी रही, जिसके कारण कमांडो कार्मिकों को उक्त चौकी से बाहर निकलने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

हमले के दौरान और उसके बाद की गई जवाबी कार्रवाई में, कुछ समय की शांति के बाद, उसी दिन रात को लगभग 8:30 बजे कुकी उग्रवादियों ने पुनः एसबीआई पोस्ट पर धावा बोल दिया और लगातार गोलीबारी करते हुए अत्यंत उच्च-विस्फोटक बमों से हमला किया। इस अत्यंत गंभीर परिस्थिति में राइफलमैन कुमाम प्रेमानंद सिंह ने उग्रवादियों से मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सहायक उप-निरीक्षक लोंगोलजाम लेनिन सिंह और राइफलमैन कुमाम प्रेमानंद सिंह कुकी उग्रवादियों के भीषण हमले के जवाब में दूसरी मंजिल की खिड़कियों के पास पोजीशन लेकर हमलावरों पर गोलीबारी कर रहे थे। अचानक, कमरे की छत पर एक बड़ा उच्च-विस्फोटक बम फटा। उस विस्फोट के दौरान राइफलमैन कुमाम प्रेमानंद सिंह के पेट में बम के छर्रे लगे और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। राइफलमैन कुमाम प्रेमानंद सिंह बिना देरी किए सुरक्षित स्थान पर गए और उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। राइफलमैन कुमाम प्रेमानंद सिंह ने अतिरिक्त बल (रीइन्फोर्समेंट) की मांग की और घायल सैनिकों को बिना विलंब चिकित्सा उपचार हेतु अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

उस दिन रात के लगभग 11:30 बजे तक गोलीबारी जारी रही। मुठभेड़ के दौरान, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मोरेह शाखा में तैनात स्पेशल कमांडो टीम के उपर्युक्त कार्मिकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे भारी मात्रा में हथियारों से लैस कुकी उग्रवादियों को कई अवांछित घटनाओं को अंजाम देने से रोका गया, जैसे कि - (i) उक्त चौकी में प्रवेश करना तथा एसबीआई मोरेह शाखा को नुकसान पहुंचाना, (ii) हथियार और गोला-बारूद छीन लेना, और (iii) कमांडो बलों को मार गिराना आदि। यदि साहसी कमांडो कार्मिकों ने, जो संख्या में कम थे, अपनी जान और सुरक्षा की परवाह किए बिना इतनी उच्च स्तर की पेशेवर निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी का परिचय न दिया होता, तो यह घटना एक और भीषण त्रासदी का रूप ले सकती थी।

इस ऑपरेशन में, मणिपुर पुलिस के सर्व/श्री लोंगोलजाम लेनिन सिंह, सहायक उप-निरीक्षक, सिद्राथ थोकचोम, सहायक उप-निरीक्षक, थौनाओजम निचाल सिंह, हवलदार, कुमाम प्रेमानंद सिंह, राइफलमैन और नगासेपम विम सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 17.01.2024 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 57-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम), वीरता पदक (मरणोपरांत) और वीरता पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अमोल नानासाहेब फडतरे	सहायक पुलिस निरीक्षक	वीरता पदक
2.	वासुदेव राजम मडावी	सहायक पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	मधुकर पोचय्या नैताम	सहायक पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	संतोष वसंतराव नैताम	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
5.	स्व. सुधाकर बिटाजी वेलादी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक (मरणोपरांत)
6.	विलास मारोती पोरतेट	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
7.	विश्वनाथ सन्यासी सडमेक	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
8.	ज्ञानेश्वर सदाशिव तोरे	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
9.	दिलीप वासुदेव सडमेक	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
10.	रामसु देऊ नरोटे	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
11.	आनंदरव बाजीराव उसेंडी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
12.	राजु पंडित चव्हाण	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
13.	अरुण कैलास मेश्राम	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
14.	नितेश गंगाराम वेलादी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
15.	मोहन लच्छु उमेंडी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक का प्रथम बार
16.	संदिप गणपत वसाके	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
17.	कैलास देवु कोवासे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
18.	हरिदास महारु कुलयेटी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
19.	किशोर चंटी तलांडे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
20.	अनिल रघुपती आलाम	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
21.	नरेंद्र दशरथ मडावी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
22.	आकाश अशोक उईके	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
23.	स्व. कारे इरपा आत्राम	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक (मरणोपरांत)
24.	राजु मासा पुसाली	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
25.	महेश दत्तुजी जाकेवार	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
26.	रूपेश रमेश कोडापे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
27.	मुकेश शंकर सडमेक	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
28.	योगेंद्रराव उपेंद्रराव सडमेक	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
29.	घिस्सु वंजा आत्राम	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
30.	अतुल भगवान मडावी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
31.	विश्वनाथ लक्ष्मण मडावी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 21.04.2018 को प्राणहिता (अहेरी) के अपर पुलिस अधीक्षक श्री राजा आर. को अपने मुखबिर से अत्यंत महत्वपूर्ण सूचना प्राप्त हुई कि प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन के लगभग 90-100 सशस्त्र नक्सली बोरिया-कसनासूर के जंगलों में एकत्रित हुए हैं और उनका उद्देश्य उस क्षेत्र की पुलिस बल पर जानलेवा हमला करना है।

अतः, अपर पुलिस अधीक्षक राजा आर. ने सूचना की पुष्टि करने के बाद अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) हरि बालाजी एन. से तुरंत संपर्क किया और इस चिंताजनक जानकारी को उनके साथ साझा किया। दोनों अधिकारियों ने इस सूचना पर विस्तृत विचार-विमर्श किया और निष्कर्ष निकाला कि यह सूचना अत्यंत महत्वपूर्ण और सटीक है, जिससे वरिष्ठ अधिकारी को तुरंत अवगत कराना आवश्यक है।

अपर पुलिस अधीक्षक राजा आर. तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) हरि बालाजी एन. ने तत्काल यह सूचना पुलिस अधीक्षक, गडचिरोली डॉ. अभिनव देशमुख को दी। डॉ. अभिनव देशमुख ने सूचना की पुष्टि की और एक कार्रवाई योजना तैयार की गई।

योजना के अनुसार, सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल नानासाहेब फडतरे को तलाशी दल का प्रभारी नियुक्त किया गया। सहायक पुलिस उप-निरीक्षक वासुदेव राजम मडावी (दल कमांडर) अपने दस्ते के 15 सैनिकों के साथ तथा सहायक पुलिस उप-निरीक्षक मधुकर पोचय्या नैताम (दल कमांडर) अपने दस्ते के 25 सैनिकों के साथ, सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल नानासाहेब फडतरे के नेतृत्व में ऑपरेशन चलाने वाले थे। दिनांक 21.04.2018 को रात्रि 23:00 बजे उपरोक्त टीम नक्सल तलाशी अभियान के लिए अहेरी से सिविल वाहनों द्वारा भामरागढ़ डिवीजन के बोरिया-कसनासूर जंगल की ओर रवाना हुई।

ताड़गांव पहुंचने के बाद, योजना के अनुसार, उपरोक्त टीम ने ताड़गांव पुलिस दल तथा सीआरपीएफ (9वीं बटालियन) के सैनिकों को भी अपने साथ तलाशी अभियान में शामिल किया। सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल नानासाहेब फडतरे ने ताड़गांव पुलिस दल और सीआरपीएफ को कसनासूर के जंगल में 'कट-ऑफ दल' का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा।

दिनांक 22.04.2018 को सुबह सवेरे, दल प्रभारी सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल नानासाहेब फडतरे ने सी-60 दस्ते को दो समूहों में विभाजित किया और कसनासूर से बोरिया जंगल की ओर बढ़े। लगभग 07:00 बजे, पुलिस कांस्टेबल संदिप गणपत वसाके ने देखा कि 8-10 सशस्त्र नक्सली, जो ऑलिव ग्रीन वर्दी में थे, पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर इंद्रावती नदी को पार कर रहे थे। उन्होंने तुरंत

सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल नानासाहेब फडतरे को इसकी सूचना दी। सहायक पुलिस निरीक्षक अनमोल नानासाहेब फडतरे ने पहले दल के कमांडर सहायक पुलिस उप-निरीक्षक मधुकर पोचय्या नैताम को सतर्क किया और दूसरे दल के कमांडर सहायक पुलिस उप-निरीक्षक वासुदेव राजम मडावी को वापस मुडने का निर्देश भी दिया।

सहायक पुलिस उप-निरीक्षक वासुदेव राजम मडावी ने आधा किलोमीटर पीछे घूमकर पूर्व दिशा से इंद्रावती नदी पार करने का निर्णय लिया। इसके बाद उन्होंने सहायक पुलिस उप-निरीक्षक मधुकर पोचय्या नैताम को पश्चिम दिशा से नदी पार करने का निर्देश दिया। वासुदेव राजम मडावी के दस्ते को तीन सेक्शनों में विभाजित किया गया। पहले सेक्शन में वासुदेव राजम मडावी, दूसरे सेक्शन में पुलिस कांस्टेबल नरेंद्र दशरथ मडावी और तीसरे सेक्शन में पुलिस कांस्टेबल मोहन लच्छु उसेंडी थे।

मधुकर पोचय्या नैताम के दस्ते को 4 सेक्शनों में विभाजित किया गया था। पहले सेक्शन में मधुकर पोचय्या नैताम, दूसरे सेक्शन में नायक पुलिस कांस्टेबल विश्वनाथ सन्यासी सडमेक, तीसरे सेक्शन में नायक पुलिस कांस्टेबल संतोष वसंतराव नैताम और चौथे सेक्शन में पुलिस कांस्टेबल राजु मासा पुसाली थे। वासुदेव राजम मडावी दल ने इंद्रावती नदी पार की, जबकि सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल नानासाहेब फडतरे, मधुकर पोचय्या नैताम दल के साथ पश्चिम दिशा से इंद्रावती नदी तक पहुंचे। दल के कमांडर मधुकर पोचय्या नैताम ने पहले और दूसरे सेक्शनों का तथा दल प्रभारी अमोल नानासाहेब फडतरे ने तीसरे और चौथे सेक्शनों का नेतृत्व किया। सुबह लगभग 9:00 बजे, मधुकर पोचय्या नैताम का दल नक्सलियों के निकट पहुंचा, लेकिन नक्सलियों ने उनके दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और जवाबी कार्रवाई करने से पहले ही उन्हें एहसास हो गया कि उनके दल के पहले और दूसरे सेक्शन नक्सलियों के घात (एंबुश) में फंस गए हैं। गोलीबारी के बीच भी धैर्य बनाए रखते हुए सैनिकों ने कवर लिया, जबकि दूसरे सेक्शन के कमांडर नायक पुलिस कांस्टेबल विश्वनाथ सन्यासी सडमेक अपने सैनिकों को साथ लेकर धीरे-धीरे नक्सलियों की ओर बढ़ने लगे। बंदूक की इस लड़ाई के दौरान कवर लेते समय विश्वनाथ सन्यासी सडमेक घायल हो गए। इस पूरी घटना के बीच, सहायक पुलिस निरीक्षक अनमोल नानासाहेब फडतरे ने देखा कि नदी के दूसरे किनारे पर मौजूद वासुदेव राजम मडावी के दल पर नक्सलियों का हमला होने वाला है। सहायक पुलिस निरीक्षक अनमोल नानासाहेब फडतरे तीसरे सेक्शन के 6 सैनिकों के साथ उन्हें सुरक्षित करने के लिए नदी में कूद पड़े, लेकिन वे भी नक्सलियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गए। नदी में उन्हें नक्सली गोलीबारी से कोई सुरक्षा कवर नहीं मिला, फिर भी वे आगे बढ़ते रहे। नदी पार करने के इस साहसिक प्रयास के दौरान पुलिस कांस्टेबल अनिल रघुपती आलाम और नायक पुलिस कांस्टेबल विलास मरोती पोरतेट घायल हो गए। इससे नक्सलियों को लगा कि वे इस लड़ाई में बहुत बने रहे हैं, लेकिन सहायक पुलिस निरीक्षक अनमोल नानासाहेब फडतरे ने नायक पुलिस कांस्टेबल आनंदरव बाजीराव उसेंडी को यूबीजीएल (अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर) से नक्सलियों पर ग्रेनेड दागने का निर्देश दिया। यूबीजीएल की उनकी सटीक निशानेबाजी के कारण नक्सली अपने सुरक्षित ठिकानों से भागने लगे। दल के कमांडर वासुदेव राजम मडावी और उनके दस्ते ने गोलीबारी की आवाज सुनते ही तुरंत जवाबी कार्रवाई की और नदी के पूर्वी किनारे से दक्षिण की ओर बढ़े। वासुदेव राजम मडावी ने देखा कि 40-50 नक्सली मधुकर पोचय्या नैताम के दल पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे और हत्या की अपनी मंशा को दिखाते हुए चिल्लाकर एक-दूसरे को 'पुलिस को मारो, तथा उनके हथियार और गोला-बारूद छीन लो' बोल रहे थे। इससे पहले कि वासुदेव राजम मडावी और उनकी टीम स्थिति को समझ पाते नदी किनारे के जंगल में छिपे 50-60 नक्सलियों ने उन पर भी भारी गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद नक्सलियों ने 20-25 लोगों को वासुदेव राजम मडावी और उनके दल पर प्राणघातक हमला करने के लिए आगे भेजा, लेकिन वासुदेव राजम मडावी और उनके 4 कार्मिकों ने उनके हमले को विफल करके उनके नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। इस जवाबी कार्रवाई में पुलिस कांस्टेबल अरुण कैलास मेथ्राम घायल हो गए। वासुदेव राजम मडावी और उनके 4 कार्मिकों को उस दल के कमांडर नरेंद्र दशरथ मडावी से कवर गोलीबारी और सहयोग मिला, जिन्होंने विश्वनाथ सन्यासी मडावी को नक्सलियों पर अंडर बैरल ग्रेनेड दागने का निर्देश दिया था। यूबीजीएल ग्रेनेडों की सटीकता के कारण नक्सली तितर-बितर होकर भागने लगे। इस जवाबी कार्रवाई में पुलिस कांस्टेबल मुकेश कांबले घायल हो गए। इसी दौरान, उस सेक्शन के कमांडर मोहन लच्छु उसेंडी ने एक बचाव अभियान शुरू किया और अपने सेक्शन के 4 कार्मिकों को 3 फंसे हुए कार्मिकों को बचाने के लिए भेजा। मोहन लच्छु उसेंडी ने पुलिस कांस्टेबल रूपेश रमेश कोडापे को अंडर बैरल ग्रेनेड दागने का निर्देश दिया, जिसे उन्होंने सटीकता से अंजाम दिया तथा इसके परिणामस्वरूप नक्सली वहां से भाग गए।

एक-दूसरे पर गोलीबारी रुकने के बाद पुलिस टीम ने पूरे क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान 9 पुरुष और 7 महिला नक्सली ओलिव ग्रीन वर्दी में घायल अवस्था में मिले। उन्हें गोली लगी थी। उन्हें उपचार के लिए निकटतम अस्पताल और बाद में सरकारी सामान्य अस्पताल, गडचिरेली भेजा गया। चल रहे तलाशी अभियान में पुलिस को ओलिव ग्रीन वर्दी पहने 18 पुरुष तथा महिला नक्सलियों के शव भी मिले। कुल 34 नक्सलियों के अलावा पुलिस टीम ने तीन एके-47 राइफल, दो एसएलआर राइफल, एक कार्बाइन राइफल, मैगजीन सहित एक इंसास राइफल, तीन .303 राइफल, तीन 8 मिमी राइफल, ग्यारह 12 बोर राइफल, एके राइफल की चार मैगजीन, एसएलआर की एक मैगजीन, .303 राइफल की दो मैगजीन तथा अन्य गोला-बारूद बरामद किया। साथ ही कई मेडिकल किट, प्रतिबंधित सीपीआई (एम) संगठन का साहित्य और नक्सलियों से संबंधित अन्य सामान भी बरामद किया गया।

उक्त मुठभेड़ को हर मायने से ऐतिहासिक कहा जा सकता है, चाहे वह गोपनीय जानकारी की प्राप्ति हो अथवा सटीक योजना बनाकर और उसका उचित निष्पादन। इस मुठभेड़ ने अधिकारी और सी-60 कमांडो की बहादुरी और संकल्प को साबित किया। सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल नानासाहेब फडतरे, दल कमांडरों सहायक पुलिस उप-निरीक्षक वासुदेव राजम मडावी और सहायक पुलिस उप-निरीक्षक मधुकर पोचय्या नैताम के नेतृत्व वाली दो पुलिस टीमों को 2 मोर्चों, अर्थात् हिंसा पर तुले सशस्त्र नक्सलियों की बड़ी संख्या और एक भूभाग जो एक नदी और नदी के किनारों से बना था, जिसमें टीमों को बहुत कम या कोई कवर नहीं था, पर अभूतपूर्व परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उनका अनुकरणीय साहस इस बात से साबित होता है कि वे इस बात को अच्छी तरह से जानते थे कि उनके पास खुद को बचाने के लिए बहुत कम या कोई कवर नहीं

है, फिर भी वे नक्सलियों की भीषण गोलीबारी के सामने आगे बढ़े। पुलिस दलों को 4-5 मोर्चों से एक साथ नक्सली गोलीबारी का सामना करना पड़ा और नक्सलियों के 2:1 में अधिक संख्या में होने के बावजूद, कमांडो कार्मिकों ने सटीक और नियंत्रित जवाबी गोलीबारी के साथ जवाब देते समय उल्लेखनीय धैर्य का प्रदर्शन किया। सी-60 कमांडो के संकल्प की असली परीक्षा तब हुई जब उनके साथी कमांडो लड़ाई में फंस गए और मौत उनके सिर पर मंडराने लगी। कमांडो कार्मिकों ने अपने साथी कमांडो की मदद के लिए अपनी जान की परवाह नहीं की और उन्हें सफलतापूर्वक सुरक्षित स्थान पर ले आये।

पुलिस अधिकारी और सी-60 कमांडो टीम के सदस्य फंसे हुए पुलिस कार्मिकों को बचाने और नक्सली हमले को विफल करने में सफल रहे। उन्होंने किसी भी पुलिस कार्मिक की जान गवाए बिना यह सब हासिल किया।

मुठभेड़ लगभग तीन घंटे तक चली, जिसमें दक्षिण गढ़चिरौली क्षेत्र के दो शीर्ष नेताओं और दो दलम कमांडरों सहित 34 राष्ट्र-विरोधी नक्सलवादियों को मार गिराया गया।

इस ऑपरेशन में, महाराष्ट्र पुलिस के सर्वश्री अमोल नानासाहेब फडतरे, सहायक पुलिस निरीक्षक, वासुदेव राजम मडावी, सहायक पुलिस उप-निरीक्षक, मधुकर पोचय्या नैताम, सहायक पुलिस उप-निरीक्षक, संतोष वसंतराव नैताम, नायक पुलिस कांस्टेबल, स्व. सुधाकर बिटाजी वेलादी, नायक पुलिस कांस्टेबल, विलास मारोती पोरतेट, नायक पुलिस कांस्टेबल, विश्वनाथ सन्यासी सडमेक, नायक पुलिस कांस्टेबल, ज्ञानेश्वर सदाशिव तोरे, नायक पुलिस कांस्टेबल, दिलीप वासुदेव सडमेक, नायक पुलिस कांस्टेबल, रामसु देऊ नरोटे, नायक पुलिस कांस्टेबल, आनंदरव बाजीराव उसेंडी, नायक पुलिस कांस्टेबल, राजु पंडित चव्हाण, नायक पुलिस कांस्टेबल, अरुण कैलास मेश्राम, पुलिस कांस्टेबल, नितेश गंगाराम वेलादी, पुलिस कांस्टेबल, मोहन लच्छु उसेंडी, पुलिस कांस्टेबल, संदिप गणपत वसाके, पुलिस कांस्टेबल, कैलास देवु कोवासे, पुलिस कांस्टेबल, हरिदास महारु कुलयेटी, पुलिस कांस्टेबल, किशोर चंटी तलांडे, पुलिस कांस्टेबल, अनिल रघुपती आलाम, पुलिस कांस्टेबल, नरेंद्र दशरथ मडावी, पुलिस कांस्टेबल, आकाश अशोक उईके, पुलिस कांस्टेबल, स्व. कारे इरपा आत्राम, पुलिस कांस्टेबल, राजु मासा पुसाली, पुलिस कांस्टेबल, महेश दत्तुजी जाकेवार, पुलिस कांस्टेबल, रूपेश रमेश कोडापे, पुलिस कांस्टेबल, मुकेश शंकर सडमेक, पुलिस कांस्टेबल, योगेंद्रराव उपेंद्रराव सडमेक, पुलिस कांस्टेबल, धिस्सु वंजा आत्राम, पुलिस कांस्टेबल, अतुल भगवान मडावी, पुलिस कांस्टेबल और विश्वनाथ लक्ष्मण मडावी, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 22.04.2018 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 58-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अतुल क्रिष्णा दास	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	पूर्ण चंद्र पधान	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	घनश्याम साहु	सिपाही	वीरता पदक
4.	थबिर माझि	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09.05.2023 को ओडिशा पुलिस के पुलिस उपाधीक्षक श्री अतुल क्रिष्णा दास को विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली कि कालाहांडी जिले के एम. रामपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत तापारंग गांव के बाहरी क्षेत्र में घने जंगल में सीपीआई (माओवादी) के सशस्त्र उग्रवादियों का एक समूह मौजूद है। कालाहांडी जिले के माओवादी प्रभाव से अत्यधिक ग्रस्त क्षेत्र होने के कारण, पुलिस उपाधीक्षक श्री अतुल क्रिष्णा दास और उनकी खुफिया यूनिट के तीन सदस्य, नामतः सहायक उप-निरीक्षक पूर्ण चंद्र पधान, सिपाही घनश्याम साहु और सिपाही थबिर माझि और अधिक आसूचना जुटाने के लिए हथियारों को छुपाकर तुरंत उस क्षेत्र की ओर रवाना हो गए। तापारंग गांव पहुंचने पर उन्होंने उस क्षेत्र में कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी। अचानक, उग्रवादियों के कैम्प वाली तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई और माओवादियों द्वारा चलाई गई एक गोली पुलिस उपाधीक्षक श्री अतुल क्रिष्णा दास के दाहिने पैर में लगी। पुलिस उपाधीक्षक श्री अतुल क्रिष्णा दास और उनकी टीम ने कवर लेते हुए मोर्चा संभाला। माओवादियों ने गांव के बाहरी क्षेत्र में स्थित एक घर से उपर्युक्त पुलिस कार्मिकों पर लगातार गोलीबारी की। सावधानी और सतर्कता बरतते हुए, पुलिस की इस चार सदस्यीय टीम ने अपनी जान की परवाह किए बिना जवाबी कार्रवाई की और सर्वोच्च स्तर की वीरता का परिचय दिया। एक-दूसरे पर हुई इस गोलीबारी में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के एक डिवीजनल समिति सदस्य (डीसीएम), एक क्षेत्र समिति सदस्य (एसीएम)

और एक-पार्टी सदस्य (पीएम) सहित सीपीआई (माओवादी) के तीन कट्टर उग्रवादी मारे गए। साथ ही, उन्होंने एसओजी (विशेष अभियान समूह, ओडिशा का विशेष नक्सल-विरोधी बल) को भी सूचना दी। एसओजी मौके पर पहुंचा और पूरे क्षेत्र की तलाशी ली, जिसके दौरान 13 जिंदा कारतूसों के साथ एक एके 47 राइफल, 2 कारतूसों के साथ एक ऑटोमैटिक पिस्तौल और एक देसी पिस्तौल, माओवादी पोस्टर, माओवादी साहित्य, माओवादी पोशाक, चांदी के हैंडल वाला चाकू, छाता, टॉर्च, सर्च लाइट, मेडिसिन किट, डेटोनेटर, बैटरी वायर और वांकी-टॉकी बरामद किया गया। इस संबंध में, एम. रामपुर पुलिस स्टेशन में दिनांक 09.05.2023 को आईपीसी की धारा 147/148/120-बी/121/121-ए/122/123/124-ए/307/149, आयुध अधिनियम की धारा 25/27, दंड विधि (संशोधन) अधिनियम की धारा 17 तथा विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16(1)(बी)/18/20 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 104 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में, ओडिशा पुलिस के सर्वश्री अतुल क्रिष्णा दास, पुलिस उपाधीक्षक, पूर्ण चंद्र पधान, सहायक उप-निरीक्षक, घनश्याम साहु, सिपाही और थबिर माझि, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 09.05.2023 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 59-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, तेलंगाना पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री मर्रि वेंकाट रेड्डी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

यह "आयुध अधिनियम" से संबंधित मामला है। दिनांक 01.02.2025 को लगभग 19:00 बजे हेड कांस्टेबल मर्रि वेंकाट रेड्डी द्वारा विश्वसनीय सूचना के आधार पर, यह विशिष्ट जानकारी दी गई कि बत्थुला प्रभाकर उर्फ राहुल रेड्डी उर्फ बय्यापुर रेड्डी उर्फ बिट्टू उर्फ सर्वेश्वर रेड्डी उर्फ राजू पुत्र किट्टय्या उर्फ कृष्णैया, उम्र 30 वर्ष, जाति वड्डुरा, निवासी फ्लैट नंबर ए-205, वजरा जैस्मीन, नानकरामगुडा, मूल निवासी वड्डेपल्ली क्षेत्र, इरिकीपेंटा गांव, सोमाला मंडल, चित्तौर जिला, जो लगभग 125 अपराधिक मामलों में शामिल था, प्रिज्म पब, गौलीडोड्डी में मौजूद है। हेड कांस्टेबल मर्रि वेंकाट रेड्डी दो हेड कांस्टेबलों के साथ लगभग 19:20 बजे घटनास्थल पर पहुंचे। वहां पहुंचने पर उन्होंने बत्थुला प्रभाकर को देखा और उन्होंने खुद को पुलिस अधिकारी बताया तथा उसे आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। गिरफ्तारी का विरोध करते हुए, आरोपी ने बंदूक निकाली, उन पर निशाना साधा और उन्हें जान से मारने तथा वहां से भागने की मंशा से दो गोलियां चलाई। जब उन्होंने उसे काबू करने की कोशिश की, तो एक गोली हेड कांस्टेबल मर्रि वेंकाट रेड्डी के बाएं पैर के अंगूठे में लगी, जिससे खून बहने लगा। इसके बावजूद, हेड कांस्टेबल मर्रि वेंकाट रेड्डी और उनके साथी हेड कांस्टेबलों ने आरोपी को काबू में कर मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। हेड कांस्टेबल मर्रि वेंकाट रेड्डी ने अपनी जान जोखिम में डालकर अपराधी से मुकाबला करने में अनुकरणीय वीरता का परिचय दिया। इस मामले में साइबराबाद के गचीबोवली पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1), 121(2) और आयुध अधिनियम, 1959 की धारा 25(1बी)(ए) और 27(2) के तहत मामला दर्ज किया गया था। बत्थुला प्रभाकर दिनांक 23.03.2022 को केंद्रीय कारागार के एस्कोर्ट के सामने से फरार हो गया था, जिसके लिए विशाखापत्तनम के अरिलोवा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 224 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 148/2022 दर्ज की गई थी।

इसके अलावा, गिरफ्तार अपराधी बत्थुला प्रभाकर बेहद खतरनाक है। उसने घातक हथियार दिखाकर जनता को धमकाते हुए 100 से भी अधिक अपराध किए हैं। उसने पुलिस पर हमले समेत कई जघन्य अपराध किए हैं। हेड कांस्टेबल मर्रि वेंकाट रेड्डी ने अपनी जान जोखिम में डालकर अपराधी से मुकाबला करने में अनुकरणीय साहस का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में, तेलंगाना पुलिस के श्री मर्रि वेंकाट रेड्डी, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 01.02.2025 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 60-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	संतोष कुमार	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	सौरभ मिश्रा	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	कवींद्र	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28.08.2024 को सुल्तानपुर जिले के एक आभूषण की दुकान में दिनदहाड़े एक सनसनीखेज डकैती हुई, जिसमें बंदूक की नोक पर करोड़ों रुपये के गहने और नकदी लूट ली गई। मामले की जांच के बाद कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन मुख्य साजिशकर्ता अनुज प्रताप सिंह समेत अन्य आरोपी फरार थे। इस संबंध में, लखनऊ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक ने प्रत्येक आरोपी पर 1,00,000 रुपये का इनाम घोषित किया था। अनुज प्रताप सिंह एक कुख्यात पेशेवर लुटेरा था। वर्ष 2023 में उसने सूरत (गुजरात) स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में दिनदहाड़े डकैती डाली थी।

पुलिस उपाधीक्षक प्रमेश कुमार शुक्ला के नेतृत्व में एसटीएफ की टीम विभिन्न जिलों में खुफिया जानकारी जुटा रही थी। दिनांक 22.09.2024 को सूचना मिली कि इस डकैती का मास्टरमाइंड अनुज प्रताप सिंह घातक हथियारों से लैस होकर एक साथी के साथ वहां छिपाई गई लूटी हुई संपत्ति को वापस लेने के लिए उन्नाव आया था तथा वह उन्नाव जिले के अचलगंज पुलिस स्टेशन के कालुहागारा के कटरी इलाके में कहीं छिपा हुआ था। वे लूटी गई संपत्ति को ठिकाने लगाने के लिए उसी रात मोटरसाइकिल से निकलने वाले थे। पुलिस उपाधीक्षक प्रमेश कुमार शुक्ला अपने सहयोगी निरीक्षक संतोष कुमार, उप-निरीक्षक सौरभ मिश्रा, हेड कांस्टेबल कवींद्र और अन्य के साथ निकले और रात को लगभग 10:45 बजे रायबरेली-उन्नाव राजमार्ग पर अचलगंज से कालुहागारा जाने वाले अंडरपास के पास पहुंच गए। पुलिस उपाधीक्षक प्रमेश कुमार शुक्ला और निरीक्षक संतोष के नेतृत्व में दो टीमें गठित की गई। निरीक्षक संतोष कुमार के नेतृत्व वाली टीम ने अचलगंज से कालुहागारा की ओर पूर्व में स्थित खरंजा रोड पर पोजीशन ले ली, जबकि पुलिस उपाधीक्षक प्रमेश कुमार शुक्ला के नेतृत्व वाली टीम ने अचलगंज से कालुहागारा की ओर पश्चिम में स्थित एक कच्ची सड़क पर जांच (चेकिंग) शुरू कर दी। दिनांक 23.09.2024 को सुबह के लगभग 03:45 बजे कालुहागारा की ओर से एक मोटरसाइकिल आती हुई दिखाई दी। पास आने पर, मोटरसाइकिल सवार की पहचान अनुज के रूप में हुई, जिस पर 1,00,000 रुपये का इनाम था। दूसरी टीम ने मोटरसाइकिल को रोकने का प्रयास किया। इसी बीच पुलिस उपाधीक्षक प्रमेश कुमार शुक्ला अपनी टीम के साथ सड़क के बीच में खड़े हो गए और मोटरसाइकिल सवारों को रुकने की चुनौती दी। अपराधियों ने चेतावनी को अनसुना कर भागने के लिए मोटरसाइकिल कच्ची सड़क पर मोड़ दी, लेकिन मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। दोबारा चुनौती दिए जाने पर अनुज गाली-गलौज करते हुए गोलीबारी करते हुए अचलगंज से कालुहागारा जाने वाली सड़क पर भागने लगा, जबकि उसका साथी गोलीबारी करते हुए, झुकते-मुड़ते और छिपते हुए खेतों की ओर भागा। अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे अपराधियों को काबू में करने का कोई और विकल्प न देखकर निरीक्षक संतोष कुमार, उप-निरीक्षक सौरभ मिश्रा और हेड कांस्टेबल कवींद्र तथा अन्य ने अपने पेशेवर कौशल तथा विशेषज्ञता का इस्तेमाल करते हुए और अपनी जान की परवाह किए बिना, असाधारण साहस तथा बहादुरी का प्रदर्शन किया और अपराधियों की गोलीबारी की रेंज में घुसकर आत्मरक्षा में नियंत्रित तरीके से गोली चलाई, जो अनुज प्रताप सिंह को लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। गोलीबारी बंद होने पर पुलिस टीम गंभीर रूप से घायल पड़े अपराधी के पास पहुंची। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मृत्यु हो गई।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश के सर्व/श्री संतोष कुमार, निरीक्षक, सौरभ मिश्रा, उप-निरीक्षक और कवींद्र, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 23.09.2024 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 61-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	विनोद कुमार सिंह	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
2.	अमित	निरीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
3.	बैजनाथ राम	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	मनोज कुमार सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

वाराणसी जिले का मनीष सिंह एक कुख्यात अपराधी और अंतरराज्यीय शार्प शूटर था, जिसका लंबा आपराधिक इतिहास था तथा उसने वाराणसी, आजमगढ़, जौनपुर, गाजीपुर और मिर्जापुर जिलों में डकैती, लूटपाट, हत्या, जबरन वसूली आदि जैसे लगभग 03 दर्जन जघन्य अपराधों को अंजाम दिया था। वर्ष 2021 में, उसने वाराणसी में दैनिक जागरण के संवाददाता और कॉलोनाइजर एन.डी. तिवारी तथा मिर्जापुर में जीएम स्टील कंपनी के कर्मचारी जीवनंदी की बेरहमी से हत्या की थी। वर्ष 2022 में, उसने महाराष्ट्र के मीरा भायंदर पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में दिनदहाड़े समय सिंह चौहान की सनसनीखेज हत्या की थी। वह पूर्वांचल में आतंक का पर्याय बन गया था। उसकी आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए, उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक द्वारा उस पर 2,00,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

वाराणसी यूनिट के अपर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह के नेतृत्व में एसटीएफ की एक टीम कुख्यात अपराधियों और अन्य घोषित अपराधियों के विरुद्ध खुफिया जानकारी जुटा रही थी। दिनांक 21.03.2022 को बांकट रेलवे क्रॉसिंग अंडरपास रिंग रोड के पास खुफिया जानकारी जुटाते समय सूचना मिली कि एन.डी. तिवारी हत्याकांड, चुनाव जनरल मैनेजर मामले और चौकाघाट दोहरे हत्याकांड में बांछित मनीष सिंह उर्फ सोनू किसी सनसनीखेज अपराध को अंजाम देने के लिए अंडरपास और फिर भराओं गांव से होते हुए हरहुआ से जनसा को जा रहा था।

सूचना पर कार्रवाई करते हुए, अपर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह अपनी टीम के सदस्यों के साथ रिंग रोड अंडरपास के पश्चिम में एक रणनीतिक स्थान पर तैनात हो गए, जबकि निरीक्षक अमित, हेड कांस्टेबल बैजनाथ राम और हेड कांस्टेबल मनोज कुमार सिंह ने अंडरपास की पूर्वी तरफ तैनात होकर राहगीरों की जांच शुरू की। कुछ समय बाद, पूर्वी लेन से एक काली पल्सर मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। निरीक्षक अमित ने मोटरसाइकिल को रोकने का प्रयास किया, लेकिन अपराधी भागने के लिए तेजी से अंडरपास की ओर बढ़ गए। निरीक्षक अमित ने पीछे बैठे व्यक्ति की पहचान कुख्यात अपराधी और इनामी मनीष के रूप में की। जब उन्हें रोकने का प्रयास किया गया, तो वे अपनी मोटरसाइकिल को बहुत तेजी से पश्चिमी लेन की ओर ले गए और हरहुआ की तरफ भागने लगे। एसटीएफ टीम ने बोलेरो गाड़ी से उनका पीछा किया। अंडरपास से लगभग 200 मीटर आगे जाने पर, एसटीएफ टीम अपराधियों के बहुत करीब पहुंच गई। अचानक अपराधियों की मोटरसाइकिल लड़खड़ा गई और कार्बाइन हाथ में लेकर पीछे बैठा व्यक्ति मोटरसाइकिल से कूद गया। एसटीएफ टीम अपने वाहन से उतरी और उसने अपराधियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन चेतावनी को अनसुना करते हुए उन्होंने जान से मारने की नीयत से गोलीबारी शुरू कर दी। अपराधियों को घेरने और गिरफ्तार करने के प्रयास किए गए, लेकिन वे अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे। अपराधी मनीष द्वारा चलाई गई गोलियों में से एक गोली अपर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह को और एक गोली निरीक्षक अमित को सामने से लगी और वे अपनी बुलैट प्रूफ जैकेट के कारण ही बच पाए, अन्यथा यह जानलेवा साबित हो सकता था। अपनी जान खतरे में देखकर और अपराधियों पर काबू पाने का कोई और विकल्प न पाकर, अपर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह, निरीक्षक अमित, हेड कांस्टेबल बैजनाथ राम और हेड कांस्टेबल मनोज कुमार सिंह ने अपने कर्तव्य को सर्वोपरि मानते हुए, अदम्य साहस, वीरता और पेशेवर कौशल तथा एसटीएफ विशेषज्ञता का प्रयोग करते हुए अपराधियों की गोलीबारी की रेंज में प्रवेश किया और आत्मरक्षा में नियंत्रित तरीके से गोलीबारी करके अपराधी को पकड़ लिया। जवाबी गोलीबारी के परिणामस्वरूप, लगभग 14:00 बजे अपराधी घायल होकर गिर पड़ा और उसकी पहचान मनीष उर्फ सोनू के रूप में हुई, जिस पर 2,00,000 रुपये का इनाम था। घायल अपराधी की जान बचाने के लिए उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मृत्यु हो गई।

अपराधी के पास से मैगजीन सहित कारखाने में निर्मित 01 कार्बाइन सब-मशीन गन, जिस पर 1A1 नंबर अंकित था, 08 खाली और 10 जिंदा कारतूस तथा मैगजीन के साथ 7.65 बोर की एक पिस्तौल और 04 जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश के सर्व/श्री विनोद कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, अमित, निरीक्षक, बैजनाथ राम, हेड कांस्टेबल और मनोज कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 21.03.2022 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 62-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अतुल चतुर्वेदी	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	प्रदीप कुमार सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	सुशील कुमार सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

प्रतापगढ़ का कुख्यात अपराधी गुफरान, जिसका आपराधिक इतिहास हत्या, लूटपाट और जबरन वसूली आदि जैसे एक दर्जन से अधिक गंभीर अपराधों से भरा था, आतंक का पर्याय बन गया था। वर्ष 2023 में, उसने सरिये के व्यापारी को लूटा और डेढ़ लाख रुपये से अधिक की नकदी तथा सुल्तानपुर के केबीएस पेट्रोल पंप से 50,000 रुपये लूट लिए। दिनांक 16.05.2023 को, उसने अपने साथी तनवीर की बेरहमी से हत्या की थी और वह तनवीर हत्याकांड के पैरोकार और गवाहों को धमका रहा था। उसकी बढ़ती आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए, प्रयागराज जोन के अपर पुलिस महानिदेशक ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 1,00,000 रुपये का इनाम घोषित किया था। साथ ही उस पर सुल्तानपुर के पुलिस अधीक्षक द्वारा भी 25,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

पुलिस उपाधीक्षक धर्मे शहाही के नेतृत्व में एसटीएफ की एक टीम नोएडा, आगरा, प्रयागराज, प्रतापगढ़, रायबरेली आदि जिलों का दौरा करके गुफरान के खिलाफ खुफिया जानकारी जुटा रही थी। दिनांक 27.06.2023 को सुबह के लगभग 03:00 बजे सूचना मिली कि गुफरान अपने एक साथी के साथ फिरौती के लिए किसी व्यापारी की हत्या करने के इरादे से मंझनपुर, कौशांबी जा रहा था। सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस उपाधीक्षक धर्मे शहाही, उप-निरीक्षक अतुल चतुर्वेदी, उप-निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल सुशील कुमार सिंह और अन्य के साथ प्रयागराज-चित्रकूट रोड पर मंझनपुर स्थित वशिष्ठ शुगर मिल के पास ससुर खदेरी नदी के पुल के पास पहुंचे। दो टीमों गठित की गईं, जिनमें से पहली टीम का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक धर्मे शहाही ने किया, जबकि दूसरी टीम का नेतृत्व निरीक्षक राघवेंद्र ने किया। पहली हमला टीम ने मंझनपुर की ओर ससुर खदेरी नदी के पुल के पास पोलीशन ले ली तथा दूसरी टीम ने समदा पेट्रोल पंप के पास मुख्य सड़क पर पोलीशन ले ली और वे अपराधियों का इंतजार करने लगे। सुबह लगभग 05:00 बजे, प्रयागराज की तरफ से नीली अपाचे मोटरसाइकिल पर दो लोग आते हुए दिखे। पीछे बैठे व्यक्ति की पहचान कुख्यात गुफरान के रूप में हुई। पुलिस को भांपते ही चालक ने अपनी मोटरसाइकिल की रफ्तार बढ़ा दी और वह समदा की तरफ भागा तथा पुलिस उपाधीक्षक धर्मे शहाही और उनकी टीम ने सरकारी वाहन से उनका पीछा किया। अपराधियों को बार-बार चुनौती दी गई, लेकिन उनकी चेतावनी बेकार गई। भागने की कोशिश में अपराधियों ने मोटरसाइकिल को अचानक मोड़ लिया और वे प्रयागराज की तरफ वापस भागे। एसटीएफ के वाहनों को उनका पीछा करते देख, वे अमन चिकन बिरयानी की दुकान के पास कच्ची सड़क पर मुड़ गए, लेकिन मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। रोकने की कोशिश करने पर, पीठ पर बैग लटकाए व्यक्ति ने अपनी कमर में खोंसी पिस्तौल निकाली और पुलिस पर गोलियां चला दीं, जिससे उप-निरीक्षक अतुल चतुर्वेदी, उप-निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह और हेड कांस्टेबल सुशील कुमार सिंह बाल-बाल बचे। बार-बार चेतावनी देने के बावजूद, अपराधी ने गोलीबारी जारी रखी। उसने अपनी पीठ पर लटके बैग से कार्बाइन जैसा दिखने वाला एक हथियार निकाला और गोलीबारी शुरू कर दी, जबकि उसका साथी बिछौरा गांव की ओर भाग गया। अपराधी द्वारा की जा रही अंधाधुंध गोलीबारी को देखते हुए और पुलिस कार्मिकों की जान को खतरे में पाकर अपराधी की गोलीबारी की रेंज में होने के बावजूद उप-निरीक्षक अतुल चतुर्वेदी, उप-निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह और हेड कांस्टेबल सुशील कुमार सिंह ने कर्तव्यनिष्ठा का पालन करते हुए, अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया तथा अपनी जान जोखिम में डालकर सड़क के किनारे ढलान से आगे बढ़कर आत्मरक्षा में नियंत्रित तरीके से गोलीबारी की। जवाबी गोलीबारी के परिणामस्वरूप, अपराधी घायल होकर गिर पड़ा। गोलीबारी बंद होने पर जब टीम अपराधी के पास पहुंची तो वह बेहोश पड़ा मिला। उसकी जान बचाने उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मृत्यु हो गई। मृतक अपराधी की पहचान कुख्यात अपराधी गुफरान के रूप में हुई, जिस पर 1,25,000 रुपये का इनाम था।

घटनास्थल से 01 खाली और 10 जिंदा कारतूसों के साथ एक 09 एमएम कार्बाइन, 04 खाली और 04 जिंदा कारतूसों के साथ एक 7.65 बोर की पिस्तौल और एक अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश के सर्व/श्री अतुल चतुर्वेदी, उप-निरीक्षक, प्रदीप कुमार सिंह, उप-निरीक्षक और सुशील कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 27.06.2023 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 63-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	राकेश	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	धर्मे श कुमार शाही	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
3.	सत्य प्रकाश सिंह	निरीक्षक	वीरता पदक
4.	यशवंत सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मऊ जिले का खूंखार अपराधी पंकज यादव कुख्यात कॉन्टैक्ट किलर था और पिछले दो दशकों से उत्तर प्रदेश तथा बिहार में दहशत और आतंक का पर्याय बना हुआ था। वह हत्या, लूटपाट, जबरन वसूली और अन्य जघन्य अपराधों के दो दर्जन से अधिक दर्ज मामलों में वांछित था और वाराणसी जोन के अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा उस पर 1,00,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

एसटीएफ को प्रमुख व्यापारियों तथा मामलों के गवाहों और पैरोकारों को निशाना बनाकर सनसनीखेज अपराध करने की पंकज की योजनाओं के बारे में खुफिया जानकारी मिल रही थी। वर्ष 2010 में, उसने मऊ हत्याकांड के चश्मदीद गवाह राम सिंह मौर्य और कई पुलिस कार्मिकों की हत्या की थी, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई थी।

पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही के नेतृत्व में एसटीएफ की टीम ने खुफिया जानकारी जुटाने के दौरान विभिन्न जिलों का दौरा किया। दिनांक 07.08.2024 को गौतमबुद्ध नगर में खुफिया जानकारी जुटाते समय पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही को सूचना मिली कि खूंखार पंकज मथुरा से आगरा जा रहा है और देर रात किसी सनसनीखेज अपराध को अंजाम देने वाला है। पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही ने तुरंत यह सूचना आगरा के एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक राकेश को दी तथा उन्हें मथुरा बुलाया और वे पूरी टीम के साथ मथुरा की ओर रवाना हो गए।

मथुरा से आगरा जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर एक बिना नंबर वाली मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति दिखाई दिए। पीछे बैठे व्यक्ति की पहचान वांछित अपराधी पंकज के रूप में हुई। पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही ने उनका पीछा किया, जबकि अपर पुलिस अधीक्षक राकेश ने 'ब्रज की रसोई' से लगभग 500 मीटर आगे रोसू गांव के पास नाकाबंदी की। आत्मसमर्पण करने की चुनौती दिए जाने के बावजूद, पंकज ने हथियार निकाल लिए और पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही पर गोली चला दी, जो बाल-बाल बचे। जब अपर पुलिस अधीक्षक राकेश और उनकी टीम ने भी उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो अपराधी एक कच्ची सड़क पर मुड़ गए, जिससे उनकी मोटरसाइकिल लड़खड़ाकर गिर गई। एसटीएफ के जवान उन्हें गिरफ्तार करने के लिए तुरंत आगे बढ़े, लेकिन मोटरसाइकिल चालक ने एक चारदीवारी के पीछे छिपकर गोलीबारी शुरू कर दी। इस हमले में पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही और अपर पुलिस अधीक्षक राकेश बाल-बाल बचे तथा पंकज ने भी अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह, उप-निरीक्षक यशवंत सिंह, हेड कांस्टेबल रणधीर सिंह और सिपाही अमित त्रिपाठी भी बाल-बाल बचे। अपराधी द्वारा चलाई गई गोली सरसराती हुई उनके बगल से निकल गई। अपनी और राहगीरों की जान खतरे में देखकर और अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए, अपर पुलिस अधीक्षक राकेश, पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही, निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह, उप-निरीक्षक यशवंत सिंह, हेड कांस्टेबल रणधीर सिंह और सिपाही अमित त्रिपाठी ने असाधारण साहस और वीरता का परिचय देते हुए कवर से बाहर आकर नियंत्रित तरीके से जवाबी गोलीबारी की और अपराधी की ओर से गोलीबारी रुक गई। अचानक, चारदीवारी के पीछे छिपा अपराधी पुलिस पर गोलीबारी करते हुए खेतों की ओर भागने लगा। एसटीएफ की टीम ने घायल अपराधी को गिरफ्तार करने के लिए तुरंत कार्रवाई की। घायल अपराधी अचानक उठ गया और फिर से गोलीबारी करने लगा, जिससे अपर पुलिस अधीक्षक राकेश, पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही और निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह जमीन पर रेंगते रहने के कारण बच गए। एसटीएफ की टीम ने असाधारण साहस और वीरता का परिचय देते हुए नियंत्रित तरीके से गोलीबारी की और अपराधी की तरफ से गोलीबारी बंद हो गई। एसटीएफ की टीम घायल अपराधी के पास गई और उसकी जान बचाने के लिए उसे तुरंत अस्पताल ले गई, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक अपराधी की पहचान पंकज के रूप में हुई।

घटनास्थल से एक फैक्ट्री निर्मित .32 बोर की रिवॉल्वर, जिंदा, नहीं चले और खाली कारतूसों सहित एक .32 बोर सीएमपी तथा लाल और सफेद धारियों वाली स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की गई।

अपर पुलिस अधीक्षक राकेश, पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही, निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह और उप-निरीक्षक यशवंत सिंह ने असाधारण साहस, वीरता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए आमने-सामने की इस भीषण मुठभेड़ में सोच-समझकर जोखिम उठाया।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश के सर्व/श्री राकेश, अपर पुलिस अधीक्षक, धर्मे श कुमार शाही, पुलिस उपाधीक्षक, सत्य प्रकाश सिंह, निरीक्षक और यशवंत सिंह, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 07.08.2024 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 64-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	रजनीश कुमार उपाध्याय	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	ज़रार हुसैन	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	सुनील सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	कुणाल मलिक	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री रजनीश कुमार उपाध्याय, पुलिस उपाधीक्षक/पुलिस सर्किल अधिकारी-सिटी-1 एवं अपराध, जिला सहारनपुर, उत्तर प्रदेश, ने पुलिस चौकी कटेहरा-I में अपराध पर नियंत्रण करने, उनका पता लगाने और रोकथाम करने के संबंध में आसूचना विंग, अपराध शाखा के प्रभारी उप निरीक्षक और स्टेशन अधिकारी श्री ज़रार हुसैन और उनकी पुलिस टीमों के साथ देर रात एक बैठक की, जो कि एक विश्वसनीय मुखबिर के माध्यम से प्राप्त सूचना के आधार पर की गई थी कि सकलपुर रोड स्थित आम के बाग में भारी मात्रा में हथियारों और गोला-बारूद से लैस अपराधी किसी जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिए मौजूद थे। वे तुरंत हरकत में आए और अपने साथ मौजूद पुलिस बल का नेतृत्व करते हुए अपराधियों को घेरने के लिए अपने-अपने सरकारी वाहनों में तेजी से चल पड़े।

पुलिस उपाधीक्षक रजनीश कुमार उपाध्याय सकलपुर रोड पहुंचे तथा चुपचाप अपने वाहन को छोड़कर पैदल आगे बढ़े। वे आम के बाग के पास पहुंचे और तुरंत इलाके की भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया तथा अपराधियों को घेरने की रणनीति पर विचार-विमर्श करके तीन पुलिस टीमों में गठित की गई, जिनमें से एक का नेतृत्व उप-निरीक्षक ज़रार हुसैन और उनके साथ मौजूद पुलिस बल ने किया, दूसरी टीम का नेतृत्व पुलिस चौकी के दो प्रभारी उप-निरीक्षकों ने किया तथा मंडी पुलिस स्टेशन अधिकारी के साथ तीसरी टीम का नेतृत्व उन्होंने स्वयं किया तथा अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस टीमों को रणनीतिक रूप से चारों ओर तैनात किया।

पुलिस उपाधीक्षक रजनीश कुमार उपाध्याय ने अपनी टीम के साथ एक दीवार के पीछे पोजीशन ले ली तथा उन्होंने फुसफुसाती आवाजें सुनीं और अपराधियों को हाथों में हथियार लिए बैठे देखा। वे निडर होकर आगे बढ़े और उन्हें आत्मसमर्पण करने की चुनौती दी, लेकिन पुलिस की अचानक उपस्थिति को देखकर, अंदर मौजूद अचंभित अपराधियों ने पुलिस कार्मिकों को जान से मारने के इरादे से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और इसे जारी रखा, जिसमें पुलिस टीम बच गई और उन्होंने भी जवाबी गोलीबारी की।

शातिर अपराधियों द्वारा लगातार की जा रही गोलीबारी के दौरान, पुलिस उपाधीक्षक रजनीश कुमार उपाध्याय ने खतरे में पड़ी पुलिस टीमों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए और अपराधियों के भाग जाने की आशंका को भांपते हुए, उन्हें आत्मसमर्पण करने की चुनौती दी और उन्होंने स्वयं, उप-निरीक्षक ज़रार हुसैन, उप-निरीक्षक सुनील सिंह और सिपाही कुणाल मलिक तथा अपनी टीम के साथ मिलकर, अपराधियों को रोकने और उन्हें गिरफ्तार करने का निश्चय किया। असाधारण साहस और वीरतापूर्ण पुलिसिंग कौशल का परिचय देते हुए, वे चतुराई और साहस के साथ अपराधियों की गोलीबारी की रेंज में आगे बढ़े तथा खूंखार अपराधियों ने दुस्साहस से गोलीबारी की, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक रजनीश कुमार उपाध्याय और उप-निरीक्षक ज़रार हुसैन को सामने से गोली लगी तथा उप-निरीक्षक सुनील सिंह और सिपाही कुणाल मलिक भी घायल हो गए।

'करो या मरो' की इस स्थिति में, पुलिस उपाधीक्षक रजनीश कुमार उपाध्याय ने सर्वोच्च स्तर के नेतृत्व का परिचय देते हुए, स्वयं, उप-निरीक्षक ज़रार हुसैन, उप-निरीक्षक सुनील सिंह और सिपाही कुणाल मलिक के साथ मिलकर, अपराधियों को जिंदा गिरफ्तार करने का दृढ़ संकल्प किया तथा उन्होंने अपनी जान और शरीर की परवाह किए बिना असाधारण वीरता, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन करते हुए, अदम्य साहस के साथ जवाबी कार्रवाई की और आत्मरक्षा में गोलीबारी की तथा उन्होंने रणनीतिक तरीके से अपराधियों का सामना करते हुए गोलीबारी का प्रयास करते एक अपराधी को घायल कर दिया, जिसकी बाद में मृत्यु हो गई तथा उसकी पहचान कुख्यात लुटेरे, गैंगस्टर, हिस्ट्री-शीटर और सशस्त्र भगोड़े अपराधी अबद पुत्र लखमीरा के रूप में हुई, जिस पर 50,000/- रुपये का इनाम था और उसके पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश के सर्व/श्री रजनीश कुमार उपाध्याय, पुलिस उपाधीक्षक, ज़रार हुसैन, उप-निरीक्षक, सुनील सिंह, उप-निरीक्षक और कुणाल मलिक, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 16.03.2020 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 65-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अमोघवर्षा यू एस	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	कोरागोकुलाविश्वनाथगौड़	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	पी बीनू	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	साबिर कुमार	सिपाही	वीरता पदक
5.	संदीप सिंह	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16.11.2023 को लगभग 14:30 बजे, सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के कमाण्डेंट को यूनिट आसूचना सेल से सूचना मिली कि जम्मू और कश्मीर के कुलगाम जिले के डी.एच. पोरा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत समनू गांव में आतंकवादी मौजूद हैं। उक्त स्थान पर 34 आरआर के सुरक्षा बल पहले से ही आतंकवाद-रोधी अभियान चला रहे थे। जम्मू और कश्मीर पुलिस और 34 आरआर के साथ सूचना की पुष्टि करते हुए, सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के कमाण्डेंट ने तुरंत अपने सैनिकों को जुटाया और उन्हें उस जगह पर तैनात किया।

लगभग 15:20 बजे, सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन, 34 आरआर तथा जम्मू और कश्मीर पुलिस के संयुक्त बल लक्षित घर के पास पहुंच गए और उन्होंने आसपास के इलाके की घेराबंदी कर ली। घेराबंदी किए जाने के दौरान ही छिपे हुए आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे उनकी उपस्थिति की पुष्टि हो गई।

सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की त्वरित कार्रवाई टीम (क्यूएटी) के कमाण्डर श्री अमोघवर्षा यू एस, सहायक कमाण्डेंट ने अपनी टीम को दो समूहों में विभाजित करके एक समूह को पश्चिम दिशा में, लक्षित घर से 50 मीटर की दूरी पर नाले के पास तैनात किया और दूसरे समूह को, 34 आरआर के साथ, दक्षिण-पूर्वी दिशा में तैनात किया गया। सामरिक रूप से तैनाती किए जाने के बाद, सैनिकों ने आतंकवादियों की भारी गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। प्रभावी जवाबी हमला करने के उद्देश्य से, श्री अमोघवर्षा यू एस, सहायक कमाण्डेंट ने गोलियों की बौछार के बीच ही अपनी टीम को लक्षित घर के करीब रणनीतिक रूप से आगे बढ़ाया, ताकि लक्षित घर को स्पष्ट रूप से देखा जा सके। यह तैनाती लक्षित घर के चारों ओर घेराबंदी को मजबूत करने और आतंकवादियों के भागने के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए महत्वपूर्ण थी। अंधेरा होने तक दोनों तरफ से गोलीबारी जारी रही। चूंकि क्षेत्र बहुत बड़ा था, इसलिए रात भर घेराबंदी को बरकरार रखने और सूर्योदय होते ही ऑपरेशन फिर से शुरू करने का निर्णय संयुक्त रूप से लिया गया।

हालांकि, 16-17 नवंबर, 2023 की मध्यरात्रि में लगभग 02:15 बजे, स्थिति अचानक तब बिगड़ गई, जब दो आतंकवादियों को लक्षित घर से भागने की कोशिश करते देखा गया। उन्होंने भागने के प्रयास में सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जब भागते हुए आतंकवादी सैनिकों के सामने आए, तब पश्चिम दिशा से श्री अमोघवर्षा यू एस, सहायक कमाण्डेंट की कमान में सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की क्यूएटी की टीम-01, जिसमें हेड कांस्टेबल कोरागोकुलाविश्वनाथगौड़, सिपाही संदीप सिंह और सिपाही साबिर कुमार शामिल थे, ने प्रभावी कार्रवाई करके एक आतंकवादी को मार गिराया। दूसरा आतंकवादी जान बचाने के लिए हताशा से दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर भागा, जहां हेड कांस्टेबल पी बीनू सहित सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की क्यूएटी की दूसरी टीम पहले से ही रणनीतिक रूप से तैनात थी। सैनिकों ने साहस दिखाते हुए और अपनी जान की परवाह किए बिना, भागते हुए आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी करके उसे मार गिराया।

रुक-रुक कर गोलीबारी पूरी रात जारी रही। 17 नवंबर की सुबह, बचे हुए आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया। दोनों ओर से हो रही गोलीबारी सुबह 10:00 बजे तक जारी रही। इसके बाद, आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी बंद होने पर, लगभग 11:00 बजे लक्षित क्षेत्र की संयुक्त तलाशी ली गई। लक्षित घर की गहन तलाशी के दौरान, पांच आतंकवादियों

के शव उनके हथियारों और गोला-बारूद के साथ बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के सदस्यों यासिर बिलाल भट, हंजल्लाह याकूब शाह, उबैद अहमद पैडर, दानिश हामिद ठोकर और समीर फारूक शेख के रूप में हुई।

यह सफल अभियान इसमें शामिल सैनिकों के अनुकरणीय नेतृत्व, अदम्य साहस, असाधारण वीरता और ऑपरेशन संबंधी कौशल का प्रमाण है। अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति के बावजूद, सहायक कमाण्डेंट अमोघवर्षा यू एस, हेड कांस्टेबल कोरागोकुलाविश्वनाथगौड़, हेड कांस्टेबल पी बीनू, सिपाही साबिर कुमार और सिपाही संदीप सिंह ने दुश्मनों को मार गिराने और इलाके को सुरक्षित करने में असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया। गोलीबारी के बीच उनकी निडरतापूर्ण कार्रवाई, अटूट समर्पण और पेशेवर रवैये ने बल की उच्चतम परंपराओं को कायम रखा।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री अमोघवर्षा यू एस, सहायक कमाण्डेंट, कोरागोकुलाविश्वनाथगौड़, हेड कांस्टेबल, पी बीनू, हेड कांस्टेबल, साबिर कुमार, सिपाही और संदीप सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 16.11.2023 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 66-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री निगम प्रसाद	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.06.2022 को लगभग 18:20 बजे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा से पुलवामा जिले (जम्मू और कश्मीर) के राजपोरा पुलिस स्टेशन के द्रुबगम गांव में 3 आतंकवादियों की मौजूदगी की एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, सीआरपीएफ की 182/183वीं बटालियन के कमाण्डेंट, 44 आरआर के कमान अधिकारी तथा जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी तथा तलाशी अभियान (सीएएसओ) की योजना बनाई गई। सीआरपीएफ की 182/183वीं बटालियन, 44 आरआर तथा जम्मू और कश्मीर पुलिस की एक संयुक्त टीम लगभग 18:30 बजे लक्षित क्षेत्र में पहुंची और संदिग्ध घरों की घेराबंदी कर दी गई तथा भागने के सभी संभावित रास्तों को बंद कर दिया गया।

श्री निगम प्रसाद, द्वितीय कमान अधिकारी, अपनी क्यूएटी के साथ 18:50 बजे घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने आंतरिक घेराबंदी को मजबूत किया। संयुक्त टीमों ने लक्षित घर के चारों ओर रणनीतिक रूप से पोजीशन ले ली। श्री निगम प्रसाद, द्वितीय कमान अधिकारी ने उत्तरी भाग को कवर किया, जबकि श्री चंदन कुमार, सहायक कमाण्डेंट, ने उत्तर-पश्चिमी भाग को कवर किया। सीआरपीएफ की 182वीं बटालियन की क्यूएटी ने पश्चिम की ओर पोजीशन ली, जबकि 44 आरआर तथा जम्मू और कश्मीर पुलिस की टीमों ने पूर्वी और दक्षिणी भागों की सुरक्षा सुनिश्चित की। बाहरी घेराबंदी में तैनात टीमों ने कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को संभाला।

आतंकवादियों की पोजीशन का पता चल गया था और लक्षित घर से नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई, लेकिन उन्होंने इसे अनसुना कर दिया। तलाशी शुरू होते ही, घर के अंदर मौजूद आतंकवादियों ने संयुक्त सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया।

एक-दूसरे पर हुई गोलीबारी के दौरान, लगभग 20:15 बजे एक आतंकवादी ने अंधेरे का फायदा उठाकर बाग की ओर भागने की कोशिश की। हालांकि, सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी श्री निगम प्रसाद, हेड कांस्टेबल अजय कुमार और सिपाही हेखम प्रियोनंदा सिंह ने असाधारण साहस का परिचय देते हुए, अपनी जान की परवाह किए बिना, भाग रहे आतंकवादी को घेर लिया और उसे मार गिराया। लगभग उसी समय, एक बेकाबू भीड़ जमा हुई और ऑपरेशन को बाधित करने के प्रयास में सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंकने लगी। लेकिन बाहरी घेरे में तैनात सैनिकों ने स्थिति को प्रभावी ढंग से नियंत्रण में कर लिया।

रुक-रुक कर गोलीबारी पूरी रात जारी रही। लगभग 04:45 बजे, दूसरे आतंकवादी ने उत्तर-पूर्व दिशा की ओर भागने का प्रयास किया, जहां पहले से तैनात सैनिकों ने उस पर भीषण गोलीबारी की और अंततः उसे मार गिराया।

तीसरा आतंकवादी घर के अंदर ही रहा और रुक-रुक कर सभी तरफ से गोलीबारी करता रहा। श्री चंदन कुमार, सहायक कमाण्डेंट और उनके साथी सिपाही अनिल कुमार चार्क ने रणनीतिक तरीके से लक्षित घर के उत्तरी भाग की ओर बढ़कर एक खिड़की के पास पोजीशन ले ली।

05:15 बजे आतंकवादी खिड़की के पास आया और उसने गोलीबारी शुरू कर दी। श्री चंदन कुमार, सहायक कमाण्डेंट और सिपाही अनिल कुमार चार्क ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादी को मार गिराया।

आतंकवादियों की मौत की खबर फैलते ही भीड़ ने सुरक्षा बलों पर फिर से पत्थर फेंकना शुरू कर दिया, लेकिन सैनिकों ने संयम बरतते हुए स्थिति को संभाला।

पूरे क्षेत्र को सुरक्षित करने के बाद तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें मुठभेड़ स्थल से फासिल नजीर भट, इरफान अहमद मलिक और जुनैद कादिर शीरगुजरी के शवों के साथ-साथ उनके हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए।

यह अभियान इसमें शामिल सैनिकों के अनुकरणीय नेतृत्व, असाधारण वीरता और ऑपरेशन संबंधी कौशल संचालन का प्रमाण है। अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति के बावजूद, उन्होंने खतरे को समाप्त करने और पूरे क्षेत्र को सुरक्षित करने में असाधारण साहस का प्रदर्शन किया। गोलीबारी के बीच उनकी निडरतापूर्ण कार्रवाई, अटूट समर्पण और पेशेवर रवैये ने सीआरपीएफ की उच्चतम परंपराओं को कायम रखा।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री निगम प्रसाद, द्वितीय कमान अधिकारी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11.06.2022 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 67-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	जोगिंद्र सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	रजनीश कुमार मिश्रा	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.01.2024 को, बिलाल अहमद भट (लश्कर-ए-तैयबा का एक शीर्ष कमांडर) सहित 2-3 आतंकवादियों के शोपियां जिले (जम्मू और कश्मीर) के चोटीगाम गांव में छिपे होने के बारे में मिली एक विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर, सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के कमाण्डेंट, 34 आरआर के कमान अधिकारी तथा जम्मू और कश्मीर पुलिस ने एक संयुक्त अभियान की सुनियोजित योजना बनाई।

योजना के अनुसार, श्री प्रमोद नारायण, उप कमाण्डेंट यूनिट क्यूएटी के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उसी समय, श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट, सीआरपीएफ, एसओजी/जम्मू और कश्मीर पुलिस तथा 34 आरआर की संयुक्त टीमों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

पूरे क्षेत्र को सुरक्षित करने के बाद, 10 भवनों को घेरते हुए एक रणनीतिक घेराबंदी की गई। श्री प्रमोद नारायण, उप कमाण्डेंट और उनके साथी सिपाही रियाजुल हक ने दक्षिण-पूर्व से आंतरिक घेराबंदी की कमान संभाली, जिसमें सहायक कमाण्डेंट श्री तेजा राम चौधरी, उप-निरीक्षक जोगिंदर सिंह और हेड कांस्टेबल रजनीश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में फायरबेस सहायता प्रदान की गई।

मकान संख्या 89 की पहली मंजिल पर बिलाल अहमद भट की मौजूदगी की पुष्टि होने पर आंतरिक घेराबंदी को और मजबूत किया गया। आत्मसमर्पण करने के लिए कहने पर, आतंकवादी ने भागने का प्रयास किया और वह एक गौशाला में घुसकर उसके बाद एक नवनिर्मित इमारत (टी/89) में घुस गया, जहां वह सुबह 03:40 बजे तक छिपा रहा। लगभग 03:45 बजे उसने सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की क्यूएटी के जवानों पर भीषण हमला किया। भारी गोलीबारी के बावजूद, क्यूएटी ने सटीकता और दृढ़ निश्चय के साथ जवाबी कार्रवाई की।

बाद में, आतंकवादी मकान संख्या 89 में वापस लौट गया और अंधाधुंध गोलीबारी करने लगा। ऑपरेशन को सुबह होने तक के लिए अस्थायी रूप से रोक दिया गया। सुबह होते ही आतंकवादी ने मकान के अंदर से फिर से गोलीबारी शुरू कर दी और वह लगातार अपनी पोजीशन बदलता रहा। अंततः वह भूतल पर उतर आया और सुबह 10:30 बजे तक किसी की नजर में नहीं आया।

अचानक, वह खिड़की से कूद गया और भाग निकलने की कोशिश में चारों दिशाओं में गोलियां चलाने लगा। असाधारण वीरता का परिचय देते हुए, उप कमाण्डेंट श्री प्रमोद नारायण और सिपाही/जीडी रियाजुल हक ने तुरंत उस पर सीधी गोलीबारी की। साथ ही, फायरबेस पर तैनात सहायक कमाण्डेंट श्री तेजा राम चौधरी, उप-निरीक्षक जोगिंदर सिंह और हेड कांस्टेबल रजनीश कुमार मिश्रा ने भी भारी और सटीक गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी को मार गिराया गया।

मारे गए आतंकवादी की पहचान बिलाल अहमद भट के रूप में हुई, जो लश्कर-ए-तैयबा का एक शीर्ष कमांडर था और कई जघन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार था, जिनमें सेना अधिकारी लेफ्टिनेंट उमर फैयाज (2017), कश्मीरी पंडित सुनील कुमार (2022) और कई अन्य की हत्याएं शामिल हैं। वह ग्रेनेड के हमलों, आम नागरिकों की हत्याओं और एक दर्जन से अधिक स्थानीय युवाओं को आतंकवादी गतिविधियों के लिए भर्ती करने में भी शामिल था।

सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के अधिकारियों और जवानों, विशेष रूप से उप-निरीक्षक जोगिंद्र सिंह और हेड कांस्टेबल रजनीश कुमार मिश्रा द्वारा अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में प्रदर्शित साहस, पेशेवरता और संयम सर्वोच्च स्तर का था। इस संयुक्त ऑपरेशन ने न केवल एक शीर्ष आतंकवादी को मार गिराया, बल्कि एक भी आम नागरिक को भी हताहत नहीं होने दिया, जो सामरिक कुशलता और वीरता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्वश्री जोगिंद्र सिंह, उप-निरीक्षक और रजनीश कुमार मिश्रा, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 04.01.2024 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 68-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का द्वितीय बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	नरेंद्र यादव	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता पदक का द्वितीय बार
2.	ठाकुर दिवाकर सिंह	उप-कमाण्डेंट	वीरता पदक
3.	विनय कुमार	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक का द्वितीय बार
4.	बुआ दित्ता	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

एसओजी, श्रीनगर और एसपी फास्ट से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर, वैली क्यूएटी और एसओजी श्रीनगर, मोहम्मद भाई उर्फ मुबाशिर भाई तथा अबू अरसलान उर्फ आदिल (दोनों पाकिस्तान निवासी और लश्कर-ए-तैयबा के श्रेणी-‘ए’ के विदेशी आतंकवादी) की गतिविधियों पर नजर रख रही थी, जो दिनांक 04.04.2022 को सीआरपीएफ की 132वीं बटालियन के दो सैनिकों पर हुए हमले में शामिल थे। खुफिया जानकारी के अनुसार, दिनांक 10.04.2022 को, एसओजी श्रीनगर और वैली क्यूएटी ने संदिग्ध होटल तथा मकान मालिक से पूछताछ के बाद आतंकवादियों के सटीक ठिकाने का पता लगाया। श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, श्री ठाकुर दिवाकर सिंह, उप-कमाण्डेंट और श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट ने श्रीनगर के डाउनटाउन क्षेत्र के बाहरी इलाके में स्थित खानयार पुलिस स्टेशन के तहत बिशंबर नगर, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में दिन के उजाले और लक्षित घर के पास मौजूद घरों के समूह को ध्यान में रखते हुए ऑपरेशन की योजना बनाई।

द्वितीय कमान अधिकारी श्री नरेंद्र यादव ने तीनों टीमों को जानकारी प्रदान की तथा योजना के अनुसार लक्षित घर की ओर बढ़ने का निदेश दिया। टीम 01, जिसमें द्वितीय कमान अधिकारी श्री नरेंद्र यादव, सहायक कमाण्डेंट श्री विनय कुमार और सिपाही बुआ दित्ता शामिल थे, ने सबसे पहले घर के मालिक की बेटी, पत्नी और कमरे के अंदर काम कर रहे एक सिविलियन को सुरक्षित बाहर निकाला तथा वे पहली मंजिल पर स्थित उस कमरे की ओर बढ़े, जहां आतंकवादी मौजूद थे। टीम 02, जिसका नेतृत्व उप-कमाण्डेंट श्री ठाकुर दिवाकर सिंह कर रहे थे, ने टीम 01 का अनुसरण किया, बाहर निकाले गए नागरिकों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया और लक्षित कमरे के पास एक मजबूत घेरा बनाया, ताकि भागने के सभी रास्तों को अवरुद्ध किया जा सके और टीम 01 को कवर गोलीबारी उपलब्ध कराके सहायता प्रदान की जा सके। टीम 03 को फायर बेस स्थापित करने के लिए लक्षित घर के चारों ओर घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया।

योजना के अनुसार, श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में टीम 01, कमरे की ओर बढ़ी और पोजीशन लेकर मकान मालिक को दरवाजा खटखटाने को कहा। एक आतंकवादी ने दरवाजा खोला, लेकिन सुरक्षा बलों की मौजूदगी का आभास होते ही उसने गोली चलाई और मकान मालिक को कमरे के अंदर खींचने की कोशिश की। श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट आतंकवादी के ऊपर से कूदे और उस पर गोली चलाई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी और सिपाही बुआ दित्ता ने भी आतंकवादी पर गोली चलाई और मकान मालिक को कमरे से बाहर खींच लिया। इसी दौरान, सीढ़ियों के पास पहले से ही तैनात श्री ठाकुर दिवाकर सिंह, उप-कमाण्डेंट ने टीम 01 को कवर गोलीबारी उपलब्ध कराना शुरू किया। कमरे के अंदर मौजूद एक अन्य आतंकवादी ने भी गोलियां चलाई और सुरक्षा बलों पर ग्रेनेड फेंके। स्थिति को भांपते हुए, श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने मकान मालिक को बाहर निकाला और उसे दूसरी

मंजिल पर ले गए। श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट और सिपाही बुआ दित्ता भूतल पर तैनात टीम 02 में शामिल हो गए। पहली मंजिल पर आतंकवादियों को घेरते हुए, श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने दूसरी मंजिल पर पोजीशन ले ली, जबकि श्री ठाकुर दिवाकर सिंह, उप-कमाण्डेंट और श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट अपनी टीम के साथ भूतल पर तैनात हो गए। इसी बीच, टीम 3 ने लक्षित घर के चारों ओर घेराबंदी की और आतंकवादियों के कमरे के सामने तीन फायर बेस स्थापित किया। इसके बाद, आतंकवादियों से आत्मसमर्पण की अपील की गई, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ।

इसके बाद, श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने श्री ठाकुर दिवाकर सिंह, उप-कमाण्डेंट को आतंकवादी के कमरे में ग्रेनेड फेंकने का निर्देश दिया। तदनुसार, श्री ठाकुर दिवाकर सिंह, उप-कमाण्डेंट लक्षित कमरे के निकट पहुंचे और उन्होंने कई ग्रेनेड फेंके। इसी दौरान, मोर्चे का नेतृत्व कर रहे श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, जिनकी टीम के सदस्य आतंकवादी द्वारा फेंके गए ग्रेनेड से घायल हो गए थे और जिन्होंने अपनी टीम के गोला-बारूद के भंडार में आई कमी को पूरा करने की आवश्यकता महसूस हो रही थी, उन्होंने दूसरी मंजिल पर उपलब्ध तार और बाल्टी जैसी वस्तुओं का उपयोग करके मौके पर ही विकसित किए गए तात्कालिक साधनों के माध्यम से गोला-बारूद और ग्रेनेड की सामरिक पुनःपूर्ति करने का निर्णय लिया।

श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने दूसरी मंजिल से आतंकवादियों पर हमला किया और श्री ठाकुर दिवाकर सिंह, उप-कमाण्डेंट तथा श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट ने ग्रेनेड फेंके, लेकिन आतंकवादी कमरे के बाथरूम में छिप गए। यहां तक कि समन्वित गोलीबारी से भी वांछित परिणाम नहीं मिला। मुठभेड़ लंबी खिंचने के कारण मुठभेड़ स्थल के पास भीड़ जमा होने लगी थी, जिससे कानून और व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंका थी। तब, श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने कमरे में घुसने का फैसला किया। हालांकि इस स्थिति में, कमरे में घुसना बहुत जोखिम भरा कदम था, जिसमें टीम के सदस्यों को भी नुकसान की उतनी ही संभावना थी। लेकिन श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी इसे अंजाम देने पर अडिग रहे। इस कार्य को पूरा करने के लिए चार सदस्यीय टीम का गठन किया गया, जिसमें श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, श्री ठाकुर दिवाकर सिंह, उप-कमाण्डेंट, श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट और वैली क्यूएटी के सिपाही बुआ दित्ता शामिल थे। फायर बेस से प्रदान की गई कवर गोलीबारी और ग्रेनेड दागे जाने के बीच लक्षित कमरे की ओर बढ़ते समय, इस चार सदस्यीय टीम को एक आतंकवादी द्वारा पोजीशन बदलकर सामने के कमरे में जाने की जानकारी नहीं थी। अचानक, इस आतंकवादी ने टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें पूरी टीम चमत्कारिक रूप से बच गई और उसने तुरंत मुंहतोड़ जवाब देकर आतंकवादी को कमरे के अंदर भागने पर मजबूर कर दिया।

इसी बीच, दूसरा आतंकवादी कमरे से बाहर आकर कार्रवाई दल पर गोली चलाने के बाद, सामने वाले कमरे में चला गया। श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने एक पल भी गंवाए बिना, दोनों कमरों में एक साथ घुसने का निर्णय लिया। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी दाहिने तरफ वाले कमरे में जाएंगे, जबकि श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट किसी भी आपात स्थिति में कवर गोलीबारी उपलब्ध कराएंगे। जब श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने कमरे में प्रवेश करने की कोशिश की, तो छिपे हुए आतंकवादी ने उन पर गोली चलाई और उनकी ओर ग्रेनेड फेंका, लेकिन वे चमत्कारिक रूप से बच गए। स्थिति को भांपते हुए, कवर गोलीबारी की मदद से श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी कमरे में दाखिल हुए और उन्होंने बाथरूम में एक ग्रेनेड फेंका। बाथरूम में फेंके गए ग्रेनेड के प्रभाव से आतंकवादी बाहर आने पर मजबूर हो गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों के बीच समीप से बंदूक की भीषण लड़ाई हुई, जिसमें एक आतंकवादी को मारा गिराया गया।

दूसरी ओर, श्री ठाकुर दिवाकर सिंह, उप-कमाण्डेंट और सिपाही बुआ दित्ता, आतंकवादियों को मार गिराने के लिए बाईं ओर के कमरे में गए तथा श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए कवर गोलीबारी प्रदान की। गोलीबारी और ग्रेनेड फेंके जाने के बीच, श्री ठाकुर दिवाकर सिंह, उप-कमाण्डेंट और सिपाही बुआ दित्ता कमरे में दाखिल हो गए। उन्होंने रणनीतिक रूप से कवर लिया और सिपाही बुआ दित्ता की कवर गोलीबारी के बीच, श्री ठाकुर दिवाकर सिंह, उप-कमाण्डेंट ने आतंकवादी को बाहर निकालने के लिए बाथरूम के अंदर एक ग्रेनेड फेंका। ग्रेनेड के धमाके के प्रभाव से आतंकवादी बाथरूम से बाहर आ गया और उसने गोलीबारी करने की कोशिश की, लेकिन श्री ठाकुर दिवाकर सिंह, उप-कमाण्डेंट और सिपाही बुआ दित्ता ने आतंकवादी पर गोली चलाई और उसे मौके पर ही मार गिराया। दोनों विदेशी आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि होने पर, वैली क्यूएटी की टीमों ने गहन तलाशी ली और दोनों आतंकवादियों के शव जम्मू और कश्मीर पुलिस को सौंप दिए गए।

मुठभेड़ के बाद चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान, दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए और उनके साथ 02 चीनी पिस्तौल, पिस्तौल की 02 मैगजीन, 02 ग्रेनेड और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी मिली। बाद में, मारे गए आतंकवादियों की पहचान मोहम्मद भाई उर्फ मुबाशिर भाई और अबू अरसलान उर्फ आदिल (दोनों पाकिस्तान निवासी और लश्कर-ए-तैयबा संगठन के श्रेणी-‘ए’ के सदस्य) के रूप में हुई।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्वश्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, ठाकुर दिवाकर सिंह, उप-कमाण्डेंट, विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट और बुआ दित्ता, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10.04.2022 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 69-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, कर्नाटक अग्निशमन सेवा के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	के. वि. मंजुनाथा	क्षेत्रीय अग्निशमन अधिकारी	वीरता पदक
2.	हेमंत कुमार डी	फायरमैन	वीरता पदक
3.	मल्लिकार्जुन	फायरमैन	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दमकल सेवा को उनके नियंत्रण कक्ष से एक भवन के ढहने की सूचना मिली। क्षेत्रीय अग्निशमन अधिकारी के. वि. मंजुनाथा, फायरमैन हेमंत कुमार डी और फायरमैन मल्लिकार्जुन तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और उपलब्ध उपकरणों का उपयोग करते हुए एक खुदाई मशीन के ऑपरेटर को खिड़की के पास तैनात किया और पहली मंजिल पर फंसे 2 मजदूरों को लोहे की ग्रिल को काटकर सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के लिए कमांडर होने के नाते क्षेत्रीय अग्निशमन अधिकारी के. वि. मंजुनाथा ने सटी हुई इमारत के निवासियों से बात की, जिससे उन्हें पता चला कि 40x60 फीट की भूमि पर निर्माणाधीन भूतल + 6 मंजिला इमारत ढह गई थी और अंदर काम कर रहे 25 मजदूर फंसे हुए थे। उन्होंने तुरंत अपने नियंत्रण कक्ष को एसडीआरएफ और एनडीआरएफ को घटनास्थल पर बुलाने के लिए सूचना दी और बचाव अभियान चलाकर 04 मजदूरों को बिना किसी चोट के बचाया। कंक्रीट कटर, पीडित का पता लगाने वाले कैमरे, न्यूमेटिक लिफ्टिंग बैग जैसे बचाव उपकरणों का उपयोग करके उन्होंने स्लैब के नीचे फंसे 03 अन्य मजदूरों को भी बचाया। इसके बाद, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ घटनास्थल पर पहुंचे तथा उनके साथ मिलकर 05 मजदूरों को बचाया गया तथा 09 मजदूरों के शवों को निकाला गया। सबसे बड़ी चुनौती घटनास्थल की ओर जाने वाली संकरी सड़कें थीं, जिनके कारण दमकल और बचाव वाहनों को घटनास्थल तक जल्दी पहुंचने में कठिनाई हो रही थी। अनस्टेबल डेबरिस और लगातार गिरते कंक्रीट के स्लेब के कारण बचाव टीमों के लिए बेहद जोखिम भरी स्थिति हो गई थी। लोहे की ग्रिलों और ढह चुके रीइंफोर्समेंट बारों की मौजूदगी के कारण, काटने वाले विशेष उपकरणों के बिना फंसे हुए पीडितों तक पहुंचना मुश्किल था। ढांचे के ढहने के बाद के शुरुआती घंटों में हुई भारी बारिश ने क्रेन और खुदाई मशीनों जैसी बचाव मशीनों के कार्य की गति धीमी कर दी। यह बचाव अभियान दिनांक 25.10.2024 को लगभग 69 घंटे 43 मिनट के बाद पूरा हुआ। के. वि. मंजुनाथा, क्षेत्रीय अग्निशमन अधिकारी ने इमारत गिरने के समय पूरे बचाव अभियान का नेतृत्व, प्रबंधन, नियंत्रण और पर्यवेक्षण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके द्वारा समय पर लिए गए निर्णय, प्रभावी संसाधन प्रबंधन और विभिन्न आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों के बीच समन्वय संबंधी कौशल ने बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बचाव कार्यों को सुचारू रूप से चलाने में असाधारण नेतृत्व और जन सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाया तथा उन्होंने भ्रम से बचने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश भी दिए। के. वि. मंजुनाथा, क्षेत्रीय अग्निशमन अधिकारी, फायरमैन हेमंत कुमार डी और फायरमैन मल्लिकार्जुन को इमारत के गिरने के समय उनकी त्वरित और साहसी कार्रवाई के लिए और पीडितों तक पहुंचने के लिए एक्सकेवेटर बकेट के उपयोग करने जैसी नवाचारी विधि का भी प्रयोग करने हेतु व्यापक सराहना भी मिली।

कर्नाटक के माननीय मुख्यमंत्री, वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय जनता ने इस टीम के समर्पण, सूझबूझ और अथक प्रयासों की सराहना की। ऐसी नाजुक स्थिति में उनकी पेशेवरता और प्रतिबद्धता ने उनके सच्चे मनोबल को दर्शाया।

इस ऑपरेशन में, कर्नाटक अग्निशमन सेवा के सर्व/श्री के. वि. मंजुनाथा, क्षेत्रीय अग्निशमन अधिकारी, हेमंत कुमार डी, फायरमैन और मल्लिकार्जुन, फायरमैन ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 22.10.2024 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 70-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति, राजस्थान अग्निशमन सेवा के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री तारा चंद भट्ट	फायरमैन	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री तारा चंद भट्ट को दिनांक 04.01.2017 को राजस्थान सरकार के स्वायत्त विभाग में फायरमैन के रूप में भर्ती किया गया था। भीषण आग की घटनाओं और अन्य आपदाओं के दौरान अपनी जान की परवाह किए बिना, उन्होंने पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपना कार्य किया, कठिन परिस्थितियों में प्रभावित लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए कार्रवाई की और जान-माल के नुकसान को कम किया।

दिनांक 31.03.2025 को शाम के लगभग 07.34 बजे ब्यावर फायर स्टेशन को सूचना मिली कि बलाद रोड, सदों का बड़िया, स्थित सुनील ट्रेडिंग कंपनी में जहरीली गैस लीक होने के कारण स्थानीय लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर के निर्देश पर, फायरमैन तारा चंद भट्ट दो दमकल वाहनों के साथ तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। उनके नेतृत्व में दमकल टीम घटनास्थल पर पहुंची। घटनास्थल से लगभग 400 मीटर दूर, उन्हें सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन महसूस होने लगी। नाइट्रोजन एसिड गैस अत्यंत खतरनाक और जहरीली होने के कारण, गैस रिसाव को तुरंत नियंत्रित करना आवश्यक था। टीम का प्रभारी होने के नाते, उनके लिए गैस रिसाव को रोककर अपनी टीम की सुरक्षा करना जरूरी था। उनके पास श्वसन उपकरण बहुत कम होने के कारण उन्होंने सभी को अपने मुंह पर गीला कपड़ा बांधने का निर्देश दिया।

वे दमकल वाहनों से पानी छिड़कते हुए आगे बढ़े। भारी मात्रा में गैस रिसाव के कारण उनके दमकल वाहनों की बत्तियां धीमी पड़ गईं और चारों ओर गहरा केसरिया धुआं फैल रहा था।

गैस रिसाव के कारण, कंपनी के मालिक और 02 अन्य लोगों को गंभीर हालत में ब्यावर स्थित सरकारी अमृतकौर अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके साथ ही लगभग 50 स्थानीय लोगों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रिसावटग्रस्त गैस टैंकर पर लगातार पानी डालने से गैस का असर कम होने लगा, लेकिन गैस के लगातार रिसाव के कारण स्थिति पर काबू पाना मुश्किल होता जा रहा था।

घटनास्थल के आसपास के लगभग 500 घरों को खाली कराकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। गैस के प्रभाव को कम करने के लिए, वे टैंकर के ऊपर चढ़ गए और उसमें पानी भरने लगे, ताकि पानी से गैस कमजोर हो जाए और उसका प्रभाव कम होने लगे।

अपनी जान जोखिम में डालकर और खुद को सुरक्षित रखते हुए, उन्होंने गैस रिसाव को तुरंत रोक दिया, जिससे स्थानीय लोगों और प्रशासन को किसी भी संभावित खतरे से बचाया जा सका। इस दुखद घटना में दो लोगों की जान भी चली गई।

इस ऑपरेशन में, राजस्थान अग्निशमन सेवा के श्री तारा चंद भट्ट, फायरमैन ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 31.03.2025 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 71-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस, 2026 के अवसर पर; पुलिस, अग्निशमन, जेल प्रशासन तथा गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवाओं के लिए राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों / केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) / केन्द्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) तथा अन्य संबंधित संगठनों के निम्नलिखित कार्मिकों को राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक (पीएसएम) सहर्ष प्रदान करती हैं :—

पुलिस सेवा

1. श्री रवि मनोहरा करमचेटी तिरुमला चार्य, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, आंध्र प्रदेश
2. श्री प्रेम नोरबू ख्रीमे, पुलिस महानिरीक्षक, अरुणाचल प्रदेश
3. श्री इम्दादुल हुसैन बोरा, पुलिस महानिरीक्षक, असम
4. श्री उमेश लाल रजक, पुलिस उपाधीक्षक, बिहार
5. श्री नवरत्न कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक, बिहार
6. श्री रामावतार सिंह राजपूत, सहायक उप निरीक्षक, छत्तीसगढ़
7. श्री ज्ञानेन्द्र सिंह राणा, उप निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
8. सुश्री नवल कुमारी, उप निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
9. श्रीमती निपुणा मिलिंद तोरवणे, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, गुजरात

10. श्री शैलेशसिंह श्यामबलीसिंह रघुवंशी, पुलिस अधीक्षक, गुजरात
11. श्री राजेश दुग्गल, पुलिस उप महानिरीक्षक, हरियाणा
12. श्री सुधीर कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, झारखंड
13. श्री देवज्योति राय, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, कर्नाटक
14. श्री रंगप्पा तिममप्प, सहायक पुलिस आयुक्त, कर्नाटक
15. श्री शानवाज अब्दुल शाहाब, पुलिस अधीक्षक, केरल
16. श्री संतोष कुमार सिंह, पुलिस आयुक्त, मध्य प्रदेश
17. श्री मिथिलेश कुमार शुक्ला, पुलिस महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
18. श्री अवधेश कुमार गोस्वामी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, मध्य प्रदेश
19. श्री शिव कुमार पटेल, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
20. श्री महेश उदाजी पाटील, अपर पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
21. श्री बालकृष्ण मोतीराम यादव, पुलिस उप आयुक्त, महाराष्ट्र
22. श्री सायरस बमन ईराणी, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
23. श्री विठ्ठल खंडुजी कुबडे, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
24. श्री शशिकुमार सिंह खुराडजम, पुलिस उपाधीक्षक, मणिपुर
25. श्रीमती जुबी गाबिल मोमिन, डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, मेघालय
26. श्रीमती लालमुअनथांगी, उप पुलिस अधीक्षक, मिजोरम
27. श्री बेन लोंगकुमेर, कमांडेंट, नागालैंड
28. श्री प्रतीक महान्ति, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, ओडिशा
29. श्री प्रफुल्ल कुमार सिंह, पुलिस उपायुक्त, ओडिशा
30. श्रीमती विभु राज, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पंजाब
31. श्री लक्ष्मी कांत यादव, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक-कम-निदेशक, पंजाब
32. श्री अरुन पाल सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पंजाब
33. श्री शान्तनु कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक, राजस्थान
34. श्री अशवनी कुमार चांद, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, सिक्किम
35. श्रीमती च. मगेश्वरी, पुलिस महानिरीक्षक/अपर पुलिस आयुक्त, तमिलनाडु
36. श्री आ. कुमारवेलू, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
37. श्री शा. अनवर बाशा, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
38. श्री एम.जी.एस. प्रकाश राव, एडिशनल सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस, तेलंगाना
39. श्री अनु दामोदर रेड्डी, सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, तेलंगाना
40. श्री शिव चरण देबबर्मा, हवलदार, त्रिपुरा
41. श्री तेज सिंह यादव, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
42. श्री महेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य आरक्षी, उत्तर प्रदेश
43. श्री पियूष कुमार, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
44. श्री हरेन्द्र सिंह यादव, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश

45. श्री योगेन्द्र सिंह रावत, पुलिस महानिरीक्षक, उत्तराखंड
46. श्री देवव्रत सरकार, पुलिस उपायुक्त-II, पश्चिम बंगाल
47. श्री राम कुमार मंडल, उपविभागीय पुलिस अधिकारी, पश्चिम बंगाल
48. श्री कोदंड राम चिंता, पुलिस अधीक्षक, पुडुचेरी
49. डॉ मुहम्मद हसीब मुगल, उप महानिरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
50. श्रीमती निशा नथियाल, उप महानिरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
51. श्री पदम प्रसाद उपाध्याय, कमांडेंट, असम राइफल्स
52. श्री आलोक कुमार सिंह, महानिरीक्षक, बीएसएफ
53. श्री संजय गौड, महानिरीक्षक, बीएसएफ
54. श्री भूपेन्द्र सिंह, उप महानिरीक्षक, बीएसएफ
55. श्री शिव आधार श्रीवास्तव, उप महानिरीक्षक, बीएसएफ
56. श्री दीवान सिंह बिष्ट, सहायक कमांडेंट (अनुसचिवीय), बीएसएफ
57. श्री एस. आर. सरवणन, महानिरीक्षक, सीआईएसएफ
58. श्री नवज्योति गोगोई, महानिरीक्षक, सीआईएसएफ
59. श्रीमती प्रतिभा अग्रवाल, महानिरीक्षक, सीआईएसएफ
60. श्रीमती. सोनल बी. मिश्रा, महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
61. डॉ. सुषमा शर्मा, उप महानिरीक्षक (चिकित्सा), सीआरपीएफ
62. श्री प्रशान्त आर. जम्भोलकर, उप महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
63. श्री सुनील कुमार राय, उप महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
64. श्री बिनोद टोप्पो, कमाण्डेंट, सीआरपीएफ
65. श्री ओम प्रकाश यादव, महानिरीक्षक, आईटीबीपी
66. श्री संजीव कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक, आईटीबीपी
67. श्री गिरीश चन्द्र पाटनी, सहायक कमाण्डेंट, आईटीबीपी
68. श्री धीरेन्द्र सिंह नेगी, ग्रुप कमांडर, एनएसजी
69. श्री गणेश कुमार, महानिरीक्षक, एसएसबी
70. श्री सुधीर वर्मा, महानिरीक्षक, एसएसबी
71. श्री के. वी. श्रीजेश, संयुक्त निदेशक, गृह मंत्रालय
72. सुश्री इन्द्रा बालाचन्द्रन रानी, संयुक्त निदेशक, गृह मंत्रालय
73. श्री तरुण कुमार, संयुक्त निदेशक, गृह मंत्रालय
74. श्री सुमन चटर्जी, संयुक्त उपनिदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
75. श्री रामेश्वर यादव, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
76. श्री शाजी चेरियन, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
77. श्री चिन्नस्वामी रंगस्वामी, अनुभाग अधिकारी, गृह मंत्रालय
78. श्री विजय कुमार, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
79. श्री रघुवंश सिंह, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय

80. श्री चन्द्रशेखर वेनुपिल्लैड, संयुक्त निदेशक, सीबीआई
81. श्री मुकेश शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीआई
82. श्री अमित श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक, सीबीआई
83. श्री चमन लाल, सहायक उप निरीक्षक, सीबीआई
84. श्री रामु गोल्ला, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
85. श्री प्रमोद कुमार याति, पुलिस उपनिरीक्षक, सीबीआई
86. सुश्री छाया शर्मा, निदेशक/महानिरीक्षक, बीपीआरएंडडी
87. श्री अनुराग अग्रवाल, संयुक्त सचिव, संसदीय कार्य मंत्रालय
88. श्री संजय माथुर, संयुक्त निदेशक, एनसीआरबी
89. सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर, महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ अग्निशमन सेवा
90. श्री राजेंद्रनाथ एम, स्टेशन ऑफिसर, केरल
91. श्री अर्जुन बेहेरा, मुख्य अग्नि योद्धा, ओडिशा
92. श्री संजय कुमार राय, महाप्रबंधक, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
93. श्री अजीत कुमार सिंह, महाप्रबंधक, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
94. श्री महेन्द्र कुमार शर्मा, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा
95. श्री समीरन दे पुरकायस्थ, प्लाटून कमांडर, असम
96. श्री आर प्रदीप कुमार, वरिष्ठ प्लाटून कमांडर, कर्नाटक
97. श्री रमेश चंद्र महांती, गृहरक्षी प्लाटून कमांडर, ओडिशा
सुधारात्मक सेवा
98. श्री विजय बाबाजी परब, सूबेदार, महाराष्ट्र
99. श्री राजू विठ्ठलराव हाटे, हवलदार, महाराष्ट्र
100. श्री सदाशिव प्रधान, वार्डर, ओडिशा
101. श्री टी. सेतुरामन, मुख्य हेड वार्डर, तमिलनाडु

2. राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक (पीएसएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 86-प्रेस/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 तथा गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 72-प्रेज/2026—भारत की राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस, 2026 के अवसर पर; पुलिस, अग्निशमन, जेल प्रशासन तथा गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवाओं के लिए राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों / केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) / केन्द्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) तथा अन्य संबंधित संगठनों के निम्नलिखित कार्मिकों को सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम) सहर्ष प्रदान करती हैं :—

पुलिस सेवा

1. श्री विक्रम राव कामवरपु, पुलिस उप निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
2. श्री कृष्ण मोहन सिंगला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, आंध्र प्रदेश

3. श्री नरसिम्हा राव कुंडेती, पुलिस निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
4. श्री शिवा रेड्डी रायापु, पुलिस उप अधीक्षक, आंध्र प्रदेश
5. श्री श्रीनिवास रेड्डी चिन्नावुला, सहायक रिजर्व उप निरीक्षक पुलिस, आंध्र प्रदेश
6. श्री रंगैया गल्ला, मुख्य कांस्टेबल, आंध्र प्रदेश
7. श्री जयाराम कटारी, सशस्त्र पुलिस उप निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
8. श्री गंगाधर राव मदासु, सहायक उप निरीक्षक पुलिस, आंध्र प्रदेश
9. श्री कालीदेवी नरसिम्हलु, मुख्य कांस्टेबल, आंध्र प्रदेश
10. श्री वेंकटकृष्ण मुनेश्वररा एथा, सशस्त्र पुलिस उप निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
11. श्री अब्राहम अन्नलदासु, सहायक उप निरीक्षक पुलिस, आंध्र प्रदेश
12. श्री राम कृष्ण कोप्पिसेट्टी, सहायक उप निरीक्षक पुलिस, आंध्र प्रदेश
13. श्री वेंकट शेष नागा मल्लिकार्जुन राव पोलावरपु, सहायक कमांडेंट, आंध्र प्रदेश
14. श्री शेख शफी उल्ला, पुलिस उप निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
15. श्री रमा रओ करजदा, सहायक कमांडेंट, आंध्र प्रदेश
16. श्री कृष्णेंदु देव, पुलिस इंस्पेक्टर, अरुणाचल प्रदेश
17. श्री दुतो बागरा, पुलिस इंस्पेक्टर, अरुणाचल प्रदेश
18. श्री प्रणव ज्योति गोस्वामी, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, असम
19. डॉ. सादिक अली अहमद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, असम
20. श्री रिपुल दास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, असम
21. श्री नबनीत महंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, असम
22. श्री सौरव ज्योति सैकिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, असम
23. श्री अनिल मोरन, पुलिस उपाधीक्षक, असम
24. श्री हेमाधर बोराह, एलएनके, असम
25. श्री दिगंत कुमार नाथ, एलएनके, असम
26. श्री जगदीश कलिता, इंस्पेक्टर, असम
27. श्री परीक्षित उज्जिर, सब इंस्पेक्टर, असम
28. श्री सुरेश बोरो, एलएनके, असम
29. श्री होबिबुर रहमान, एलएनके, असम
30. श्री प्रसाद तालुकदार, एलएनके, असम
31. श्री पाबिन चंद्र दास, उप निरीक्षक, असम
32. श्री दलजीत सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, बिहार
33. श्री राजीव रंजन-2, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, बिहार
34. श्री अजय कुमार पाण्डेय, समादेश, बिहार
35. श्री शैलेश मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक, बिहार
36. श्री संजय कुमार सिंह, हवलदार, बिहार
37. मो. एनुल हक, पुलिस अवर निरीक्षक, बिहार

38. श्री नागेन्द्र पाण्डेय, सहायक अवर निरीक्षक, बिहार
39. श्री शुकरा उराँव, हवलदार, बिहार
40. श्री धर्मेन्द्र कुमार, हवलदार, बिहार
41. श्री मनोज कुमार सिंह, सिपाही, बिहार
42. श्री ऋषिकेश कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक, बिहार
43. श्री मनोज कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक, बिहार
44. श्री जवाहर लाल मंडल, हवलदार, बिहार
45. श्री उमेश कुमार सिंह, हवलदार, बिहार
46. श्री ओम प्रकाश, हवलदार, बिहार
47. मो. रफी, हवलदार, बिहार
48. श्री निक्कु कुमार सिंह, सहायक अवर निरीक्षक, बिहार
49. श्री रामगोपाल, पुलिस महानिरीक्षक, छत्तीसगढ़
50. श्री शशि मोहन सिंह, पुलिस अधीक्षक, छत्तीसगढ़
51. श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा, पुलिस अधीक्षक, छत्तीसगढ़
52. श्रीमती राजश्री मिश्रा, पुलिस अधीक्षक, छत्तीसगढ़
53. श्रीमती निवेदिता पाल, सेनानी, छत्तीसगढ़
54. श्रीमती मनीषा ठाकुर रावटे, सेनानी, छत्तीसगढ़
55. श्री तारकेश्वर पटेल, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, छत्तीसगढ़
56. सुश्री उनैजा खातून अंसारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, छत्तीसगढ़
57. श्री जयलाल मरकाम, सहायक सेनानी, छत्तीसगढ़
58. श्री हजारी लाल साहू, प्लाटून कमाण्डर, छत्तीसगढ़
59. श्री मिलिंद महादेव डुंबेरे, संयुक्त आयुक्त पुलिस/ट्रांसपोर्ट रेंज, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
60. सुश्री निशा दीक्षित, सहायक पुलिस आयुक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
61. सुश्री कला जोशी, उप निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
62. श्री कुलदीप सिंह, निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
63. श्री राकेश कुमार वर्मा, उप निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
64. श्री राम पाल बिधूड़ी, निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
65. श्री सुरेश कुमार, निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
66. श्री कृष्ण कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
67. सुश्री विमल चड्ढा, सहायक पुलिस आयुक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
68. श्री लखन लाल मीना, निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
69. श्री सतीश कुमार, सहायक उप निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
70. श्री विक्रम सिंह, उप निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
71. श्री राजवीर सिंह, सहायक उप-निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
72. श्री कृष्णा कुमार जी, उप-निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

73. श्री राजेश कुमार यादव, सहायक उप-निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
74. श्री चन्द्रजीत यादव, सहायक उप-निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
75. सुश्री खिलौनी देवी, उप-निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
76. श्री गौतम अरुणकुमार सलुंके, निरीक्षक/एआरएमआर, गोवा
77. श्री प्रवीणसिंह लक्ष्मणसिंह माल, पुलिस महानिरीक्षक, गुजरात
78. श्री अश्विन गंगाराम चौहाण, पुलिस महानिरीक्षक, गुजरात
79. श्री मयूर जगमालभाई चावडा, पुलिस अधीक्षक, गुजरात
80. श्री धर्मेन्द्र हरजीभाई देसाई, पुलिस अधीक्षक, गुजरात
81. श्री घनश्यामसिंह अनोपसिंह सरवैया, सहायक पुलिस आयुक्त, गुजरात
82. श्री वसंत सोमसिंह परमार, निहत्थे पुलिस उप निरीक्षक, गुजरात
83. श्री संजय मुरलीधर पाटील, निहत्थे पुलिस उप निरीक्षक, गुजरात
84. श्री शनाभाई मोरारभाई परमार, सशस्त्र हेड कांस्टेबल, गुजरात
85. श्री सुनील गोरखभाई देशले, सहायक उपनिरीक्षक, गुजरात
86. श्री गिरीशभाई छगनभाई देसाई, सहायक उपनिरीक्षक, गुजरात
87. श्री क्रिपालसिंह जिलुभा राणा, पुलिस वायरलेस उप निरीक्षक, गुजरात
88. श्री लालसिंह रामसिंह विहोल, सहायक खुफिया अधिकारी, गुजरात
89. श्री विष्णुभाई भरतभाई देसाई, सहायक खुफिया अधिकारी, गुजरात
90. श्री अरविंदभाई भोपिनभाई तडवी, सहायक खुफिया अधिकारी, गुजरात
91. श्री सिमरदीप सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, हरियाणा
92. श्री सुनील कुमार, प्रवर पुलिस अधीक्षक, हरियाणा
93. श्री सुखवीर सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त, हरियाणा
94. श्री कंवरपाल, निरीक्षक, हरियाणा
95. श्री नरेश कुमार, ओ.आर.पी./निरीक्षक, हरियाणा
96. श्री सुरेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक, हरियाणा
97. श्री योगेश कुमार, उप निरीक्षक, हरियाणा
98. श्री प्रदीप चौहान, सहायक उप निरीक्षक, हरियाणा
99. श्री गुगन राम, निरीक्षक, हरियाणा
100. श्री राजीव, निरीक्षक, हरियाणा
101. श्रीमति रेखा रानी, उप निरीक्षक, हरियाणा
102. श्री गौरव शर्मा, सहायक उप निरीक्षक, हरियाणा
103. श्री अनूप बिरथरे, पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड
104. श्री पटेल मयूर कनैयालाल, पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड
105. श्री संजय कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, झारखंड
106. श्री कृष्ण कुमार क्षेत्री, हवलदार, झारखंड
107. श्री अरुण कुमार ओझा, हवलदार, झारखंड

108. श्री मारकुस सुनवार, हवलदार, झारखंड
109. श्री जयदेव प्रधान, आरक्षी, झारखंड
110. श्रीमती जेनेट मार्गेट लकडा, महिला आरक्षी, झारखंड
111. श्रीमती कुमुदिनी कुजूर, महिला आरक्षी, झारखंड
112. श्री सुफल ओडेया, चालक आरक्षी, झारखंड
113. मो. वसीम अख्तर, आरक्षी, झारखंड
114. श्री अमित सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, कर्नाटक
115. डॉ. चेतन सिंह राठौर, पुलिस महानिरीक्षक, कर्नाटक
116. श्रीमती सीमा लाटकर, पुलिस उप महानिरीक्षक, कर्नाटक
117. श्रीमती सविता श्रीनिवास, पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक
118. श्री पुट्टमदैया यम, पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक
119. श्री नागप्पा नवीन कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक
120. श्री राजा इमाम कासिम पी, पुलिस उपायुक्त, कर्नाटक
121. श्री हणमंतराय, पुलिस उपाधीक्षक, कर्नाटक
122. श्री चम्बनिल अब्राहम साइमन, पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक
123. श्री मोहम्मद एम ए, पुलिस इंस्पेक्टर, कर्नाटक
124. श्री शिवस्वामी डेनहल्ली बसवराजू, पुलिस इंस्पेक्टर, कर्नाटक
125. श्री महामद्राफिक मलिकसाब तहसीलदार, पुलिस इंस्पेक्टर, कर्नाटक
126. श्री श्रीशैल केंचप्पा ब्याकोड, वृत्त आरक्षक निरीक्षक, कर्नाटक
127. श्री काशीनाथ बी., विशेष रिजर्व पुलिस सबइंस्पेक्टर, कर्नाटक
128. श्रीमती वायलेट फेमिना, पुलिस सबइंस्पेक्टर, कर्नाटक
129. श्रीमती शकुंतला एच के, पुलिस सबइंस्पेक्टर, कर्नाटक
130. श्री हचपपा डोड्डा इरप्पा, विशेष रिजर्व हेड कांस्टेबल, कर्नाटक
131. श्री हर्ष नागराजा, पुलिस सहायक उप निरीक्षक, कर्नाटक
132. श्री बसवराज म्यागेरी, सिविल हेड कॉन्स्टेबल, कर्नाटक
133. श्री सिद्धराजू जी, पुलिस सहायक उप निरीक्षक, कर्नाटक
134. श्री ए. पी. चंद्रन, सहायक पुलिस अधीक्षक, केरल
135. श्री संतोष कुमार टी., उप निरीक्षक, केरल
136. श्री के. ई. प्रेमचंद्रन, पुलिस उपाधीक्षक, केरल
137. श्री अशरफ थेंगलक्का नदीयिल, सहायक पुलिस आयुक्त, केरल
138. श्री उन्नीकृष्णन वेलुथेदन, पुलिस उपाधीक्षक, केरल
139. श्री अनिलकुमार टी., पुलिस उपाधीक्षक, केरल
140. श्री जोस मेथाई मुकालुविलयिल, पुलिस उपाधीक्षक, केरल
141. श्री मनोज वटक्के वीटिल, पुलिस उपाधीक्षक, केरल
142. श्री प्रेमानंद कृष्णन सी., सहायक पुलिस आयुक्त, केरल

143. श्री प्रमोद दास परवाना वयालिल, उप निरीक्षक, केरल
144. श्रीमती कृष्णावेणी देसावतु, पुलिस महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
145. श्री मनोज कुमार राय, पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
146. श्री गीतेश कुमार गर्ग, जोनल पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
147. श्री दुर्गेश कुमार राठौर, पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
148. श्री प्रवीण सिंह, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
149. श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
150. श्रीमती निधि श्रीवास्तव, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
151. श्री संजय सिंह ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
152. श्रीमती शेफाली टाकलकर, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
153. श्री श्रीराम मिश्रा, प्रधान आरक्षक, मध्य प्रदेश
154. श्री सुशील कुमार चौबे, आरक्षक, मध्य प्रदेश
155. श्री प्रेम किशोर व्यास, उप निरीक्षक, मध्य प्रदेश
156. श्री उमराव प्रसाद जाटव, उप निरीक्षक, मध्य प्रदेश
157. श्री महेन्द्र सिंह नेगी, सहायक उप निरीक्षक, मध्य प्रदेश
158. श्री संतोष मेहरा, सहायक उप निरीक्षक, मध्य प्रदेश
159. श्री रवीन्द्र मिश्रा, प्रधान आरक्षक, मध्य प्रदेश
160. श्री राजू गुराने, रिपोर्टर/निरीक्षक, मध्य प्रदेश
161. श्री राजीव वीरेंद्र कुमार जैन, विशेष पुलिस महानिदेशक, महाराष्ट्र
162. श्री सुधीर कल्लया हिरेमठ, विशेष पुलिस महानिदेशक, महाराष्ट्र
163. श्रीमती शीला दिनकर साईल, पुलिस अधीक्षक, महाराष्ट्र
164. श्री मोहन मुरलीधर दहिकर, पुलिस अधीक्षक, महाराष्ट्र
165. श्री पुरुषोत्तम नारायण कराड, पुलिस उप आयुक्त, महाराष्ट्र
166. श्रीमती किरण जितेंद्रसिंग पाटील, सहायक पुलिस अधीक्षक, महाराष्ट्र
167. श्रीमती निलम प्रशांत वाव्हल, पुलिस उप अधीक्षक, महाराष्ट्र
168. श्री अविनाश शंकरराव शिलीमकर, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
169. श्री गजाजन रामराव शेलके, पुलिस उप अधीक्षक, महाराष्ट्र
170. श्री महेश रमेश तावडे, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
171. श्री विजय मारोतीराव माहुलकर, अपर पुलिस अधीक्षक, महाराष्ट्र
172. श्री समीर नारायण सालुंके, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
173. श्री पराग बापुराव पोटे, पुलिस उप अधीक्षक, महाराष्ट्र
174. श्री दयानंद सदाशिव गावडे, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
175. श्रीमती पुष्पलता राजाराम दिघे, पुलिस उप अधीक्षक, महाराष्ट्र
176. श्री सुनिल शंकर शिंदे, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
177. श्रीमती सुवर्णा उमेश शिंदे, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र

178. श्री अनंत ज्ञानेश्वर माली, पुलिस उप अधीक्षक, महाराष्ट्र
179. श्री महेंद्र दत्तात्रय कोरे, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
180. श्री कैलास रामाजी बाराभाई, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
181. श्री विजय गोपाल मोहिते, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
182. श्री भरत रावसाहेब सावंत, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
183. श्री नरेंद्र सखाराम राऊत, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
184. श्री सतिश जनार्दन निंबालकर, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
185. श्री अफजल खान शहजाद खान पठाण, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
186. श्री प्रदीप साहेबराव सावंत, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
187. श्री सुभाष सुनंदा वामन सालवी, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
188. श्री प्रमोद रोहिदास वाघमारे, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
189. श्री विजयकुमार शंकर शिंदे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
190. श्री विक्रम व्यंकटराव नवरखेडे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
191. श्री विजय प्रभाकर देवरे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
192. श्री मनोज यशवंत गुजर, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
193. श्री अजय मनोहर सावंत, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
194. श्री गंगाधर रामचंद्र घुमरे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
195. श्री संजय एकनाथ शेलार, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
196. श्री महादेव मधुकर खंडारे, राखीव पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
197. श्री राजकुमार चनविरप्पा तोलनुरे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
198. श्री बाबासाहेब नाथा ढाकणे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
199. श्री शिवदास दत्तात्रय फुटाणे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
200. श्री सुरेश साहेबराव सोनवणे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
201. श्री मनबिंदु सिंह राजकुमार, पुलिस अधीक्षक, मणिपुर
202. डॉ. सारंगथेम इबोमचा सिंह, कमांडेंट, मणिपुर
203. श्री क्षेत्रीमयूम प्रासान्ता कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट, मणिपुर
204. श्री नेहखोलाल गंगते, हवलदार, मणिपुर
205. श्री प्रेमचंद सिंह चुंगखम, राइफलमैन, मणिपुर
206. श्री बिजेन सिंह पुखरम्बम, सहायक उप निरीक्षक, मणिपुर
207. श्री कमलेमसंग, राइफलमैन, मणिपुर
208. श्री बशंबरलंग ज लालू, कमांडेंट, मेघालय
209. श्री बाबू चाउ सिन्हा, आर्म्ड पुलिस सुब इंस्पेक्टर, मेघालय
210. श्री सेजू पी कुरुविला, आईजीपी, मिजोरम
211. श्री लालरुआत्संगा टोचावंग, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मिजोरम
212. श्री एमसी लालमिंगथांगा, पुलिस निरीक्षक, मिजोरम

213. श्री लानुचुबा लोंगचर, सहायक कमांडेंट, नागालैंड
214. श्री मेपु कोन्याक, इंस्पेक्टर, नागालैंड
215. श्री आई अकाहो सुमि, हवलदार, नागालैंड
216. डॉ. सार्थक षडंगी, पुलिस महानिरीक्षक, ओडिशा
217. श्री श्रीप्रसाद तमांग, कमांडेंट, ओडिशा
218. श्री शुभनारायण मुदुलि, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ओडिशा
219. श्री प्रदीप कुमार आईड, पुलिस उपाधीक्षक, ओडिशा
220. श्रीमती प्रणिता कुमारी राय, पुलिस उपाधीक्षक, ओडिशा
221. श्री अशोक कुमार महान्ति, कमांडेंट, ओडिशा
222. श्री अरुण कुमार नायक, पुलिस निरीक्षक, ओडिशा
223. श्री मोहम्मद हाफिज, पुलिस निरीक्षक, ओडिशा
224. श्रीमती लता नाएक, हवलदार, ओडिशा
225. श्री निगमानन्द महापात्र, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, ओडिशा
226. श्री लक्ष्मी नारायण मुदुलि, पुलिस निरीक्षक, ओडिशा
227. श्री जसदेव सिंह सिद्धू, पुलिस अधीक्षक, पंजाब
228. श्री राजन परमिंदर सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, पंजाब
229. श्री हरिंदरदीप सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, पंजाब
230. श्री नवदीप सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, पंजाब
231. श्री तलविंदर सिंह, निरीक्षक, पंजाब
232. श्री रणदीप सिंह मान, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पंजाब
233. श्री हरीश कुमार, निरीक्षक, पंजाब
234. श्री प्रितपाल सिंह, निरीक्षक, पंजाब
235. श्री राजिंदर कुमार, निरीक्षक, पंजाब
236. श्री भुपिंदर सिंह, उप निरीक्षक, पंजाब
237. श्रीमती धरमजीत कौर, उप निरीक्षक, पंजाब
238. श्रीमती मंजीत कौर, निरीक्षक, पंजाब
239. श्रीमती स्वर्णजीत कौर, सहायक उप निरीक्षक, पंजाब
240. श्रीमती सर्पिंदर कौर, उप पुलिस अधीक्षक, पंजाब
241. श्री सुखजीत सिंह, निरीक्षक, पंजाब
242. श्री दीपक कुमार, महानिरीक्षक, राजस्थान
243. श्रीमती परम ज्योति, महानिरीक्षक पुलिस, राजस्थान
244. श्री रेवन्त दान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, राजस्थान
245. श्री धनपत राज, सहायक निदेशक, राजस्थान
246. श्री महावीर सिंह शेखावत, वृत्ताधिकारी, राजस्थान
247. श्री नील कमल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, राजस्थान

248. श्री सुरेन्द्र यादव, पुलिस निरीक्षक, राजस्थान
249. श्री राजेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल, राजस्थान
250. श्री हरीशंकर, पुलिस उप निरीक्षक, राजस्थान
251. श्री उमेश पारीक, सहायक उप निरीक्षक, राजस्थान
252. श्रीमती स्नेहलता जाट, पुलिस निरीक्षक, राजस्थान
253. श्री बालू लाल, सहायक उप निरीक्षक, राजस्थान
254. श्री सत्यवीर, हेड कांस्टेबल, राजस्थान
255. श्री लक्ष्मीनारायण, सहायक उप निरीक्षक, राजस्थान
256. श्री महेन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक, राजस्थान
257. श्री कृष्णवीर सिंह, पुलिस उप निरीक्षक, राजस्थान
258. श्री छिरिड शेर्पा, पुलिस अधीक्षक, सिक्किम
259. श्री अनिल कुमार गिरि, पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस आयुक्त, तमिलनाडु
260. श्री अ. सरवण सुंदर, पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस आयुक्त, तमिलनाडु
261. श्री गो. मणिकडन, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
262. श्री गो. मणिवन्नन, सहायक पुलिस आयुक्त, तमिलनाडु
263. श्री ज. देवराजन, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
264. श्री नी. मणिवर्णन, सेनानायक, तमिलनाडु
265. श्री पी. के. जॉन, सहायक पुलिस आयुक्त, तमिलनाडु
266. श्री सों. अमुलदास, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, तमिलनाडु
267. श्री बा. बेसिल श्रीनिवासन, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
268. श्री शि. विजय, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
269. श्री कु. कृष्णमूर्ति, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
270. श्रीमती ना जानकी, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
271. श्रीमती सु. कालीश्वरी, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
272. श्री ति. इलक्कुमणन, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
273. श्री न. रघुनाथन, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
274. श्री रा. मोहन, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
275. श्रीमती था. पाण्डी मुथुलक्ष्मी, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
276. श्री सि. सेंथिलकुमार, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
277. श्रीमती वा आनंदी, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
278. श्रीमती पे चंद्रा, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
279. श्री गु. मुरुगन, पुलिस उपनिरीक्षक, तमिलनाडु
280. श्रीमती बडुगुला सुमति, इंस्पेक्टर जनरल आफ पुलिस, तेलंगाना
281. श्री पगुंटा वेंकट रामुलु, कमांडेंट, तेलंगाना
282. श्री मोघिलीचेरला शंकर, डेपुटी सुपरिंटेंडेंट आफ पुलिस, तेलंगाना

283. श्री अटलूरी भानु मूर्ति, एडिशनल कमांडेंट, तेलंगाना
284. श्री के वी एम प्रसाद, डेपुटी सुपरिंटेंडेंट आफ पुलिस, तेलंगाना
285. श्री सी वामसी मोहन रेड्डी, डेपुटी सुपरिंटेंडेंट आफ पुलिस, तेलंगाना
286. श्रीमती थुम्माला लक्ष्मी, डेपुटी सुपरिंटेंडेंट आफ पुलिस, तेलंगाना
287. श्री बुर्रा येल्लैया, सब इंस्पेक्टर आफ पुलिस, तेलंगाना
288. श्री वी पुरुषोत्तम रेड्डी, रिजर्व इंस्पेक्टर आफ पुलिस, तेलंगाना
289. श्री सैयद अब्दुल करीम, सब इंस्पेक्टर आफ पुलिस, तेलंगाना
290. श्री बोडू आनंदम, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर आफ पुलिस, तेलंगाना
291. श्री पैली मनोहर, हेड कांस्टेबल, तेलंगाना
292. श्री देवा प्रसाद रॉय, पुलिस उपाधीक्षक, त्रिपुरा
293. श्री प्रदीप चंद्र दास, सूबेदार, त्रिपुरा
294. श्री बिपुल देब, हवलदार, त्रिपुरा
295. श्री जीवन देवनाथ, कांस्टेबल, त्रिपुरा
296. श्री अमल दत्ता, असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर, त्रिपुरा
297. श्री ध्रुवज्योति हलदार, असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर, त्रिपुरा
298. श्री आकाश कुलहरि, पुलिस महानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
299. श्री अमित पाठक, पुलिस महानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
300. श्री घनश्याम, पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
301. श्री नीरज कुमार पाण्डेय, पुलिस उपायुक्त, उत्तर प्रदेश
302. श्री दीपेन्द्र नाथ चौधरी, पुलिस उपायुक्त, उत्तर प्रदेश
303. श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
304. श्री अतुल कुमार श्रीवास्तव, पुलिस उपायुक्त, उत्तर प्रदेश
305. श्रीमती निहारिका शर्मा, सेनानायक, उत्तर प्रदेश
306. डॉ. प्रवीन रंजन सिंह, पुलिस उपायुक्त, उत्तर प्रदेश
307. श्री संजीव कुमार बाजपेई, सेनानायक, उत्तर प्रदेश
308. श्री रोहित मिश्रा, पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
309. श्री प्रेम चन्द्र, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
310. श्री सर्वेश कुमार मिश्रा, सेनानायक, उत्तर प्रदेश
311. श्री सत्यपाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
312. श्री राहुल मिठास, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
313. श्री राज कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
314. श्री आलोक कुमार शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
315. श्री पन्ना लाल, रेडियो निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
316. श्री सैफुद्दीन बेग, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
317. श्री अंजनी कुमार राय, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश

318. श्री प्रदीप सिंह चन्देल, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
319. श्री जगदीश कलीरामन, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
320. श्री अभय प्रताप मल्ल, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
321. श्री हकीमुद्दीन, शिविरपाल, उत्तर प्रदेश
322. श्री जय प्रकाश शर्मा, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
323. श्री सच्चिदा नन्द तिवारी, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
324. श्री शिव लाल, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
325. श्री सुनील कुमार सिंह, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
326. श्री सुरेश सिंह, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
327. श्री सुहैल अहमद, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
328. श्री कप्तान सिंह भदौरिया, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
329. श्री मोहम्मद एजाज अख्तर, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
330. श्री योगेन्द्र कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
331. श्री देवेन्द्र सिंह धामा, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
332. श्री केशव दत्त शर्मा, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
333. श्री सुभाष बाबू, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
334. श्री दीन दयाल तिवारी, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
335. श्री महेन्द्र प्रकाश शर्मा, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
336. श्री नारायण कान्त सरोज, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
337. श्री नरेन्द्र कुमार दूबे, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
338. श्री योगेन्द्र कुमार सिंह, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
339. श्री अशोक कुमार सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
340. श्री अवध विहारी निरंजन, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
341. श्री चाँदवीर सिंह, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
342. श्री हाकिम सिंह यादव, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
343. श्री राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
344. श्री सहदेव प्रसाद, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
345. श्री राम सरन सिंह यादव, निरीक्षक परिवहन, उत्तर प्रदेश
346. श्री मणि शंकर तिवारी, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
347. श्री महेश पाल सिंह, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
348. श्री अशोक कुमार काम्बोज, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
349. श्री शमशेर यादव, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
350. श्रीमती गीता अहिरवार, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
351. श्री रमाकांत पचौरी, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
352. श्री युगुल किशोर चन्द, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश

353. श्री राजेश कुमार सिंह, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
354. श्री योगेन्द्र कुमार सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
355. श्री महमूद अली, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
356. श्री ओम प्रकाश यादव, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
357. श्री आनन्द कुमार, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
358. श्री छवि नाथ सिंह, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
359. श्री प्रेमपाल, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
360. श्री रणजीत, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
361. श्री सत्यवीर सिंह, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
362. श्री शिवाकान्त मिश्र, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
363. श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
364. श्री सुरेश चन्द्र, मुख्य आरक्षी, उत्तर प्रदेश
365. श्री विजय सिंह, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
366. श्रीमती ज्योति चौहान, निरीक्षक, उत्तराखंड
367. श्री प्रबोध कुमार घिल्डियाल, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तराखंड
368. श्री शिवराज सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तराखंड
369. श्री सुभाष चन्द्र, निरीक्षक, उत्तराखंड
370. श्री साजिद अली, अपर उप निरीक्षक, उत्तराखंड
371. श्री मुरली धर, पुलिस आयुक्त, पश्चिम बंगाल
372. श्री सैयद बक्रार रज़ा, पुलिस उप महानिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
373. श्री निमा नोरबू भुटिया, पुलिस उपायुक्त, पश्चिम बंगाल
374. श्री अब्दुल्लाह सना, सहायक पुलिस आयुक्त, पश्चिम बंगाल
375. श्री अमित विश्वास, सहायक पुलिस आयुक्त, पश्चिम बंगाल
376. श्री विद्या सागर चौबे, पुलिस उपाधीक्षक, पश्चिम बंगाल
377. श्री राजेश कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक, पश्चिम बंगाल
378. श्री अमन रजा, पुलिस निरीक्षक, पश्चिम बंगाल
379. श्री दिव्येंद्रु चटर्जी, सहायक पुलिस आयुक्त, पश्चिम बंगाल
380. श्री प्रदीप खारा, सहायक पुलिस आयुक्त, पश्चिम बंगाल
381. श्री सुभाष बंदोपाध्याय, पुलिस निरीक्षक, पश्चिम बंगाल
382. श्री मलय सान्याल, पुलिस निरीक्षक, पश्चिम बंगाल
383. श्रीमती सूर्यमोनी छेत्री, महिला पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
384. श्री अमित हलदर, पुलिस निरीक्षक, पश्चिम बंगाल
385. श्री घंटेस्वर मंडल, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
386. श्रीमती चंद्राणी घोष, महिला सिपाही, पश्चिम बंगाल
387. श्री सुजीत सामंता, वायरलेस ऑपरेटर, पश्चिम बंगाल

388. श्री रितेश कुमार सिंह, पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
389. श्री कल्याण मार्जित, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (सशस्त्र शाखा), पश्चिम बंगाल
390. श्री कंचन दास, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
391. श्री नवीन कुमार, उप समादेशक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
392. श्री एस रमनी, प्रधान सिपाही, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
393. श्री इब्राहिम अली, प्रधान सिपाही, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
394. श्री पुष्पेन्द्र कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, चंडीगढ़
395. श्री जसबीर सिंह, निरीक्षक, चंडीगढ़
396. श्री सुरिंदर पाल, हवलदार, चंडीगढ़
397. श्री एस रघुनाथन, सहायक उपनिरीक्षक, पुडुचेरी
398. श्री मुहम्मद सुलेमान चौधरी, महानिरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
399. श्री सुजीत कुमार सिंह, महानिरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
400. श्री विवेक गुप्ता, महानिरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
401. श्री हिम्मत सिंह, उपाधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
402. श्रीमती चंपा देवी शर्मा, उपाधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
403. श्री खुशवंत सिंह, उपाधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
404. श्री अनिल शर्मा, निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
405. श्री गुरमीत सिंह, उपाधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
406. श्री रेआज़ अहमद लंगू, निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
407. श्री शाम लाल, सहायक उप निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
408. श्री गोपाल सिंह, प्रधान सिपाही, जम्मू और कश्मीर
409. श्री सरदार सिंह, उप निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
410. श्री नीरज कुमार कौल, निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
411. श्री मुश्ताक अहमद भट्ट, उप निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
412. श्री तौहीद अहमद ठोकर, चयन ग्रैड सिपाही, जम्मू और कश्मीर
413. श्री शुब कुमार, चयन ग्रैड सिपाही, जम्मू और कश्मीर
414. श्री बलविंदर सिंह बाली, सहायक उप निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
415. श्री रमेश सिंह पठानिया, सेकंड-इन-कमांड, असम राइफल्स
416. श्री देवराज, सुबेदार, असम राइफल्स
417. श्री वेद प्रकाश श्रीवास्तव, कमांडेंट, असम राइफल्स
418. श्री दुर्गेस्वर बोरो, सुबेदार मेजर, असम राइफल्स
419. श्री उत्तम राज जरयाल, डिप्टी कमांडेंट, असम राइफल्स
420. श्री भक्ता बहादुर राय, हवलदार, असम राइफल्स
421. श्री सुंदरन के. ऐ., सूबेदार मेजर, असम राइफल्स
422. श्री रामा शंकर राम, सूबेदार मेजर, असम राइफल्स

423. श्री नंद किशोर राम, सूबेदार मेजर, असम राइफल्स
424. श्री गोपाल सिंह, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
425. श्री विजय कुमार, वारंट अधिकारी, असम राइफल्स
426. श्री देव राम, वारंट अधिकारी, असम राइफल्स
427. श्री प्रवेश कुमार, सेकंड-इन-कमांड, असम राइफल्स
428. श्री अनुप लाल भगत, कमांडेंट, बीएसएफ
429. श्री कुलविन्दर सिंह, उप महानिरीक्षक, बीएसएफ
430. श्री सतीश कुमार, उप महानिरीक्षक, बीएसएफ
431. श्री बलराज सिंह, कमांडेंट, बीएसएफ
432. श्री महेश कुमार, कमांडेंट, बीएसएफ
433. श्री अमर वीर सिंह, कमांडेंट, बीएसएफ
434. श्री हरविंदर सिंह बेदी, कमांडेंट, बीएसएफ
435. श्री नरेन्द्र सिंह, कमांडेंट, बीएसएफ
436. श्री राजीव भारद्वाज, कमांडेंट, बीएसएफ
437. श्री विनोद कुमार काण्डपाल, कमांडेंट, बीएसएफ
438. श्री सूरज सिंह, कमांडेंट, बीएसएफ
439. डॉ. लीना गुप्ता, उप महानिरीक्षक (मेडिकल), बीएसएफ
440. श्री सुरेन्द्र कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, बीएसएफ
441. श्री जसविन्द्र सिंह, विधि अधिकारी ग्रेड-1/कमांडेंट, बीएसएफ
442. श्री अनिल कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, बीएसएफ
443. श्री ओम कान्त बैरागी, डिप्टी कमांडेंट, बीएसएफ
444. श्री रविन्दर सिंह, डिप्टी कमांडेंट, बीएसएफ
445. श्री दयाल सिंह, डिप्टी कमांडेंट, बीएसएफ
446. श्री चन्द्र प्रकाश शर्मा, डिप्टी कमांडेंट, बीएसएफ
447. श्री राज द्वीप सारस्वत, सहायक कमांडेंट, बीएसएफ
448. श्री जितेंद्र शर्मा, सहायक कमांडेंट, बीएसएफ
449. श्री शिव कुमार पटेल, सहायक कमांडेंट, बीएसएफ
450. श्री विक्रम सिंह, सहायक कमांडेंट, बीएसएफ
451. श्री खेमराज मीणा, सूबेदार मेजर, बीएसएफ
452. श्री महताब बेहेरा, सूबेदार मेजर, बीएसएफ
453. श्री राकेश कुमार, सूबेदार मेजर, बीएसएफ
454. श्री छवी प्रकाश, निरीक्षक, बीएसएफ
455. श्री सुमेर सिंह, निरीक्षक, बीएसएफ
456. श्री शाकम सिंह, उप निरीक्षक, बीएसएफ
457. श्री अरुण प्रकाश त्रिपाठी, निरीक्षक, बीएसएफ

458. श्री हेत राम, निरीक्षक, बीएसएफ
459. श्री बिनोद कुमार तिवारी, उप निरीक्षक, बीएसएफ
460. श्री दुर्गा सिंह धामी, उप निरीक्षक, बीएसएफ
461. श्री सुरेश कुमार, उप निरीक्षक, बीएसएफ
462. श्री पृथ्वीराज हाजोंग, आरक्षक, बीएसएफ
463. श्री जॉय एम, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
464. श्री अनिल कुमार, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
465. श्री शरत चन्द्र महापात्रा, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
466. श्री अमुस उरँव, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
467. श्री शेखर बी सी, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
468. श्री गोपी राम, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
469. श्री गुरबचन सिंह, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
470. श्री रमेश कुमार, सूबेदार मेजर, बीएसएफ
471. श्री राजेंद्र सिंह, उप निरीक्षक, बीएसएफ
472. श्री जयाकुमार ओरवाक्कंडी, हेड कांस्टेबल, बीएसएफ
473. श्री सिवदासन के, निरीक्षक, बीएसएफ
474. डॉ. धनंजय नायक सी, उप महानिरीक्षक, सीआईएसएफ
475. श्री वैभव कुमार दुबे, वरिष्ठ कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
476. श्री प्रताप भाऊसाहेब पुंडे, वरिष्ठ कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
477. श्री विरेन्द्र मोहन जोशी, वरिष्ठ कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
478. श्रीमती एस इंदिरा, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
479. श्री राज कुमार, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
480. श्री चन्दा लाल मीणा, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
481. श्री रतन सिंह जोधा, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
482. श्रीमती एन ऐ लता, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
483. श्री पावलीयनकाप, कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
484. श्री नितिन कुमार त्यागी, कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
485. श्री विकास कुमार, कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
486. श्री एन बालकृष्णन, उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
487. श्री चन्द्र बल्लभ भट्ट, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
488. श्री आनन्द मोहन, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
489. श्री नगीना रजक, प्रधान आरक्षक, सीआईएसएफ
490. श्री बी नंदकुमार, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
491. श्री यासम नागेश्वर राव, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
492. श्री ए अरुल राजन, निरीक्षक, सीआईएसएफ

493. श्री भुवन डेका, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
494. श्री यशपाल सिंह, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
495. श्री ओम प्रकाश, उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
496. श्रीमती लता मणि, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
497. श्री रवि कुमार, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
498. श्री राजेन्द्र नारायण दाश, महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
499. डॉ. हरीश सिंह, उप महानिरीक्षक (चिकित्सा), सीआरपीएफ
500. श्री किशोर कुमार, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
501. श्री महेश कुमार, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
502. श्री पी. मनोज कुमार, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
503. श्री राजीव कुमार चौधरी, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
504. डॉ. बिजोय कुमार बासुमातारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एस.जी.)/ कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
505. डॉ. मनीषा गर्ग, मुख्य चिकित्सा अधिकारी(एस.जी.)/ कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
506. श्री दीपक कुमार, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
507. श्री भवेश चौधरी, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
508. श्री दीपक भाटी, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
509. श्री अमित चौधरी, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
510. श्रीमती रेखा नायर, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
511. श्री अजय कुमार, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
512. श्री अनिल कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ
513. श्री हजारी लाल, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ
514. श्री प्रज्ञेश कुमार अटल, उप कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
515. श्री हजारी लाल, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
516. श्री विनेश कुमार, उप कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
517. श्री अनिल कुमार सिंह, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
518. श्री प्रकाश सिंह, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
519. श्री नारायणन एस. एस., सहायक कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
520. श्री वी. शिव राम कृष्णा, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
521. श्री भूप सिंह, निरीक्षक, सीआरपीएफ
522. श्री मधु सुदन राय, निरीक्षक, सीआरपीएफ
523. श्री बंदिया बाबू, निरीक्षक, सीआरपीएफ
524. श्री अशोक, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
525. श्री राजबीर सिंह बरवर, निरीक्षक, सीआरपीएफ
526. श्री बच्चु सिंह, निरीक्षक, सीआरपीएफ
527. श्री नारायणन एम. वी., सहायक कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ

528. श्री ओम प्रकाश, निरीक्षक, सीआरपीएफ
529. श्री डेनियल शाजी, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
530. श्री तरसेम लाल, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
531. श्री आनन्द कुमार, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
532. श्री अवधेश कुमार सिंह, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
533. श्री गुरमेल सिंह, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
534. श्री चमन लाल, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
535. श्री विनोद सिंह, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
536. श्री गुप्तेश्वर प्रसाद सिंह, सहायक उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
537. श्रीमती कुमारी मधु, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
538. श्री महाबिर सिंह ओला, हवलदार, सीआरपीएफ
539. श्री अनिल कुमार सकलानी, सहायक उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
540. श्री हवा सिंह, सहायक उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
541. श्री कृष्ण कुमार, सहायक उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
542. श्री सतीश, उप कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
543. श्री नवल किशोर, सहायक उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
544. श्री रावल शशीनकुमार हीरालाल, सिपाही, सीआरपीएफ
545. श्री सनीश कुमार, निरीक्षक, सीआरपीएफ
546. श्री म्हेत्रे अमोगसिद्ध भिमराव, हवलदार, सीआरपीएफ
547. श्री दिलीप सिंह, निरीक्षक, सीआरपीएफ
548. श्री प्रवीण कुमार सिंह, निरीक्षक, सीआरपीएफ
549. श्री धुमाल किरण विलासराव, हवलदार, सीआरपीएफ
550. श्री खोइरोम प्रासन्ता मिताई, निरीक्षक, सीआरपीएफ
551. श्री लक्ष्मण सिंह, निरीक्षक, सीआरपीएफ
552. श्री जसवंत राय, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
553. श्री मेजर सिंह, हवलदार, सीआरपीएफ
554. श्री सुरज कुमार, हवलदार, सीआरपीएफ
555. श्री विजय देशवाल, उप महानिरीक्षक, आईटीबीपी
556. श्री टाशी नमग्याल, कमाण्डेंट, आईटीबीपी
557. श्री सुभाष चन्द्र यादव, कमाण्डेंट, आईटीबीपी
558. श्री देवनाथ राय, कमाण्डेंट, आईटीबीपी
559. श्री द्वारिका प्रसाद ढौंडियाल, सहायक कमाण्डेंट, आईटीबीपी
560. श्री कैलाश चन्द्र ढौंडियाल, सहायक कमाण्डेंट, आईटीबीपी
561. श्री छेरिंग दोरजे, निरीक्षक, आईटीबीपी
562. श्री राजेन्द्र विक्रम सेन, निरीक्षक, आईटीबीपी

563. श्री राम कुमार, उप निरीक्षक, आईटीबीपी
564. श्री विजय कुमार, उप निरीक्षक, आईटीबीपी
565. श्री प्रसन्न पी. एस., सहायक उप निरीक्षक, आईटीबीपी
566. श्री जोगिन्दर कुमार, सहायक कमाण्डेंट, आईटीबीपी
567. श्री अभिषेक कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, एनएसजी
568. श्री शैलेन्द्र बन्धु गुप्ता, सहायक कमांडर-1, एनएसजी
569. श्री जॉर्ज कुरियन, सहायक कमांडर-1, एनएसजी
570. श्री जसवीर सिंह, सहायक कमांडर-1, एनएसजी
571. श्री काँगाट रंजीत, उप महानिरीक्षक, एसएसबी
572. श्री हरी प्रकाश, कमांडेंट, एसएसबी
573. डॉ. हृषीकेश सेन, कमांडेंट (चिकित्सा), एसएसबी
574. श्री प्रियव्रत शर्मा, कमांडेंट, एसएसबी
575. श्री फिलेम बसंता सिंह, उप कमांडेंट, एसएसबी
576. श्री ललित कुमार, उप कमांडेंट, एसएसबी
577. श्री देश राज, सहायक कमांडेंट, एसएसबी
578. श्री सिकंदर कुमार, सहायक कमांडेंट, एसएसबी
579. श्री मिडमा ढोन्डुप् तमांड, द्वितीय कमान अधिकारी, एसएसबी
580. श्रीमती रुम्पा गोरॉई, निरीक्षक, एसएसबी
581. डॉ. लिकमाबाम कुमारजित सिंह, कमांडेंट, एसएसबी
582. सुश्री अमृता दाश, संयुक्त निदेशक, गृह मंत्रालय
583. सुश्री रुचिका जैन, संयुक्त निदेशक, गृह मंत्रालय
584. सुश्री उमा, उपनिदेशक, गृह मंत्रालय
585. सुश्री वीना भारती, संयुक्त निदेशक, गृह मंत्रालय
586. श्री एस. जेवियर धनराज, संयुक्त निदेशक, गृह मंत्रालय
587. सुश्री दीपिका तिवारी, संयुक्त निदेशक, गृह मंत्रालय
588. श्री नितिन तिवारी, संयुक्त निदेशक, गृह मंत्रालय
589. श्री दिव्य मिश्र, संयुक्त निदेशक, गृह मंत्रालय
590. श्री सुनील कुमार, संयुक्त निदेशक, गृह मंत्रालय
591. श्री प्रमोद कुमार सिंह, अनुभाग अधिकारी, गृह मंत्रालय
592. सुश्री के. जयलक्ष्मी, सहायक निदेशक/स्टाफ ऑफिसर, गृह मंत्रालय
593. श्री गिरधारी लाल सेहता, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
594. सुश्री मिठु चक्रवर्ती, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
595. सुश्री लक्ष्मी आर पिल्लै, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
596. श्री गुरुअरिबम संदीप शर्मा, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
597. श्री शैलेन्द्र राँव, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय

598. श्री मनीष कुमार, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/तकनीकी, गृह मंत्रालय
599. श्री जयंत लक्ष्मणराव दर्वे, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
600. श्री सचिन दशरथ रुके, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
601. सुश्री वी. पद्मावती, निजी सचिव, गृह मंत्रालय
602. श्री अमल चन्द्र विश्वास, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
603. श्री ग्यूरमेट दोर्जे, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
604. श्री ईशे नामग्याल, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-II/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
605. श्री कमलेश देवबर्मा, कनिष्ठ आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
606. श्री अमृत भट्ट, कनिष्ठ आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
607. श्री दीपक सोबती, सहायक अनुभाग अधिकारी, गृह मंत्रालय
608. श्री सदानंद शंकरराव दाते, पुलिस उपमहानिरीक्षक, सीबीआई
609. श्री वेंकटा सुब्बा रेड्डी चिन्नाकोंडु, संयुक्त निदेशक, सीबीआई
610. श्री मनमोहन शर्मा, उप विधि सलाहकार, सीबीआई
611. श्री बैद्यनाथ सामल, अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीआई
612. श्रीमती रूबी चौधरी, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
613. श्री मनीष कुमार उपाध्याय, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
614. श्री अनमोल सच्चान, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
615. श्रीमती दीप्ति वाशिष्ठ, प्रोग्रामर, सीबीआई
616. श्रीमती निशु कुशवाहा, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
617. श्री कैलाश साहु, अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीआई
618. श्री अरिजीत सिन्हा, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
619. श्री नेतराम चौरसिया, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
620. श्री पुरन मल गुर्जर, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
621. श्री भोला राय, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
622. श्री बाबू वर्गीज, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
623. श्री विनोद कुमार, सहायक उप निरीक्षक, सीबीआई
624. श्री शरद सुरेश भवार, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
625. श्री धर्मेन्द्र, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई
626. श्री संजीव कुमार, आरक्षक, सीबीआई
627. श्री वाईखोम राजेश सिंह, आरक्षक, सीबीआई
628. श्री विक्रम सिंह, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
629. श्री ताहिर अब्बास पी, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
630. श्री रूपेन्द्र कुमार, आरक्षक, सीबीआई
631. श्रीमती नारिकोट नंदिनी, कार्यालय अधीक्षक, सीबीआई
632. श्री धर्मेन्द्र कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई

633. श्री राजेश कुमार, सहायक महानिरीक्षक, एसपीजी
 634. श्री ठाकुर दिवाकर सिंह, सहायक महानिरीक्षक, एसपीजी
 635. श्री ओ बाला मुरुगन, सुरक्षा अधिकारी-II, एसपीजी
 636. डॉ. अमनदीप सिंह कपूर, निदेशक, बीपीआरएंडडी
 637. सुश्री रूपा एम., महानिरीक्षक, आई4सी
 638. सुश्री प्रतिभा अम्बेडकर, संयुक्त महानिदेशक, नागर विमानन मंत्रालय
 639. श्री नीरज कुमार गुप्ता, उप महानिदेशक, एनसीबी
 640. श्री ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, उप निदेशक, एनसीबी
 641. श्री रामचन्द्र गुर्जर, उप अधीक्षक, एनसीआरबी
 642. श्री ज्ञानेश्वर सिंह, कमांडेंट, एनडीआरएफ
 643. श्री प्रभात कुमार यादव, निरीक्षक, एनडीआरएफ
 644. श्री बी मोहन, हेड कांस्टेबल, एनडीआरएफ
 645. श्रीमती गीहाबाती चनमबाम, उप निदेशक, नेपा
 646. श्री अमरेन्द्र तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक, एनआईए
 647. श्री जितेंद्र कुमार ओझा, उप निरीक्षक, एनआईए
 648. श्री अजित कुमार एन. एस., सहायक उप निरीक्षक, एनआईए
 649. श्री अंजनी नंदन तिवारी, सब इंस्पेक्टर, एसवीपीएनपीए
 650. श्री कल्याण देउरी, सहायक समादेशक, आरपीएफ
 651. श्री उत्तम कुमार बंद्योपाध्याय, सहायक सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ
 652. श्री मुकेश कुमार सोम, निरीक्षक, आरपीएफ
 653. श्री बलवान सिंह, निरीक्षक, आरपीएफ
 654. श्री प्रकाश चरण दास, निरीक्षक, आरपीएफ
 655. श्री अनवर हुसैन, उप निरीक्षक, आरपीएफ
 656. श्री प्रफुल्ल चंद्र पांडा, निरीक्षक, आरपीएफ
 657. श्री पप्पाला श्रीनिवास राव, उप निरीक्षक, आरपीएफ
 658. श्री दिक्काला वेंकट मुरली कृष्णा, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ
 659. श्री कर्णाटी महेश्वर रेड्डी, प्रधान आरक्षक, आरपीएफ
 660. श्री श्रीनिवास रावुला, उप निरीक्षक, आरपीएफ
 661. श्री शिव लहरी मीना, उप निरीक्षक, आरपीएफ
 662. श्री संजीव कुमार, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ
 663. श्री सी. इलैय भारती, प्रधान आरक्षक, आरपीएफ
 664. श्री मो. रफिक, आरक्षी, आरपीएफ
- अग्निशमन सेवा
665. श्री भुवन चंद्र माली, उप आप्थान बिषया, असम
 666. श्री नंदेश्वर दास, दलपति, असम

667. श्री गुरुस्वामी, सहायक फायर स्टेशन अधिकारी, कर्नाटक
668. श्री अरुण सी. नाइक, लीडिंग फायरमैन, कर्नाटक
669. श्री जोगी ए एस, जिल्ला फायर ऑफिसर, केरल
670. श्री के ए जाफरखान, सीनियर फायर एवं रेस्क्यू ऑफिसर, केरल
671. श्री वेनुगोपाल वि एन, सीनियर फायर एवं रेस्क्यू ऑफिसर, केरल
672. श्री हरीशचंद्र वसंत गिरकर, उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी, महाराष्ट्र
673. श्री दामोदर वांगड, अग्निशमन अधिकारी, महाराष्ट्र
674. श्री कंचन बांदु पाटिल, ड्राइवर ऑपरेटर, महाराष्ट्र
675. श्री काशीनाथ राजनाथ मिश्रा, लीडिंग फायरमैन, महाराष्ट्र
676. श्री रंजीतकुमार सिंह चिरोम, उप अधिकारी, मणिपुर
677. श्री नरेंद्र कुमार पिंग, सहकारी केंद्राधिकारी, ओडिशा
678. श्री अलेख चंद्र राउत, अग्नि योद्धा, ओडिशा
679. श्री लक्ष्मण माझी, मुख्य अग्नि योद्धा, ओडिशा
680. श्री दावा तामांग, ए.एस.एफ.ओ, सिक्किम
681. श्री अंदवराज अरुमुगम, स्टेशन अधिकारी, तमिलनाडु
682. श्री सुरेशकुमार पोन्नसामी, स्टेशन अधिकारी, तमिलनाडु
683. श्री एलंगोवन रामायाह, अग्रणी फायर फाइटर, तमिलनाडु
684. श्री सिंह घावेरी राजेन्द्र, लीडिंग फायर फाइटर, तेलंगाना
685. श्री हनुमंथा राव गौटी, लीडिंग फायर फाइटर, तेलंगाना
686. श्री रविंदर कोलापुरी, लीडिंग फायर फाइटर, तेलंगाना
687. श्री नसीरुद्दीन खान, एफएसएसओ, उत्तर प्रदेश
688. श्री अरुण कुमार सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, उत्तर प्रदेश
689. श्री गुलाब प्रसाद, लीडिंग फायरमैन, उत्तर प्रदेश
690. श्री लल्लन राम, लीडिंग फायरमैन, उत्तर प्रदेश
691. श्री मुकेश कुमार पोखरियाल, लीडिंग फायरमैन, उत्तराखंड
692. श्री गिरीश चन्द्र लोहनी, लीडिंग फायरमैन, उत्तराखंड
693. श्री अमर कुमार रॉय, उप निरीक्षक, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
694. श्री रूपम भगवान ठाकरे, महाप्रबंधक, पीएंडएनजी
695. श्री काली प्रसाद मोहंती, महाप्रबंधक पीएंडएनजी
696. श्री अल्पेशकुमार ईश्वरलाल मिश्री, अग्निशमन अधिकारी, पीएंडएनजी
697. श्री पी. बालाकृष्णा, उप कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
698. श्री अभय कुमार सिंह, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
- होम गार्ड एवं नागरिक सुरक्षा
699. श्री जलेशबर डेका, उप नियंत्रक, असम
700. श्री चक्रधर बर्मन, प्लाटून कमांडर, असम

701. श्री उत्तम कुमार साहू, नायक, छत्तीसगढ़
702. श्री जागेश्वर कुमार धिवार, सैनिक, छत्तीसगढ़
703. सुश्री कृष्णा दिलीपभाई पटेल, वरिष्ठ डिवीजनल कमांडर, गुजरात
704. श्री गणेश तुकाराम पाटिल, वरिष्ठ प्लाटून कमांडर, गुजरात
705. श्री विजयकुमार शनाभाई पटेल, उप मुख्य वार्डन, गुजरात
706. श्री सुनंद संपत, ऑफिसर कमांडिंग, कर्नाटक
707. श्री बालाजी श्रीनिवासन, ऑफिसर कमांडिंग, कर्नाटक
708. श्री माललीगोडा, प्लाटून कमांडर, कर्नाटक
709. श्री वडिराज एन. देशपांडे, प्लाटून कमांडर, कर्नाटक
710. श्री नरेन्द्र अवस्थी, नायक क्रमांक 35 (स्वयं सेवक), मध्य प्रदेश
711. श्री गंगाधर वखाजी वुरकुड, प्लाटून कमांडर, महाराष्ट्र
712. श्री राजेंद्र मधुकरराव बंसोड, प्लाटून कमांडर, महाराष्ट्र
713. श्री नागेश्वरराव अलकोंडिया पोद्दली, प्लाटून कमांडर, महाराष्ट्र
714. सुश्री रोनिता बड़जेना, बेसामरिक प्रतिरक्षा स्वेच्छासेवी, ओडिशा
715. श्री प्रभात कुमार साहू, गृहरक्षी, ओडिशा
716. श्री शरणदीप सिंह ग्रेवाल, जिला कमांडर, पंजाब
717. श्री नाराना राम, प्लाटून कमांडर, राजस्थान
718. श्री रामकिशोर, प्लाटून कमांडर, राजस्थान
719. डॉ. टी. अनंत, एरिया कमांडर, तमिलनाडु
720. श्री आर. नटराजन, कंपनी कमांडर, तमिलनाडु
721. श्री मासाराम रवि, होम गार्ड, तेलंगाना
722. श्री पिट्टकला जंगैया, होम गार्ड, तेलंगाना
723. श्रीमती बुरी नोल्ल रेणुका, महिला होम गार्ड, तेलंगाना
724. श्री अशुतोष द्विवेदी, रेकी अधिकारी, उत्तर प्रदेश
725. श्रीमती मुनावर सुलताना, उप डिवीजनल वार्डन, उत्तर प्रदेश
726. श्रीमती मीना शर्मा, सेक्टर वार्डन, उत्तराखंड
727. श्री रवीन्द्र मोहन काला, उप प्रभागीय वार्डन, उत्तराखंड
728. श्री संजीव कोहली, वरिष्ठ नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षक, चंडीगढ़
729. श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी कोंडा, उप नियंत्रक, रेल मंत्रालय
730. श्री असीत बनर्जी, नागरिक सुरक्षा निरीक्षक, रेल मंत्रालय
731. श्री संतोष कुमार, नागरिक सुरक्षा निरीक्षक, रेल मंत्रालय
सुधारात्मक सेवा
732. श्री रवि बाबू गोलापोथु, जेलर, आंध्र प्रदेश
733. श्री वेंकट कृष्ण प्रसाद डोनेपुडी, मुख्य हेड वार्डर, आंध्र प्रदेश
734. श्री आनंद राव गेरा, हेड वार्डर, आंध्र प्रदेश

735. श्री सेवा सिंह, जेल अधीक्षक, हरियाणा
736. श्रीमती पूनम, उप सहायक जेल अधीक्षक, हरियाणा
737. श्री परमेश एच. ए., सहायक अधीक्षक, कर्नाटक
738. श्री रामचन्द्रन टि. वि., उप अधीक्षक, केरल
739. श्री मोहम्मद हुसैन एस., सहायक अधीक्षक ग्रेड I, केरल
740. श्री सतीश बाबु के., सहायक अधीक्षक ग्रेड I, केरल
741. श्री राजेश कुमार ए., सहायक अधीक्षक ग्रेड I, केरल
742. श्री अशोक शिवराम कर्कर, अधीक्षक, महाराष्ट्र
743. श्री गोविंद केशव राठोड, अपर अधीक्षक, महाराष्ट्र
744. श्री राजेन्द्र भाऊसाहेब ढांगर, हवलदार, महाराष्ट्र
745. श्री सुनील भाउसो लांडे, हवलदार, महाराष्ट्र
746. श्री प्रल्हाद महीपति शिंदे, हवलदार, महाराष्ट्र
747. श्री मंदरधर प्रधान, मुख्य वार्डर, ओडिशा
748. श्री डी. पोन बगवत सिंह, सहायक जेलर, तमिलनाडु
749. श्री बी. चेल्लदुरै, सहायक जेलर, तमिलनाडु
750. श्रीमती. आर. सिवगामी, सहायक जेलर, तमिलनाडु
751. श्री सुधाकर रेड्डी मुलागुंडला, उप जेलर, तेलंगाना
752. श्री अशोक कुमार कुरीमिंडला, सहायक उप जेलर, तेलंगाना
753. श्री बीरबल यादव, हेड वार्डर, उत्तराखंड
754. श्री दीप कुमार, मुख्य प्रहरी, चंडीगढ़
755. श्री ज़ाकर इकबाल, एसजी वार्डर, जम्मू और कश्मीर
756. श्री मुश्ताक अहमद वानी, वार्डर, जम्मू और कश्मीर

2. सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 87 प्रेस/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 तथा गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है।

एस. एम. समी
उप सचिव

लोक सभा सचिवालय
(प्राक्कलन समिति शाखा)

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 2026

प्राक्कलन समिति (2026-27) के सदस्य

सं. 4/1/ईसी/2026-27—लोक सभा के निम्नवत् सदस्य 1 मई, 2026 से प्रभावी होकर 30 अप्रैल, 2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए प्राक्कलन समिति के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए निर्वाचित किए गए हैं:—

1. श्री बृजमोहन अग्रवाल
2. श्री एम. मल्लेश बाबू
3. श्री प्रदान बरुआ
4. श्री चरनजीत सिंह चन्नी

5. श्री पी. पी. चौधरी
6. श्री चंदन चौहान
7. श्री देवसिंह चौहान
8. सुश्री इकरा चौधरी
9. श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव
10. श्री अनिल यशवंत देसाई
11. श्री सुधीर गुप्ता
12. श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा
13. श्री मनीष जायसवाल
14. डॉ. संजय जायसवाल
15. श्री नवीन जिंदल
16. श्री जुगल किशोर
17. तिरु दयानिधि मारन
18. श्री पी. सी. मोहन
19. श्रीमती प्रतिमा मण्डल
20. श्री बी. के. पार्थसारथी
21. श्री अवधेश प्रसाद
22. श्री एम. के. राघवन
23. श्री बिष्णु पद राय
24. श्री वाई. एस. अविनाश रेड्डी
25. श्री राजीव प्रताप रूडी
26. कुमारी सैलजा
27. डॉ. भोला सिंह
28. श्री मनोज तिवारी
29. श्री वी. वैथिलिंगम
30. श्री सुरेन्द्र प्रसाद यादव

अध्यक्ष ने डॉ. संजय जायसवाल, संसद सदस्य को प्राक्कलन समिति (2026-27) का सभापति नियुक्त किया है।

जूबी अमर
संयुक्त सचिव

लोक लेखा समिति शाखा

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 अप्रैल 2026

सं. 4/1/2026/पीएसी—लोक सभा और राज्य सभा के निम्नलिखित सदस्यों को 01 मई, 2026 से शुरू होने वाली और 30 अप्रैल, 2027 को समाप्त होने वाली अवधि हेतु लोक लेखा समिति के सदस्यों के रूप में कार्य करने के लिए निर्वाचित किया गया है:—

लोक सभा

1. श्री टी.आर. बालू

2. श्री कल्याण बनर्जी
3. डॉ. निशिकान्त दुबे
4. श्री जगदम्बिका पाल
5. श्री जय प्रकाश
6. श्री रवि शंकर प्रसाद
6. डॉ. सी.एम. रमेश
7. श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी
9. श्रीमती अपराजिता सारंगी
10. डॉ. अमर सिंह
11. श्री तेजस्वी सूर्या
12. श्री अनुराग सिंह ठाकुर
13. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी
14. श्री के.सी. वेणुगोपाल
15. श्री धर्मेन्द्र यादव

राज्य सभा

16. श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाण
17. डॉ. के. लक्ष्मण
18. श्री प्रफुल्ल पटेल
19. श्री सुखेंद्रु शेखर राय
20. श्री अखिलेश प्रसाद सिंह
21. डॉ. सुधांशु त्रिवेदी
22. रिक्त

2. अध्यक्ष ने श्री के. सी. वेणुगोपाल को समिति का सभापति नियुक्त किया है।

डॉ. फैज़ अहमद
उप सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2026

No. 40-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Bihar Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Kundan Krishnan, IPS	Superintendent of Police	GM
2.	Arjun Lal	Sub-Inspector	GM
3.	Jitendra Singh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27.03.2002 led by Sanjay Rai, Vakil Rai, Shashi Bhushan Singh and Jata Shanker Singh, all inmates of Chapra jail along with their supporters, infuriated by the orders of the Home Department, Bihar for their transfer from Chapra jail to Bhagalpur and Buxar jails, started scuffles with the jail employees, police personnel and magistrates, deputed to execute the above order of transfer. They damaged the gates of their wards and destroyed government property in the jail compound. Their violent actions badly disturbed the routine functioning of the jail and created disorder, panic and terror among other jail inmates and jail personnel. All the efforts made by the police, magistrates and jail authorities to pacify them went in vain. The government personnel were abused and forcibly driven out of the jail premises. These aggressive prisoners took complete control of the jail in their hands. This situation prevailed till 29.3.2002. During these two days, the mutinous prisoners had collected arms and explosives/ bombs from outside as they had total control of the jail campus and the road around the jail compound was a general thoroughfare from where their supporters managed to throw into the compound the above items. It may be mentioned that at this time there were approximately 1200 prisoners inside the Chapra Divisional Jail.

On 30.03.2002, the situation worsened in order to salvage the situation, under the leadership of Kundan Krishnan, SP Saran who deployed police personnel, action was started to bring the jail campus back under administrative control from the rioting prisoners. Despite repeated warning, the rioting prisoners continued to use stones against the police party. Considering the gravity of situation and having no alternative, Kundan Krishnan, SP Saran with Arjun Lal, Sub Inspector of Police and Constable Jitendra Singh took the decision to climb the jail wall. Led by the SP, these police personnel facing a mob of stone being thrown by aggressive prisoners managed to scale the jail wall and get a foothold on the roof of the administrative building of the jail adjoining the wall. From this location, an appeal was made to the stone pelting prisoners to go back into their wards and vacate the outer campus of the jail. However, the prisoners grew more violent and they began to throw stones and bombs, some firing was also started from which the police party escaped narrowly. The SP Saran got minor injuries on his legs and hand during this incident. Despite injuries the, SP Saran along with SI Arjun Lal led their subordinates and stood their position undeterred. The armed prisoners, turning a deaf ear to the warnings being given, continued their violent acts. They even threatened to blow up the main gate of the jail using gas cylinders which they had brought to the jail gate. They proceeded to break the western wall of the jail adjoining the police barracks. Sensing their intention, the SP Saran directed the police personnel to start effective firings in order to force the violent prisoners to retreat back into their barracks. The rioting prisoners were thus forced to withdraw to their barracks. The SP Saran then entered the jail compound by climbing down from the roof of the administrative building along with the few police personnel who were accompanying him. Then they removed the gas cylinders from the jail gate thus allowing for the use of welding machines to cut open the jammed main gate of the jail. As the Police parties entered into the jail premises, the armed prisoners positioned in the jail compound, began to throw stones and discharged a volley of fire on the entering police personnel. For some time, the entire jail compound was turned into a battle field. The defiant prisoners having no respect for the police and the administration were in no mood to surrender and acted like a gang of hardened criminals. Finding no alternative, the police personnel under the leadership of SP Saran started retaliatory firings. This situation continued for half an hour. Eventually, the retaliatory action by the police forced the aggressive prisoners to stop firing and surrender. At about 14.30 hours, during a search made by the magistrates deputed with the police, the bodies of 4(four) prisoners were found along with arms and live cartridges. Another 7(seven) prisoners were found injured and were removed to hospital where another two prisoners later succumbed to their injuries. The gravity of the situation can be judged from the fact that a total of 48 tear gas shells, three tear gas hand grenades and 234 rounds were fired by the police during the above action.

The leadership displayed by Kundan Krishnan, SP Saran and SI Arjun Lal, during this violent episode which continued for 3-4 hours, highlights their commitment to the call of duty and their act of bravery in a most adverse situation. SP Saran along with his subordinates, facing the maximum risk of life, displayed qualitative leadership from the front. Both the above officers by dint of their indomitable courage and determination, prevented a violent jailbreak by over a thousand prisoners.

In this operation, S/Shri Kundan Krishnan, IPS, Superintendent of Police, Arjun Lal, Sub-Inspector and Jitendra Singh, Constable of Bihar Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 30/03/2002.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 41-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Delhi Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Amit Nara	Inspector	GM
2.	Braj Pal Singh Kushwaha	Sub-Inspector	GM
3.	Satish Kumar	Sub-Inspector	GM
4.	Udham Singh	Assistant Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26/11/2023, source information was received about two sharpshooters linked to the designated KTF terrorist and notorious international gangster Arshdeep Singh Arsh Dala, planning a clandestine meeting near Mayur Vihar, Delhi to procure weapons and money. Inspector Amit Nara, SI Satish Kumar, ASI Udham and SI Braj Pal Singh Kushwaha, along with other police officials, swiftly mobilized to intercept the suspects.

Arriving at the scene, the officers positioned themselves strategically to confront the suspects. When the suspects attempted to flee on a motorcycle, SI Braj Pal Singh Kushwaha, in police uniform, stepped forward to halt them. Despite his commands, the suspects recklessly attempted to escape, resulting in a tumultuous chase and eventual confrontation.

In a desperate bid to escape, the culprits resorted to indiscriminate gunfire, aiming recklessly at the advancing police team in which the bullets found their mark on the front side of Inspector Amit Nara and ASI Udham Singh's bulletproof jackets, a testament to their unwavering bravery. Undeterred by the hail of bullets, Inspector Amit, ASI Udham Singh, and SI Braj Pal Singh Kushwaha returned fire to neutralize the threat and protect their team members.

In a display of remarkable bravery, Inspector Amit Nara, SI Braj Pal Singh Kushwaha, SI Satish Kumar moved swiftly to apprehend suspects. Amid the struggle, Inspector Amit Nara, SI Braj Pal Singh Kushwaha managed to wrestle the pistol from the suspect's grip. However, the situation escalated when the suspect reached into his bag, prompting Inspector Amit Nara to act decisively. With quick reflexes, he seized the suspect's hand, thwarting his attempt to retrieve an object. Acting on instinct, Inspector Amit Nara swiftly disarmed the suspect, revealing the object to be a hand grenade, a potentially catastrophic weapon. Meanwhile, ASI Udham Singh, SI Satish Kumar successfully apprehended the second suspect and secured the firearm used by the assailant, ensuring the safety of all involved and averting a potentially devastating outcome.

Through their valorous efforts, Inspector Amit Nara, SI Satish Kumar, ASI Udham Singh, and SI Braj Pal Singh Kushwaha displayed exceptional bravery and commitment to duty, risking their lives to uphold the law and safeguard the community.

In this operation, S/Shri Amit Nara, Inspector, Braj Pal Singh Kushwaha, Sub-Inspector, Satish Kumar, Sub-Inspector and Udham Singh, Assistant Sub-Inspector of Delhi Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 26/11/2023.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 42-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Delhi Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Manoj Kumar	Inspector	GM
2.	Anshu Chaudhary	Sub-Inspector	GM

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
3.	Aleem Ahmad	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 08/08/2024, on the basis of secret information that Rizwan Ali R/o Daryaganj, Delhi, a terrorist wanted by NIA and having reward of Rs. 3 Lakh on his head, is moving around Faridabad- Delhi border area to carry out some criminal activity, he would be coming near Tughlaqabad Biodiversity Park, Delhi. He also possesses sophisticated illegal arms ammunition, a raiding team was constituted including Insp. Manoj Kumar, SI Anshu Chaudhary, HC Aleem Ahmad and others. At around 10:10 PM, raiding team reached at the place of information. Team was briefed and deployed at the strategic points in and around the place of information.

At around 11:25 PM, one person came on a black color splendor motorcycle from Mehrauli Badarpur Road and moved on Ma Anandmayi Marg. Informer identified the rider as wanted terrorist Rizwan Ali. In the meantime, suspected person turned left towards Chaudhary Ganga Baksh Marg. Sensing the police presence, he tried to flee towards Tuglaqabad Village but seeing police team from the front also, he slowed down his bike and jumped off from bike and started running towards the road side wall.

Insp. Manoj Kumar, SI Anshu Chaudhary, who were chasing the suspect in Scorpio car, swiftly got down from the running car. HC Aleem Ahmad, who was coming from the front, also got off the motorcycle and tried to surround the suspect. Police team repeatedly shouted “POLICE-POLICE, HUM POLICE HAI, RUK JA” and asked him to surrender but instead of surrendering, he took out a pistol and fired indiscriminately towards the police party and tried to flee. Being in the direction line of fire, one bullet each hit the bullet proof jacket worn by Insp. Manoj Kumar and SI Anshu Chaudhary fired by accused Rizwan.

Despite being hit on the bullet proof jacket, in order to apprehend the suspect and for the safety of the team members Insp. Manoj, SI Anshu Chaudhary and HC Aleem Ahmad also fired in self- defense. Suspect tried to climb the road side wall to jump other side in order to escape. But Insp. Manoj, SI Anshu Chaudhary and HC Aleem Ahmad showed tremendous presence of mind, exceptional courage and without caring for their lives, pounced over the Rizwan Ali. Without caring for one’s life, SI Anshu Chaudhary and HC Aleem Ahmad overpowered Rizwan Ali after a brief scuffle, while Insp. Manoj Kumar snatched loaded pistol from the right hand of Rizwan Ali. Pistol was found loaded having two live cartridges in its magazine and one live cartridge in its chamber. During the exchange of fire, total five rounds were fired by the police party in self-defense.

The brave action of Insp. Manoj Kumar, SI Anshu Chaudhary and HC Aleem Ahmad won great applause not only from the highest ranks of police and Media, but also from the public at large. Undeterred and unfazed, they bravely confronted this desperate terrorist without caring for their personal lives despite having no cover while apprehending this dreaded terrorist as they were in direct line of fire and showed indomitable courage, dedication, presence of mind and a rare gallant act.

In this operation, S/Shri Manoj Kumar, Inspector, Anshu Chaudhary, Sub-Inspector and Aleem Ahmad, Head Constable of Delhi Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President’s Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs’ communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 08/08/2024.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 43-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Delhi Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Pramod Singh Kushwah	Additional Commissioner of Police	GM
2.	Rajeev Kumar	Sub-Inspector	GM
3.	Shibu R.S	Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04.01.2024, a reliable secret input was received that an “A” category terrorist, member of banned terrorist outfit Hizbul Mujahideen (HM), carrying a reward of 10 Lakh and wanted in 11 terror cases of Jammu and Kashmir, including killing

of 5 security personnel, attack on the residence of SP Sopore with RPG and hand grenade, IED blast at PS Sopore and 4 incidents of grenade attack at PS Sopore, CRPF camp at SBI complex, Hathishah, BSNL office Sopore and Chankhan Sopore, namely Javed Ahmed Mattu @ Irshad Ahmed Malla @Ehsan S/o Abdul Gani Mattu R/o Khushal Mattu, Old Town, Sopore, J&K is going to take the delivery of huge amount of arms, ammunitions and hand grenade near DND Flyway, Delhi in a white Santro Car and he will execute any major terrorist strikes in J&K and other part of country. As per the input, a trap was laid around the DND Flyway. A raiding team was constituted. Based on the input, a trap was laid around the DND Flyway, and a raiding team was constituted. Sh. Pramod Singh Kushwah, Addl. CP alongwith SI Rajeev Kumar and SI Shibu R.S, took positions at the DND Flyway and Mayur Vihar loop.

At about 04:00 PM, one White color Santro Car was seen coming from Mayur Vihar Toll Plaza towards DND flyway. The driver of the alleged car was identified by the informer as Javed Ahmed Mattu. Sh. Pramod Singh Kushwah alongwith SI Anshu shouted “Police-Police Ruko-Ruko” and signaled him to stop. After chasing him down for half a kilometre, his car was overtaken and stopped. Javed Ahmed Mattu exited from the car and started running towards the Pusta. Sh. Pramod Singh Kushwah, Addl. CP alongwith SI Rajeev Kumar and SI Shibu R.S chased him. Upon seeing the approaching police party, Javed Ahmed Mattu started firing indiscriminately with the intention to kill them and tried to escape from the spot. Thereafter, in self-defence Sh. Pramod Singh Kushwah, Addl. CP alongwith SI Rajeev Kumar and SI Shibu R.S fired 3,3 and 2 round respectively from their govt. pistol. During the brief exchange of fire, Sh. Pramod Singh Kushwah, Addl. CP suffered gunshot injury on his bullet proof Jacket. Sh. Pramod Singh Kushwah, SI Rajeev Kumar and SI Shibu R.S overpowered Javed Ahmed Mattu while he was firing on police party. Sh. Pramod Singh Kushwah snatched the loaded pistol from Javed Ahmed Mattu after a brief scuffle.

Their gallant action, not only won appreciation from the higher ranks in police and print visual media but also from the public at large. Undeterred and unfazed, they put their life at risk and bravely confronted this desperate terrorist and showed indomitable courage, dedication, presence of mind and a rare gallant act. The brave and timely action of the above officers averted a major terrorist strike in Delhi various parts of country and saved several innocent lives.

In this operation, S/Shri Pramod Singh Kushwah, Additional Commissioner of Police, Rajeev Kumar, Sub-Inspector and Shibu R.S, Sub-Inspector of Delhi Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President’s Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs’ communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 04/01/2024.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 44-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Delhi Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Nishant Dahiya	Inspector	GM
2.	Manjit Jaglan	Sub-Inspector	GM
3.	Amit Bhati	Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the intervening night of 11-12/10/2023, the team of Counter Intelligence, Special Cell, Delhi received specific information regarding movements of two sharpshooters associated with Canada based fugitive and designated terrorist Arshdeep Singh Arsh Dalla, in Delhi. Following a meticulous strategic planned field operation, both suspects were intercepted on Ring Road, North of Sarai Kale Khan, in the midnight of October 11 12102023. However, when the team challenged them to stop, one of the accused opened fire towards the police team, which narrowly missed SI Amit Bhati and ASI Naveen Kumar from an extremely close range, leaving the entire team completely off guard. Simultaneously, another suspect took out a live high explosive Hand Grenade from his possession and started putting efforts to unpin it in order to cause harm to the police team.

The consequences of such an action could have been catastrophic, resulting in severe harm to the team members, the locals, and even the target themselves. Nevertheless, demonstrating exceptional courage and disregard for their own safety, Inspector Nishant Dahiya, Sub-Inspector Manjit Jaglan, and Sub-Inspector Amit Bhati displayed exceptional courage, selflessness and disregard for their own safety. In a coordinated act of heroism, they swiftly reacted to apprehend the culprits.

SI Amit Bhati demonstrating immense bravery, took the lead by strategically drawing the criminals' attention through a bold challenge and advancement, putting himself directly in the line of fire, allowing his team to respond effectively.

Simultaneously, Sub-Inspector Manjit Jaglan with the help of the notice team overpowered the culprit, who was trying to detonate the hand grenade and heroically snatched the live device.

Meanwhile, Inspector Nishant Dahiya alongside his team members, charged towards the armed assailant, who had already fired one round at the police team and thereby seizing the opportunity to fire another round.

The gallant act of the team during this livewire armed confrontation exemplifies the highest standards of bravery and selflessness. The presence of mind applied and swift action taken by Inspector Nishant Dahiya and Sub-Inspector Manjit Jaglan, averted potential disaster.

Thereafter, all requisite legal and procedural formalities were duly executed. A case under provisions of relevant penal sections of IPC & Arms Act was registered and the duo were accordingly arrested.

In this operation, S/Shri Nishant Dahiya, Inspector, Manjit Jaglan, Sub-Inspector and Amit Bhati, Sub-Inspector of Delhi Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 12/10/2023.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 45-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Delhi Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Krishan Kumar	Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On dated 14.01.2024 in a major crackdown, a desperate interstate contract killer & sharpshooter of Kala Jathedi - Raju Basodi - Anil Chippi Gang named Vicky @ Kartoos, 29 years R/o VPO - Sanghi, District Rohtak, Haryana was arrested after a brief exchange of fire at Chhawla Drain, Delhi. Accused was wanted in a murder case of PS Kotkashim, Rajasthan, 02 sensational cases of extortion of Dwarka District, Delhi and also wanted as source of weapon in two cases of firing in Delhi. Miscreant fired 04 rounds upon the police team, two bullets hit the person of Insp. Krishan Kumar but luckily, he wore BP jacket. In order to self-defence, police fired 06 rounds on assailant, 02 bullets hit the right leg of the accused and he was apprehended. In this regard, a case vide FIR No. 16/24 dated 14.01.2024 u/s 186/353/307 IPC 25/27 Arms Act has been registered at PS Crime Branch.

Accused Vicky @ Kartoosh was running the extortion racket of Kala Jathedi Gang on ground. On 09.01.2024, accused Vicky @ Kartoosh sent 02 shooters Ashish Sahil and Krishan at Shiv properties, Old Palam Road, Delhi. They fired on the property dealer's office and handed over extortion demand letter to him and demanded 1.5 Crores in the name of Kala Jathedi and Raju Basodi. 9 empty cartridges and one chit demanding 1.5 Crores were recovered from the spot. In this regard, case FIR No. 14/24 u/s 307/387/34 IPC 25/27 Arms Act, PS Dwarka North has been registered.

In November 2023, accused Vicky @ Kartoos was hired by one lawyer namely Satpal to kill his rival person Aman. On the instructions of Satpal, he killed Aman in a marriage function on dance floor. During this incident, one Army personnel and one UP Police personnel also sustained bullet injuries when they tried to save the life of victim. In this regard, FIR No. 489/23 dated 29.11.2023 u/s 302/307/143/341/323 IPC & 3/25 Arms Act was registered at PS Kotkaism, Rajasthan.

In another incident, he directed his two shooters namely Kartik and Pardeep to extort money from property dealers. On his instruction, on 07.11.2023, accused Kartik and Pardeep fired on the office of owner of the Gaurav Homes Property Dealer. They also dropped a handwritten letter at the office in which, they had asked him to meet Dinesh Karala Bhai and also threatened that if he did not meet Dinesh Bhai, bullet would pierce the chest of the person, found sitting inside the office and grenades would be thrown at their construction sites. They demanded Rs. 2 crores from property dealer. While escaping from the spot, shooters fired several rounds in the air to terrorize the public. In this regard, a case FIR No. 737/23 u/s 307/384/34 IPC & 25/27 Arms Act was registered at PS Bindapur, Delhi. Both the shooters Kartik and Pardeep were arrested by Crime Branch with 02 sophisticated pistols and cartridges in case FIR No. 276/23 dated 23.11.2023 u/s Arms Act, PS Crime Branch, Delhi. The arms used in the case were provided by Vicky@ Kartoos to extort money from the property dealer. Crime Branch was searching accused Vicky @ Kartoos as the source of illegal pistols and ammunitions in the said case. Keeping in view the sensitivity of the matter, the team of Anti Gangs Squad, Crime Branch was tasked to work upon the suspect. Manual as well as technical surveillance was mounted on suspects. Thereafter, secret input was received on 14.01.2024, that a suspect who is involved in the extortion case of PS Dwarka North and PS Bindapur and murder case of PS Kotkasim, Alwar, Rajasthan would come Near Chhawla Ganda Nala Crossing Road, Chhawla, Delhi to meet his associates for supplying illegal arms and

ammunition. It was also informed that he always carries fire arms/weapons and does not hesitate in opening fire upon police team. Accordingly, reacting on the information, a team led by Insp. Krishan Kumar comprising SI Sachin Pulia, ASI Surender Kumar, HC Deepak, HC Dharamraj, HC Pappu, HC Mintu and HC Shyam Sunder under the close supervision of ACP Naresh Kumar was constituted by DCP Amit Goel to nab the gangster/shooter. The team reached near Chhawla-Bijwasan Crossing, Chhawla Drain Road, Delhi and a picket checking was started. On 14.01.2024, at around 02:45 AM, one motorcycle was intercepted which was coming from Chawla Drain Road, Delhi and was signaled to stop by the police officials, on which he tried to flee but he was not able to control the motorcycle which slipped while turning. Accused was asked to surrender but he opened fire on police party to kill them and tried to flee from the spot. Two bullets hit on the person of Insp. Krishan Kumar but luckily, he was wearing BP jacket. The police team also fired 6 bullets in self-defence in order to apprehend the gangster, two bullets hit on the right leg of of miscreant and police team managed to apprehend the accused Vicky @ Kartoos with huge consignment of arms and ammunitions.

In this operation, Shri Krishan Kumar, Inspector of Delhi Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 14/01/2024.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 46-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Javaid Ahmad Lone	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Younis Khan	Inspector	GM
3.	Davinder Kumar	Assistant Sub-Inspector	1st Bar to GM
4.	Shabeer Ah. Narwaroo	Head Constable	GM
5.	Rakesh Kumar	SgCT	GM
6.	Rattan Lal	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11.07.2022, Awantipora Police received an information regarding movement of terrorists on Padgampora Goripora Road. The input was analysed/corroborated and immediately shared with CO 50th RR and CO 130th Bn CRPF. Upon this, a joint cordon and search operation was launched by Awantipora Police alongwith CRPF 130th Bn., Army 50 RR at Wandakpora Goripora crossing area. Besides this, deployment of splinter coy F/152 Bn CRPF already deployed in the area at lateral, Naka points in connection with Shri Amarnath Ji Yatra-2022 was also put on alertness.

As per evolved strategy, the composite party of Awantipora Police, Army 50 RR and CRPF approached the suspected area by adopting the unconventional treacherous routes maintaining high level of surprise till gap free cordon get established. After laying & strengthening the cordon, the steps for search of terrorist in the suspected area was started by the joint team of Police Awantipora led by Shri Mumtaz Ali- SDPO Awantipora alongwith his buddies with the assistance of counter part of Army 50 RR, CRPF 130 Bn/splinter Coy F/152 Bn. CRPF. Consequently, three teams were constituted one lead by DySP Javaid Ahmad Lone alongwith ASI Davinder Kumar, HC Shabeer Ah. Narwaroo, HC Bashir Ahmad, Const. Mushtaq Ahmad, Sanjev Singh on Northern side of suspected area alongwith counter part of Army 50 RR & 130 Bn CRPF, another party led by DySP Mumtaz Ali alongwith Insp. Sameer Ahmad, SgCt. Zahoor Ahmad, HC Yaseen Ahmad, SgCt. Rakesh Kumar, SgCt. Rattan, Const. Gulzar Ahmad, SPO Irshad Ahmad on Eastern side alongwith counter part of Army 50 RR & CRPF 130 Bn & splinter Coy 152nd Bn CRPF on Western side & 3rd party under the command of Insp. Younis Khan alongwith HC Harjeet Singh, HC Rajinder Singh, SPO Mir Saleem, SPO Sheikh Muzaffar Ahmad and SPO Sajad Ahmad alongwith buddies of Army & CRPF 130 Bn/152 Bn CRPF on Eastern side.

The whole suspected area was fully cordoned off and exhaustive search and frisking of all commuters was started at the entire axis leading towards the NHW-44 and other areas in the vicinity. During search and frisking by joint team of Police/ Army/ CRPF, two persons on a bike while they were moving on Padgampora-Kakpora road were signalled to stop near Wandakpora-Goripora crossing but they opened indiscriminate fire upon the Police/ SFs with the intention to kill them with their illegal arms/ammunition and started fleeing towards vegetation area in the nearby fields towards village Wandakpora. The assault party of Police/Army/CRPF immediately took positions & retaliated in self-defence to overpower the terrorists and gun

battle started between the joint team of search/assault party of Police/ Army/ CRPF & terrorists from the close range. Since the area was full of shrubs, trees, wooden blocks lying in abundance and highly undulated ground, the terrorists took positions there but the joint assault party of Police/ Army/ CRPF effectively started engaging the terrorists in gun battle. During the gun battle the hiding terrorists opened volley of fire upon the search/assault party coupled with hurling of hand grenades and tried to break the cordon and get escaped. The composite assault party of Police Awantipora, 50-RR, CRPF 130 Bn/ splinter Coy F/152 CRPF spearheaded by DySP Javid Ahmad Lone alongwith his buddies took cover and fought bravely from the front without caring for their lives and neutralized both the terrorists on the spot. The slain terrorists were later on identified as Kaisar Rashid Koka (AGuH later joined JeM outfit, C-category) S/o Ab. Rashid Koka R/o Kaigam Awantipora and Ishfaq Ahmad Lone S/o Gh Nabi Lone R/o Lelhar Pulwama (JeM outfit, C-category). Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 160/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Awantipora. The slain terrorist Kaiser Rashid Koka was highly Pak trained terrorist. He went to Pakistan for acquiring illegal arms/ammunition training and returned with Arms/ammunition to wage war against the country/UT-J&K. The operation concluded without causing any collateral damage.

In this operation, S/Shri Javaid Ahmad Lone, Deputy Superintendent of Police, Younis Khan, Inspector, Davinder Kumar, Assistant Sub-Inspector, Shabeer Ah. Narwaroo, Head Constable, Rakesh Kumar, SgCT and Rattan Lal, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11/07/2022.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 47-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ms. Tanushree, IPS	Senior Superintendent of Police	1st Bar to GM
2.	Shri Mohmad Saleem Dar	Constable	1st Bar to GM
3.	Shri Vicky Khajuria	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04.10.2022 at about 2005 hrs, Police Shopian generated an intelligence input about the presence of terrorists in village Drach Keegam of District Shopian who were planning to carry out major terror activities in the area. On this, Police Shopian launched an operation in collaboration with 44 RR, 14th BN CRPF without getting panic or situation gets worsened.

Accordingly, a team of Police Shopian under the overall supervision of SSP Tanushree including DySP Raja Majid Butt, HC Javid Ahmad, HC Gayour-Ul-Haq, SgCt Rouf Ahmad, SgCt Ubaidullah Manzoor, SgCt Tariq Rasool, Const. Mohmad Saleem Dar, Const. Firdous Ahmad, Const. Mohd Rafiq, Const. Vicky Khajuria, Const. Mohd Rafiq, SPO Muzaffar Ahmad, SPO Qaiser Ahmad, SPO Shamsheer Husain & SPO Wasim Ahmad alongwith team of 44 RR & 14th BN CRPF were formed to start search of target area. Police/SFs also ensured tactical deployment of all teams of Police/Security forces, besides, placement of Bullet proof vehicles at all the vents and possible escape routes. However, during the spot interrogation of occupants namely Shakeel Ahmad & Bilal Ahmad both sons of Gh. Hassan Bhat R/o Drach, Keegam who were found a bit nervous confirmed presence of three suspected terrorists in their single-story building. Initially some houses and a bit area adjoining to the target area was brought under the cordon tactfully by initial joint cordon team under the overall supervision of SSP Shopian.

During search operation, target area was pinpointed/zeroed by the search teams to locate the terrorists. Afterwards, Police teams headed by DySP Raiz Ahmad including Insp. Atal Sharma, ASI Reyaz Ahmad, SgCt. Zahoor Ahmad, SgCt. Irfan Ahmad, Const. Mohmad Hussain, Const. Zulfikar Ali, SgCt. Tariq Rasool, Const. Mohmad Saleem Dar, Const. Obedullah Manzoor, Const. Firdous Ahmad, Const. Mohd Rafiq, Const. Vicky Khajuria, Const. Maneet Sharma, Const. Jasvir Singh, Const. Ajay Kumar, Const. Farooq Ahmad, Const. Reshav Kumar, Const. Rahul Kumar, SPO Rafiq Ahmad and SPO Asif Mushtaq were formed for final assault to eliminate the holed-up terrorists.

Before launching final assault, besieged terrorists were asked to surrender, which they declined and instead opened heavy volume of fire towards security forces. At this moment, one terrorist was noticed moving along with AK like weapon in the targeted house. Seeing his movement, few probing shots were given by DySP Raiz Ahmad and his team which was retaliated fiercely by terrorists. But terrorists were manoeuvring their positions from one room to another room. During firing, terrorists tried to flee from the house & their escape movement was clearly visible. On seeing movement of terrorists, DySP Raja Majid

Butt under the overall supervision of SSP Shopian including HC Javid Ahmad, HC Gayour-Ul-Haq, SgCt Rouf Ahmad, SgCt Tariq Rasool, Const. Mohmad Saleem Dar, Const. Obedullah Manzoor, Const. Firdous Ahmad, Const. Mohd Rafiq, Const. Vicky Khajuria, SPO Muzaffar Ahmad, SPO Qaiser Ahmad, SPO Shamsheer Husain & SPO Wasim Ahmad fired heavily on the terrorists in self-defence in which terrorists got injured and failed to flee away from premises of house. After some time, one terrorist who was seen equipped with AK weapon started targeting DySP Raja Majid Butt and his team. In the meantime, SSP Tanushree quickly ordered DySP Raja Majid Butt and his team that go through crawling and take position and at the same, all started firing in heavy volume to come-out the hiding terrorists. Insp. Atal Sharma and Const. Mohmad Saleem Dar have played key role in the instant operation by facing risks and challenges while fighting face to face with terrorists.

During search, dead bodies of three killed terrorists alongwith their weapons were recovered and were later on identified as Zubair Maqbool S/o Mohd Maqbool Wani R/o Doompura, Keegam, Shopian of JeM outfit, Jamsheed Ahmad Magray S/o Ab Hamid Magray R/o Rajpora, Pulwama of JeM outfit and Hanan Bin Yaqoob @ Saqib S/o Mohd Yaqoob R/o Karimabad, Pulwama of JeM outfit. Arms/ ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 205/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian for further investigation.

In this operation, Ms. Tanushree, IPS, Senior Superintendent of Police, S/Shri Mohmad Saleem Dar, Constable and Vicky Khajuria, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 04/10/2022.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 48-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Reyaz Ahmad	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15.06.2023, based on a credible information from own sources, about terrorists' infiltration involving a mixed group of Peoples Anti-Fascist Force (PAFF) and Ghaznavi Force in the border area of Jumagund of Police Station Trehgam, a joint search operation was initiated. The District Police Kupwara and Army 04 SIKH collaborated under the supervision of DIG Vivek Gupta. Despite challenging terrain and dense forests near the LoC, the Police teams led by SSP Yougal Kumar, DySP Sarfaraz Bashir and DySP Mohammad Rafee alongwith Army 04 SIKH cordoned off the area and executed a coordinated search operation at about 1800 hours.

During the intervening night of June 15-16, 2023, at around 0130 hours, the search parties observed terrorist movement in the dense forest. As the searching parties started closing in, the terrorists initiated heavy gunfire from different directions upon the search parties, who responded in a controlled manner to prevent casualties and maintain the cordon. The parties followed the devised plan and gradually closed in on the targets and engaged the terrorists till the dawn to avoid any collateral damage.

As the party/column led by SSP Yougal Kumar approached the expected target, it encountered intense gunfire from the terrorists hiding in the thick vegetation of the forest. In the face of danger, amidst a chaotic and perilous situation, the column led by SSP Kupwara maneuvered through the chaos and fearlessly without caring for their personal safety charged at the hiding terrorists and eliminated two (02) heavily armed terrorists at a close range.

Simultaneously, the parties led by DySP Sarfaraz Bashir along with SgCt Reyaz Ahmad, SgCt Altaf Ahmad and DySP Mohd Rafee alongwith HC Tanveer Ahmad, HC Kishor Kumar and SgCt Jahangir Ahmad respectively located the other three hiding terrorists and jointly neutralized them in a swift and professional manner. The operation resulted in the successful elimination of five (05) foreign heavily armed terrorists affiliated with banned terror organizations Ghaznavi Force and PAFF. This accomplishment was achieved despite challenging topography and hostile forests, all while avoiding collateral damage. The eliminated terrorists affiliated with banned terror organizations Ghaznavi Force/PAFF were later-on identified as Abdali @ Shamsheer Pathan, Gazafi @ Sheer Khan R/o Rawlakot Pok, Sayan @ Ayoob, Janbaz @ Waheed R/o Pansheer Afgan and Waseem @ Talha R/o Bagh Pok. Huge cache of Arms/ammunition and other items were recovered from the possession of the slain terrorists. Case FIR No. 37/2023 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act & 16, 20, 23, 38 UA(P) Act stands registered in P/S Trehgam Kupwara for further investigation.

For exceptional bravery and valiant actions in the face of extreme danger, the police team specially Shri Reyaz Ahmad, SgCT displayed remarkable courage and unyielding determination during the operation. Their selflessness, quick thinking and unwavering commitment to the mission resulted in the successful neutralization of five (05) terrorists, thereby safeguarding the lives of fellow comrades and innocent civilians.

In this operation, Shri Reyaz Ahmad, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 15/06/2023.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 49-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 3rd Bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mohd Rafiq	Inspector	GM
2.	Ishtiaq Ahmed Khan	SgCT	GM
3.	Safeer Lone	Constable	3rd Bar to GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 07.06.2022 at check Nutnussa Kupwara, based on a reliable information provided by own sources, a joint operation was launched by District Police Kupwara and Army 47 RR under the supervision of DIG Udaya Bhaskar Billa and SSP Kupwara. 02 Police search parties one headed by DySP Aijaz Ahmad alongwith SgCt Ishtiaq Ahmad Khan and other spearheaded by Inspr. Mohd Rafiq alongwith SgCt Mohd Youns, Ct Safeer Lone and other PC Nafri were constituted on the directions of DIG Baramulla assisted by other forces, cordoned the area and started the search operation of the suspected area. Since the area being highly vulnerable in view of dense forests and upper reach search operation by the joint forces of Police Kupwara and army was launched effectively.

The terrorists as per intelligence input were hiding in the forest and it was highly challenging for the Police party viz. DySP Ajaz Ahmad, Inspr. Mohd Rafiq, SgCt Mohd Youns Khan, SgCt. Ishtiaq Ahmed Khan, Ct. Safeer Lone and other police officials and army to locate him. The search operation was extended in various areas and the police party and army without caring for their personal efforts moved forward and noticed the movement of a terrorists. The terrorists on seeing the police party & army fired upon the joint forces with their illegally acquired automatic weapons and heavy exchange of fire took place between Army/ Police and terrorists. Mohd Rafiq, Inspector, Ishtiaq Ahmed Khan, SgCT and Safeer Lone, Constable keep fighting bravely being part of first cordon until the elimination of 02 dreadful terrorists whose identity were later on ascertained as Tufail (A- category) R/o Pak and Ishtiaq Farooq Lone (C-category) S/o Farooq Ahmad Lone R/o Lone Mohalla Reshipora Tral District Pulwama. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 148/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 13, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Kupwara for further investigation.

In the entire operation, Mohd Rafiq, Inspector, Ishtiaq Ahmed Khan, SgCT and Safeer Lone, Constable exhibited professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by them as advance team, who fought bravely without caring for their lives was remarkable as the endeavour to reach to the target in extremely hostile situation was truly gallant. Although the terrorist tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which police team especially Mohd Rafiq, Inspector, Ishtiaq Ahmed Khan, SgCT and Safeer Lone, Constable had a very narrow escape. However, they without losing their concentration and in good application of mind fought bravely which led to neutralization of 02 dreadful foreign/ local terrorists.

In this operation, S/Shri Mohd Rafiq, Inspector, Ishtiaq Ahmed Khan, SgCT and Safeer Lone, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 07/06/2022.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 50-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Javaid Ahmad Lone	Deputy Superintendent of Police	1st Bar to GM
2.	Younis Khan	Inspector	1st Bar to GM
3.	Sameet Pal Singh	Head Constable	GM
4.	Umar Nazir	SgCT	GM
5.	Ab. Rashid Lone	Constable	GM
6.	Reyaz Ahmad Sheikh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 01.11.2022, Awantipora Police received information regarding the conspiracy of terrorists to carry out a fidayeen attack in Awantipora area. The intelligence input so generated got shared with Army CO 55 RR and keeping in view all the hazards in consideration, a fool proof strategy got devised that include placement of joint MVCP (Naka), teams in coverts, QRTs at nearby locations to meet out immediate requirement etc.

As per preconceived devised strategy immediately a joint MVCP (Naka) by Police Awantipora and Army 55 RR was established at Khandipora Renzipora link road and search of all commuters and vehicles were started. During checking of vehicles, one vehicle (Alto car) was signaled to stop. However, the said vehicle did not stop and tried to run away from above Naka point. However, another joint team of Police and Army, who were approx. 30 mtrs ahead from former Naka (MVCP); the team B was comprising of one Army Maj of 55 RR alongwith three others with him and SSP Mohd Yousif, HC Farooq Ah., HC Javid Ahmad, SgCt. Umar Nazir & DySP Javaid Ahmad Lone, HC Sameet Pal Singh, Ct. Ab. Rashid Lone & Ct Reyaz Ahmad Sheikh immediately swung into action and stretched road blocking chain with spikes. The fast driven vehicle tried to trespass this road barrier too but its frontal tyres were punctured and become immobilized.

Subsequently, the inboard terrorist jumped out of so immobilized vehicle and showered a burst of bullets upon the above parties and tried to escape from the spot. The fire was immediately retaliated in self-defense triggering an encounter. One terrorist, among the three got neutralized in initial fire fight. While as remaining two terrorists took shelter in nearby field area in bushes. Both the teams keeping in view the position and fire angle of terrorists, stealthy crawled and occupied the strategic advantage location. The reinforced QRTs were also immediately pressed into service to cordon the whole area to negate escape of terrorists; these two QRTs have also plugged off all the possible escape routes. The hiding terrorists were again spotted by QRT tena with the aid of night vision device who were hiding in a highly undulated area. The terrorists were intermittently firing upon above joint operational parties. However, the fire was retaliated but due to hiding of terrorists in undulated ground area and woods, the fire was not effective. In this process of change in position, the hiding terrorists besides firing also lobbed grenade but that missed the intended location. Hence both team A & B occupied the tactically advantageous points, then both teams in exceptional synergy conjointly engage the terrorists in fire fight.

During fierce gun fight the hiding terrorists, who were battle hardened got neutralized. The ever-resolute composite assault party of Police Awantipora & 55 RR fought bravely from the front without caring for their lives and neutralized all the three terrorists. Dead bodies of 03 terrorists were recovered from the encounter site, whose identity were later on ascertained as Mukhtar Ahmad Bhat (B-category) S/o Mohammad Maqbool Bhat R/o Kakapora Pulwama, Mushfiq @ Ali @ Mubashir (A-category) R/o Pak and Saqlain Mushtaq Ganie (Nick Name-Gazanfar) S/o Mushtaq Ah.Ganie R/o Koil Pulwama all affiliated with LeT outfit. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 237/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 3/4 Exp.Subs Act, 16, 18 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Awantipora and investigation taken-up.

In the entire operation DySP Javaid Ahmad Lone, Insp. Younis Khan, HC Sameet Pal Singh, SgCt. Umar Nazir, Ct. Reyaz Ahmad Sheikh and Ct. Ab. Rashid Lone were oblivious to imminent danger but had played a conspicuous role of bravery, courage, rare tactical acumen and exemplary jointmanship, unparalleled courage and selfless devotion to duty which led to the successful neutralization of three dreaded terrorists without suffering any collateral damage.

In this operation, S/Shri Javaid Ahmad Lone, Deputy Superintendent of Police, Younis Khan, Inspector, Sameet Pal Singh, Head Constable, Umar Nazir, SgCT, Ab. Rashid Lone, Constable and Reyaz Ahmad Sheikh, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 01/11/2022.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 51-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shabir Nawab	Senior Superintendent of Police	GM
2.	Mohammad Shafi Magray	Head Constable	GM
3.	Mohd Ramzan Rather	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 31.08.2022 at about 1930 hours, while acting upon a credible information about the presence of JeM terrorists in area of Reshipora-Bomai, who are planning to carryout attack on security forces to harm the Police/SFs, accordingly a joint cordon and search operation was launched in the area by Sopore Police, in collaboration with 22 RR and 179 Bn. CRPF. As the area is densely-populated and it was hard to zero in the terrorists in evening hours due to darkness, there were chances of civilian casualties as the terrorists could take shelter in any residential house of area and could take the civilians as hostage, and use them as human shield. There was every possibility that terrorists can take advantage of darkness to escape from the hiding spot as such it was very difficult to neutralize the terrorists without any collateral damage, but the security forces adopted a prudent strategy and at first instance, the whole area was cordoned off and the people who were residing in nearby houses were evacuated from the area to the safer places and during the process of evacuation the security forces exhibited highest degree of professionalism and resilience by putting their lives at great risk. Once the civilian's evacuation process was completed, the cordon was tightened by sealing all entry and exit points, search operation started and during search operation, security forces fired few bullets in air to get the response from the terrorist's side, but no response was heard initially.

Accordingly, as per planned strategy and after thorough consideration and consultation with the counterparts of Army and CRPF, two joint teams, who volunteered themselves to move ahead towards the suspected place for last and final assault were formulated. The 1st joint team of Police/ Army/GRPF consisting of DySP Gazenfer Syed, Inspr. Zia-Ur-Rehman, SI Javaid Hamid, HC Zubair Ahmad, HC Mohammad Shafi Magray, SgCt Nisar Ahmad, Const. Shabir Ahmad Beigh, Const. Mohd Ramzan Rather, Const. Sharief-ud-din, SPO Bilal Ahmad, SPO Javid Ahmad and SPO Mohd Rafiq headed by SSP Shabir Nawab was constituted as an advance team, who would do their assignment under the backup/covering firing of 2nd joint party including SI Yousuf-ul-Umar, ASI Gurjeet Singh, HC Omer Hussain, SgCt. Aashaq Hussain, Const. Zahid Hussain, Const. Bilal Ahmad, SPO Ashiq Hussain Dar, SPO Ishfaq Ahmad Baba, SPO Ishfaq Ahmad, SPO Irfan Ahmad headed by DySP Furqan Qadir.

Team first started approaching in creeping formation towards the suspected spot and as soon as the joint team reached nearer to the suspected spot, the hiding terrorists fired indiscriminately with their sophisticated weapons upon the security forces, but the joint teams especially in team first SSP Shabir Nawab, HC Mohammad Shafi Magray and Const. Mohd Ramzan Rather remained determined and resilient just like a rock and retaliated the fire effectively face to face and don't give them any chance to do any damage to security forces or chance of escaping from hiding spot and in the ensuing gunfight, two terrorists whose identity were later on ascertained as Mohd Rafi Lone S/o Ghuiam Mohammad Lone R/o Nathipora (B-Category) and Qaiser Ahmad Dar S/o Mohd Ashraf Dar R/o Tujjan Pulwama (C- Category) both belonging to JeM outfit got neutralized, and one civilian got minutely injured in cross firing whom terrorists tried to use as human shield but was evacuated professionally, he was later hospitalized and after providing first aid, he was discharged. While fighting with the slain terrorists, the joint teams especially in team first comprising SSP Shabir Nawab, HC Mohammad Shafi Magray and Const. Mohd Ramzan Rather put their lives at a great risk to uphold the security and sovereignty/ integrity of the country and it is because of their sheer bravery, resilience and quality leadership and professionalism, the operation was culminated with the elimination of two dreaded terrorists in a very difficult and uneven situation. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 43/2022 U/S 307 IPC, 7/271.A.Act, 18,20 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Bomai for further investigation.

The slain terrorists were involved in a series of subversive activities and were involved in motivating youth to join into terrorist ranks within the jurisdiction of Police District Sopore. As far as local recruitment into terrorist ranks is concerned, their neutralization was considered a severe jolt to the JeM outfit and a big success for the security forces particularly Sopore Police. The area .of operation was densely populated surrounded by residential houses, which has always remained a target for the terrorists to attack security forces/ ROPs it was a big challenge for the security forces to launch an anti-terrorist operation in such an area without any collateral damage, but it was conspicuous bravery, leadership qualities, professionalism and matchless resilience exhibited by SSP Shabir Nawab, HC Mohammad Shafi Magray and Const. Mohd Ramzan Rather that the operation was concluded with the elimination of two dreaded terrorists without any collateral damage and as such these officers/ officials put their lives at a great risk in the instant operation to uphold the security/ sovereignty and integrity of the Nation.

In this operation, S/Shri Shabir Nawab, Senior Superintendent of Police, Mohammad Shafi Magray, Head Constable and Mohd Ramzan Rather, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 31/08/2022.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 52-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ajit Dhar	Assistant Sub-Inspector	GM
2.	Ravi Kumar	Head Constable	GM
3.	Abid Ali Dar	SgCT	GM
4.	Sohail Ahmad Dar	Constable	GM
5.	Manzoor Ahmad Bhat	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 14.04.2022, Police Shopian received a specific input about the movement of terrorists of LeT outfit in village Badigam, Shopian. As per the input, these terrorists were in a process of carrying out major terror activities in the area to threaten the general public. The said village, which had been very vulnerable from terrorist point of view owing to its topography, support base to terrorists and as such conducting of operation in the area was a daunting task for Police/Security forces. Acting swiftly on the input, Police Shopian launched a joint operation with District Police Srinagar, 44 RR/ 178th Bn. CRPF and it was decided to lay a joint cordon to cover the target area from different directions under the overall supervision of SSP Amritpal Singh. Thereafter, teams of Police led by SSP Shopian alongwith SP Iftikhar Talib, ASI Ramesh Kumar, ASI Ajit Dhar, HC Ab. Qayoom Tantray, HC Harpal Singh, SgCt. Mohd Rafeed, SgCt. Parvaiz Ahmad, SgCt. Ayaz Ahmad, Ct. Amran Ahmad, Ct. Kapel Sharma, Ct. Sohail Ahmad Dar, SPO Sajad Ahmad, SPO Bashir Ahmad, SPO Abid Ahmad, SPO Rajan Kumar, SPO Yashpaul Singh alongwith 44 RR/178 Bn. CRPF were formed to start the search of target area. During the search operation, target area was pinpointed/zeroed by the searching teams.

In the meantime, terrorists hiding in the target area sensing the movement of operational parties opened indiscriminate fire upon them with their illegal automatic weapons with intention to kill them and make their escape good. The search parties immediately took cover and retaliated with courage triggering a fierce gunfight. However, it was noticed that some civilians have got trapped in the cordoned area. The search parties led by SSP Shopian including the above personnel took the responsibility of evacuation of trapped civilians. After multiple attempts, they managed to rescue about 100 trapped civilians and moved them to secure locations. Afterwards, Police teams headed by SSP Shopian alongwith DySP Raiz Ahmed, HC Mohinder Singh, HC Bilal Ahmad, HC Ravi Kumar, SgCt. Ab. Majeed Dar, SgCt. Abid Ali Dar, SgCt. Manzoor Ahmad, SgCt. Aftab Ahmad, Ct. Guftar Ahmad, Ct. Ajit Kumar, Ct. Manzoor Ahmad Bhat, Foll. Parveen Singh Chib, SPO Salman Khan, SPO Raiz Hussain, SPO Shahnawaz Ahmad and SPO Riyaz Ahmad were formed for final assault to eliminate the holed-up terrorists. Before launching final assault, besieged terrorists were asked to surrender, which they refused and opened a heavy volume of fire and grenade lobbing towards security forces. In order to neutralize the hiding terrorists, above teams advanced towards the target alongwith QRTs of 44 RR and 178 Bn. CRPF covered the target from all directions and by crawling and moving tactfully forward, retaliated effectively with courage/bravery without caring for their lives from the front. Terrorists tried to escape from Eastern side during the face to face gunfight which ended into the elimination of 04 local terrorists (C-category) of LeT outfit, whose identity were later on ascertained as Aqib Ahmed Thoker S/o Farooq Ahmed Thoker R/o Heff-Kurri Zainapora Shopian, Showkeen Ahmad Mir S/o Mohammad Abdullah Mir R/o Sugan Zainapora, Waseem Ahmad Thoker @ Baku S/o Abdul Gani Thoker R/o Heff Kurri Zainapora and Farooq Ahmad Bhat S/o Abdul Salam Bhat R/o Sugan Draggad. Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 35/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18, 20, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainapora for further investigation.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by ASI Ajit Dhar, HC Ravi Kumar, SgCt. Abid Ali Dar, Ct. Sohail Ahmad Dar and Ct. Manzoor Ahmad Bhat, who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their lives was remarkable as the endeavour to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. They evacuated the civilians trapped in the cordoned area had undoubtedly averted the civil casualties by presence of mind and good policing. Although, terrorists tried their best to cause damage to the deployed forces by resorting to indiscriminate firing in which they all had a very narrow escape. However, they without losing their concentration, fought bravely and foiled their nefarious designs.

In this operation, S/Shri Ajit Dhar, Assistant Sub-Inspector, Ravi Kumar, Head Constable, Abid Ali Dar, SgCT, Sohail Ahmad Dar, Constable and Manzoor Ahmad Bhat, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 14/04/2022.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 53-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Malik Bashir-u-Din	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19.02.2022 at about 0735 Hrs, Police Shopian received a specific intelligence input about presence of terrorists in village Cheermarg-Zainapora Shopian to carry out major terror activities in the area to threaten the general public. Accordingly, Police Shopian launched a joint operation in collaboration with 1st RR, 178th Bn. CRPF. While establishing the initial cordon, it was decided that civilians who were inside the village should be safely taken out from the inner cordon without getting panic or situation gets worsened. With the same drill, joint team under the overall supervision of SSP Amritpal Singh including DySP Raiz Ahmed, DySP Raja Majid Batt alongwith their QRTs and team of 1st Sector RR & 178th Bn. CRPF were formed to start the search of target area. During the spot interrogation of one occupant who was found a bit nervous, confirmed about the presence of one suspected terrorist hiding in the residential house. To avoid any untoward incident and collateral damage, targeted house was covered from different directions. Initially some houses and a bit area adjoining to the target area were brought under the cordon tactfully by initial joint cordon team under the overall supervision of SSP Shopian, including DySP Raja Majid Batt, HC Malik Bashir-u-Din, SgCt. Mushtaq Ahmad, Ct. Mohmad Saleem, Ct. Liyakat Ali SPO Anayat-u-llah, SPO Mohd Amin Ahanger and team of 1st RR & 178th Bn. CRPF were formed to start the search of target area. During the search operation, target area was pinpointed/zeroed by the searching teams.

During the process of search, hiding terrorists fired indiscriminately upon the cordon parties. The joint troops retaliated the fire effectively and in exchange of fire, it was confirmed that one terrorist was holed up in the residential house. The besieged terrorist was asked to surrender through different means and given ample time for the same. However, he declined the offer and kept firing on the troops. The joint troops of 1st RR / 178 Bn. CRPF and DySP Raiz Ahmed including ASI Firdous Ahmad, HC Sameer Ahmad, HC Zahoor Ahmad, HC Ab Hamid, HC Bagh Hussain, HC Mohinder Singh, HC Malik Bashir-u-Din, SgCt. Murtaza Mughal, SgCt. Qaiser Ahmad, SgCt. Manzoor Ahmad, SgCt. Mohd Amin, SgCt. Mushtaq Ahmad, SgCt. Abid Ali, Ct. Liyakat Ali, Ct. Manzoor Ahmad, SPO AnayatUllah, SPO Sajad Ahmad, SPO Raiz Hussain retaliated from the front and unfortunately two Army Jawans namely Sepoy Santosh Yadav and Sepoy Chavan Romit Tanaji of 1st RR got injured and later on, attained martyrdom in the said encounter. However, DySP PC Zainapora and his brave hearted team fired bullets from three sides on the terrorists and in firing, one terrorist was neutralized. After a prolonged gun battle, though there was no firing from the house which caught fire during encounter and was extinguished. During search, dead body of one killed terrorist along with his weapon was recovered. The slain terrorist was later on identified as Abdul Qayoom Dar S/o Late Gh. Mohi u Din Dar R/o Larve Kakapora, District Pulwama of LeT outfit. Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 15/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 19, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainapora for further investigation.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by HC Malik Bashir-u- Din who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their precious lives was remarkable as the endeavor to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. He evacuated the civilian trapped in the cordoned area thus evading civil casualties by presence of mind and good policing. Although the terrorist tried their best to cause damage the forces by resorting to indiscriminate firing in which he had a very narrow escape. However, HC Malik Bashir-u- Din without losing their concentration and in good application of mind, fought bravely and foiled their nefarious design.

In this operation, Shri Malik Bashir-u-Din, Head Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 19/02/2022.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 54-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mohd Ashrif	Deputy Superintendent of Police	1st Bar to GM
2.	Sunil Raina	Head Constable	GM
3.	Imtiyaz Ahmad Mir	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04.01.2022, Kulgam Police received specific information through reliable source regarding the presence of terrorists in village Okay Kulgam. Instantly Dr. G. V. Sundeep Chakravarthy, SSP Kulgam rushed towards the suspected village alongwith QRTs of District Police Kulgam/ Shopian, troops of 9 RR, 34 RR and contingents of CRPF 18th Bn to cordon off the whole village on war footing basis to ensure that the trapped terrorists will not get any chance to flee from the suspected village. The searching parties approached the residential house and questioned them regarding presence of terrorists but the family members strongly denied the presence of terrorists. However, the searching party moved on to conduct thorough search of the house, from where the hiding terrorists fired indiscriminately upon the searching parties so as to break the cordon in order to flee from the spot, but the fire was effectively retaliated by initial party ensuing to an encounter. As the encounter started, SSP Kulgam gave special priority to save the precious lives of civilians by evacuating them from the cordoned area towards safer places to ensure their safety and security first.

After ensuring safety and security of civilians/villagers, SSP Kulgam chalked out a strategic plan to conduct the operation without any collateral damage. According to the strategic plan, three different search parties were constituted on spot to conduct door to door search. 1st search party headed by, SSP Kulgam alongwith ASI Manzoor Hussain, HC Rayees Ahmad, SgCt. Mohd Abass, Ct. Khurshid Ahmad, SPO Rahil Rashid, 2nd search party headed by DySP Gh. Mohd Bhat alongwith SgCt. Abid Ahmad, SgCt. Tawfeeq Ahmad, Ct. Imtiyaz Ahmad Mir, Ct. Mohd Iqbal, SPO Mudasir Rehman and 3rd search party headed by DySP Sajad Ahmad, DySP Mohd Ashrif PC Imamsahib, ASI Firdous Ahmad, HC Sunil Raina, SgCt. Jahangeer Ahmad, SgCt. Maneer Ahmad, SPO Mohammad Masroor, SPO Mohd Ramzan.

As the search party headed by Dr. G. V. Sundeep Chakravarthy, SSP Kulgam proceeded towards the suspected house and the hiding terrorists indiscriminately fired upon the searching party with the intention to kill them. SSP Kulgam alongwith his team retaliated and engaged in fierce combat with terrorists triggering to an encounter. The target house was surrounded from all sides and the hiding terrorists were given opportunity to surrender, which they refused. During gun battle, the brave officers of District Police Kulgam/ Shopian alongwith troops of 9 RR, 34 RR & contingents of CRPF 18th Bn killed two hardcore categorized terrorists on spot without any collateral damage by putting their lives at risk in the interest of security of state and National integrity.

The coherence shown by the Police party especially DySP Mohd Ashrif, HC Sunil Raina and Ct. Imtiyaz Ahmad Mir, have played an exemplary role in elimination of 02 terrorists of LeT outfit namely Amir Ahmad Wani (Category “C”) S/o Abdul Satar R/o Alam Gunj District Shopian and Sameer Ahmad Khan (“C” Category) S/o Ab. Hamid Khan R/o Tiken Batapora Pulwama without caring about the safety of their lives. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 03/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 13, 16, 19, 20 & 38 ULA (P) Act stands registered in P/S Kulgam.

The death of terrorists was a big jolt to the structural and functional unit of banned terrorist organization “LeT”. The terrorists were also involved in motivating youth to join the terrorist ranks. Thus their objective was to vitiate peace and create a feeling of chaos among the pro-democratic people, thus injuring and hurting the basic sentinel of democracy.

In this operation, S/Shri Mohd Ashrif, Deputy Superintendent of Police, Sunil Raina, Head Constable and Imtiyaz Ahmad Mir, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President’s Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs’ communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 04/01/2022.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 55-Pres/2026—The President of India is pleased to award 1st Bar to Medal for Gallantry (GM) and 3rd Bar to Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mohan Lal	Deputy Superintendent of Police	3rd Bar to GM
2.	Abdul Rouf Wani	SgCT	1st Bar to GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10.04.2022, a specific input was received from reliable sources regarding presence/hiding of some unknown terrorist(s) possessing illegal arms/ammunition in Bishamber Nagar, Konkhan Dalgate locality of Srinagar. Immediately acting on the tip-off, local Police/PC Srinagar/Valley QAT CRPF were constituted and the area was jointly cordoned-off for searches under the supervision of SSP Rakesh Balwal with overall supervision of ADGP Kashmir, Srinagar to track-down the hiding terrorist(s).

During search of one residential house, the hiding terrorist(s) opened indiscriminate fire upon the CASO parties with the intention to kill besides hurled grenades with the aim to manage their escape. The fire was retaliated by the searching parties effectively without caring for their personal lives and in the exchange of fire between the two sides, resulting into injuries to 06 personnel including 02 CRPF personnel viz; Const/GD Aditya and Const/GD Raman Kumar and 04 personnel of PC Srinagar viz; DySP Mohan Lal, ASI Feroz Ahmad, SgCt. Mohd Iqbal, and SgCt. Rouf Ahmad Wani.

Immediately, an operational plan was jointly chalked out by ADGP Vijay Kumar, SSP Rakesh Balwal and SP Ifkhar Talib. According to the plan, 02 teams comprising of SP Ifkhar Talib, SP Zoheb Tanveer, DySP Syed Sleet Shah, ASI Feroz Ahmad, HC Mushtaq Ahmad, HC Showkat Hussain, HC Saleem Ahmad, SgCt. Mohd Iqbal, SgCt. Abdul Rouf Wani, SgCt. Kuldeep Singh, SgCt. Safiullah Qadri, Const. Irshad Ahmad, Const. Amir Ahmad and Const. Manjeet Singh Chib and Foll. Mehraj ud Din Khan was assigned the task of elimination of terrorists by advancing from the front side of target house and evacuation and shifting of inmates of adjoining houses to nearby safer place to avoid any collateral damage.

The 2nd team led by SP Tanushree, DySP Mohan Lal Sharma, DySP Shabir Ahmad Khan, DySP Rohit Kumar, Insp. Tariq Ahmad, HC Gayour-ul-Haq, HC Javid Ahmad, SgCt. Mohd Saleem, SgCt. Abdul Rouf Wani, Const. Ab. Rashid, Const. Mohd Owais, Const. Irshad Ahmad and SgCt. Khurshed Ahmad alongwith adequate nafri of Valley QAT CRPF was assigned the task to approach the target house from rear side.

After proper planning, a small team led by DySP Mohan Lal despite sustaining injuries, initiated search operation in the target location wherein terrorists were hiding. The police party laid the inner cordon and identified the target house where terrorist(s) were hiding and reached closer to the target house to cover up the most possible route which could have taken up by terrorists to escape during exchange of fire. This was noticed by hiding terrorists and they lobbed grenades amid indiscriminate firing towards the search team and they sustained multiple splinter injuries.

While displaying incomparable bravery, uncommon courage and without caring for his life DySP Mohan Lal shifted his buddies and house inmates from the firing area. Despite this, the officer kept advancing in the volley of fire and displaying indomitable courage and exceptional tactical acumen and neutralized one Pakistani terrorist commander in a face off gunfight from very closer range, who later identified as Abu Arsalan @ Khalid R/o Pakistan “A-category” of LeT outfit. In the process, the 2nd Pakistani mercenary also got injured.

Soon after elimination of Pakistani terrorist Abu Arsalan @ Khalid, a small team led by DySP Mohan Lal backed by other joint operational parties comprising of SP Tanushree, DySP Shabir Ahmad Khan, DySP Rohit Kumar, SgCt Abdul Rouf Wani, Foll. Mehraj-ud-din Khan in particular entered the target house. Noticing the movement of these personnel, the 2nd hiding Pakistani terrorist opened indiscriminate firing and lobbed grenades towards the said party but they retaliated the fire. Amid tremendous grid, valour and courage, second terrorist was also neutralized and later-on identified as “Mohammad Bhai @ Abu Qasim @ Mir Sahib Pakistan, “A-category” terrorist of LeT outfit. Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No19/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 13, 16, 18, 19 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Khanyar for further investigation. These terrorists were involved in firing incident upon Naka party of CRPF at Maisuma Chowk Srinagar resulting into martyrdom of a CRPF personnel and injuries to other. In this connection, a case FIR No. 05/2022 U/S 307 IPC, 7/27 Arms Act; 13, 16 ULA(P) Act stands registered at Police Station Maisuma, Srinagar.

In this operation, S/Shri Mohan Lal, Deputy Superintendent of Police and Abdul Rouf Wani, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President’s Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs’ communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10/04/2022.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 56-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Manipur Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Langoljam Lenin Singh	Assistant Sub-Inspector	GM
2.	Sidrath Thokchom	Assistant Sub-Inspector	GM
3.	Thounaojam Nichal Singh	Havildar	GM
4.	Kumam Premananda Singh	Rifleman	GM
5.	Ngasepam Vim Singh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Following the communal flare-up erupted between the Meetei community and Kuki community in the state of Manipur since 3rd May 2023, the Manipur Police personnel came to light that Kuki militants heavily armed with sophisticated weapons resorted to indiscriminate arson of houses, vehicles destroying household properties in many places in and around Moreh market, such as Moreh town, Moreh Khunou Leikai and Prem Nagar etc. Immediately, police personnel of Moreh Police Station and Special Police Commando personnel were pressed into service hectically to control the situation.

It is imperative to mention that in the said communal flare-up Chin Kuki militants influxed from Myanmar into the territorial boundary of Manipur taking undue advantage of porous territorial boundary Line were indulging in nefarious and criminal acts with intent to eliminate the Meetei community, thereby resulting to hoarse-crying of innocent people to save their lives and soul.

In the given situation, the Manipur Police faced acute problems due to shortage of manpower, arms and ammunition, etc. to cope with the large-scale criminal acts of heavily armed Kuki militants. However, the Special Commando personnel under the able command and leadership of Shri Thokchoin Krishnatombi Singh, Superintendent of Police (Railways), In-Charge, Special Commando Unit, Khabeisoi, Manipur with strong determination and commitment to save the lives and properties of the helpless innocent people, rushed to all the affected areas and did everything which the situation called for day-in and day-out.

In continuation of the attack by Kuki militants upon the innocent people belonging to Meitei community residing in and around Moreh town coupled with its attack on security forces as well as on Manipur police personnel, on 17/01/2024 at about 4.30 a.m. Kuki militants attacked on the post of Special Commando personnel stationed at State- Bank of India, Moreh Branch, by using RPG and sophisticated weapons. After the blast of high explosive RPG, ASI Langoljam Lenin Singh of Special Commando along with Havildar Thounaojam Nichal Singh retaliated against the attackers. The attackers continuously fired towards the commando personnel from the southern and northern sides. The blast of high explosive RPG damaged the entry gate and caused injury to two of the Special Commando personnel namely ASI Sidrath Thokchom and Constable Ngasepam Vim Singh. High explosive bomb and sophisticated weapons along with snipers were continuously fired towards the commando personnel. In that, ASI Langoljam Lenin Singh, ASI Sidrath Thokchom, Havildar Thounaojam Nichal Singh and Constable Ngasepam Vim retaliated towards the attackers on both the directions of North and South in total disregard of their safety and lives, even when ASI Sidrath Thokchom and Constable Ngasepam Vim Singh got injured. After some time, the injured officer namely ASI Sidrath Thokchom got weakened due to explosive blast injury and profuse bleeding. Immediately both the injured personnel were evacuated and rushed to the hospital for medical treatment.

Thus, the Special commando personnel mentioned above engaged in fierce encounter with the well-equipped Kuki militants at the Commando post stationed at SBI, Moreh Branch, thereby preventing the Kuki militants from intruding into the Bank. However, there still continued intermittent firing from the side of the Kuki militants surrounding the post of Special Commando personnel stationed at State Bank of India, Moreh branch and as such, the commando personnel faced acute problem in coming out of the said post.

In continuation of the attack and consequent retaliation, after a lull for a short time, again at about 8.30 p.m. of the same day, the Kuki militants stormed upon the SBI post with incessant firing and blasting big high explosive bombs. At this critical, juncture Rifleman Kumam Premananda Singh played a big role in fighting against the militants. ASI Langoljam Lenin Singh along with Rifleman Kumam Premananda Singh was firing from the 2nd floor to the attackers by positioning near the windows in retaliation of the fierce attack of Kuki militants. Suddenly, a big high explosive bomb blasted on the roof-top of the room. During that blast Rifleman Kumam Premananda Singh was hit by bomb splinters in his abdomen and got grievous injury. Immediately, Rifleman Kumam Premananda Singh placed him to a safe zone and informed senior officers of the development. Rifleman Kumam Premananda Singh called for reinforcement and managed to evacuate the injured personnel to the hospital for medical treatment without delay.

The firing continued till about 11.30 p.m. of the day. During the course of the encounter, the above personnel of Special Commando team stationed at State Bank of India, Moreh branch, took vital role, thereby preventing the well-armed

Kuki militants from causing many unwanted happenings like (i) entering into the said post and save SBI Moreh Branch, (ii) snatching of arms and ammunition, and (iii) eliminating the commando personnel, etc. etc. Had the brave commando personnel, a few in numbers, not acted in such a degree of professionalism dedication and sincerity at the cost of their lives and safety, the incident might have resulted in another havoc.

In this operation, S/Shri Langoljam Lenin Singh, Assistant Sub-Inspector, Sidrath Thokchom, Assistant Sub-Inspector, Thounaojam Nichal Singh, Havildar, Kumam Premananda Singh, Rifleman and Ngasepam Vim Singh, Constable of Manipur Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 17/01/2024.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 57-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), Medal for Gallantry, Posthumously and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Maharashtra Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Amol Nanasahab Phadtare	Assistant Police Inspector	GM
2.	Wasudeo Rajam Madavi	Assistant Police Sub-Inspector	GM
3.	Madhukar Pochayya Naitam	Assistant Police Sub-Inspector	GM
4.	Santosh Vasantrao Naitam	Naik Police Constable	GM
5.	Late Sudhakar Bitaji Veladi	Naik Police Constable	GM (Posthumous)
6.	Vilas Maroti Portet	Naik Police Constable	GM
7.	Vishwnath Sanyasi Sadmek	Naik Police Constable	GM
8.	Dnyaneshwar Sadashiv Tore	Naik Police Constable	GM
9.	Dilip Wasudeo Sadmek	Naik Police Constable	GM
10.	Ramsu Devu Narote	Naik Police Constable	GM
11.	Anandrao Bajirao Usendi	Naik Police Constable	GM
12.	Raju Pandit Chavhan	Naik Police Constable	GM
13.	Arun Kailas Meshram	Police Constable	GM
14.	Nitesh Gangaram Veladi	Police Constable	GM
15.	Mohan Lachhu Usendi	Police Constable	1st Bar to GM
16.	Sandip Ganpat Vasake	Police Constable	GM
17.	Kailas Devu Kowase	Police Constable	GM
18.	Haridas Maharu Kulyeti	Police Constable	GM
19.	Kishor Chanti Talande	Police Constable	GM
20.	Anil Raghupati Alam	Police Constable	GM
21.	Narendra Dashrath Madavi	Police Constable	GM
22.	Akash Ashok Uikey	Police Constable	GM
23.	Late Kare Irpa Atram	Police Constable	GM (Posthumous)
24.	Raju Masa Pusali	Police Constable	GM
25.	Mahesh Dattuji Jakewar	Police Constable	GM
26.	Rupesh Ramesh Kodape	Police Constable	GM
27.	Mukesh Shankar Sadmek	Police Constable	GM
28.	Yogendrarao Upendrarao Sadmek	Police Constable	GM
29.	Ghissu Vanja Atram	Police Constable	GM

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
30.	Atul Bhagwan Madavi	Police Constable	GM
31.	Vishvnath Laxman Madavi	Police Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 21/04/2018, Addl. SP, Pranhita (Aheri) Shri. Raja R. received the startling information from his informant that about 90-100 armed Naxaites belonging to the banned CPI (Maoist) organization had gathered in the jungles of Boriya-Kasnasur with the intention to eliminate the police force in that area.

Hence Addl. SP Raja R. after verifying the information immediately contacted Hari Balaji N., Addl. SP (Ops.), and shared this alarming input. The 2 of them then brainstormed over this input and reached a conclusion that this input held crucial and precise information and the same needed to be communicated to the Superior Officer immediately.

Addl. SP Raja R. and Addl. SP (Ops.) Hari Balaji N. promptly communicated this information to the SP, Gadchiroli Dr. Abhinav Deshmukh verified this input and an action plan was chalked out.

As per plan, API Amol Nanasaheb Phadtare was appointed as Incharge of the search party. APSI Wauseon Rajam Madavi (Party Commander) alongwith 15 personnel of his squad and APSI Madhukar Pochaya Naitam (Party Commander) alongwith 25 personnel of his squad were to carry out the operation under the inchargeship of API Amol Nanasaheb Phadtare. On 21/04/2018 at 23.00 hrs, the aforementioned team then left in civil vehicles from Aheri for the Boriya-Kasnasur jungle in the Bhamragarh division to carry out Naxal search operation.

After reaching Tadgaoh, as part of the plan, the above-mentioned team then took personnel of the Tadgaon police party and the CRPF (9 Btn.) alongwith them for the search operation. API Amol Nanasaheb Phadtare tasked Tadgaon police party and CRPF to perform the crucial task of 'cut-off party' in the jungle of Kasnasur.

On the dawn of 22/04/2018, Party Incharge API Amol Nanasaheb Phadtare divided the C-60 squad into two groups and reached Boriya jungle from Kasnasur. At about 07:00 hrs, PC Sandip Ganpat Vasake saw 8-10 armed Naxals who were dressed in olive green uniforms crossing the Indravati River from the West to the East. He immediately informed API Amol Nanasaheb Phadtare. API Amol Nanasaheb Phadtare alerted the 1st Party's Commander APSI Madhukar Pochaya Naitam and also instructed the 2nd group Commander APSI Wauseon Rajam Madavi to turn back.

APSI Wauseon Rajam Madavi decided to circle back half a kilometer and to cross the Indravati River from the East side. He thereafter, instructed APSI Madhukar Pochaya Naitam to cross the river from the West side. The Wasudeo Madavi Squad was divided into 3 sections. The 1st section consisted of Wasudeo Madavi, 2nd section consisted of PC Narendra Dashrath Madavi, 3rd section consisted of NPC Mohan Lachhu Usendi.

Madhukar Naitam Squad was divided into 4 sections. 1st section consisted of Madhukar Naitam, 2nd section consisted of NPC Vishwnath Sanyasi Sadmek, 3rd section consisted of NPC Santosh Vasantrao Naitam and 4th section consisted of PC Raju Masa Pusali. The Wasudeo Madavi Party crossed Indravati river while API Amol Phadtare alongwith Madhukar Naitam Party reached Indravati river from the West side. Party Commander Madhukar Naitam led 1st and 2nd section and Party Incharge Amol Phadtare led 3rd and 4th section. Approx at 9:00 hrs, Madhukar Naitam Party approached the Naxals but the Naxals opened indiscriminate gunfire on their party and before they could respond they realized that the 1st and 2nd section of Madhukar Naitam Party had walked into a Naxal ambush. Showing calmness of nerves even while under fire, the personnel took cover while 2nd section commander NPC Vishwnath Sadmek took his personnel and started steadily advancing towards the Naxals. During this gun battle Vishwnath Sadmek got injured while diving for cover. While this was unfolding, API Phadtare noticed that the Wasudeo Madavi Party which was on the other bank of the river was going to come under attack by Naxals. API Phadtare alongwith 6 personnel of 3rd section jumped into the river to secure them but they too came under heavy Naxal gunfire. The river provided no cover from the Naxal gunfire to this team but they continued onwards. During this daring river crossing, PC Anil Raghupati Alam and NPC Vilas Maroti Portet got injured. This gave the Naxals the impression that they were getting the upper hand in this battle but API Phadtare instructed NPC Anandrao Bajirao Usendi to lob UBGL grenades on Naxals. His deadly accuracy with the UBGL made the naxals flee from their places of safety. Party Commander Wasudeo Madavi and his squad instantly reacted to the sound of gunfire and crossed over the East to the South side of the river. Party Commander Wasudeo Madavi was shocked to see 40-50 Naxals firing indiscriminately on the Madhukar Naitam Party and shouting out their deadly intention to each other such as 'kill the police, snatch their arms & ammunition'. Before Party Commander Wasudeo Madavi and his party could comprehend the scenario, they too came under heavy gunfire from 50-60 Naxals hiding in the forest which lined the river bank. The Naxals then sent 20-25 of their men to advance on Wasudeo Madavi and his party to land the death blow. But their deadly aspirations were blown to smithereens when Wasudeo Madavi and 4 of his personnel repelled their attack. PC Arun Kailas Meshram was injured in this counter attack. Wasudeo Madavi and 4 of his personnel received cover fire and support from other members of his party namely Section Commander Narendra Madavi who instructed Vishwnath Madavi to lob an under-barrel grenade on the Naxals. His accuracy with the UBGL grenades made the Naxals run helter-skelter. PC Mukesh Kamble was injured in this counter attack. A simultaneous rescue operation was launched

by Section Commander Mohan Usendi when he sent 4 personnel of his section to rescue 3 trapped personnel. Mohan Usendi instructed PC Rupesh Ramesh Kodape to lob a under barrel grenade which he did with accuracy and this in turn made the Naxals flee.

After the exchange of fire stopped, the police team carried out search operation in the area. During the search, they found 09 men and 07 women Naxals dressed in olive green uniforms lying injured. They had bullet injuries. They were transported for treatment to the nearest hospital and thereafter to Govt. General Hospital, Gadchiroli. In the ongoing, search operation the police also found 18 dead bodies of male and female Naxals who were dressed in olive green uniforms. Apart from the 34 Naxal bodies, the police team recovered Three AK 47 Rifles, Two SLR Rifles, One Carbine Rifles, One INSAS Rifle with Magazine, Three .303 Rifles, Three 8 MM Rifles, Eleven 12 Bore Rifles, Four Magazine of AK Rifle, One Magazine of SLR, Two Magazine of .303 Rifles and Ammunitions. Also, a number of medical kits, literatures of banned CPI (M) organization and other items belonging to the Naxal were recovered.

The said encounter can only be termed as HISTORIC in every sense of the word, be it receipt of confidential information, perfect planning and precise execution. This encounter tested and proved beyond doubt the bravery and resolve of the Officer and C-60 Commandos. The two police teams led by API Amol Nanasaheb Phadtare, Party Commanders APSI Wauseon Rajam Madavi and APSI Madhukar Pochaya Naitam faced an unprecedented scenario on 2 fronts, namely, the large number of armed Naxals hellbent on violence and a terrain which was made up of a river and river banks which provided little or no cover to the teams. Their exemplary courage is proved beyond doubt when they went head-on into the massive volley of Naxal gunfire knowing well that they have little or no cover to protect themselves. The police teams faced simultaneous Naxal gunfire from 4-5 fronts and though being outnumbered by 2:1, yet the commandos showed remarkable calmness of nerves when they replied with precise and controlled return fire. The true test of the C-60 commando resolve came when their fellow commandos were trapped and faced eminent death. The commandos paid no heed to the safety of their own lives and rushed to the aid of their trapped fellow commandos and successfully brought them to safety.

The police Officer and members of the C-60 Commando team were able to rescue the trapped policemen and quell the Naxal attack. They achieved all this without losing even a single life of any police personnel.

The encounter lasted for nearly three hours in which 34 Anti-National Naxals including two top leaders and two Dalam Commanders of South Gadchiroli Area were neutralized.

In this operation, S/Shri Amol Nanasaheb Phadtare, Assistant Police Inspector, Wasudeo Rajam Madavi, Assistant Police Sub-Inspector, Madhukar Pochayya Naitam, Assistant Police Sub-Inspector, Santosh Vasantrao Naitam, Naik Police Constable, Late Sudhakar Bitaji Veladi, Naik Police Constable, Vilas Maroti Portet, Naik Police Constable, Vishwnath Sanyasi Sadmek, Naik Police Constable, Dnyaneshwar Sadashiv Tore, Naik Police Constable, Dilip Wasudeo Sadmek, Naik Police Constable, Ramsu Devu Narote, Naik Police Constable, Anandrao Bajirao Usendi, Naik Police Constable, Raju Pandit Chavhan, Naik Police Constable, Arun Kailas Meshram, Police Constable, Nitesh Gangaram Veladi, Police Constable, Mohan Lachhu Usendi, Police Constable, Sandip Ganpat Vasake, Police Constable, Kailas Devu Kowase, Police Constable, Haridas Maharu Kulyeti, Police Constable, Kishor Chanti Talande, Police Constable, Anil Raghupati Alam, Police Constable, Narendra Dashrath Madavi, Police Constable, Akash Ashok Uikey, Police Constable, Late Kare Irpa Atram, Police Constable, Raju Masa Pusali, Police Constable, Mahesh Dattuji Jakewar, Police Constable, Rupesh Ramesh Kodape, Police Constable, Mukesh Shankar Sadmek, Police Constable, Yogendrarao Upendrarao Sadmek, Police Constable, Ghissu Vanja Atram, Police Constable, Atul Bhagwan Madavi, Police Constable and Vishvnath Laxman Madavi, Police Constable of Maharashtra Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 22/04/2018.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 58-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Odisha Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Atul Krishna Das	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Purna Chandra Padhan	Assistant Sub-Inspector	GM
3.	Ghanashyam Sahoo	Constable	GM
4.	Thabir Majhi	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09.05.2023, Shri Atul Krishna Das, DySP, Odisha Police received reliable intelligence input about presence / camping of a group of armed CPI (Maoist) extremists in the thick forest area at the outskirts of village Taparang under M. Rampur PS of Kaiahandi district. Kalahandi district being a heavily Maoist infested area, Shri Atul Krishna Das, DySP and 3 members of his Intelligence unit namely ASI Purna Chandra Padhan, Constable Ghanashyam Sahoo and Constable Thabir Majhi immediately proceeded to the area with weapons in concealment to collect further intelligence. On reaching village Taparang, they noticed some suspicious movement in the area. Suddenly, firing came from the side where the extremists were camping and one of the bullets fired by the Maoists hit on the right-side foot of Shri Atul Krishna Das, DySP. Shri Atul Krishna Das, DySP and his team took position and cover. Maoists continued firing on the above Police personnel from a house at the outskirts of the village. By taking care and caution, this four-member Police team retaliated the fire without caring for their lives and showed highest level of bravery. In this exchange of fire, 3 hardcore extremists of CPI (Maoist) including one Divisional Committee Member (DCM), one Area Committee Member (ACM) and one-party Member (PM) of outlawed CPI (Maoist) were neutralized. Simultaneously, they informed SOG, (Special Operations Group, the specialized anti - naxal Force of Odisha). SOG arrived at the spot and searched the area during which one AK 47 rifle with -13 rounds of live ammunition, one auto pistol with 2 rounds of ammunition and one country made pistol, Maoist posters, Maoist literature, Maoist dress, knife with silver handle, umbrella, torch light, search light, medicine kits, detonator, battery wire and walkie-talkie were recovered. In this connection, M. Rampur PS case No. 104, dated 09.05.2023 u/s 147/ 148 / 120-B / 121/ 121-A/ 122 / 123 / 124-A / 307 / 149 IPC, r/w Section 25 / 27 Arms Act, r/w Section 17 of Cr. L.A Act, 16 (1) (b) / 18 / 20 UAP Act has been registered.

In this operation, S/Shri Atul Krishna Das, Deputy Superintendent of Police, Purna Chandra Padhan, Assistant Sub-Inspector, Ghanashyam Sahoo, Constable and Thabir Majhi, Constable of Odisha Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 09/05/2023.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 59-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Telangana Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Marri Venkat Reddy	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

This is a case of "Arms Act". On specific information provided by the HC Marri Venkat Reddy on 01.02.2025 at about 19:00 hours, based on credible information that Batthula Prabhakar @ Rahul Reddy @ Bayyapur Reddy @ Bittu @ Sarveshwar Reddy @ Raju S/o Kittayya @ Krishnaiah age -30 years, Caste- Waddera R/o Flat No.A-205, Vajara Jasmine, Nanakramguda. N/o Waddepally Area, Irikipenta village, Somala Mandal, Chittor District, who was involved in around 125 criminal cases, was present at Prism Pub, Gowlidoddi. HC Marri Venkat Reddy along with two head constables proceeded to the location at 19:20 hours. Upon arrival, they spotted Batthula Prabhakar, identified themselves as police officers, and ordered him to surrender. In an attempt to resist arrest, the accused drew a gun, aimed at them and fired two rounds with the intent to kill and escape. While they attempted to overcome him, one of the bullets struck HC Marri Venkat Reddy on left leg thumb, causing a bleeding injury. Despite this, HC Marri Venkat Reddy and his accompanies head constables overpowered and apprehended the accused on the spot. HC Marri Venkat Reddy exhibited exemplary brave action in fighting back the offenders by risking his life. In which a case was registered under Sections 109(1), 121(2) BNS, and Sections 25(IB)(a) & 27(2) of the Arms Act, 1959 of PS Gachibowli, Cyberabad. Batthula Prabhakar was absconded from in front of Central Prison escort on 23.03.2022 in which case was registered in Cr. No 148/2022 under Section 224 IPC of PS Arilova, Visakapatnam,

Apart from that, arrested offender Batthula Prabhakar is very dangerous, there are more 100 and above offences the accused has committed by threatening the public by showing of lethal weapons. He committed several heinous offences attack on police, HC Marri Venkat Reddy exhibited exemplary brave action in fighting back the offenders by risking his life.

In this operation, Shri Marri Venkat Reddy, Head Constable of Telangana Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 01/02/2025.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 60-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Santosh Kumar	Inspector	GM
2.	Saurabh Mishra	Sub-Inspector	GM
3.	Kavindra	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

A broad daylight sensational dacoity was committed on 28.08.2024 at the jewelry shop in district Sultanpur in which ornaments and cash worth crores of rupees were looted on gun point. The case was worked out and some accused persons were arrested but other accused persons including mastermind Anuj Pratap Singh were at large. A reward of Rs. 1,00,000/- was announced on each accused person by the ADQ of Police, Lucknow Zone. Anuj Pratap Singh was a dreaded professional robber. In the year 2023, he had committed broad daylight bank dacoity in the Bank of Maharashtra, Surat (Gujrat).

STF team led by DySP Pramesh Kumar Shukla was collecting intelligence in various districts. On 22.09.2024, an input was received that Anuj Pratap Singh, mastermind of this dacoity, equipped with lethal weapons had come to Unnao with one accomplice to take back looted property hidden there and was staying somewhere in the Katri area of Koluhagara, PS Achalganj, district Unnao. They were about to leave the same night on a motorcycle with looted property to dispose it of. DySP Pramesh rushed to Unnao and reached underpass from Achalganj to Kaluhagara on Raebareli-Unnao highway at about 10:45pm with team mates Inspector Santosh Kumar, SI Saurabh Mishra and HC Kavindra and others. Two teams were constituted under the leadership of DySP Pramesh and Inspector Santosh. The team headed by Inspector Santosh Kumar took position on Kharanja road in the east of Achalganj to Kaluhagara while the team headed by DySP Pramesh started checking on an unpaved way in the west of Achalganj to Kaluhagara. At about 03.45 am on 23.09.2024, a motorcycle was sighted coming from Koluhagara side. On coming near, the person riding the motorcycle was identified as Anuj, a rewarder of Rs. 1,00,000/-. The second team attempted to intercept the motorcycle. Meanwhile DySP Pramesh with his team stood in the middle of the road and challenged the motorcyclists to stop. The criminals did not care for the warnings and turned their motorcycle on the unpaved road to flee but it slipped and fell. On being challenged again Anuj, hurling abuses, started to flee on Achalganj to Kaluhagara road by firing while his accomplice ran towards the fields by firing, bending, turning and ducking. Finding no other option to overpower the criminals firing indiscriminately, Inspector Santosh Kumar, SI Saurabh Mishra and HC Kavindra, etc. using their field skills and expertise and without caring for their lives, displayed exemplary courage, bravery and entered in firing range of criminals and fired in self-defence in a controlled manner which hit Anuj Pratap Singh and he fell down injured. When the firing was stopped, the team approached the criminal who was lying seriously injured. He was immediately sent to the hospital to save his life but succumbed.

In this operation, S/Shri Santosh Kumar, Inspector, Saurabh Mishra, Sub-Inspector and Kavindra, Head Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 23/09/2024.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 61-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Vinod Kumar Singh	Additional Superintendent of Police	GM
2.	Ameet	Inspector	1st Bar to GM
3.	Bajjnath Ram	Head Constable	GM
4.	Manoj Kumar Singh	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Manish Singh of district Varanasi was a dreaded criminal and interstate sharp shooter with a long criminal history of about 3 dozen heinous offences like dacoity, robbery, murder, extortion etc., operating in districts Varanasi, Azamgarh,

Jaunpur, Ghazipur, Mirzapur. In the year 2021, he brutally murdered ND Tiwari, Correspondent Dainik Jagran and colonizer in Varanasi, Jeevnandi, GM Steel Company in Mirzapur. In the year 2022, he committed a daylight sensational murder of Samay Singh Chauhan in the Meera Bhayandar Police Commissionerate area of Maharashtra. He had become a synonym of terror in Purvanchal. In view of his criminal activities, a bounty of Rs. 2,00,000- was announced by the Director General of Police, Uttar Pradesh.

The STF team led by Addl. SP Vinod Kumar Singh of Varanasi unit was collecting intelligence against dreaded criminals and other proclaimed offenders. While collecting intelligence near Bankat Railway Crossing underpass ring road, an input was received on 21.03.2022 that Manish Singh Sonu, wanted in ND Tiwari murder case, Chunar General Manager Case and Chaukaghat double murder case is going from Harahua to Jansa –via- underpass -via- village Bharaon to commit some sensational crime.

Acting on the input, Addl. SP Vinod Kumar Singh with team mates took position at strategic point in the west of ring road underpass, while Inspector Ameet, Head Constable Bajinath Ram and Head Constable Manoj Kumar Singh took position on the Eastern side of the underpass and started checking. After some time, two persons were seen coming on a black Pulsar motorcycle from the eastern lane. Inspector Ameet attempted to stop the motorcycle but criminals quickly moved towards underpass to flee. Inspector Ameet identified the person sitting on pillion seat as dreaded criminal and rewarder Manish. When attempted to intercept, they drove their motorcycle very fast to the Western Lane and started running to Harahua. STF team chased them in Bolero. After going about 200 meters from the underpass, STF team reached very close to the criminals. Suddenly criminals motorcycle stumbled and pillion rider jumped from the motorcycle holding a carbine in his hand. STF team got down from their vehicle and challenged the criminals to surrender but ignoring the warnings they opened fire with intention to kill. Efforts were made to cordon and arrest the criminals but they kept on firing indiscriminately. Among the bullets fired by Criminal Manish, one bullet hit Addl. SP Vinod Kumar Singh and one bullet hit Inspector Ameet from the front and they could be saved only due to their BP Jackets, otherwise it would have been fatal. Seeing their lives in danger and finding no other option to overpower the criminals, Addl. SP. Vinod Kumar Singh, Inspector Ameet and Head Constable Bajinath Ram and Head Constable Manoj Kumar Singh taking their duty as supreme, displaying indomitable courage, bravery and using professional skills and STF expertise entered in the firing range of criminals and fired in self-defence in a controlled manner to nab the criminal. As a result of retaliatory firing, the criminal fell down injured at about 1400 hrs and he was identified as Manish @ Sonu a rewarder of Rs 2,00,000-. Injured criminal was sent to hospital to save his live where he succumbed.

01 factory made carbine Sub-Machine Gun on which number 1A1 was engraved with magazine, 8 empty and 10 live cartridges and one pistol 7.65 bore with magazine and 04 live cartridges were recovered.

In this operation, S/Shri Vinod Kumar Singh, Additional Superintendent of Police, Ameet, Inspector, Bajinath Ram, Head Constable and Manoj Kumar Singh, Head Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 21/03/2022.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 62-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Atul Chaturvedi	Sub-Inspector	GM
2.	Pradeep Kumar Singh	Sub-Inspector	GM
3.	Sushil Kumar Singh	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Gufran, a notorious criminal of Pratapgarh with a criminal history of more than one dozen cases of serious nature like murder, robbery and extortion etc.; had become a synonym of terror. In the year 2023, he robbed the iron rod trader and looted cash more than one and half lac etc. and Rs. 50,000- from KBS Petrol pump, Sultanpur. On 16.05.2023, he brutally murdered his accomplice Tanvir and was threatening the paiokar and witnesses of Tanvir murder case. In view of his increasing criminal activities, a bounty of Rs. 1,00,000- was announced by the ADG of Police, Prayagraj Zone for his arrest. He was also carrying a reward of Rs 25000- announced by the SP, Sultanpur.

STF team led by DySP Dharmesh Shahi was collecting intelligence against Gufran by visiting districts Noida, Agra, Prayagraj, Pratapgarh, Raibareli etc. On 27.06.2023 at about 03.00 AM, a tipoff was received that Gufran is going to Manjhanpur Kaushambi with his accomplice to kill some businessman for extortion. Acting on the input, Dharmesh Shahi with Sub-Inspectors Atul Chaturvedi, Pradeep Kumar Singh, Head Const. Sushil Kumar Singh and others reached the Bridge of Sasur Khaderi river near Vashishth Sugar Mill, Manjhanpur on Prayagraj – Chitrakoot road. Constituting two teams, DSP Shahi headed the first while the second team was headed by Insp. Raghvendra. The first striking team took position at Sasur Khaderi River Bridge towards Manjhanpur and second team took position on main road near Samda Petrol pump and waited. At about 05.00 AM morning, two persons were sighted coming on a blue Apache motorcycle from Prayagraj side. The pillion rider was confirmed as dreaded Gufran. Sensing the police, the driver sped up his motorcycle and run towards Samda, which was chased by Shahi and team by the Govt. vehicle. The criminals were challenged repeatedly but all the warning went in vain. In attempt to flee, criminals took a sharp turn and run back towards Prayagraj. Seeing the STF vehicles chasing them, they turned on unpaved road next to Aman Chicken Biryani shop but motorcycle went uncontrolled and fell down. On being attempted to intercept, the person hanging a bag on his back, took out the pistol tucked in his waist and opened fires at police, from which Sub-Inspectors Atul Chaturvedi and Pradeep Singh and HC Sushil Kumar Singh had a narrow escape. In spite of repeated warnings, the criminal continued to fire. He took out a weapon looking like a carbine from the bag hanging on his back and started firing, while his companion ran towards village Bichhaura. In view of indiscriminate firing by the criminal and seeing the lives of police personnel in danger and in spite of being in the firing range of criminal, Sub-Inspectors Atul Chaturvedi and Pradeep Singh and HC Sushil Kumar Singh, in passion to duty displaying indomitable courage, bravery and putting their lives in danger moved forward through slope in the side of road, firing in a controlled manner in self-defence. As a result of retaliatory firing, the criminal fell down injured. When the firing was stopped team approached the criminal and found him lying unconscious. He was immediately sent to the hospital to save his life where he succumbed. The deceased criminal was identified as dreaded criminal Gufran, a rewarder of Rs. 1,25,000-.

One carbine, 9 MM with 01 empty and 10 live cartridges, pistol 7.65 bore with 04 empty and 04 live cartridges and Apache motorcycle was recovered from the spot.

In this operation, S/Shri Atul Chaturvedi, Sub-Inspector, Pradeep Kumar Singh, Sub-Inspector and Sushil Kumar Singh, Head Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 27/06/2023.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 63-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Rakesh	Additional Superintendent of Police	GM
2.	Dharmesh Kumar Shahi	Deputy Superintendent of Police	1st Bar to GM
3.	Satya Prakash Singh	Inspector	GM
4.	Yaswant Singh	Sub-Inspector	1st Bar to GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Dreaded criminal Pankaj Yadav of district Mau had been a notorious contract killer and a synonym of fear and terror in Uttar Pradesh and Bihar for the last two decades. With more than three dozen cases of murder, robbery, extortion and other heinous crimes, he carried a bounty of Rs. 1,00,000- announced by the ADG of Police, Varanasi Zone.

The STF was receiving intelligence regarding Pankaj's Plan to commit sensational crimes by targeting leading businessmen and witnesses and pairkars of the cases. In 2010, he murdered Ram Singh Maurya, an eyewitness in the Mau massacre case along with several policemen, spreading fear across the region.

The STF team led by DySP Dharmesh Kumar Shahi during the course of intelligence collection visited various districts. On 07.08.2024, while collecting intelligence in Gautambuddha Nagar, DySP Dharmesh Kumar Shahi got a tip-off that dreaded Pankaj is going from Mathura to Agra to commit some sensational crime in late night. DySP Dharmesh Kumar Shahi immediately sharing the input with Addl. SP Rakesh of STF Agra and calling him towards Mathura, rushed with team towards Mathura.

Two persons on an unnumbered motorcycle were spotted on NH 19 from Mathura to Agra. The pillion rider was identified as Pankaj, a wanted criminal. DySP Dharmesh Kumar Shahi pursued them, while Addl. SP Rakesh set up a blockade near village Rosu about 500 meters ahead from Braj Ki Rasoi. Despite being challenged to surrender, Pankaj took out weapons and fired at DySP Dharmesh Kumar Shahi who narrowly escaped. When Addl. SP Rakesh with his team also attempted to stop them, the criminals turned to an unpaved road, causing their motorcycle to stumble and fall. STF personnel quickly moved to arrest them, but the motorcycle driver took cover behind a boundary and opened fire. DySP Dharmesh Kumar Shahi and Addl. SP Rakesh narrowly escaped, while Pankaj started indiscriminate firing from which Inspector Satya Prakash Singh, SI Yashwant Singh, Head Constable Randhir Singh and Const. Amit Tripathi also had a narrow escape. Bullet fired by the criminal whizzed past next to them. Seeing their lives and the lives of passersby in danger and to arrest the criminals, Addl. SP Rakesh, DySP Dharmesh Kumar Shahi, Inspector Satya Prakash Singh, Sub-Inspector Yashwant Singh, Head Constable Randhir Singh and Constable Amit Tripathi displaying exemplary courage and bravery came out of the cover and did retaliatory firing in controlled manner and the firing from the criminal was stopped. Suddenly, the criminal hiding behind the boundary wall started to flee towards the fields, firing at police. STF team quickly moved to arrest the injured criminal. The criminal lying injured suddenly got up and again fired from which Addl. SP Rakesh, DySP Dharmesh Kumar Shahi, Inspector Satya Prakash Singh could be saved by crawling. STF team showing exemplary courage and valour fired in controlled manner and the firing was stopped. Team approached the injured criminal who was immediately sent to hospital to save his life, where he was declared dead. The deceased criminal was identified as Pankaj.

One factory made revolver .32 bore, one CMP .32 bore with live, missed, empty cartridges and Splendor Plus with red and white strips was recovered.

Addl. SP Rakesh, DySP Dharmesh Kumar Shahi, Inspector Satya Prakash Singh, Sub-Inspector Yashwant Singh have displayed exemplary courage and bravery and a sense of devotion to duty in most unmistakable terms, and have taken calculated risks in fierce face-to-face encounter.

In this operation, S/Shri Rakesh, Additional Superintendent of Police, Dharmesh Kumar Shahi, Deputy Superintendent of Police, Satya Prakash Singh, Inspector and Yashwant Singh, Sub-Inspector of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 07/08/2024.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 64-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Rajanish Kumar Upadhyay	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Zarrar Husain	Sub-Inspector	GM
3.	Sunil Singh	Sub-Inspector	GM
4.	Kunal Malik	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Rajanish Kumar Upadhyay, Dy. Superintendent of Police/Police Circle Officer-City-1 & Crime, District Saharanpur, U.P., while conducting late night meeting with Shri Zarrar Husain Sub-Inspector In-charge Intelligence Wing, Crime Branch and Station Officer, Police Station Mandi and their police teams, regarding Crime control, detection and prevention at Police Out-Post Katehra-I, having received information, through reliable informer, about presence of Criminals with heavy firearms & ammunition in the mango grove on Saklapur Road to commit some heinous crime. Immediately, they sprang into action and heading the accompanying Police Force, quickly moved in their respective official vehicles to besiege the criminals.

DySP Rajanish Kumar Upadhyay reached at Saklapur Road, parted their vehicles clandestinely and moved on foot. They reached near Mango-grove and promptly evaluated geography of place, deliberated strategy to besiege Criminals, organized three Police Teams, one, headed by SI Zarrar Husain and his accompanying police force, another headed by two Sub-Inspectors Incharge of Police Out-Posts and himself, headed team along with S.O., P.S. Mandi and strategically deployed Police Teams all around to ensure blockade and arrest of Criminals.

DySP Rajanish Kumar Upadhyay accompanying his team, took position behind a wall and heard whispering voices and seeing Criminals sitting with firearms in their hands, he fearlessly moved ahead and loudly challenged them to surrender, but seeing sudden presence of police, baffled Criminals, present inside, opened abrupt incessant firing towards police to kill & continued it, wherein Police Team escaped and they too resorted control reply-firing.

DySP Rajanish Kumar Upadhyay during continued incessant firing by crime-clever Criminals, visualizing safety of the Police Teams in danger and possible escape of criminals, he again challenged them to surrender and he himself along with SI Zarrar Husain, SI Sunil Singh & Constable Kunal Malik and Team, determined to restrain their firing & arrest them. With conspicuous courage & gallant, policing-skill, they tactically & boldly moved forward in firing range of criminals and barbarous criminals daringly fired, hitting DySP Rajanish Kumar Upadhyay & SI Zarrar Husain in front and causing SI Sunil Singh & Constable Kunal Malik injured.

DySP Rajanish Kumar Upadhyay in this situation of 'do or die', he with leadership of highest order, himself, SI Zarrar Husain, SI Sunil Singh & Constable Kunal Malik, determined to arrest Criminals alive and without caring for their lives & limbs displaying conspicuous gallant, courage & devotion to duty, boldly fought back with indomitable courage & firing in self-defence, tactically rallied in face of Criminals, causing one Criminal, trying to fire, to fell down fluttered & injured, who later died and identified as Dreaded Robber, Gangster History-Sheeteer & Armed Absconder Criminal, having Reward of 50,000/- Aabad S/o Lakhmira and illicit fire-arms & ammunition were successfully recovered.

In this operation, S/Shri Rajanish Kumar Upadhyay, Deputy Superintendent of Police, Zarrar Husain, Sub-Inspector, Sunil Singh, Sub-Inspector and Kunal Malik, Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 16/03/2020.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 65-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Amoghavarsha US	Assistant Commandant	GM
2.	Koragokulavishwanathgoud	Head Constable	GM
3.	P. Binu	Head Constable	GM
4.	Sabir Kumar	Constable	GM
5.	Sandeep Singh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 16 November 2023 at approximately 1430 hours, Commandant 18 CRPF received intelligence inputs from unit Int. Cell regarding the presence of terrorists in Village Samnoo, under PS D.H. Pora, District Kulgam, J&K. 34 RR was already underway with an anti-terrorist operation. Swiftly corroborating the information with J&K Police and RR, Commandant 18 CRPF promptly mobilized and deployed troops to the location.

After reacting the vicinity of target house at approximately 1520 hours, the joint forces of 18 CRPF, 34 RR, and JKP laid a cordon surrounding the area. As the cordon was being laid, hidden terrorists opened indiscriminate fire, confirming their presence.

QAT Commander of 18 CRPF, Shri Amoghavarsha US, AC split his team into two groups: one positioned on the Western side, 50 meters from the target house near a Nala and the second team, along with 34 RR, took position in the South-Eastern direction. After tactical positioning, heavy fire of the terrorists was effectively retaliated by troops. In order to make effective counter attack, Shri Amoghavarsha US, AC tactically advanced his team closer to the target house amidst the volley of fire to have clear sight of the targeted house. This positioning was critical for strengthening the cordon around the target house and preventing any potential escape of the terrorists. As the firing continued from both sides till the onset of darkness being a vast area, it was jointly decided to maintain the cordon intact throughout the night and resume the operation at first light.

However, during the intervening night of 16-17 November 2023 at approximately 0215 hours, the situation suddenly escalated when two terrorists were spotted trying to flee from the targeted house. They opened fire indiscriminately at the security forces in a clear attempt to escape. When the fleeing terrorists came in front of troops, team- 01 of QAT-18 CRPF under command Shri Amoghavarsha US, AC comprising HC Koragokulavishwanathgoud, CT Sandeep Singh and CT Sabir Kumar from Western side, effectively engaged one of the terrorists resulting in his neutralization. The second terrorist made a desperate bid for safety, fleeing towards the South-Eastern side, where second part of QAT of 18 CRPF including HC P. Binu was already strategically positioned. The troops showing courage and without caring for their lives, neutralized the fleeing terrorists by effectively firing upon him.

Intermittent firing continued throughout the night. In the morning of 17 November, remaining terrorists started heavy firing, which was effectively retaliated. The exchange of fire continued till 1000 Hrs from both sides. Thereafter, on the cessation of firing from the terrorist's side, a joint search of the target area was carried out at around 1100 Hrs. During thorough search of the target house, bodies of five terrorists were recovered along with their arms and ammunition. They slain terrorists were identified as Yasir Bilal Bhat, Hanzallah Yaqoob Shah, Ubaid Ahmad Padder, Danish Hamid Thoker and Sameer Farooq Sheikh, members of the Lashkar-e-Taiba (LeT) outfit.

This successful operation stands as a testament to the exemplary leadership, indomitable courage, conspicuous bravery and operational skill of the troops involved. Despite extreme hostility, Amoghavarsha US, Assistant Commandant, Koragokulavishwanathgoud, Head Constable, P. Binu, Head Constable, Sabir Kumar, Constable and Sandeep Singh, Constable demonstrated exceptional gallantry in eliminating the threat and securing the area. Their fearless actions under fire, unwavering dedication and professionalism upheld the highest traditions of the force.

In this operation, S/Shri Amoghavarsha US, Assistant Commandant, Koragokulavishwanathgoud, Head Constable, P. Binu, Head Constable, Sabir Kumar, Constable and Sandeep Singh, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 16/11/2023.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 66-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Nigam Prasad	Second-In-Command	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11th June 2022 at around 1820 hrs, a specific input was received from SSP Pulwama about the presence of 03 terrorists in Village Drubgam, PS Rajpora, District Pulwama (J&K). Accordingly, a Cordon and Search Operation (CASO) was planned by Commandant 182/183 CRPF, CO 44 RR, and JKP. A joint team of 182/183 CRPF, 44 RR and JKP, on reaching the target area at about 1830 hrs, cordoned off the suspected houses and sealed all possible escape routes.

Shri Nigam Prasad, Second-In-Command, along with his QAT arrived at the location at 1850 hrs and reinforced the inner cordon. The joint teams positioned themselves strategically around the target house. Shri Nigam Prasad, Second-In-Command, covered the Northern side, while Shri Chandan Kumar, AC, covered the Northwest. QAT/182 CRPF positioned itself to the West, while teams from 44 RR and JKP secured the Eastern and Southern sides. Outer cordon teams managed law and order situations.

The terrorist's position was identified and civilians were safely evacuated from the target house. An appeal for surrender was made but the same was ignored by the terrorists. As the search began, the terrorists inside the house opened indiscriminate fire on the joint troops, which was effectively retaliated.

During the exchange of fire at around 2015 hrs, one terrorist attempted to escape towards an orchard, using the darkness as cover. However, Shri Nigam Prasad, Second-In-Command along with HC Ajay Kumar and CT Heikham Priyonanda Singh of 183 Bn CRPF, displaying exceptional courage, without caring for their personal safety, engaged the fleeing terrorist and neutralized him. Around the same time, an unruly mob gathered and started pelting stones at the security forces in an attempt to disrupt the operation. The situation was effectively controlled by the troops in the outer cordon.

Through the night, intermittent firing continued. At approximately 0445 hrs, the second terrorist attempted to escape towards the North-East side, where troops already positioned, engaged him in a fierce firefight and finally neutralized him.

The third terrorist remained inside, engaging in sporadic gunfire from all sides. Shri Chandan Kumar, AC and his buddy, CT Anil Kumar Chark, tactically moved towards the Northern side of the targeted house and took position near a window. At 0515 hrs, the terrorist approached the window and opened fire. Shri Chandan Kumar, AC and CT Anil Kumar Chark without concern for personal safety, retaliated effectively, thereby neutralizing the terrorist.

As news of the terrorists' deaths spread, mobs again started pelting stones at the security forces, but troops exercised restraint and managed the situation.

After securing the area, a search operation was conducted, the bodies of three terrorists identified as Fasil Nazir Bhat, Irfan Ahmad Malik, and Junaid Qadir Sheergujree along with their Arms and Ammunition were recovered from encounter site.

This operation stands as a testament to the exemplary leadership, conspicuous gallantry and operational skill of the troops involved. Despite extreme hostility, they demonstrated exceptional bravery in eliminating the threat and securing the area. Their fearless actions under fire, unwavering dedication, and professionalism upheld the highest traditions of the CRPF.

In this operation, Shri Nigam Prasad, Second-In-Command of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11/06/2022.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 67-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Joginder Singh	Sub-Inspector	GM
2.	Rajneesh Kumar Mishra	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04 January 2024, based on credible intelligence inputs that 02 -03 terrorists including Bilal Ahmad Bhat (a top LeT commander) were hiding in Village Chotigam, Distt Shopian (J&K), a joint operation was meticulously planned by Commandant 178 CRPF, CO 34 RR and JKP.

As per the plan, Shri Pramendra Narayan DC along with Unit QAT promptly moved to the location. Simultaneously, Shri Teja Ram Choudhary, AC reached the site with joint teams of CRPF, SOG/JKP, and 34 RR.

After securing the area, a strategic cordon covering 10 structures was established. Shri Pramendra Narayan, DC and his buddy Ct Riyajul Haque manned the inner cordon from the South-East with firebase support led by Shri Teja Ram Choudhary, AC; SI Joginder Singh and HC Rajneesh Kumar Mishra.

As per confirmation of the presence of Bilal Ahmad Bhat on the first floor of House No. 89, the inner cordon was tightened. Upon being urged to surrender, the terrorist instead attempted to escape, moving into a cowshed and then to a newly built structure (T/89), thereby remaining concealed until 0340 hrs. At 0345 hrs, he launched an intense attack on troops of QAT-178 CRPF. Despite the heavy fire, QAT responded with precision and resolve.

Later, the terrorist retreated to House No. 89, engaging in indiscriminate firing. The operation was temporarily paused till the first light. In the morning, the terrorist resumed firing from within the house, constantly changing positions. Eventually, he descended to the ground floor and remained unseen until 1030 hrs.

Suddenly, he leapt out from a window, firing in all directions in a desperate attempt to escape. Demonstrating exceptional bravery, Shri Pramendra Narayan, DC and Ct/GD Riyajul Haque immediately engaged him with direct fire. Simultaneously, Shri Teja Ram Choudhary, AC; SI Joginder Singh, and HC Rajneesh Kumar Mishra at the firebase also delivered heavy and accurate fire resulting in the neutralization of the terrorist.

The neutralized terrorist was identified as Bilal Ahmad Bhat, a top LeT commander responsible for multiple heinous crimes including the murder of Army officer Lt. Umer Fayaz (2017), Kashmiri Pandit Sunil Kumar (2022) and others. He was also involved in grenade attacks, killings of civilians, and recruitment of over a dozen local youths into terrorism.

The courage, professionalism and composure displayed by officers and troops of 178 CRPF especially SI Joginder Singh, and HC Rajneesh Kumar Mishra, under extremely hostile conditions were of the highest order. The joint operation not only neutralized a top terrorist but also ensured zero civilian casualties, showcasing tactical excellence and gallantry.

In this operation, S/Shri Joginder Singh, Sub-Inspector and Rajneesh Kumar Mishra, Head Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 04/01/2024.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 68-Pres/2026—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 2nd Bar to GM to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Narender Yadav	Second-In-Command	2nd Bar to GM
2.	Thakur Diwakar Singh	Deputy Commandant	GM
3.	Vinay Kumar	Assistant Commandant	2nd Bar to GM
4.	Bua Ditta	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on intelligence inputs from SOG Srinagar and SP Fast, Valley QAT along with SOG Srinagar were monitoring the movement of Mohammad Bhai @ Mubashir Bhai and Abu Arsalan @ Aadil (both R/o Pakistan and Grading A category LeT Foreign terrorists), who were involved in attack of 02 CRPF personnel of 132 Bn on 04 Apr 22. As per intelligence inputs, on 10 April 2022; SOG Srinagar and Valley QAT zeroed the exact location of terrorists after interrogating the suspected hotel and house owner. Shri Narender Yadav, 2 IC, Shri Thakur Diwakar Singh, DC and Shri Vinay Kumar, AC planned the operation keeping the aspect of broad daylight and cluster of houses available near target house in Bishamber Nagar U/PS Khanyar, Srinagar, J&K in the outskirt of Downtown area of Srinagar.

Shri Narender Yadav, 2 IC briefed and directed all three-teams to approach the target house as per plan. Team 01 in civvies comprising of Shri Narender Yadav, 2 IC, Shri Vinay Kumar, AC and Ct Bua Ditta firstly evacuated the house owner's daughter, wife and one civilian working inside room and approached towards the room on first floor where terrorists were staying. Team 02 led by Shri Thakur Diwakar Singh, DC followed team one, secured the evacuated civilians and laid a strong cordon near target room to block any escape route and support Team 01 with cover fire. Team 03 was tasked to lay cordon around target house for establishing fire bases.

As per plan, Team 01 led by Shri Narender Yadav, 2 IC approached towards room, took position and directed house owner to knock the door. One terrorist opened the door but sensing presence of SFs, he fired and tried to pull the house owner inside the room. Shri Vinay Kumar, AC jumped over the terrorist, fired on him, injured him fatally. Shri Narender Yadav, 2IC and Ct Bua Ditta also fired upon terrorist and dragged the house owner outside the room. In the meantime, Shri Diwakar Singh, DC had already positioned near stairs and started giving cover fire to team 01. Another terrorist inside room also fired and lobbed grenade upon the teams. Sensing the situation, Shri Narender Yadav, 2 IC evacuated the house owner and took him to second floor. Shri Vinay Kumar, AC with Ct Bua Ditta joined the team 02 on ground floor. Cornering the terrorists on the first floor as Shri Narender Yadav, 2 IC took position on second floor while Shri Thakur Diwakar Singh, DC and Shri Vinay Kumar, AC with team took position on ground floor. Team 03 meanwhile had laid cordon around target house and established three firebases in front of terrorist's room. An appeal for surrender was made to terrorists, but in vain.

Then, Shri Narender Yadav, 2 IC directed Shri Thakur Diwakar Singh, DC to lob grenade inside terrorist's room. Accordingly, Shri Thakur Diwakar Singh, DC advanced near target room and lobbed grenade multiple times. Meanwhile, leading from the front, Shri Narender Yadav, 2IC whose team members were injured by terrorist grenades and felt to refill his team ammunition stock, he decided to get a tactical refill of ammunitions and grenades through improvised means developed on site with available items like wire and bucket on the second floor.

Shri Narender Yadav, 2 IC engaged the terrorists from second floor and Shri Thakur Diwakar Singh, DC as well as Shri Vinay Kumar, AC lobbed grenades, terrorists took cover inside bathroom of the room. Even the coordinated fire from firebases did not give desired result. As the encounter was stretching and mob started gathering near the encounter site, there was possibility of law-and-order situation. Then, Shri Narender Yadav, 2 IC decided to carry out room intervention. Although

at this juncture, room intervention was very risky bet with equal chances to suffer loss by team. But Shri Narender Yadav, 2 IC was firm to implement this. A four-man room intervention team consisting of Shri Narender Yadav, 2 IC, Shri Thakur Diwakar Singh, DC, Shri Vinay Kumar, AC and Ct Bua Ditta of Valley QAT was formed to accomplish the task. While approaching towards target room amid the cover fire from fire bases and grenade lobbying, this four-man team was not aware about change of one of the terrorist's positions in opposite room. Suddenly, this terrorist opened fire upon this team in which team have a miraculous escape and immediately gave befitting reply and compelled terrorist to rush inside the room.

Meanwhile, the other terrorist came outside from room fired towards the room intervention party and got shifted in opposite room. Without losing seconds, Shri Narender Yadav, 2 IC decided simultaneous intervention in both rooms. It was decided that Shri Narender Yadav, 2 IC will go in right side room while Shri Vinay Kumar AC will give cover fire in ease of any eventuality. When Shri Narender Yadav, 2 IC tried to enter inside room, the hidden terrorist opened fire and lobbed grenade towards him and he had a miraculous escape. Sensing the situation, with the help of cover fire, Shri Narender Yadav, 2 IC entered inside room and lobbed a grenade inside the bathroom. The impact of grenade in bathroom compelled terrorist to come out and leading to close quarter fierce gunfight and neutralized one terrorist.

On the other side, Shri Thakur Diwakar Singh, DC with Ct Bua Ditta have to approach left side room to neutralize terrorists and Shri Vinay Kumar AC gave cover fire in ease of any eventuality. Amidst firing and grenades, Shri Thakur Diwakar Singh, DC and Ct Bua Ditta entered the room. They tactically took cover and in the covering fire of Ct Bua Ditta, Shri Thakur Diwakar Singh, DC lobbed one grenade inside the bathroom to flush out the terrorist. With the blast impact, the terrorist came outside bathroom and tried to fire upon but Shri Thakur Diwakar Singh, DC and Ct Bua Ditta fired upon terrorist and neutralized him on the spot. Upon confirmation of neutralization of both the foreign terrorists, a thorough search was made by teams of Valley QAT and bodies of both the terrorists were handed over to J8&K Police.

During the post encounter search, the dead bodies of two terrorists were recovered along with 02 Chinese Pistol, 02 Pistol magazines, 02 Grenade and other incriminating material. The slain terrorists were later identified as Mohammad Bhai @ Mubashir Bhai and Abu Arsalan @ Aadil (both R/o Pakistan and category A of LeT outfit).

In this operation, S/Shri Narender Yadav, Second-In-Command, Thakur Diwakar Singh, Deputy Commandant, Vinay Kumar, Assistant Commandant and Bua Ditta, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10/04/2022.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 69-Pres/2026 - The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Karnataka Fire Service:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	K V Manjunatha	Regional Fire Officer	GM
2.	Hemanth Kumar D	Fireman	GM
3.	Mallikarjuna	Fireman	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Fire service received a building collapse message from our control room, immediately Regional Fire Officer K V Manjunatha, Fireman Hemanth Kumar D & Fireman Mallikarjuna rushed to incident place utilizing available equipment rescued 02 labour trapped on the first floor by instructing an excavator operator to position near window, cutting through the iron grill & safely evacuating individuals. Being incident commander, K V Manjunatha, RFO interacted with the adjacent building residence, he come to know that, under constructing Ground + 06 floors building measuring 40X60 feet collapsed & 25 labours are working inside are trapped. Immediately, informed to our control room for summoning SDRF & NDRF to incident place started rescue operation & rescued 04 labours without injuries. Using rescue items like concrete cutter, victim location camera, pneumatic lifting bag, they rescued another 03 labours under the slab. Then NDRF & SDRF reached the incident and were placed along with them, they rescued 05 labours & recovered 09 deceased body of labours. The major challenge was the narrow roads leading to the accident site which made it difficult for the tender and rescue vehicles to reach the spot quickly. The unstable debris & continuous falling of loose concrete slabs created a highly risky environment for rescue teams. Due to the presence of iron grills and collapsed reinforcement bars, it was difficult to access the trapped victims without specialized cutting equipment. Heavy rainfall during the initial hours of the collapsed structure slowed down the movement of

rescue machinery like crane and excavators. Rescue operation completed on Date 25-10-2024 after worked around 69 hours 43 minutes. K V Manjunatha, RFO played a crucial role in leading, managing, controlling & supervising the entire rescue operation during the building collapse. His timely decision, effective resource management & ensured coordination skill among various emergency response teams functioning of rescue efforts under highly challenging condition, reflecting exceptional leadership & commitment public safety and also provided clear direction to avoid confusion & ensure safety. K V Manjunatha, RFO, Fireman Hemanth Kumar D & Fireman Mallikarjuna received widespread appreciation for their swift and courageous action during the building collapse and also used innovative method like utilizing an excavator bucket to reach victims.

Honorable Chief Minister of Karnataka, senior officials & the local public lauded the dedication presence of mind and tireless efforts of this team. Their professionalism and commitment during such a critical situation reflected the true spirit.

In this operation, S/Shri K V Manjunatha, Regional Fire Officer, Hemanth Kumar D, Fireman and Mallikarjuna, Fireman of Karnataka Fire Service displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 22/10/2024.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 70-Pres/2026 - The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Rajasthan Fire Service:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Tara Chand Bhatt	Fireman	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Tara Chand Bhatt was recruited as Fireman in the Department of Autonomous Government, Rajasthan on 04 January 2017. While performing his work with full devotion, honesty and dedication during terrible fire incidents and any other disasters, without caring for their own lives, he worked to evacuate the affected people safely in difficult situations and reduced the loss of life and property.

On 31.03.2025 at around 7.34 pm, information was received at the fire station Beawar that poisonous gas is leaking in Sunil Trading Company located at Balad Road, Sadon ka Badhiya, due to which the local people are having difficulty in breathing. On the instructions of Commissioner Nagar Parisad Beawar, Fireman Tara Chand Bhatt immediately left for the spot with two fire fighting vehicles. The fire team reached the spot under his leadership. About 400 meters away from the spot, he started feeling difficulty in breathing and burning sensation in the eyes. Considering that nitrogen acid gas is very dangerous and poisonous, it was necessary to control the gas leak immediately. As he was the team incharge, it was necessary for him to protect his team by preventing gas leakage. Considering that he had very less breathing apparatus, he instructed everyone to tie a wet cloth over their mouth.

He moved forward while spraying water from the fire fighting vehicles. Due to the large amount of gas leakage, the lights of his fire fighting vehicles became very dim and a dark saffron colour was spreading all around.

Due to gas leakage, the company owner and 02 other people were sent to the government Amritkaur Hospital Beawar in serious conditions. Along with this, about 50 local people were also sent to the hospital.

By continuously pouting water on the leaking gas tanker, the effect of the gas started reducing but due to the continuous leakage of gas, it was becoming difficult to control the situation.

About 500 houses around the site of the incident were evacuated and people were sent to safer places. To reduce the effect of the gas, he climbed on top of the tanker and started filling water inside the tanker so that the gas started diluting in the water and its effect started reducing.

Risking his life and keeping himself safe, he immediately stopped the gas leakage, thus saving the local people and administration from the potential danger. Two people lost their lives in this incident.

In this operation, Shri Tara Chand Bhatt, Fireman, Rajasthan Fire Service displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 31/03/2025.

S M SAMI
Deputy Secretary

No. 71-Pres/2026—The President of India is pleased to award the President's Medal for Distinguished Service (PSM) on the occasion of the Republic Day, 2026 to the under mentioned Personnel of States/UTs/CAPFs/CPOs & Other Concerned Organizations for Police, Fire, Correctional and Home Guard & Civil Defence Services:—

POLICE SERVICE

1. SHRI RAVI MANOHARA KARAMCHETI TIRUMALA CHARY, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, ANDHRA PRADESH
2. SHRI PREM NORBU KHRIMEY, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, ARUNACHAL PRADESH
3. SHRI IMDADUL HUSSAIN BORA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, ASSAM
4. SHRI UMESH LAL RAJAK, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BIHAR
5. SHRI NAVARTAN KUMAR, SUB INSPECTOR, BIHAR
6. SHRI RAMAWATAR SINGH RAJPUT, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CHHATTISGARH
7. SHRI GAINENDER SINGH RANA, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
8. MS. NAVAL KUMARI, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
9. SMT. NIPUNA MILIND TORAWANE, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, GUJARAT
10. SHRI SHAILESHSINH SHYAMBALISINH RAGHUVANSHI, SUPERINTENDENT OF POLICE, GUJARAT
11. SHRI RAJESH DUGGAL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, HARYANA
12. SHRI SUDHIR KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, JHARKHAND
13. SHRI DEVAJYOTI RAY, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, KARNATAKA
14. SHRI RANGAPPA THIMMAPPA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, KARNATAKA
15. SHRI SHANAWAZ ABDUL SHAHAB, SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
16. SHRI SANTOSH KUMAR SINGH, COMMISSIONER OF POLICE, MADHYA PRADESH
17. SHRI MITHELESH KUMAR SHUKLA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MADHYA PRADESH
18. SHRI AWADHESH KUMAR GOSWAMI, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE, MADHYA PRADESH
19. SHRI SHIV KUMAR PATEL, INSPECTOR, MADHYA PRADESH
20. SHRI MAHESH UDAJI PATIL, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
21. SHRI BALKRISHNA MOTIRAM YADAV, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
22. SHRI CYRUS BOMAN IRANI, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
23. SHRI VITTHAL KHANDUJI KUBADE, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
24. SHRI SHASHIKUMAR SINGH KHURAIJAM, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MANIPUR
25. SMT. JUBI GABIL MOMIN, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MEGHALAYA
26. SMT. LALMUANTHANGI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MIZORAM
27. SHRI BEN LONGKUMER, COMMANDANT, NAGALAND
28. SHRI PRATEEK MOHANTY, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, ODISHA
29. SHRI PRAFULLA KUMAR SINGH, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, ODISHA
30. SMT. VIBHU RAJ, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, PUNJAB
31. SHRI LAKSHMEE KANT YADAV, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE-CUM-DIRECTOR, PUNJAB
32. SHRI ARUN PAL SINGH, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, PUNJAB
33. SHRI SHANTANU KUMAR SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJASTHAN
34. SHRI ASHWANI KUMAR CHAND, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, SIKKIM

35. SMT. C MAGESHWARI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE/ ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE, TAMIL NADU
36. SHRI A KUMARAVELU, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
37. SHRI S ANWAR BASHA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
38. SHRI M G S PRAKASH RAO, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, TELANGANA
39. SHRI ANNU DAMODAR REDDY, SUB INSPECTOR OF POLICE, TELANGANA
40. SHRI SHIB CHARAN DEBBARMA, HAVILDER, TRIPURA
41. SHRI TEJ SINGH YADAV, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
42. SHRI MAHENDRA PRATAP SINGH, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
43. SHRI PIYUSH KUMAR, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
44. SHRI HARENDRA SINGH YADAV, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
45. SHRI YOGENDRA SINGH RAWAT, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, UTTARAKHAND
46. SHRI DEBABRATA SARKAR, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE-II, WEST BENGAL
47. SHRI RAM KUMAR MONDAL, SDPO, WEST BENGAL
48. SHRI KODANDA RAM CHINTA, SUPERINTENDENT OF POLICE, PUDUCHERRY
49. DR. MOHD HASEEB MUGHAL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, JAMMU & KASHMIR
50. SMT. NISHA NATHYAL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, JAMMU & KASHMIR
51. SHRI PADAM PRASAD UPADHYAY, COMMANDANT, ASSAM RIFLES
52. SHRI ALOK KUMAR SINGH, INSPECTOR GENERAL, BSF
53. SHRI SANJAY GAUR, INSPECTOR GENERAL, BSF
54. SHRI BHUPENDER SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BSF
55. SHRI SHIV ADHAR SHRIVASTAVA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BSF
56. SHRI DIWAN SINGH BISHT, ASSISTANT COMMANDANT, BSF
57. SHRI S R SARAVANAN, INSPECTOR GENERAL, CISF
58. SHRI NAVAJYOTI GOGOI, INSPECTOR GENERAL, CISF
59. SMT. PRATIBHA AGARWAL, INSPECTOR GENERAL, CISF
60. SMT. SONAL V MISRA, INSPECTOR GENERAL, CRPF
61. DR. SUSHMA SHARMA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (MEDICAL), CRPF
62. SHRI PRASHANT R JAMBHOLKAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CRPF
63. SHRI SUNIT KUMAR RAI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CRPF
64. SHRI BINOD TOPPO, COMMANDANT, CRPF
65. SHRI OM PRAKASH YADAV, INSPECTOR GENERAL, ITBP
66. SHRI SANJEEV KUMAR SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, ITBP
67. SHRI GIREESH CHANDRA PATNI, ASSISTANT COMMANDANT, ITBP
68. SHRI DHIRENDRA SINGH NEGI, GROUP COMMANDER, NSG
69. SHRI GANESH KUMAR, INSPECTOR GENERAL, SSB
70. SHRI SUDHIR VERMA, INSPECTOR GENERAL, SSB
71. SHRI K V SREEJESH, JOINT DIRECTOR, MHA
72. MS. INDIRA BALACHANDRAN RANI, JOINT DIRECTOR, MHA
73. SHRI TARUN KUMAR, JOINT DIRECTOR, MHA
74. SHRI SUMAN CHATTERJEE, JOINT DEPUTY DIRECTOR/EXECUTIVE, MHA
75. SHRI RAMESHWAR YADAV, ASSISTANT DIRECTOR/ EXECUTIVE, MHA
76. SHRI SHAJI CHERIAN, ASSISTANT DIRECTOR/ EXECUTIVE, MHA

77. SHRI CHINNASWAMY RANGASWAMY, SECTION OFFICER, MHA
78. SHRI VIJAY KUMAR, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/ EXECUTIVE, MHA
79. SHRI RAGHUBANSH SINGH, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/ EXECUTIVE, MHA
80. SHRI CHANDRASEKAR VENUPILLAI, JOINT DIRECTOR, CBI
81. SHRI MUKESH SHARMA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
82. SHRI AMIT SRIVASTAVA, SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
83. SHRI CHAMAN LAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CBI
84. SHRI RAMU GOLLA, HEAD CONSTABLE, CBI
85. SHRI PRAMOD KUMAR YATI, SUB INSPECTOR OF POLICE, CBI
86. MS. CHHAYA SHARMA, DIRECTOR/IG, BPR&D
87. SHRI ANURAG AGARWAL, JOINT SECRETARY, M/O PARLIAMENTARY AFFAIRS
88. SHRI SANJAY MATHUR, JOINT DIRECTOR, NCRB
89. MS. AROMA SINGH THAKUR, IG-CUM-PCSC, RPF
FIRE SERVICE
90. SHRI RAJENDRANATH M, STATION OFFICER, KERALA
91. SHRI ARJUNA BEHERA, LEADING FIRE FIGHTER, ODISHA
92. SHRI SANJAI KUMAR RAI, GENERAL MANAGER, M/O PETROLEUM AND NATURAL GAS
93. SHRI AJIT KUMAR SINGH, GENERAL MANAGER, M/O PETROLEUM AND NATURAL GAS
94. SHRI MAHENDRA KUMAR SHARMA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
HOME GUARD & CIVIL DEFENCE
95. SHRI SAMIRAN DEY PURKAYASTHA, PLATOON COMMANDER, ASSAM
96. SHRI R PRADEEPKUMAR, SENIOR PLATOON COMMANDER, KARNATAKA
97. SHRI RAMESH CHANDRA MOHANTY, HOME GUARD PLATOON COMMANDER, ODISHA
CORRECTIONAL SERVICE
98. SHRI VIJAY BABAJI PARAB, SUBHEDAR, MAHARASHTRA
99. SHRI RAJU VITTHALRAO HATE, HAVILDAR, MAHARASHTRA
100. SHRI SADASIVA PRADHAN, WARDER, ODISHA
101. SHRI T SETHURAMAN, CHIEF HEAD WARDER, TAMIL NADU

2. The President's Medal for Distinguished Service (PSM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 86-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023.

S M SAMI
Deputy Secretary

No.72-Pres/2026—The President of India is pleased to award the Medal for Meritorious Service (MSM) on the occasion of the Republic Day, 2026 to the under mentioned Personnel of States/UTs/CAPFs/CPOs & Other Concerned Organizations for Police, Fire, Correctional and Home Guard & Civil Defence Services:—

POLICE SERVICE

1. SHRI VIKRAMA RAO KAMAVARAPU, SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
2. SHRI KRISHNA MOHAN SINGALA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, ANDHRA PRADESH
3. SHRI NARASIMHA RAO KUNDETI, INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
4. SHRI SIVA REDDY RAYAPU, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ANDHRA PRADESH

5. SHRI SRINIVASA REDDY CHINNAAVULA, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
6. SHRI RANGAIAH GALLA, HEAD CONSTABLE, ANDHRA PRADESH
7. SHRI JAYARAM KATARI, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, ANDHRA PRADESH
8. SHRI GANGADHARA RAO MADASU, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
9. SHRI KALIDEVI NARASIMHULU, HEAD CONSTABLE, ANDHRA PRADESH
10. SHRI VENKATAKRISHNA MUNESWARA RAO EATHA, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, ANDHRA PRADESH
11. SHRI ABRAHAM ANNALADASU, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
12. SHRI RAMA KRISHNA KOPPISETTI, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
13. SHRI VENKATA SESA NAGA MALLIKARJUNA RAO POLAVARAPU, ASSISTANT COMMANDANT, ANDHRA PRADESH
14. SHRI SHAIK SHAFI ULLA, SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
15. SHRI RAMA RAO KARAJADA, ASSISTANT COMMANDANT, ANDHRA PRADESH
16. SHRI KRISHNENDU DEV, POLICE INSPECTOR, ARUNACHAL PRADESH
17. SHRI DUTO BAGRA, POLICE INSPECTOR, ARUNACHAL PRADESH
18. SHRI PRANAB JYOTI GOSWAMI, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL OF POLICE, ASSAM
19. DR. SADIQUE ALI AHMED, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, ASSAM
20. SHRI RIPUL DAS, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, ASSAM
21. SHRI NABANEET MAHANTA, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, ASSAM
22. SHRI SAURAV JYOTI SAIKIA, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, ASSAM
23. SHRI ANIL MORAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ASSAM
24. SHRI HEMADHAR BORAH, LNK, ASSAM
25. SHRI DIGANTA KUMAR NATH, LNK, ASSAM
26. SHRI JAGADISH KALITA, INSPECTOR, ASSAM
27. SHRI PARIKSHIT UZIR, SUB INSPECTOR, ASSAM
28. SHRI SURESH BORO, LNK, ASSAM
29. SHRI HOBIBUR RAHMAN, LNK, ASSAM
30. SHRI PRASAD TALUKDAR, LNK, ASSAM
31. SHRI PABIN CHANDRA DAS, SUB INSPECTOR, ASSAM
32. SHRI DALJEET SINGH, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, BIHAR
33. SHRI RAJEEV RANJAN-2, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL OF POLICE, BIHAR
34. SHRI AJAI KUMAR PANDEY, COMMANDANT, BIHAR
35. SHRI SHAILESH MISHRA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BIHAR
36. SHRI SANJAY KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE, BIHAR
37. MD AINUL HAQUE, SUB INSPECTOR, BIHAR
38. SHRI NAGENDRA PANDEY, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BIHAR
39. SHRI SUKRA URAON, HEAD CONSTABLE, BIHAR
40. SHRI DHARMENDRA KUMAR, HEAD CONSTABLE, BIHAR
41. SHRI MANOJ KUMAR SINGH, CONSTABLE, BIHAR

42. SHRI RISHIKESH KUMAR, SUB INSPECTOR, BIHAR
43. SHRI MANOJ KUMAR, SUB INSPECTOR, BIHAR
44. SHRI JAVAHAR LAL MANDAL, HEAD CONSTABLE, BIHAR
45. SHRI UMESH KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE, BIHAR
46. SHRI OM PRAKASH, HEAD CONSTABLE, BIHAR
47. SHRI MD RAFI, HEAD CONSTABLE, BIHAR
48. SHRI NIKKU KUMAR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BIHAR
49. SHRI RAM GOPAL, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CHHATTISGARH
50. SHRI SHASHI MOHAN SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE, CHHATTISGARH
51. SMT. SHWETA SHRIVASTAVA SINHA, SUPERINTENDENT OF POLICE, CHHATTISGARH
52. SMT. RAJSHREE MISHRA, SUPERINTENDENT OF POLICE, CHHATTISGARH
53. SMT. NIVEDITA PAUL, COMMANDANT, CHHATTISGARH
54. SMT. MANISHA THAKUR RAWATE, COMMANDANT, CHHATTISGARH
55. SHRI TARKESHWAR PATEL, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CHHATTISGARH
56. MS. UNAIZA KHATOON ANSARI, ADDITIONAL SUPERINTEDENT OF POLICE, CHHATTISGARH
57. SHRI JAILAL MARKAM, ASSISTANT COMMANDANT, CHHATTISGARH
58. SHRI HAJARI LAL SAHU, PLATOON COMMANDER, CHHATTISGARH
59. SHRI MILIND MAHADEO DUMBERE, JOINT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
60. MS. NISHA DIXIT, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
61. MS. KALA JOSHI, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
62. SHRI KULDEEP SINGH, INSPECTOR, NCT OF DELHI
63. SHRI RAKESH KUMAR VERMA, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
64. SHRI RAM PAL BIDHURI, INSPECTOR, NCT OF DELHI
65. SHRI SURESH KUMAR, INSPECTOR, NCT OF DELHI
66. SHRI KRISHAN KUMAR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
67. MS. VIMAL CHADHA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
68. SHRI LAKHAN LAL MEENA, INSPECTOR, NCT OF DELHI
69. SHRI SATISH KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
70. SHRI VIKRAM SINGH, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
71. SHRI RAJBIR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
72. SHRI KRISHNA KUMAR G, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
73. SHRI RAJESH KUMAR YADAV, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
74. SHRI CHANDERJEET YADAV, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
75. MS. KHILONI DEVI, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
76. SHRI GAUTAM ARUNKUMAR SALUNKE, POLICE INSPECTOR, GOA
77. SHRI PRAVINSINH LAXMANSINH MAL, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, GUJARAT
78. SHRI ASHWIN GANGARAM CHAUHAN, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, GUJARAT
79. SHRI MAYUR JAGMALBHAI CHAVDA, SUPERINTENDENT OF POLICE, GUJARAT
80. SHRI DHARMENDRA HARJIBHAI DESAI, SUPERINTENDENT OF POLICE, GUJARAT

81. SHRI GHANSHYAMSINH ANOPSINH SARVAIYA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, GUJARAT
82. SHRI VASANT SOMSINH PARMAR, UNARMED POLICE SUB INSPECTOR, GUJARAT
83. SHRI SANJAY MURALIDHAR PATIL, UNARMED POLICE SUB INSPECTOR, GUJARAT
84. SHRI SHANABHAI MORARBHAI PARMAR, ARMED HEAD CONSTABLE, GUJARAT
85. SHRI SUNIL GORAKHBHAI DESHLE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, GUJARAT
86. SHRI GIRISHBHAI CHHAGANBHAI DESAI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, GUJARAT
87. SHRI KRIPALSINH JILUBHA RANA, POLICE WIRELESS SUB INSPECTOR, GUJARAT
88. SHRI LALSINH RAMSINH VIHOL, ASSISTANT INTELLIGENCE OFFICER, GUJARAT
89. SHRI VISHNUBHAI BHARATBHAI DESAI, ASSISTANT INTELLIGENCE OFFICER, GUJARAT
90. SHRI ARVINDBHAI BHOPINBHAI TADAVI, ASSISTANT INTELLIGENCE OFFICER, GUJARAT
91. SHRI SIMARDEEP SINGH, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, HARYANA
92. SHRI SUNIL KUMAR, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, HARYANA
93. SHRI SUKHBIR SINGH, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, HARYANA
94. SHRI KANWAR PAL, INSPECTOR, HARYANA
95. SHRI NARESH KUMAR, ORP/INSPECTOR, HARYANA
96. SHRI SURENDER SINGH, SUB INSPECTOR, HARYANA
97. SHRI YOGESH KUMAR, SUB INSPECTOR, HARYANA
98. SHRI PRADEEP CHAUHAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, HARYANA
99. SHRI GUGAN RAM, INSPECTOR, HARYANA
100. SHRI RAJEEV, INSPECTOR, HARYANA
101. SMT. REKHA RANI, SUB INSPECTOR, HARYANA
102. SHRI GAURAV SHARMA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, HARYANA
103. SHRI ANOOP BIRTHARAY, INSPECTOR GENERAL, JHARKHAND
104. SHRI PATEL MAYUR KANAIALAL, INSPECTOR GENERAL (PROVISION), JHARKHAND
105. SHRI SANJAY KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, JHARKHAND
106. SHRI KRISHNA KUMAR KSHETRI, HAVILDAR, JHARKHAND
107. SHRI ARUN KUMAR OJHA, HAVILDAR, JHARKHAND
108. SHRI MARKUS SUNWAR, HAVILDAR, JHARKHAND
109. SHRI JAIDEV PRADHAN, CONSTABLE, JHARKHAND
110. SMT. JENET MARGRET LAKRA, CONSTABLE, JHARKHAND
111. SMT. KUMUDINI KUJUR, CONSTABLE, JHARKHAND
112. SHRI SUPHAL OREA, DRIVER CONSTABLE, JHARKHAND
113. MD WASHIM AKHTAR, CONSTABLE, JHARKHAND
114. SHRI AMIT SINGH, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, KARNATAKA
115. DR. CHETAN SINGH RATHOR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, KARNATAKA
116. SMT. SEEMA LATKAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, KARNATAKA
117. SMT. SAVITA SRINIVAS, SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
118. SHRI PUTTAMADAIAH M, SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
119. SHRI NAGAPPA NAVEEN KUMAR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA

120. SHRI RAJA IMAM KASIM PINJAR, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, KARNATAKA
121. SHRI HANUMANTHARAYA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
122. SHRI CHAMBANIL ABRAHAM SIMON, SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
123. SHRI MOHAMMAD M A, POLICE INSPECTOR, KARNATAKA
124. SHRI SHIVASWAMY CHOWDENAHALLI BASAVARAJU, POLICE INSPECTOR, KARNATAKA
125. SHRI MAHAMADRAFIK MALIKSAB TAHASILDAR, POLICE INSPECTOR, KARNATAKA
126. SHRI SHRISHAIL KENCHAPPA BYAKOD, CIRCLE POLICE INSPECTOR, KARNATAKA
127. SHRI KASHINATH B, SPL. RESERVE SUB INSPECTOR, KARNATAKA
128. SMT. VIOLET FEMINA, POLICE SUB INSPECTOR, KARNATAKA
129. SMT. SHAKUNTHALA H K, POLICE SUB INSPECTOR, KARNATAKA
130. SHRI HUCHAPPA DODDAERAPPA, SPL. RHC, KARNATAKA
131. SHRI HARSHA NAGARAJA, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, KARNATAKA
132. SHRI BASAVARAJ MYAGERI, CIVIL HEAD CONSTABLE, KARNATAKA
133. SHRI SIDDARAJU G, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, KARNATAKA
134. SHRI A P CHANDRAN, ASSISTANT SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
135. SHRI SANTHOSH KUMAR T, SUB INSPECTOR, KERALA
136. SHRI K E PREMACHANDRAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
137. SHRI ASHRAF THENGALAKKANDIYIL, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, KERALA
138. SHRI UNNIKRISHNAN VELUTHEDAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
139. SHRI ANILKUMAR T, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
140. SHRI JOSE MATHAI MUKALUVILAYIL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
141. SHRI MANOJ VATAKKE VEETIL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
142. SHRI PREMANANDA KRISHNAN C, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, KERALA
143. SHRI PRAMOD DAS PARAVANA VAYALIL, SUB INSPECTOR, KERALA
144. SMT. KRISHNAVENI DESAVATU, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MADHYA PRADESH
145. SHRI MANOJ KUMAR RAI, SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
146. SHRI GITESH KUMAR GARG, ZONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
147. SHRI DURGESH KUMAR RATHORE, SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
148. SHRI PRAVEEN SINGH, INSPECTOR (M), MADHYA PRADESH
149. SHRI RAJENDRA PRASAD GUPTA, INSPECTOR (M), MADHYA PRADESH
150. SMT. NIDHI SHRIVASTAVA, INSPECTOR, MADHYA PRADESH
151. SHRI SANJAY SINGH THAKUR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
152. SMT. SHAFFALI TAKALKAR, INSPECTOR, MADHYA PRADESH
153. SHRI SHRIRAM MISHRA, HEAD CONSTABLE, MADHYA PRADESH
154. SHRI SUSHIL KUMAR CHOUBEY, CONSTABLE, MADHYA PRADESH
155. SHRI PREM KISHORE VYAS, SUB INSPECTOR, MADHYA PRADESH
156. SHRI UMRAO PRASAD JATAV, SUB INSPECTOR, MADHYA PRADESH
157. SHRI MAHENDRA SINGH NEGI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MADHYA PRADESH
158. SHRI SANTOSH MEHRA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MADHYA PRADESH
159. SHRI RAVINDRA MISHRA, HEAD CONSTABLE, MADHYA PRADESH

160. SHRI RAJU GURANE, REPORTER/INSPECTOR, MADHYA PRADESH
161. SHRI RAJIV VIRENDRA KUMAR JAIN, SPECIAL INSPECTOR GENERAL, MAHARASHTRA
162. SHRI SUDHIR KALLAYA HIREMATH, SPECIAL INSPECTOR GENERAL, MAHARASHTRA
163. SMT. SHEELA DINKAR SAIL, SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
164. SHRI MOHAN MURALIDHAR DAHIKAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
165. SHRI PURUSHOTAM NARAYAN KARAD, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
166. SMT. KIRAN JITENDRASINGH PATIL, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
167. SMT. NEELAM PRASHANT WAVAL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
168. SHRI AVINASH SHANKARRAO SHILIMKAR, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
169. SHRI GAJANAN RAMRAO SHELKE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
170. SHRI MAHESH RAMESH TAWDE, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
171. SHRI VIJAY MAROTIRAO MAHULKAR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
172. SHRI SAMEER NARAYAN SALUNKE, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
173. SHRI PARAG BAPURAO POTEY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
174. SHRI DAYANAND SADASHIV GAWADE, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
175. SMT. PUSHPALATA RAJARAM DIGHE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
176. SHRI SUNIL SHANKAR SHINDE, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
177. SMT. SUVARNA UMESH SHINDE, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
178. SHRI ANANT DYNANESHWAR MALI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
179. SHRI MAHENDRA DATTATRAY KORE, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
180. SHRI KAILAS RAMAJI BARABHAI, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
181. SHRI VIJAY GOPAL MOHITE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
182. SHRI BHARAT RAOSAHEB SAWANT, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
183. SHRI NARENDRA SAKHARAM RAUT, ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
184. SHRI SATISH JANARDAN NIMBALKAR, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
185. SHRI AFZAL KHAN SHAHAJADE KHAN PATHAN, ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
186. SHRI PRADIP SAHEBRAO SAWANT, ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
187. SHRI SUBHASH SUNANDA WAMAN SALVI, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
188. SHRI PRAMOD ROHIDAS WAGHMARE, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
189. SHRI VIJAYKUMAR SHANKAR SHINDE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
190. SHRI VIKRAM VYNKATRAO NAWARKHEDE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
191. SHRI VIJAY PRABHAKAR DEORE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
192. SHRI MANOJ YASHWANT GUJAR, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
193. SHRI AJAY MANOHAR SAWANT, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
194. SHRI GANGADHAR RAMCHANDRA GHUMARE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
195. SHRI SANJAY EKNATH SHELAR, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
196. SHRI MAHADEO MADHUKAR KHANDARE, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
197. SHRI RAJKUMAR CHANVIRAPPA TOLANURE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA

198. SHRI BABASAHEB NATHA DHAKANE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
199. SHRI SHIVDAS DATTATRAY PHUTANE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
200. SHRI SURESH SAHEBRAO SONAWANE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
201. SHRI MANBINDHU SINGH RAJKUMAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, MANIPUR
202. DR. SARANGTHEM IBOMCHA SINGH, COMMANDANT, MANIPUR
203. SHRI KSHETRIMAYUM PRASANTA KUMAR SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, MANIPUR
204. SHRI NEHKHOLAL GANGTE, HAVILDAR, MANIPUR
205. SHRI PREMCHAND SINGH CHUNGKHAM, RIFLEMAN, MANIPUR
206. SHRI BIJEN SINGH PUKHRAMBAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MANIPUR
207. SHRI KAMLENSANG, RIFLEMAN, MANIPUR
208. SHRI BASHANBORLANG J LALOO, COMMANDANT, MEGHALAYA
209. SHRI BABU CHOW SINHA, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, MEGHALAYA
210. SHRI SEJU P KURUVILLA, IGP, MIZORAM
211. SHRI LALRUATSANGA TOCHHAWNG, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, MIZORAM
212. SHRI MC LALHMINGTHANGA, INSPECTOR OF POLICE, MIZORAM
213. SHRI LANUCHUBA LONGCHAR, ASSISTANT COMMANDANT, NAGALAND
214. SHRI MEPU KONYAK, INSPECTOR, NAGALAND
215. SHRI I AKAHO SUMI, HAVILDAR, NAGALAND
216. DR. SARTHAK SARANGI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, ODISHA
217. SHRI SHRIPRASAD TAMANG, COMMANDANT, ODISHA
218. SHRI SUBHANARAYAN MUDULI, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, ODISHA
219. SHRI PRADEEP KUMAR AIND, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ODISHA
220. SMT. PRANITA KUMARI RAY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ODISHA
221. SHRI ASHOK KUMAR MOHANTY, COMMANDANT, ODISHA
222. SHRI ARUN KUMAR NAYAK, INSPECTOR OF POLICE, ODISHA
223. SHRI MOHAMMAD HAFIZ, INSPECTOR OF POLICE, ODISHA
224. SMT. LATA NAIK, HAVILDAR, ODISHA
225. SHRI NIGAMANANDA MOHAPATRA, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ODISHA
226. SHRI LAXMI NARAYAN MUDULI, INSPECTOR OF POLICE, ODISHA
227. SHRI JASDEV SINGH SIDHU, SUPERINTENDENT OF POLICE, PUNJAB
228. SHRI RAJAN PARMINDER SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PUNJAB
229. SHRI HARINDERDEEP SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PUNJAB
230. SHRI NAVDEEP SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PUNJAB
231. SHRI TALWINDER SINGH, INSPECTOR, PUNJAB
232. SHRI RANDEEP SINGH MANN, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL OF POLICE, PUNJAB
233. SHRI HARISH KUMAR, INSPECTOR, PUNJAB
234. SHRI PRITPAL SINGH, INSPECTOR, PUNJAB
235. SHRI RAJINDER KUMAR, INSPECTOR, PUNJAB
236. SHRI BHUPINDER SINGH, SUB INSPECTOR, PUNJAB
237. SMT. DHARAMJIT KAUR, SUB INSPECTOR, PUNJAB

238. SMT. MANJIT KAUR, INSPECTOR, PUNJAB
239. SMT. SWARANJIT KAUR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PUNJAB
240. SMT. SAPINDER KAUR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PUNJAB
241. SHRI SUKHJIT SINGH, INSPECTOR, PUNJAB
242. SHRI DEEPAK KUMAR, INSPECTOR GENERAL, RAJASTHAN
243. SMT. PARAM JYOTI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, RAJASTHAN
244. SHRI REWANT DAN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJASTHAN
245. SHRI DHANPAT RAJ, ASSISTANT DIRECTOR, RAJASTHAN
246. SHRI MAHAVIR SINGH SHEKHAWAT, CIRCLE OFFICER, RAJASTHAN
247. SHRI NEEL KAMAL, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJASTHAN
248. SHRI SURENDRA YADAV, POLICE INSPECTOR, RAJASTHAN
249. SHRI RAJENDRA SINGH, HEAD CONSTABLE, RAJASTHAN
250. SHRI HARI SHANKER, POLICE SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
251. SHRI UMESH PAREEK, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
252. SMT. SNEHLATA JAT, POLICE INSPECTOR, RAJASTHAN
253. SHRI BABU LAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
254. SHRI SATYAVEER, HEAD CONSTABLE, RAJASTHAN
255. SHRI LAXMINARAYAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
256. SHRI MAHENDRA SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
257. SHRI KRISHANVIR SINGH, POLICE SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
258. SHRI TSHERING SHERPA, SUPERINTENDENT OF POLICE, SIKKIM
259. SHRI ANIL KUMAR GIRI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE / COMMISSIONER OF POLICE, TAMIL NADU
260. SHRI A SARAVANA SUNDAR, INSPECTOR GENRAL OF POLICE / COMMISSIONER OF POLICE, TAMIL NADU
261. SHRI G MANIKANDAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
262. SHRI G MANIVANNAN, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, TAMIL NADU
263. SHRI J DEVARAJAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
264. SHRI N MANIVARNAN, COMMANDANT, TAMIL NADU
265. SHRI P K JOHN, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, TAMIL NADU
266. SHRI S AMULDOSS, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, TAMIL NADU
267. SHRI B BASIL SRINIVASAN, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
268. SHRI S VIJAY, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
269. SHRI K KRISHNAMOORTHY, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
270. SMT. N JANAKI, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
271. SMT. S KALEESHWARI, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
272. SHRI T ELAKKUMANAN, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
273. SHRI N RAGHUNATHAN, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
274. SHRI R MOHAN, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
275. SMT. T PANDI MUTHULAKSHMI, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
276. SHRI S SENTHILKUMAR, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU

277. SMT. V ANANDHI, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
278. SMT. P CHANDRA, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
279. SHRI G MURUGAN, SUB INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
280. SMT. BADUGULA SUMATHI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, TELANGANA
281. SHRI PAGUNTA VENKAT RAMULU, COMMANDANT, TELANGANA
282. SHRI MOGHILICHERLA SHANKAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TELANGANA
283. SHRI ATTLURI BHANU MURTHY, ADDITIONAL COMMANDANT, TELANGANA
284. SHRI K V M PRASAD, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TELANGANA
285. SHRI C VAMSI MOHAN REDDY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TELANGANA
286. SMT. THUMMALA LAXMI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TELANGANA
287. SHRI BURRA YELLAIAH, SUB INSPECTOR OF POLICE, TELANGANA
288. SHRI V PURSHOTHAM REDDY, RESERVE INSPECTOR OF POLICE, TELANGANA
289. SHRI SYED ABDUL KAREEM, SUB INSPECTOR OF POLICE, TELANGANA
290. SHRI BODDU ANANDAM, ASI, TELANGANA
291. SHRI PAILI MANOHAR, HEAD CONSTABLE, TELANGANA
292. SHRI DEBA PRASAD ROY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TRIPURA
293. SHRI PRADIP CH DAS, SUBEDAR, TRIPURA
294. SHRI BIPUL DEB, HAVILDER, TRIPURA
295. SHRI JIBAN DEBNATH, CONSTABLE, TRIPURA
296. SHRI AMAL DATTA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, TRIPURA
297. SHRI DHRUBAJYOTI HALDER, ASSISTANT SUB INSPECTOR, TRIPURA
298. SHRI AKASH KULHARI, INSPECTOR GENERAL, UTTAR PRADESH
299. SHRI AMIT PATHAK, INSPECTOR GENERAL, UTTAR PRADESH
300. SHRI GHANSHYAM, SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
301. SHRI NEERAJ KUMAR PANDEY, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, UTTAR PRADESH
302. SHRI DEEPENDRA NATH CHAUDHARY, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, UTTAR PRADESH
303. SHRI RAJESH KUMAR SRIVASTAV, SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
304. SHRI ATUL KUMAR SRIVASTAVA, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, UTTAR PRADESH
305. SMT. NIHARIKA SHARMA, COMMANDANT, UTTAR PRADESH
306. DR. PRAVIN RANJAN SINGH, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, UTTAR PRADESH
307. SHRI SANJEEV KUMAR BAJPAI, COMMANDANT, UTTAR PRADESH
308. SHRI ROHIT MISHRA, SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
309. SHRI PREM CHAND, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
310. SHRI SARVESH KUMAR MISHRA, COMMANDANT, UTTAR PRADESH
311. SHRI SATYAPAL SINGH, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
312. SHRI RAHUL MITHAS, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
313. SHRI RAJ KUMAR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
314. SHRI ALOK KUMAR SHARMA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
315. SHRI PANNA LAL, RADIO INSPECTOR, UTTAR PRADESH
316. SHRI SAIFUDDIN BEG, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH

317. SHRI ANJANEE KUMAR RAI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
318. SHRI PRADEEP SINGH CHANDEL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
319. SHRI JAGDISH KALIRAMAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
320. SHRI ABHAY PRATAP MALL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
321. SHRI HAKIMUDDIN, QUARTER MASTER, UTTAR PRADESH
322. SHRI JAY PRAKASH SHARMA, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
323. SHRI SACHIDA NAND TIWARI, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
324. SHRI SHIV LAL, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
325. SHRI SUNIL KUMAR SINGH, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
326. SHRI SURESH SINGH, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
327. SHRI SUHAIL AHMAD, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
328. SHRI KAPTAN SINGH BHADAURIYA, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
329. SHRI MOHAMMAD AZAZ AKHTAR, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
330. SHRI YOGENDRA KUMAR SHARMA, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
331. SHRI DEVENDRA SINGH DHAMA, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
332. SHRI KESHAV DATT SHARMA, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
333. SHRI SUBHASH VAVU, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
334. SHRI DEEN DAYAL TIWARI, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
335. SHRI MAHENDRA PRAKASH SHARMA, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
336. SHRI NARAYAN KANT SAROJ, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
337. SHRI NARENDRA KUMAR DUBEY, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
338. SHRI YOGENDRA KUMAR SINGH, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
339. SHRI ASHOK KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
340. SHRI AWADH BIHARI NIRANJAN, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
341. SHRI CHANDVEER SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
342. SHRI HAKIM SINGH YADAV, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
343. SHRI RAJENDRA PRASAD MISHRA, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
344. SHRI SAHDEO PRASAD, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
345. SHRI RAM SARAN SINGH YADAV, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
346. SHRI MANI SHANKAR TIWARI, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
347. SHRI MAHESH PAL SINGH, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
348. SHRI ASHOK KUMAR KAMBOJ, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
349. SHRI SHAMSHER YADAV, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
350. SMT. GEETA AHIRWAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
351. SHRI RAMAKANT PACHAURI, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
352. SHRI YUGUL KISHORE CHAND, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
353. SHRI RAJESH KUMAR SINGH, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
354. SHRI YOGENDRA KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
355. SHRI MAHMOOD ALI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
356. SHRI OM PRAKASH YADAV, INSPECTOR, UTTAR PRADESH

357. SHRI ANAND KUMAR, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
358. SHRI CHHAVI NATH SINGH, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
359. SHRI PREMPAL, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
360. SHRI RANJEET, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
361. SHRI SATYAVEER SINGH, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
362. SHRI SHIVAKANT MISHRA, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
363. SHRI VIRENDRA PRATAP SINGH, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
364. SHRI SURESH CHANDRA, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
365. SHRI VIJAY SINGH, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
366. SMT. JYOTI CHAUHAN, INSPECTOR, UTTARAKHAND
367. SHRI PRABODH KUMAR GHILDIYAL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTARAKHAND
368. SHRI SHIVRAJ SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTARAKHAND
369. SHRI SUBHASH CHANDRA, INSPECTOR, UTTARAKHAND
370. SHRI SAJID ALI, ADDITIONAL SUB INSPECTOR, UTTARAKHAND
371. SHRI MURLI DHAR, COMMISSIONER OF POLICE, WEST BENGAL
372. SHRI SYED WAQUAR RAZA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, WEST BENGAL
373. SHRI NIMA NORBU BHUTIA, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, WEST BENGAL
374. SHRI ABDULLAH SANA, ACP, WEST BENGAL
375. SHRI AMIT BISWAS, ACP, WEST BENGAL
376. SHRI VIDYA SAGAR CHOUBEY, DY.SP, WEST BENGAL
377. SHRI RAJESH KUMAR SINGH, INSPECTOR, WEST BENGAL
378. SHRI AMAN RAZA, INSPECTOR, WEST BENGAL
379. SHRI DIBYENDU CHATTERJEE, ACP, WEST BENGAL
380. SHRI PRADIP KHARA, ACP, WEST BENGAL
381. SHRI SUBHASH BANDYOPADHYAY, INSPECTOR, WEST BENGAL
382. SHRI MALAY SANYAL, INSPECTOR, WEST BENGAL
383. SMT. SURYAMONI CHETTRI, LADY SI, WEST BENGAL
384. SHRI AMIT HALDAR, INSPECTOR, WEST BENGAL
385. SHRI GHANTESWAR MONDAL, ASI, WEST BENGAL
386. SMT. CHANDRANI GHOSH, LADY CONSTABLE, WEST BENGAL
387. SHRI SUJIT SAMANTA, WIRELESS OPERATOR, WEST BENGAL
388. SHRI RITESH KUMAR SINGH, SI, WEST BENGAL
389. SHRI KALYAN MARJIT, ASI, WEST BENGAL
390. SHRI KANCHAN DAS, ASI, WEST BENGAL
391. SHRI NAVEEN KUMAR, DEPUTY COMMANDANT, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS
392. SHRI S RAMANI, HEAD CONSTABLE, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS
393. SHRI IBRAHIM ALI, HEAD CONSTABLE, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS
394. SHRI PUSHPENDRA KUMAR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CHANDIGARH
395. SHRI JASBIR SINGH, INSPECTOR, CHANDIGARH
396. SHRI SURINDER PAL, HEAD CONSTABLE, CHANDIGARH

397. SHRI S RAGUNATHAN, HEAD CONSTABLE, PUDUCHERRY
398. SHRI MOHD SULEMAN CHOUDHARY, INSPECTOR GENERAL, J&K
399. SHRI SUJIT KUMAR SINGH, INSPECTOR GENERAL, J&K
400. SHRI VIVEK GUPTA, INSPECTOR GENERAL, J&K
401. SHRI HIMAT SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, J&K
402. SMT. CHAMPA DEVI SHARMA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, J&K
403. SHRI KHUSHWANT SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, J&K
404. SHRI ANIL SHARMA, INSPECTOR, J&K
405. SHRI GURMEET SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, J&K
406. SHRI REYAZ AHMAD LANGOO, INSPECTOR, J&K
407. SHRI SHAM LAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, J&K
408. SHRI GOPAL SINGH, HEAD CONSTABLE, J&K
409. SHRI SARDAR SINGH, SUB INSPECTOR, J&K
410. SHRI NEERAJ KUMAR KOUL, INSPECTOR, J&K
411. SHRI MUSHTAQ AHMAD BHAT, SUB INSPECTOR, J&K
412. SHRI TAWHEED AHMED THOKER, SELECTION GRADE CONSTABLE, J&K
413. SHRI SHUBH KUMAR, SELECTION GRADE CONSTABLE, J&K
414. SHRI BALWINDER SINGH BALI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, J&K
415. SHRI RAMESH SINGH PATHANIA, SECOND IN COMMAND, ASSAM RIFLES
416. SHRI DEVRAJ, SUBEDAR, ASSAM RIFLES
417. SHRI VED PRAKASH SRIVASTAV, COMMANDANT, ASSAM RIFLES
418. SHRI DURGESWAR BORO, SUBEDAR MAJOR, ASSAM RIFLES
419. SHRI UTTAM RAJ JARYAL, DEPUTY COMMANDANT, ASSAM RIFLES
420. SHRI BHAKTA BAHADUR RAI, HAVILDAR, ASSAM RIFLES
421. SHRI SUNDARAN KA, SUBEDAR MAJOR, ASSAM RIFLES
422. SHRI RAMA SHANKAR RAM, SUBEDAR MAJOR, ASSAM RIFLES
423. SHRI NAND KISHOR RAM, SUBEDAR MAJOR, ASSAM RIFLES
424. SHRI GOPAL SINGH, NAIB SUBEDAR, ASSAM RIFLES
425. SHRI VIJAY KUMAR, WARRANT OFFICER, ASSAM RIFLES
426. SHRI DEV RAM, WARRANT OFFICER, ASSAM RIFLES
427. SHRI PRAVESH KUMAR, SECOND IN COMMAND, ASSAM RIFLES
428. SHRI ANUP LAL BHAGAT, COMMANDANT, BSF
429. SHRI KULWINDER SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BSF
430. SHRI SATISH KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BSF
431. SHRI BALRAJ SINGH, COMMANDANT, BSF
432. SHRI MAHESH KUMAR, COMMANDANT, BSF
433. SHRI AMAR BIR SINGH, COMMANDANT, BSF
434. SHRI HARVINDER SINGH BEDI, COMMANDANT, BSF
435. SHRI NARENDRA SINGH, COMMANDANT, BSF
436. SHRI RAJIVE BHARDWAJ, COMMANDANT, BSF

437. SHRI VINOD KUMAR KANDPAL, COMMANDANT, BSF
438. SHRI SURAJ SINGH, COMMANDANT, BSF
439. DR. LEENA GUPTA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (MEDICAL), BSF
440. SHRI SURENDER KUMAR, SECOND IN COMMAND, BSF
441. SHRI JASVINDER SINGH, LO GDE-I/COMMANDANT, BSF
442. SHRI ANIL KUMAR, SECOND IN COMMAND, BSF
443. SHRI OM KANT BAIRAGI, DEPUTY COMMANDANT, BSF
444. SHRI RAVINDER SINGH, DEPUTY COMMANDANT, BSF
445. SHRI DAYAL SINGH, DEPUTY COMMANDANT, BSF
446. SHRI CHANDRA PRAKASH SHARMA, DEPUTY COMMANDANT, BSF
447. SHRI RAJ DWEEP SARASWAT, ASSISTANT COMMANDANT, BSF
448. SHRI JITENDRA SHARMA, ASSISTANT COMMANDANT, BSF
449. SHRI SHIV KUMAR PATEL, ASSISTANT COMMANDANT, BSF
450. SHRI VIKRAM SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, BSF
451. SHRI KHEMRAJ MEENA, SUBEDAR MAJOR, BSF
452. SHRI MAHATAB BEHERA, SUBEDAR MAJOR, BSF
453. SHRI RAKESH KUMAR, SUBEDAR MAJOR, BSF
454. SHRI CHHAVI PRAKASH, INSPECTOR, BSF
455. SHRI SUMER SINGH, INSPECTOR, BSF
456. SHRI SHAKAM SINGH, SUB INSPECTOR, BSF
457. SHRI ARUN PRAKASH TRIPATHI, INSPECTOR, BSF
458. SHRI HET RAM, INSPECTOR, BSF
459. SHRI BINOD KUMAR TIWARI, SUB INSPECTOR, BSF
460. SHRI DURGA SINGH DHAMI, SUB INSPECTOR, BSF
461. SHRI SURESH KUMAR, SUB INSPECTOR, BSF
462. SHRI PRITHVIRAJ HAJONG, CONSTABLE, BSF
463. SHRI JOY M, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
464. SHRI ANIL KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
465. SHRI SARAT CHANDRA MAHAPATRA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
466. SHRI AMUS ORAON, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
467. SHRI SHEKHARA B C, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
468. SHRI GOPI RAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
469. SHRI GURBACHAN SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
470. SHRI RAMESH KUMAR, SUBEDAR MAJOR, BSF
471. SHRI RAJENDRA SINGH, SUB INSPECTOR, BSF
472. SHRI JAYAKUMAR ORAVAKKANDI, HEAD CONSTABLE, BSF
473. SHRI SIVADASAN K, INSPECTOR, BSF
474. SHRI DHANANJAYA NAIK C, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CISF
475. SHRI VAIBHAV KUMAR DUBEY, SENIOR COMMANDANT, CISF
476. SHRI PRATAP BHAUSAHEB PUNDE, SENIOR COMMANDANT, CISF

477. SHRI VIRENDRA MOHAN JOSHI, SENIOR COMMANDANT, CISF
478. SMT. S INDIRA, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
479. SHRI RAJ KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
480. SHRI CHANDA LAL MEENA, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
481. SHRI RATAN SINGH JODHA, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
482. SMT. N A LATA, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
483. SHRI PAULIANKAP, COMMANDANT, CISF
484. SHRI NITIN KUMAR TYAGI, COMMANDANT, CISF
485. SHRI VIKASH KUMAR, COMMANDANT, CISF
486. SHRI N BALAKRISHNAN, SUB INSPECTOR, CISF
487. SHRI CHANDER BALLAH BHATT, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
488. SHRI ANAND MOHAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
489. SHRI NAGINA RAJAK, HEAD CONSTABLE, CISF
490. SHRI B NANDA KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
491. SHRI YASAM NAGESWARA RAO, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
492. SHRI A ARUL RAJAN, INSPECTOR, CISF
493. SHRI BHUBAN DEKA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
494. SHRI YASHPAL SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
495. SHRI OM PRAKASH, SUB INSPECTOR, CISF
496. SMT. LATA MANI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
497. SHRI RAVI KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
498. SHRI RAJENDRA NARAYAN DASH, INSPECTOR GENERAL, CRPF
499. DR. HARISH SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (MEDICAL), CRPF
500. SHRI KISHORE KUMAR, COMMANDANT, CRPF
501. SHRI MAHESH KUMAR, COMMANDANT, CRPF
502. SHRI P MANOJ KUMAR, COMMANDANT, CRPF
503. SHRI RAJEEV KUMAR CHAUDHARY, COMMANDANT, CRPF
504. DR. BIJOY KUMAR BASUMATARY, CHIEF MEDICAL OFFICER (SG)/ COMMANDANT, CRPF
505. DR. MANISHA GARG, CHIEF MEDICAL OFFICER (SG)/ COMMANDANT, CRPF
506. SHRI DIPAK KUMAR, COMMANDANT, CRPF
507. SHRI BHAVESH CHOUDHARY, COMMANDANT, CRPF
508. SHRI DEEPAK BHATI, COMMANDANT, CRPF
509. SHRI AMIT CHOUDHARY, COMMANDANT, CRPF
510. SMT. RETNA NAIR, ASSISTANT COMMANDANT, CRPF
511. SHRI AJAY KUMAR, COMMANDANT, CRPF
512. SHRI ANIL KUMAR SINGH, SECOND IN COMMAND, CRPF
513. SHRI HAJARI LAL, SECOND IN COMMAND, CRPF
514. SHRI PRAGYESH KUMAR ATAL, DEPUTY COMMANDANT, CRPF
515. SHRI HAJARI LAL, COMMANDANT, CRPF
516. SHRI VINESH KUMAR, DEPUTY COMMANDANT, CRPF

517. SHRI ANIL KUMAR SINGH, COMMANDANT, CRPF
518. SHRI PARKASH SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, CRPF
519. SHRI NARAYANAN S S, ASSISTANT COMMANDANT, CRPF
520. SHRI V SHIVA RAMA KRISHNA, COMMANDANT, CRPF
521. SHRI BHOOP SINGH, INSPECTOR, CRPF
522. SHRI MADHU SUDAN ROY, INSPECTOR, CRPF
523. SHRI BANDHIYA BABU, INSPECTOR, CRPF
524. SHRI ASHOK, SUB INSPECTOR, CRPF
525. SHRI RAJBIR SINGH BARWAR, INSPECTOR, CRPF
526. SHRI BACHHU SINGH, INSPECTOR, CRPF
527. SHRI NARAYANAN M V, ASSISTANT COMMANDANT, CRPF
528. SHRI OM PRAKASH, INSPECTOR, CRPF
529. SHRI DANIEL SHAJI, SUB INSPECTOR, CRPF
530. SHRI TARSEM LAL, SUB INSPECTOR, CRPF
531. SHRI ANAND KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT, CRPF
532. SHRI AWADHESH KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR, CRPF
533. SHRI GURMAIL SINGH, SUB INSPECTOR, CRPF
534. SHRI CHAMAN LAL, SUB INSPECTOR, CRPF
535. SHRI VINOD SINGH, SUB INSPECTOR, CRPF
536. SHRI GUPTESHWAR PRASAD SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CRPF
537. SMT. KUMARI MADHU, SUB INSPECTOR, CRPF
538. SHRI MAHABIR SINGH OLA, HEAD CONSTABLE, CRPF
539. SHRI ANIL KUMAR SAKLANI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CRPF
540. SHRI HAWA SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CRPF
541. SHRI KRISHAN KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CRPF
542. SHRI SATISH, DEPUTY COMMANDANT, CRPF
543. SHRI NAWAL KISHOR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CRPF
544. SHRI RAVAL SHASHINKUMAR HIRALAL, CONSTABLE, CRPF
545. SHRI SANEESH KUMAR, INSPECTOR, CRPF
546. SHRI MHETRE AMOGSIDDHA BHIMRAO, HEAD CONSTABLE, CRPF
547. SHRI DILIP SINGH, INSPECTOR, CRPF
548. SHRI PRAVEEN KUMAR SINGH, INSPECTOR, CRPF
549. SHRI DHUMAL KIRAN VILASRAO, HEAD CONSTABLE, CRPF
550. SHRI KHOIROM PRASANTA MEETEI, INSPECTOR, CRPF
551. SHRI LAXMAN SINGH, INSPECTOR, CRPF
552. SHRI JASWANT RAI, SUB INSPECTOR, CRPF
553. SHRI MAJER SINGH, HEAD CONSTABLE, CRPF
554. SHRI SURAJ KUMAR, HEAD CONSTABLE, CRPF
555. SHRI VIJAY DESWAL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, ITBP
556. SHRI TASHI NAMGYAL, COMMANDANT, ITBP

-
557. SHRI SUBHASH CHANDRA YADAV, COMMANDANT, ITBP
 558. SHRI DEONATH RAY, COMMANDANT, ITBP
 559. SHRI DWARIKA PRASAD DHOUNDIYAL, ASSISTANT COMMANDANT, ITBP
 560. SHRI KAILASH CHANDRA DHOUNDIYAL, ASSISTANT COMMANDANT, ITBP
 561. SHRI CHHERING DORJE, INSPECTOR, ITBP
 562. SHRI RAJENDRA VIKRAM SEN, INSPECTOR, ITBP
 563. SHRI RAM KUMAR, SUB INSPECTOR, ITBP
 564. SHRI VIJAY KUMAR, SUB INSPECTOR, ITBP
 565. SHRI PRASANNAN P S, ASSISTANT SUB INSPECTOR, ITBP
 566. SHRI JOGINDER KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT, ITBP
 567. SHRI ABHISHEK KUMAR, SECOND IN COMMAND, NSG
 568. SHRI SHALENDRA BANDHU GUPTA, ASSISTANT COMMANDER-I, NSG
 569. SHRI GEORGE KURIAN, ASSISTANT COMMANDER-I, NSG
 570. SHRI JASVEER SINGH, ASSISTANT COMMANDER-I, NSG
 571. SHRI KANGAT RANJIT, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SSB
 572. SHRI HARI PRAKASH, COMMANDANT, SSB
 573. DR. HRISHIKES SEN, COMMANDANT (MEDICAL), SSB
 574. SHRI PRIYAVRAT SHARMA, COMMANDANT, SSB
 575. SHRI PHILEM BASANTA SINGH, DEPUTY COMMANDANT, SSB
 576. SHRI LALIT KUMAR, DEPUTY COMMANDANT, SSB
 577. SHRI DESH RAJ, ASSISTANT COMMANDANT, SSB
 578. SHRI SAQUINDER KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT, SSB
 579. SHRI MINGMA DHONDUP TAMANG, SECOND IN COMMAND, SSB
 580. SMT. RUMPA GARAIN, INSPECTOR, SSB
 581. DR. LIKMABAM KUMARJIT SINGH, COMMANDANT, SSB
 582. MS. AMRITA DASH, JOINT DIRECTOR, MHA
 583. MS. RUCHIKA JAIN, JOINT DIRECTOR, MHA
 584. MS. UMA, DEPUTY DIRECTOR, MHA
 585. MS. VEENA BHARTI, JOINT DIRECTOR, MHA
 586. SHRI S XAVIER DHANARAJ, JOINT DIRECTOR, MHA
 587. MS. DEEPIKA TIWARI, JOINT DIRECTOR, MHA
 588. SHRI NITIN TIWARI, JOINT DIRECTOR, MHA
 589. SHRI DIVYA MISHRA, JOINT DIRECTOR, MHA
 590. SHRI SUNIL KUMAR, JOINT DIRECTOR, MHA
 591. SHRI PRAMOD KUMAR SINGH, SECTION OFFICER, MHA
 592. MS. K JAYALAKSHMY, ASSISTANT DIRECTOR (STAFF OFFICER), MHA
 593. SHRI GIRDHARI LAL SEHTA, ASSISTANT DIRECTOR / EXECUTIVE, MHA
 594. MS. MITHU CHAKRABORTY, ASSISTANT DIRECTOR/ EXECUTIVE, MHA
 595. MS. LEKSHMI R PILLAI, ASSISTANT DIRECTOR/ EXECUTIVE, MHA
 596. SHRI GURUARIBAM SANDEEP SHARMA, ASSISTANT DIRECTOR/ EXECUTIVE, MHA

597. SHRI SHAILENDER RAO, ASSISTANT DIRECTOR/ EXECUTIVE, MHA
598. SHRI MANISH KUMAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/TECHNICAL, MHA
599. SHRI JAYANT LAXMANRAO DARVE, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/ EXECUTIVE, MHA
600. SHRI SACHIN DASHARATH RUKE, ASSISTANT DIRECTOR/ EXECUTIVE, MHA
601. MS. V PADMAVATHI, PRIVATE SECRETARY, MHA
602. SHRI AMAL CHANDRA BISWAS, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/ EXECUTIVE, MHA
603. SHRI GURMAT DORJEY, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/ EXECUTIVE, MHA
604. SHRI ISHEY NAMGAIL, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/ EXECUTIVE, MHA
605. SHRI KAMALESH DEBBARMA, JUNIOR INTELLIGENCE OFFICER-I/ EXECUTIVE, MHA
606. SHRI AMRIT BHAT, JUNIOR INTELLIGENCE OFFICER-I/ EXECUTIVE, MHA
607. SHRI DEEPAK SOBTI, ASSISTANT SECTION OFFICER, MHA
608. SHRI SADANAND SHANKARRAO DATE, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CBI
609. SHRI VENKATA SUBBA REDDY CHINNAKONDU, JOINT DIRECTOR, CBI
610. SHRI MANMOHAN SHARMA, DEPUTY LEGAL ADVISOR, CBI
611. SHRI BAIDYANATH SAMAL, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
612. SMT. RUBI CHOUDHARY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
613. SHRI MANISH KUMAR UPADHYAY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
614. SHRI ANMOL SACHAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
615. SMT. DEEPTI VASHISTA, PROGRAMMER, CBI
616. SMT. NISHU KUSHWAHA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
617. SHRI KAILASH SAHU, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
618. SHRI ARIJIT SINHA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
619. SHRI NETRAM CHOURASIYA, HEAD CONSTABLE, CBI
620. SHRI PURAN MAL GUJAR, HEAD CONSTABLE, CBI
621. SHRI BHOLA RAI, HEAD CONSTABLE, CBI
622. SHRI BABU VARGHESE, HEAD CONSTABLE, CBI
623. SHRI VINOD KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CBI
624. SHRI SHARAD SURESH BHAWAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
625. SHRI DHARMENDER, INSPECTOR OF POLICE, CBI
626. SHRI SANJEEV KUMAR, CONSTABLE, CBI
627. SHRI WAIKHOM RAJESH SINGH, CONSTABLE, CBI
628. SHRI VIKRAM SINGH, HEAD CONSTABLE, CBI
629. SHRI THAHIR ABBAS P, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
630. SHRI RUPENDRA KUMAR, CONSTABLE, CBI
631. SMT. NARIKOTE NANDINI, OFFICE SUPERINTENDENT, CBI
632. SHRI DHARMENDRA KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
633. SHRI RAJESH KUMAR, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, SPG
634. SHRI THAKUR DIWAKAR SINGH, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, SPG
635. SHRI O BALA MURUGAN, SECURITY OFFICER-II, SPG

636. DR. AMANDEEP SINGH KAPOOR, DIRECTOR, BPR&D
637. MS. ROOPA M, INSPECTOR GENERAL, I4C
638. MS. PRATIBHA AMBEDKAR, JOINT DIRECTOR GENERAL, M/O CIVIL AVIATION
639. SHRI NEERAJ KUMAR GUPTA, DEPUTY DIRECTOR GENERAL, NCB
640. SHRI GYANENDRA KUMAR SINGH, DEPUTY DIRECTOR, NCB
641. SHRI RAM CHANDRA GUJAR, DEPUTY SUPERINTENDENT, NCRB
642. SHRI GYANESHWAR SINGH, COMMANDANT, NDRF
643. SHRI PRABHAT KUMAR YADAV, INSPECTOR, NDRF
644. SHRI V MOHAN, HEAD CONSTABLE, NDRF
645. SMT. GEHABATI CHANAMBAM, DEPUTY DIRECTOR, NEPA
646. SHRI AMRENDRA TIWARI, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, NIA
647. SHRI JITENDRA KUMAR OJHA, SUB INSPECTOR, NIA
648. SHRI AJITH KUMAR N S, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NIA
649. SHRI ANJANI NANDAN TIWARI, SUB INSPECTOR, SVPNPA
650. SHRI KALYAN DEORI, ASSISTANT COMMANDANT, RPF
651. SHRI UTTAM KUMAR BANDYOPADHYAY, ASSISTANT SECURITY COMMISSIONER, RPF
652. SHRI MUKESH KUMAR SOAM, INSPECTOR, RPF
653. SHRI BALWAN SINGH, INSPECTOR, RPF
654. SHRI PRAKASH CHARAN DAS, INSPECTOR, RPF
655. SHRI ANWAR HUSAIN, SUB INSPECTOR, RPF
656. SHRI PRAFUL CHANDRA PANDA, INSPECTOR, RPF
657. SHRI PAPPALA SRINIVASA RAO, SUB INSPECTOR, RPF
658. SHRI DIKKALA VENKATA MURALI KRISHNA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF
659. SHRI KARNATI MAHESWARA REDDY, HEAD CONSTABLE, RPF
660. SHRI SRINIVAS RAVULA, SUB INSPECTOR, RPF
661. SHRI SHIV LAHARI MEENA, SUB INSPECTOR, RPF
662. SHRI SANJEEV KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF
663. SHRI C ILAYA BHARATHI, HEAD CONSTABLE, RPF
664. SHRI MOHD RAFIQUE, CONSTABLE, RPF

FIRE SERVICE

665. SHRI BHUBAN CHANDRA MALI, SUB OFFICER, ASSAM
666. SHRI NANDESWAR DAS, LEADING FIREMAN, ASSAM
667. SHRI GURUSWAMY, ASSISTANT FIRE STATION OFFICER, KARNATAKA
668. SHRI ARUN C NAIK, LEADING FIREMAN, KARNATAKA
669. SHRI JOGY A S, DISTRICT FIRE OFFICER, KERALA
670. SHRI K A JAPHARKHAN, SENIOR FIRE AND RESCUE OFFICER, KERALA
671. SHRI VENUGOPAL V N, SENIOR FIRE AND RESCUE OFFICER, KERALA
672. SHRI HARISHCHANDRA VASANT GIRKAR, DY. CHIEF FIRE OFFICER, MAHARASHTRA
673. SHRI DAMODAR VANGAD, FIRE OFFICER, MAHARASHTRA
674. SHRI KANCHAN BANDU PATIL, DRIVER OPERATOR, MAHARASHTRA

675. SHRI KASHINATH RAJNATH MISHRA, LEADING FIREMAN, MAHARASHTRA
676. SHRI RANJITKUMAR SINGH CHIROM, SUB OFFICER, MANIPUR
677. SHRI NARENDREA KUMAR PING, ASSISTANT STATION OFFICER, ODISHA
678. SHRI ALEKHA CHANDRA ROUT, FIRE FIGHTER, ODISHA
679. SHRI LAXMAN MAJHI, LEADING FIRE FIGHTER, ODISHA
680. SHRI DAWA TAMANG, ASFO, SIKKIM
681. SHRI ANDAVARAJ ARUMUGAM, STATION OFFICER, TAMIL NADU
682. SHRI SURESHKUMAR PONNUSAMY, STATION OFFICER, TAMIL NADU
683. SHRI ELANGO VAN RAMAYAH, LEADING FIREMAN, TAMIL NADU
684. SHRI SINGH GHAVERI RAJENDER, LEADING FIRE FIGHTER, TELANGANA
685. SHRI HANUMANTHA RAO GOUTI, LEADING FIRE FIGHTER, TELANGANA
686. SHRI RAVINDAR KOLAPURI, LEADING FIRE FIGHTER, TELANGANA
687. SHRI NASIRUDDIN KHAN, FSSO, UTTAR PRADESH
688. SHRI ARUN KUMAR SINGH, CHIEF FIRE OFFICER, UTTAR PRADESH
689. SHRI GULAB PRASAD, LEADING FIREMAN, UTTAR PRADESH
690. SHRI LALLAN RAM, LEADING FIREMAN, UTTAR PRADESH
691. SHRI MUKESH KUMAR POKHARIYAL, LEADING FIREMAN, UTTARAKHAND
692. SHRI GIRISH CHANDRA LOHANI, LEADING FIREMAN, UTTARAKHAND
693. SHRI AMAR KUMAR ROY, SUB INSPECTOR, ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS
694. SHRI ROOPAM BHAGWAN THAKARE, GENERAL MANAGER, P & NG
695. SHRI KALI PRASAD MOHANTY, GENERAL MANAGER, P & NG
696. SHRI ALPESHKUMAR ISHWARLAL MISTRY, FIRE OFFICER, P & NG
697. SHRI P BALAKRISHNA, DEPUTY COMMANDANT/FIRE, CISF
698. SHRI ABHAY KUMAR SINGH, ASSISTANT COMMANDANT/FIRE, CISF
HOME GUARD & CIVIL DEFENCE
699. SHRI JALESWAR DEKA, DEPUTY CONTROLLER, ASSAM
700. SHRI CHAKRADHAR BARMAN, PLATOON COMMANDER, ASSAM
701. SHRI UTTAM KUMAR SAHU, NAIK, CHHATTISGARH
702. SHRI JAGESHWAR KUMAR DHIWAR, SAINIK, CHHATTISGARH
703. MS. KRISHNA DILIPBHAI PATEL, SENIOR DIVISIONAL COMMANDER, GUJARAT
704. SHRI GANESH TUKARAM PATIL, SENIOR PLATOON COMMANDER, GUJARAT
705. SHRI VIJAYKUMAR SHANABHAI PATEL, DEPUTY CHIEF WARDEN, GUJARAT
706. SHRI SUNAND SAMPATH, OFFICER COMMANDING, KARNATAKA
707. SHRI BALAJI SRINIVASAN, OFFICER COMMANDING, KARNATAKA
708. SHRI MALALIGOWDA, PLATOON COMMANDER, KARNATAKA
709. SHRI VADIRAJ N. DESHPANDE, PLATOON COMMANDER, KARNATAKA
710. SHRI NARENDRA AWASTHI, NAIK NO.35 (VOLUNTEER), MADHYA PRADESH
711. SHRI GANGADHAR VAKHAJI VURKUD, PLATOON COMMANDER, MAHARASHTRA
712. SHRI RAJENDRA MADHUKRRAO BANSOD, PLATOON COMMANDER, MAHARASHTRA
713. SHRI NAGESHWARRAO ALKONDIA PODDALI, PLATOON COMMANDER, MAHARASHTRA

714. MS. RONITA BADAJENA, CIVIL DEFENCE VOLUNTEER, ODISHA
715. SHRI PRABHAT KUMAR SAHU, HOME GUARD, ODISHA
716. SHRI SHARANDEEP SINGH GREWAL, DISTRICT COMMANDER, PUNJAB
717. SHRI NARANA RAM, PLATOON COMMANDER, RAJASTHAN
718. SHRI RAMKISHOR, PLATOON COMMANDER, RAJASTHAN
719. SHRI T ANANTH, AREA COMMANDER, TAMIL NADU
720. SHRI R NATARAJAN, COMPANY COMMANDER, TAMIL NADU
721. SHRI MASARAM RAVI, HOME GUARD, TELANGANA
722. SHRI PITTAKALA JANGAIAH, HOME GUARD, TELANGANA
723. SMT. BURRANOLLA RENUKA, WOMEN HOME GUARD, TELANGANA
724. SHRI ASHUTOSH DWIVEDI, RECCE OFFICER, UTTAR PRADESH
725. SMT. MUNAWAR SULTANA, DEPUTY DIVISIONAL WARDEN, UTTAR PRADESH
726. MRS. MEENA SHARMA, SECTOR WARDEN, UTTARAKHAND
727. SHRI RAVINDRA MOHAN KALA, DEPUTY DIVISIONAL WARDEN, UTTARAKHAND
728. SHRI SANJEEV KOHLI, SENIOR CIVIL DEFENCE INSTRUCTOR, CHANDIGARH
729. SHRI LAXMI NARSIMHA SWAMY KONDA, DY. CONTROLLER OF CIVIL DEFENCE, MINISTRY OF RAILWAYS
730. SHRI ASIT BANERJEE, CIVIL DEFENCE INSPECTOR, MINISTRY OF RAILWAYS
731. SHRI SANTOSH KUMAR, CIVIL DEFENCE INSPECTOR, MINISTRY OF RAILWAYS
CORRECTIONAL SERVICE
732. SHRI RAVI BABU GOLLAPOTHU, JAILOR, ANDHRA PRADESH
733. SHRI VENKATA KRISHNA PRASAD DONEPUDI, CHIEF HEAD WARDER, ANDHRA PRADESH
734. SHRI ANANDA RAO GERA, HEAD WARDER, ANDHRA PRADESH
735. SHRI SEWA SINGH, SUPERINTENDENT JAIL, HARYANA
736. SMT. POONAM, SUB ASSISTANT SUPERINTENDENT JAIL, HARYANA
737. SHRI PARAMESH H A, ASSISTANT SUPERINTENDENT, KARNATAKA
738. SHRI RAMACHANDRAN T V, DEPUTY SUPERINTENDENT, KERALA
739. SHRI MOHAMMED HUSSAIN S, ASSISTANT SUPERINTENDENT GRADE I, KERALA
740. SHRI SATHIS BABU K, ASSISTANT SUPERINTENDENT GRADE I, KERALA
741. SHRI RAJESH KUMAR A, ASSISTANT SUPERINTENDENT GRADE I, KERALA
742. SHRI ASHOK SHIVRAM KARKAR, SUPERINTENDENT, MAHARASHTRA
743. SHRI GOVIND KESHAV RATHOD, ADDITIONAL SUPERINTENDENT, MAHARASHTRA
744. SHRI RAJENDRA BHAUSAHEB DHANGAR, HAVILDAR, MAHARASHTRA
745. SHRI SUNIL BHAUSO LANDE, HAVILDAR, MAHARASHTRA
746. SHRI PRALHAD MAHIPATI SHINDE, HAVILDAR, MAHARASHTRA
747. SHRI MANDARDHAR PRADHAN, CHIEF WARDER, ODISHA
748. SHRI D PON BAGAVATH SINGH, ASSISTANT JAILER, TAMIL NADU
749. SHRI B CHELLADURAI, ASSISTANT JAILER, TAMIL NADU
750. SMT. R SIVAKAMI, ASSISTANT JAILER, TAMIL NADU
751. SHRI SUDHAKAR REDDY MULAGUNDLA, DEPUTY JAILOR, TELANGANA

752. SHRI ASHOK KUMAR KURIMINDLA, ASSISTANT DEPUTY JAILOR, TELANGANA
753. SHRI BEERBAL YADAV, HEAD WARDER, UTTARAKHAND
754. SHRI DEEP KUMAR, HEAD WARDER, CHANDIGARH
755. SHRI ZAKER IQBAL, SG WARDER, JAMMU & KASHMIR
756. SHRI MUSHTAQ AHMAD WANI, WARDER, JAMMU & KASHMIR

2. The Medal for Meritorious Service (MSM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 87-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023.

S M SAMI
Deputy Secretary

LOK SABHA SECRETARIAT
(ESTIMATES COMMITTEE BRANCH)

New Delhi, the 30th April 2026

Members of the Committee on Estimates (2026-27)

No. 4/1/EC/2026-27—The following Members of Lok Sabha have been elected to serve as Members of the Committee on Estimates w.e.f. 1st May, 2026 for the term ending on 30th April, 2027:—

1. Shri Brijmohan Agrawal
2. Shri M. Mallesh Babu
3. Shri Pradan Baruah
4. Shri Charanjit Singh Channi
5. Shri P. P. Chaudhary
6. Shri Chandan Chauhan
7. Shri Devusinh Chauhan
8. Ms. Iqra Choudhary
9. Smt. Sangeeta Kumari Singh Deo
10. Shri Anil Yeshwant Desai
11. Shri Sudheer Gupta
12. Shri Deepender Singh Hooda
13. Shri Manish Jaiswal
14. Dr. Sanjay Jaiswal
15. Shri Naveen Jindal
16. Shri Jugal Kishore
17. Thiru Dayanidhi Maran
18. Shri P. C. Mohan
19. Smt. Pratima Mondal
20. Shri B. K. Parthasarathi
21. Shri Awadhesh Prasad
22. Shri M. K. Raghavan
23. Shri Bishnu Pada Ray
24. Shri Y. S. Avinash Reddy
25. Shri Rajiv Pratap Rudy
26. Kumari Selja

27. Dr. Bhola Singh
28. Shri Manoj Tiwari
29. Shri Ve Vaithilingam
30. Shri Surendra Prasad Yadav

The Speaker has appointed Dr. Sanjay Jaiswal, MP as the Chairperson of the Committee on Estimates (2026-27).

JUBY AMAR
Joint Secretary

New Delhi-110001, the 30th April 2026

No. 4/1/2026/PAC—The following Members of Lok Sabha and Rajya Sabha have been elected to serve as Members of the Public Accounts Committee for the term beginning on 01 May, 2026 and ending on 30 April, 2027:—

LOK SABHA

1. Shri T. R. Baalu
2. Shri Kalyan Banerjee
3. Dr. Nishikant Dubey
4. Shri Jagdambika Pal
5. Shri Jai Parkash
6. Shri Ravi Shankar Prasad
7. Dr. C. M. Ramesh
8. Shri Magunta Sreenivasulu Reddy
9. Smt. Aparajita Sarangi
10. Dr. Amar Singh
11. Shri Tejasvi Surya
12. Shri Anurag Singh Thakur
13. Shri Balashowry Vallabhaneni
14. Shri K. C. Venugopal
15. Shri Dharmendra Yadav

RAJYA SABHA

16. Shri Ashokrao Shankarrao Chavan
17. Dr. K. Laxman
19. Shri Praful Patel
20. Shri Sukhendu Sekhar Ray
21. Shri Akhilesh Prasad Singh
21. Dr. Sudhanshu Trivedi
22. Vacant

2. The Speaker has been pleased to appoint Shri K C Venugopal as the Chairperson of the Committee.

DR. FAIZ AHMAD
Deputy Secretary